॥ श्रीहरिः ॥

युग-कल्याण

(प्रकाशन-परिचय-विशेषाङ्क)

गीताप्रेस, गोरखपुर का मुख्यद्वार

अङ्क-३ ज्येष्ठ-आषाढ़, २०६२ (जून, २००५) वर्ष-९

गीताप्रेस, गोरखपुर

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
१- अमृत-कण	१
२- मानवताका उच्चतम आदर्श	२
३- हिन्दी-बालपोथी	३
४- भक्तिके सहायक धर्मग्रन्थ एवं कर्म	४
५- जुलाईके मुख्य व्रत-पर्वादि	५
६- गीताप्रेस संक्षिप्त परिचय	६
७- गीताप्रेस-प्रकाशन	१०
८- प्रकाशनोंका विवरण	३१
९- निरस्त कोड नं० एवं उनकी स्थिति	१५४
१०- वातावरणका प्रभाव (कहानी)	१५८
११- नवीन प्रकाशन—छपकर तैयार	१६०
१२- गत मासके नवीन प्रकाशन	क.पृ.३

कर्मकाण्डपर आधारित प्रकाशित कुछ महत्त्वपूर्ण पुस्तकें

अन्त्यकर्म-श्राद्धप्रकाश (कोड 1593) मूल्य रु० ७५
नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश (कोड 592) मूल्य रु० ३५
गरुडपुराण-सारोद्धार (सानुवाद) (कोड 1416) मूल्य रु० २०

श्रीरामचरितमानसकी दो विस्तृत टीकाएँ

मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका-हिन्दी-टीका
कोड नं० 1376 (सात खण्डोंमें) मूल्य रु० ७६०
लेखक-प० प० दण्डी स्वामी श्रीप्रज्ञानानन्दजी सरस्वती
(अब सभी खण्ड उपलब्ध)

मानस-पीयूष-हिन्दी-टीका
कोड नं० 86 (सात खण्डोंमें) मूल्य रु० १०५०
सम्पादक-अञ्जनीनन्दनशरण
(अलग-अलग खण्ड भी उपलब्ध)

सम्पूर्ण महाभारत

हिन्दी-टीकासहित, सजिल्द, सचित्र
कोड नं० 728 (छ: खण्डोंमें) मूल्य रु० १२००
(अलग-अलग खण्ड भी उपलब्ध)
महाभारत-खिलभाग हरिवंशपुराण-सटीक
(कोड नं० 38) मूल्य रु० १८०
1589 हरिवंशपुराण—केवल हिन्दी
(मोटा टाइप) मूल्य रु० १५०

संक्षिप्त महाभारत

केवल भाषा, सचित्र, सजिल्द
कोड नं० 39, 511 (दो खण्डोंमें) मूल्य रु० २२०

श्रीमद्भागवत महापुराण

26, 27 मूल श्लोक हिन्दी-व्याख्यासहित दो खण्डोंमें सेट रु० २२०
29 केवल संस्कृतमें मोटा टाइप रु० ९०

महत्त्वपूर्ण नवीन प्रकाशन

1592 आरोग्य-अङ्क (संवर्धित संस्करण) रु० १२०
1593 अन्त्यकर्म-श्राद्धप्रकाश ,, ७५
1584 गीता-रोमन, पॉकेट साइज ,, १०
1591 आरती-संग्रह, मोटा टाइप ,, १०
1551 संतजगन्नाथदासकृत भागवत (ओड़िआ) ,, १४०
1552, 1553 श्रीमद्भागवत-सटीक, गुजराती दो खण्डोंमें सेट ,, २४०
1599 श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम् ,, ५
(नामावलीसहित)
1600 श्रीगणेशसहस्रनामस्तोत्रम् ,, ५
(नामावलीसहित)
1601 श्रीहनुमत्सहस्रनामस्तोत्रम् ,, ५
(नामावलीसहित)

अमृत-कण

१- यह जिन्दगी हँसते-खेलते हुए जीनेके लिये है। चिन्ता, भय, शोक, क्रोध निराशा, ईर्ष्या, तृष्णा और वासनामें बिलखते रहना मूर्खता है।

२- जिस मनुष्यके हृदयमें संतोष है, उसके लिये सर्वत्र धन, सम्पत्ति भरी हुई है, जिसके पैरमें जूते हैं, उसके लिये सारी पृथ्वी चमड़ेसे ढकी हुई है।

३- जो मनुष्य मनसा-वाचा, कर्मणा किसी भी जीवके साथ न तो द्रोह करता है और न किसीसे राग ही करता है उसे ब्रह्मकी प्राप्ति हो जाती है।

४- शिष्टता हमारी प्रथम आवश्यकता है। कर्म, वाणी, व्यवहार और सामाजिक जीवनमें दूसरोंकी सुख-सुविधाका ध्यान रखना हमारी शिष्टताकी कसौटी है। शिष्टाचार ही सामाजिक जीवनमें सफलताकी कुंजी है।

५- परस्पर प्रेम, सद्भाव, नेह, नाता और उत्तम सम्बन्धोंका मूल सद्व्यवहार है। मनुष्य जैसा व्यवहार करता है, वैसी ही उन्नति करता है और दूसरोंसे भी वैसा ही उपहार पाता है।

६- सूर्योदयके समयको सोकर व्यर्थ बरबाद करनेवालेको लक्ष्मी, विद्या, बुद्धि सब छोड़ जाते हैं। वह व्यक्ति एक-न-एक दिन अवश्य दरिद्र हो जाता है।

७- सच्चे और सभ्य पुरुषका जीवन एक खुली पुस्तक है। जिसकी प्रत्येक पंक्ति पढ़ी और समझी जा सकती है। संसारकी हजार आलोचनाएँ भी अपने सद्विचारोंपर दृढ़ रहनेवाले मनुष्यका कुछ नहीं बिगाड़ सकती हैं।

८- विचार एक शक्ति है, जिससे मानवके आस-पासका वातावरण निरन्तर निर्मित होता रहता है। जो व्यक्ति अच्छे विचारोंमें निमग्न रहते हैं, उनके इर्द-गिर्द अच्छाईका वातावरण रहता है। अतः क्रोध, लोभ, घृणा, द्वेष, ईर्ष्या, मत्सर आदि दुर्भावनाओंका त्याग कर शुद्ध विचारोंके साथ रहनेका प्रयास करें।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक—**बैजनाथ अग्रवाल**

(गोबिन्दभवन-कार्यालय के लिये, गीताप्रेस, गोरखपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित)

मूल्य ५ रुपये, वार्षिक मूल्य २५ रुपये, पञ्चवर्षीय मूल्य १२५ रुपये।

website : **www.gitapress.org** | e-mail : **booksales@gitapress.org**

मानवताका उच्चतम आदर्श

ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दका

स्वार्थमूलक प्रवृत्ति तो प्राणिमात्रमें समान है। मनुष्यकी यही विशेषता है कि वह धर्म कर सकता है। उसके कर्म यज्ञार्थ हो सकते हैं। स्वयं किसीसे सेवा या स्वार्थसाधन न कराकर सदा दूसरोंकी सेवा, सहायता और परोपकार करना यज्ञ है। सबमें भगवद्दृष्टि रखकर सबकी सेवाको भगवान्‌की सेवा मानकर सदा परहितमें संलग्न रहना ही मानवताका उच्चतम आदर्श है। ऐसे व्यवहारसे मानव देव बनता है। नर नारायणका सखा बन जाता है, नारायणस्वरूप हो जाता है। इसके प्रतिकूल स्वार्थमूलक आसुरी वृत्तियोंका प्रश्रय ग्रहण करनेवाला मानव दानव हो जाता है, मानवतासे बहुत नीचे गिर जाता है।

जो विश्वनियन्ता परमेश्वरके लिये उपयोगी हो, उसके बनाये हुए विश्वके संरक्षणमें जिसका उपयोग हो सके वही वस्तुत: उपयोगी है और वही सच्चा उपयोगितावाद है। इसमें स्वार्थ हेय है और परार्थ और परमार्थ ध्येय। अतएव हमारे यहाँ व्यक्ति अथवा मनुष्यकी इच्छाको प्रधानता न देकर कर्तव्य अकर्तव्यके निर्णयमें शास्त्र प्रमाण माना गया है। भारतीय दृष्टिकोण दूसरा है। यहाँ यह नहीं सोचा जाता कि दूसरे जीव हमारे लिये कितने उपयोगी हैं, अपितु यह सोचा जाता है कि दूसरे लोगों या जीवोंके लिये हम कितने उपयोगी हो सकते हैं। इसीलिये भारतके सम्राट् महाराज दिलीपने एक गायकी प्राणरक्षाके लिये अपने शरीरको निर्जीव मांसपिण्डकी भाँति सिंहको समर्पित कर दिया था। गीतामें स्वयं भगवान्‌का कथन है—**'तस्माच्छास्त्रं प्रमाणं ते कार्याकार्यव्यवस्थितौ'** (१६। २४)। शास्त्रके अनुरूप व्यवहार करनेसे हम स्वार्थमयी प्रवृत्तियोंसे ऊँचे उठकर देवत्वमें प्रतिष्ठित हो जाते हैं। अत: शास्त्रके आज्ञाके पालनसे न केवल मनुष्यका अपितु सम्पूर्ण जीव-समुदायका, समस्त जड़-चेतनमय जगत्‌का कल्याण हो सकता है। इसीमें मानवताका उच्चतम आदर्श सन्निहित और सुरक्षित है। इसलिये अपना कल्याण चाहनेवाले मनुष्यको शास्त्रीय आदेशोंके पालनमें दत्तचित्त रहना चाहिये।

हिन्दी-बालपोथी पर्याप्त संख्यामें उपलब्ध

जुलाईसे शिक्षणका नया सत्र प्रारम्भ होनेवाला है। पुस्तक-विक्रेताओंसे हमारा नम्र निवेदन है कि नया सत्र प्रारम्भ होनेसे पहले अपने स्टॉकमें पर्याप्त पुस्तकें मँगाकर अपने यहाँके प्राइवेट (नर्सरी) व प्राइमरी स्कूलोंके लिये इन पुस्तकोंका प्रचार करनेका समुचित प्रयत्न करें।

कोड नं०	पुस्तकका नाम	मूल्य रु०
1316	बालपोथी (शिशु) रंगीन	१०
125	बालपोथी (शिशुपाठ) रंगीन भाग-१	४
461	बालपोथी भाग-१	३
212	बालपोथी भाग-२	३
684	बालपोथी भाग-३	३
764	बालपोथी भाग-४	७
765	बालपोथी भाग-५	७

अब भी उपलब्ध—'कल्याण-चित्रावली' (दो भागमें)

कल्याण-चित्रावली [भाग-१] (कोड नं० 437) 'कल्याण'-अङ्कोंमें पूर्व प्रकाशित भगवान् श्रीकृष्णका उद्धवजीको उपदेश, श्रीराधाजी, भगवान् नृसिंह, सती अनसूयाकी संकल्पसिद्धि, श्रीराम-लक्ष्मणके द्वारा गुरुसेवा आदि १२ भावपूर्ण चित्रोंका संग्रह, आकर्षक आवरणसहित, मूल्य रु० ८ मात्र।

कल्याण-चित्रावली [भाग-२] (कोड नं० 1320) 'कल्याण'-अङ्कोंमें पूर्व प्रकाशित गरुड-वाहनपर भगवान् विष्णु, काशी-मरण-मुक्ति, उद्धारकर्ता भगवान् योगेश्वर, श्रीकनकभवनविहारीजी, कौसल्याकी गोदमें श्रीराम आदि २० अति सुन्दर चित्रोंका संग्रह, आकर्षक आवरणसहित। मूल्य रु० ८ मात्र।

भक्तिके सहायक धर्मग्रन्थ एवं कर्म

नित्यलीलालीन भाईजी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दार

भगवान्‌की भक्ति चाहनेवालोंको बार-बार ऐसे ग्रन्थोंको अवश्य देखना चाहिये जिनमें भगवान्‌की भक्तिका निरूपण हो, भक्तिका माहात्म्य हो, भक्तिके साधन बतलाये गये हों, भगवान्‌के प्यारे भक्तोंके पुण्यचरित्र हों और भक्तिके वशमें रहनेवाले भगवान्‌के प्रभाव, रहस्य, तथा गुणोंका वर्णन हो। ऐसे भक्तिशास्त्रोंके अध्ययनसे महात्मा सन्तोंकी वाणियोंके श्रवण और पठनसे भगवान्‌के प्रति प्रेमाभक्तिका उदय होता है। भक्ति चाहनेवाले भक्तोंको ऐसी पुस्तकें कभी नहीं पढ़नी चाहिये जिनमें भगवान् और उनकी भक्तिका खण्डन हो तथा जिनमें लौकिक विषयोंकी महत्ताका वर्णन हो। इसके अलावा राग, द्वेष, काम-क्रोध और वैर-विरोध उत्पन्न करनेवाला साहित्य तो छूना भी नहीं चाहिये। इसीलिये कहा गया है—

यस्मिन् शास्त्रे पुराणे वा हरिभक्तिर्न दृश्यते।
श्रोतव्य नैव तच्छास्त्रं यदि ब्रह्मा स्वयं वदेत्॥

जिस शास्त्र या पुराणमें भगवान्‌की भक्ति न दिखलायी दे, उसे ब्रह्माके द्वारा कहा होनेपर भी नहीं सुनना चाहिये।

भक्तिमें सहायक कर्म निम्नलिखित है—

(१) अपने और आश्रमके धर्मोंका यथासम्भव पूरा पालन, भगवत्प्रीत्यर्थ माता-पिता, स्त्री-पुत्र परिवारकी सेवा और न्यायपूर्वक जीविकाका निर्वाह तथा शास्त्रोक्त यज्ञ, दान, तप आदि पवित्र कर्मोंका यथाशक्ति सम्पादन करना चाहिये।

(२) सदाचारका पालन, सत्संग, भगवद्गुणानुवादका श्रवण, चिन्तन एवं भगवन्नाम-जप, पूजन, स्तुति-प्रार्थना और कीर्तन करना चाहिये।

(३) तीर्थसेवन, संत-भक्तोंकी सेवा, उनकी आज्ञाका पालन, दीनोंपर दया और यथासाध्य उनकी सेवा करनी चाहिये।

(४) अपने सभी कर्मोंको भगवान्‌के प्रति अर्पण एवं सभी प्राणियोंमें भगवान्‌को देखनेका अभ्यास करना चाहिये।

इस प्रकार श्रीमद्भागवत, श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीरामायण आदि भक्ति प्रधान ग्रन्थोंके पठन, श्रवण आदि भक्तिवर्धक सत्कार्योंसे भक्तिकी वृद्धि होती है।

जुलाई (२००५ ई०, सं० २०६२) आषाढ़-श्रावणके मुख्य व्रत-पर्वादि

दिनाङ्क	वार	मास	तिथि	विवरण
२	शनि	आषाढ़ कृष्ण	एकादशी	**योगिनी एकादशीव्रत (सबका)।**
३	रवि	,,	द्वादशी	**प्रदोषव्रत।**
४	सोम	,,	त्रयोदशी	मासशिवरात्रिव्रत।
६	बुध	,,	अमावास्या	**पुनर्वसु नक्षत्रके सूर्य दिनमें ११। ३७ बजेसे,** स्नान-दान-श्राद्ध इत्यादिकी **अमावास्या।**
८	शुक्र	आषाढ़ शुक्ल	द्वितीया	**श्रीजगदीश-रथयात्रा,** मनोरथ द्वितीया।
१०	रवि	,,	चतुर्थी	**वैनायकी श्रीगणेशचतुर्थीव्रत।**
१२	मंगल	,,	षष्ठी	**श्रीस्कन्दषष्ठी।**
१३	बुध	,,	सप्तमी	**विवस्वत्-सूर्यपूजा।**
१४	गुरु	,,	अष्टमी	श्रीपरशुरामाष्टमी (उड़ीसा), खर्चीपूजा (त्रिपुरा)।
१६	शनि	,,	दशमी	**कर्क-संक्रान्ति रात्रिमें १२। ४६ बजे,** गिरिजापूजा, वर्षा-ऋतु प्रारम्भ।
१७	रवि	,,	एकादशी	**सौर श्रावणमासारम्भ, श्रीविष्णुशयनी एकादशीव्रत (सबका)।**
१८	सोम	,,	द्वादशी	चातुर्मासव्रतारम्भ, वामनपूजा, मनसापूजा (बंगाल)।
१९	मंगल	,,	त्रयोदशी	**भौमप्रदोष।**
२०	बुध	,,	चतुर्दशी	**पुष्य नक्षत्रके सूर्य दिनमें १। ४ बजेसे,** चौमासी चौदश।
२१	गुरु	,,	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत इत्यादिकी **पूर्णिमा, गुरु-पूर्णिमा श्रीकोकिलाव्रत।**
२३	शनि	श्रावण कृष्ण	द्वितीया	**पंचक** दिनमें ११। ४६ बजेसे, **राष्ट्रिय श्रावणमासारम्भ।**
२४	रवि	,,	तृतीया	**श्रीगणेशचतुर्थीव्रत,** चन्द्रोदय रात्रिमें ९। १५ बजे।
२७	बुध	,,	सप्तमी	**पंचक** समाप्त सायं ६। १६ बजे, श्रीशीतलासप्तमी (उड़ीसा)।
३१	रवि	,,	एकादशी	**कामदा एकादशीव्रत (सबका)।**

गीताप्रेस, गोरखपुर का संक्षिप्त परिचय

'गीताप्रेस' के संस्थापक ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय **श्रीजयदयालजी गोयन्दका** [सेठजी]-का जीवनव्रत था—गीता-प्रचार। उनकी मङ्गल अभिलाषा थी कि गीतासे जो प्रकाश उन्हें मिला है वह मानवमात्रको मिले। इस उद्देश्यकी पूर्तिके लिए 'गीताप्रेस' की स्थापना विक्रम संवत् १९८० [सन् १९२३ ई०] के मई महीनेमें हुई। गोबिन्दभवन-कार्यालय—कलकत्ताके नामसे सोसाइटी पंजीयन अधिनियमके अन्तर्गत पंजीकृत गीताप्रेस आरम्भसे ही एक धार्मिक संस्थाके रूपमें प्रतिष्ठित रही है। इसका संचालन संस्थाके ट्रस्ट-बोर्डके नियन्त्रणमें होता है। इसके किसी भी ट्रस्टीका संस्थासे व्यक्तिगत आर्थिक स्वार्थ अथवा आर्थिक सम्बन्ध नहीं है।

गीताप्रेसका मुख्य कार्य सस्ते-से-सस्ते मूल्यपर सत्साहित्यका प्रचार और प्रसार करना है। पुस्तकोंके मूल्य प्रायः लागतसे कम रखे जाते हैं, परन्तु इसके लिये यह संस्था किसी प्रकारके चन्दे या आर्थिक सहायताकी याचना नहीं करती।

मार्च २००५ तक गीताप्रेसके द्वारा विभिन्न संस्करणोंमें जो पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं उनकी संख्या इस प्रकार है—

१. श्रीमद्भगवद्गीता	**६३४ लाख**
२. श्रीरामचरितमानस एवं तुलसी-साहित्य	**६५१ लाख**
३. पुराण, उपनिषद् आदि ग्रन्थ	**१८२ लाख**
४. महिलाओं एवं बालकोपयोगी	**९२४ लाख**
५. भक्तचरित्र एवं भजनमाला	**५१३ लाख**
६. अन्य प्रकाशन	**८१२ लाख**
कुल—	**३७ करोड़ १४ लाख**

गतवर्ष लगभग रु० २२ करोड़ मूल्यकी पुस्तकें उपलब्ध करायी गयीं, इसके लिये लगभग ३४०० टन कागजका उपयोग किया गया।

'कल्याण', 'युग-कल्याण' एवं **'कल्याण-कल्पतरु'**—गीताप्रेस-द्वारा तीन मासिक पत्र हिन्दीमें 'कल्याण' तथा 'युग-कल्याण' एवं अंग्रेजीमें 'कल्याण-कल्पतरु' प्रकाशित किये जाते हैं।

'**कल्याण**' की वर्तमान समयमें लगभग २,५०,००० प्रतियाँ छपती हैं। वर्षका पहला अङ्क किसी विषयका विशेषाङ्क होता है। 'कल्याण' भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, धर्म, सदाचार एवं साधन-सम्बन्धी सामग्रीद्वारा जन-जनको कल्याणके पथपर अग्रसरित करनेका निरन्तर प्रयास कर रहा है। अबतक कल्याणके प्रकाशित विशेषाङ्कोंकी सूची पृष्ठ १४३ पर छपी है।

'**कल्याण-कल्पतरु**'के अबतक ४८ विशेषाङ्क निकल चुके हैं। जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भागवत, श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण गर्गसंहिता आदिके अंग्रेजी-अनुवाद सम्मिलित हैं।

नित्यलीलालीन परम श्रद्धेय श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दार (भाईजी)-ने आजीवन '**कल्याण**' एवं '**कल्याण-कल्पतरु**' का सम्पादन-कार्य किया। महात्मा गांधीजीकी सम्मतिके अनुसार '**कल्याण**' एवं '**कल्याण-कल्पतरु' में आरम्भसे ही न तो कोई विज्ञापन छापा जाता है और न पुस्तकोंकी समालोचना ही की जाती है।**

गीताप्रेसकी पुस्तकों एवं कल्याणका प्रचार इस अङ्कके पृष्ठ ९ पर अंकित गीताप्रेसकी १६ शाखाओं, २८ स्टेशन-स्टालों तथा हजारों अन्य पुस्तक-विक्रेताओंके माध्यमसे होता है।

गीताप्रेस-मुख्य द्वार—गीताद्वारकी रचनाके प्रत्येक पादमें भारतीय संस्कृति, धर्म एवं कलाकी गरिमाको सन्निहित करनेका प्रयास किया गया है। इस मुख्य द्वारके निर्माणमें देशकी गौरवमयी प्राचीन कलाओं तथा विख्यात प्राचीन मन्दिरोंसे प्रेरणा ली गयी है और इनकी विभिन्न शैलियोंका आंशिकरूपमें दिग्दर्शन करानेका प्रयास किया गया है।

लीला-चित्र-मन्दिर—गीताप्रेसके लीला-चित्र-मन्दिरमें भगवान् श्रीराम और भगवान् श्रीकृष्णकी लीलाओंके रमणीय ६८४ चित्रोंके अतिरिक्त प्रतिभावान् चित्रकारोंद्वारा बनाये हुए अनेक हस्त-निर्मित चित्रोंका संग्रह है। चित्र-मन्दिरकी दीवालपर संगमरमरके पत्थरोंपर सम्पूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता एवं संत-भक्तोंके ७०० से अधिक दोहे तथा वाणियाँ खुदी हुई हैं। इस विशाल मण्डपमें प्रतिवर्ष '**गीता-जयन्ती**' के परम पावन अवसरपर बृहत् गीता प्रदर्शनी एवं समय-समयपर प्रवचन तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रमोंका आयोजन होता है।

'**गीताप्रेसका मुख्य द्वार**' एवं '**लीला-चित्र-मन्दिर**', गोरखपुरका एक महत्त्वपूर्ण दर्शनीय आकर्षक स्थल है। इसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ० श्रीराजेन्द्रप्रसादजीने अपने कर-कमलोंद्वारा २९ अप्रैल १९५५ को किया था।

गीताभवन-स्वर्गाश्रम—पुण्यसलिला भगवती भागीरथी श्रीगङ्गाजीके तटपर स्थित गीताभवनमें दुर्लभ सत्सङ्गका नित्यप्रति आयोजन चलता है। यहाँपर १००० से अधिक कमरे हैं जिसमें साधकोंके लिये नि:शुल्क आवास, नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा तथा कम मूल्यपर भोजन आदिकी व्यवस्था है। साधुओंको मुफ्त भोजन, वस्त्र आदि दिये जाते हैं। गंगातटपर रामनाम-स्तम्भ बना है तथा रमणीय घाटोंपर गंगास्नान, साधन एवं भजन आदिकी सुन्दर व्यवस्था है। यहाँके '**गीताभवन-आयुर्वेद संस्थान**'में शुद्ध आयुर्वेदिक औषधियोंके निर्माणकी व्यवस्था है।

ऋषिकुल-ब्रह्मचर्याश्रम—चूरू-(राजस्थान-) में प्राचीन पद्धतिके अनुसार लगभग २०० से अधिक ब्रह्मचारियोंके नि:शुल्क शिक्षा, आवास, चिकित्सा आदिकी तथा अल्प मासिक शुल्कपर भोजनकी व्यवस्था है।

गोबिन्दभवन-कार्यालय-कलकत्ता—संस्थाके प्रधान कार्यालय, कलकत्ताके विशाल सभागारमें नित्य गीता-पाठ और संत-महात्माओंके प्रवचनकी व्यवस्था है। यहाँकी 'परम-सेवा-समिति' मरणासन्न व्यक्तियोंको श्रीभगवन्नाम-संकीर्तन एवं गीता-पाठ सुनानेकी तथा तुलसी, गङ्गाजल-सेवन करानेकी व्यवस्था करती है। यहाँ शुद्ध आयुर्वेदिक औषधियोंके निर्माण एवं नि:शुल्क चिकित्साकी तथा हिंसारहित एवं कुछ शुद्ध वस्तुओंकी उचित मूल्यपर विक्री करनेकी व्यवस्था है।

संस्थाके अन्य विभागोंमें प्रमुख—गीता-रामायण-परीक्षा-समिति, गीता-रामायण-प्रचार-संघ, साधक-संघ, नाम-जप-विभाग, कलकत्ता, स्वर्गाश्रम, गोरखपुर, चूरू, सूरत आदि स्थानोंपर नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधालय एवं गीताप्रेस-हस्त-निर्मित-वस्त्र-विभाग आदि हैं। इन विभागों-द्वारा संस्थाके उद्देश्योंके अनुरूप शुद्ध वस्तुओंकी उपलब्धि एवं अन्य जन-कल्याणकारी कार्य होते हैं।

गीताप्रेस सेवा दल—दुर्भिक्ष, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओंमें पीड़ितोंकी आवश्यक सेवा करता है।

'गीताप्रेस' की निजी थोक-पुस्तक-दूकानें

गीताप्रेस, गोरखपुर—२७३००५, ✆ (०५५१) २३३४७२१, फैक्स २३३६९९७
website : www.gitapress.org / e-mail: booksales@gitapress.org

गीताप्रेसकी निम्नलिखित थोक-पुस्तक-दूकानोंसे माल बाहर भेजनेकी सुविधा है।

कोलकाता-७००००७ गोबिन्दभवन-कार्यालय; १५१, महात्मा गाँधी रोड,
e-mail:gobindbhawan@gitapress.org; ✆ (०३३) २२६८६८९४,फैक्स २२६८०२५१

दिल्ली- ११०००६ २६०९, नयी सड़क ✆ (०११) २३२६९६७८, फैक्स २३२५९१४०

कानपुर- २०८००१ २४/५५, बिरहाना रोड ✆ (०५१२) २३५२३५१, फैक्स २३५२३५१

पटना- ८००००४ अशोकराजपथ, महिला अस्पतालके सामने ✆ (०६१२) २३००३२५

राँची- ८३४००१ कोर्ट सराय रोड, अपर बाजार,
बिड़ला गद्दीके प्रथम तलपर ✆ (०६५१) २२१०६८५

सूरत- ३९५००१ वैभव एपार्टमेन्ट, नूतन निवासके सामने, भटार रोड
e-mail: suratdukan@gitapress.org; ✆ (०२६१) २२३७३६२, २२३८०६५

कटक- ७५३००९ भरतिया टावर्स, बादाम बाड़ी ✆ (०६७१) २३३५४८१

इन्दौर- ४५२००१ जी० ५, श्रीवर्धन, ४ आर. एन. टी. मार्ग
✆ (०७३१) २५२६५१६, २५११९७७

हैदराबाद-५०००९६ ४१, ४-४-१, दिलशाद प्लाजा, सुल्तान बाजार ✆ (०४०) २४७५८३११

रायपुर- ४९२००९ मित्तल कॉम्प्लेक्स, गंजपारा, तेलघानी चौक
(छत्तीसगढ़) ✆ (०७७१) ५०३४४३०

नागपुर- ४४०००२ श्रीजी कृपा कॉम्प्लेक्स, ८५१, न्यू इतवारी रोड
✆ (०७१२) २७३४३५४

जलगाँव-४२५००१ ७, भीमसिंह मार्केट, रेलवे स्टेशनके पास
✆ (०२५७) २२२६३९३

निम्नलिखित दूकानोंसे थोक-पुस्तकें काउन्टर डिलेवरी प्राप्त कर सकते हैं।*

मुम्बई*- ४००००२ २८२, सामलदास गाँधी मार्ग (प्रिन्सेस स्ट्रीट)
मरीन लाईन्स स्टेशनके पास ✆ (०२२) २२०७२६३६

वाराणसी*-२२१००१ ५९/९, नीचीबाग ✆ (०५४२) २४१३५५१

हरिद्वार*- २४९४०१ सब्जीमण्डी, मोतीबाजार ✆ (०१३३४) २२२६५७

ऋषिकेश*- २४९३०४ गीताभवन, गङ्गापार, पो० स्वर्गाश्रम ✆ (०१३५) २४३०१२२,२४३२७९२

*** इन दूकानोंपर ट्रांसपोर्ट खर्च आदि बाद नहीं होता और माल स्वयं ले जाना पड़ता है।**

१- पुस्तकें गीताप्रेस या गीताप्रेसकी उपर्युक्त थोक-पुस्तक-दूकान—(जहाँसे नियमित मँगवाते हों)-से ही मँगवायें। पूरा ट्रक, डाकद्वारा तथा विदेशोंमें पुस्तकें मँगवानेके लिये आर्डर गीताप्रेस, गोरखपुरको ही भेजें।

गीताप्रेस–प्रकाशन (कोड नं० क्रमसे)

कोड	पुस्तकका नाम	विवरण पृष्ठ
1	श्रीमद्भगवद्गीता तत्त्व-विवेचनी, बृहदाकार	३१
2	,, राजसंस्करण	३१
3	,, सामान्य संस्करण	३१
5	,, साधक-संजीवनी, बृहदाकार	३२
6	,, सजिल्द, ग्रन्थाकार	३२
7	श्रीमद्भगवद्गीता साधक-संजीवनी (मराठी)	३२
8	गीता-दर्पण (हिन्दी)	३२
10	गीता-शांकरभाष्य	३२
11	गीता-चिन्तन	३३
12	,,पदच्छेद(गुजराती)भाषा-टीकासहित	३३
13	,, ,, (बंगला)	३३
14	,, (मराठी)	३३
15	,, (माहात्म्यसहित) मराठी	३३
16	,, ,, मोटे अक्षरवाली	३३
17	,, पदच्छेदसहित (हिन्दी)	३३
18	,, मोटे अक्षरवाली, सटीक	३५
19	,, केवल भाषा (पुस्तकाकार)	३५
20	,, पॉकेट साइज, भा० टी०	३५
21	श्रीपञ्चरत्नगीता, सजिल्द	३५
22	गीता-मूल, मोटे अक्षरवाली	३५
23	गीता-मूल, विष्णुसहस्त्रनामसहित	३५
25	श्रीशुक-सुधा-सागर, बृहदाकार	४८
26	श्रीमद्भागवत-महापुराण-I] दो खण्डोंमें	४८
27	श्रीमद्भागवत-महापुराण-II] सेट	४८
28	श्रीमद्भागवत-सुधा-सागर	४८
29	श्रीमद्भागवत-महापुराण-मूल, मोटा टाइप	४८
30	श्रीप्रेम-सुधा-सागर	४९
31	भागवत एकादश स्कन्ध	४९
32	महाभारत, सम्पूर्ण-हिन्दी-टीका-I	५०
33	,, ,, II	५०
34	,, ,, III	५०
35	,, ,, IV	५०
36	,, ,, V	५०
37	,, ,, VI	५०
38	महाभारत-खिलभाग हरिवंशपुराण	५१
39	संक्षिप्त महाभारत (खण्ड-I)] दो खण्डोंमें	५१
511	,, ,, (खण्ड-II)] सेट	५१
40	भक्त-चरिताङ्क [कल्याण वर्ष २६]	१३८
41	शक्ति-अङ्क ,, ९	१३७
42	श्रीहनुमान-अङ्क ,, ४९	१४०
43	नारी-अङ्क ,, २२	१३८
44	संक्षिप्त पद्मपुराण ,, १९	५२
47	पातञ्जल-योग-प्रदीप	५६
48	श्रीविष्णुपुराण	५३
49	श्रीराधा-माधव-चिन्तन	८३
50	पद-रत्नाकर	८३
51	श्रीतुकाराम-चरित्र	५१
52	स्तोत्ररत्नावली, सानुवाद	१०३
53	भागवतरत्न प्रह्लाद	६०
54	भजन-संग्रह (पाँचों भाग एक साथ)	१०८
55	महकते जीवन-फूल	१२०
56	मानव-जीवनका लक्ष्य	८४
57	मानसिक दक्षता	११९
58	अमृत-कण	५३
59	जीवनमें नया प्रकाश	१२०
60	आशाकी नयी किरणें	११९
61	सूर-विनय-पत्रिका	४७

नोट– १. * अभी उपलब्ध नहीं।

२. वर्तमान प्रकाशनोंके अलावा सूचीमें कुछ पुराने एवं संभावित प्रकाशनोंके भी कोड हैं।

३. खाली कोड नं० की वर्तमान स्थिति पृ० सं० १५३-१५६ पर है।

४. पुस्तकोंकी उपलब्धता एवं वर्तमान मूल्य आर्डरफार्ममें देखें।

62	श्रीकृष्ण-बाल-माधुरी	४८	102	श्रीरामचरितमानस, उत्तरकाण्ड, सटीक	४१
63	पद-पद्माकर	*	103	मानस-रहस्य	४५
64	प्रेमयोग	१२०	104	मानस-शंका-समाधान	४५
65	वेदान्त-दर्शन	५८	105	विनय-पत्रिका	४६
66	ईशादि नौ उपनिषद्	५७	106	गीतावली	४६
67	ईशावास्योपनिषद्	५६	107	दोहावली	४६
68	केनोपनिषद्	५७	108	कवितावली	४६
69	माण्डूक्योपनिषद्	५८	109	रामाज्ञा-प्रश्न	४६
70	प्रश्नोपनिषद्	५८	110	श्रीकृष्ण-गीतावली	४७
71	तैत्तिरीयोपनिषद्	५८	111	जानकी-मंगल	४७
72	ऐतरेयोपनिषद्	५८	112	हनुमानबाहुक	४७
73	श्वेताश्वतरोपनिषद्	५८	113	पार्वती-मंगल	४७
74	अध्यात्मरामायण	४३	114	वैराग्य-संदीपनी एवं बरवै रामायण	४७
75	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण खण्ड-१ दो खण्डोंमें	४४	117	श्रीदुर्गासप्तशती, मूल, मोटा टाइप	१०५
76	,, ,, खण्ड-२ सेट	४४	118	,, सानुवाद, पाठविधिसहित	१०५
77	,, ,, भाषा	४४	119	अमृतके घूँट	११९
78	,, ,, सुन्दरकाण्ड, गुटका	४४	120	आनन्दमय जीवन	११९
80	श्रीरामचरितमानस, बृहदाकार (सटीक)	३८	121	एकनाथ-चरित्र	५९
81	, ,, ग्रन्थाकार (सटीक)	३८	122	एक लोटा पानी	१२३
82	,, ,, मझला, सटीक	३९	123	श्रीचैतन्यचरितावली (सम्पूर्ण)	६०
83	,, ,, मूल, मोटा टाइप	३९	124	श्रीमद्भागवत-महापुराण, मूल (मझला)	४९
84	,, ,, मूल, मझला	३९	125	हिन्दी-बाल-पोथी (रंगीन)	११३
85	,, ,, मूल, गुटका	३९	127	उपयोगी कहानियाँ (तमिल)	१२४
86	मानस-पीयूष [सात भागोंमें सम्पूर्ण]	४१	128	गृहस्थमें कैसे रहें ? (कन्नड़)	९९
87	मानस-पीयूष [बालकाण्ड, खण्ड-१]	४२	129	एक महात्माका प्रसाद	१२६
88	मानस-पीयूष [बालकाण्ड, खण्ड-२]	४२	130	तत्त्वविचार	१२२
89	मानस-पीयूष [बालकाण्ड, खण्ड-३]	४२	131	सुखी जीवन	१२३
90	मानस-पीयूष [अयोध्याकाण्ड, खण्ड-४]	४२	132	स्वर्णपथ	११९
91	मानस-पीयूष [अरण्य, किष्किन्धा, खण्ड-५]	४२	133	विवेक-चूड़ामणि	१२२
92	मानस-पीयूष [सुन्दर, लंका, खण्ड-६]	४२	134	सती द्रौपदी	१२३
93	मानस-पीयूष [उत्तरकाण्ड, खण्ड-७]	४२	135	पातञ्जल-योग-दर्शन	५९
94	श्रीरामचरितमानस, बालकाण्ड, सटीक	४१	136	विदुरनीति	६६
95	,, अयोध्याकाण्ड, सटीक	४१	137	उपयोगी कहानियाँ	१२४
98	,, सुन्दरकाण्ड, सटीक	४१	138	श्रीभीष्मपितामह	६६
99	,, सुन्दरकाण्ड, मूल गुटका	४१	139	नित्यकर्म-प्रयोग	११२
100	,, सुन्दरकाण्ड, मूल, मोटा टाइप	४१	140	श्रीराम-कृष्ण-लीला-भजनावली	१०९
101	,, लंकाकाण्ड, सटीक	४१	141	अरण्य, किष्किन्धा, सुन्दरकाण्ड (सटीक)	४१

142 चेतावनी-पदसंग्रह	१०९	182 भक्त महिलारत्न	६५
144 भजनामृत	१०९	183 भक्त दिवाकर	६५
145 बालकोंकी बातें	११४	184 भक्त रत्नाकर	६५
146 बड़ोंके जीवनसे शिक्षा	११५	185 भक्तराज हनुमान्	६५
147 चोखी कहानियाँ	१२४	186 सत्यप्रेमी हरिश्चन्द्र	६५
148 वीर बालक	११६	187 प्रेमी भक्त उद्धव	६४
149 गुरु और माता-पिताके भक्त बालक	११७	188 महात्मा विदुर	६६
150 पिताकी सीख	११५	189 भक्तराज ध्रुव	६६
151 सत्संगमाला तथा ज्ञान-मणिमाला	१२६	190 बाल-चित्रमय श्रीकृष्णलीला	१२७
152 सच्चे और ईमानदार बालक	११७	191 भगवान् श्रीकृष्ण	१२१
153 आरती-संग्रह	११०	193 भगवान् राम	१२२
155 दयालु और परोपकारी बालक-वालिकाएँ	११७	194 बाल-चित्रमय चैतन्यलीला	१३५
156 वीर वालिकाएँ	११७	195 भगवान्पर विश्वास	१२१
157 सती सुकला	१२७	196 मनन-माला	*
159 आदर्श उपकार ('पढ़ो, समझो और करो')	१२५	197 संस्कृति-माला, भाग-१	*
160 कलेजेके अक्षर ,,	१२६	198 संस्कृति-माला, भाग-२	*
161 हृदयकी आदर्श विशालता ,,	१२५	199 संस्कृति-माला, भाग-३	*
162 उपकारका बदला ,,	१२५	200 संस्कृति-माला, भाग-५	*
163 आदर्श मानव-हृदय ,,	१२५	201 मनुस्मृति, दूसरा अध्याय	*
164 भगवान्के सामने सच्चा सो सच्चा ,,	१२६	202 मनोबोध	११८
165 मानवताका पुजारी ,,	१२६	203 अपरोक्षानुभूति	१११
166 परोपकार और सच्चाईका फल ,,	१२६	204 ॐ नमः शिवाय	१३३
167 भक्त-भारती	६०	205 नवदुर्गा (पत्रिका)	१३४
168 भक्त नरसिंह मेहता	६२	206 विष्णुसहस्रनाम-सटीक	१०४
169 भक्त बालक	६२	207 रामस्तवराज-सटीक	१०६
170 भक्त नारी	६२	208 सीतारामभजन	११०
171 भक्त पञ्चरत्न	६२	209 रामायण-मध्यमा-परीक्षा-पाठ्यपुस्तक	*
172 आदर्श भक्त	६२	210 सन्ध्योपासन-विधि एवं तर्पण, बलिवैश्वदेव-विधि	११२
173 भक्त सप्तरत्न	६३	211 आदित्यहृदयस्तोत्रम्	१०६
174 भक्त-चन्द्रिका	६३	212 हिन्दी-बाल-पोथी (भाग २)	११३
175 भक्त-कुसुम	६३	213 बालकोंकी बोल-चाल	११५
176 प्रेमी भक्त	६३	214 बालकके गुण	११४
177 प्राचीन भक्त	६३	215 आओ बच्चों तुम्हें बतायें	११४
178 भक्त सरोज	६४	216 बालककी दिनचर्या	११४
179 भक्त सुमन	६४	217 बालकोंकी सीख	११४
180 भक्त सौरभ	६४	218 बाल-अमृत-वचन	११५
181 भक्त सुधाकर	६४	219 बालकके आचरण	११४

221 हरेरामभजन (दो माला) गुटका	११०	262 रामायणके कुछ आदर्श पात्र	७३
222 हरेरामभजन (१४ माला) पुस्तकाकार	११०	263 महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	७३
223 मूलरामायण-हिन्दी-अनुवादसहित	४५	264 मनुष्य-जीवनकी सफलता (भाग-१)	६९
224 श्रीगोविन्ददामोदरस्तोत्र	१०६	265 ,, ,, ,, (भाग-२)	६९
225 गजेन्द्रमोक्ष	११०	266 कर्मयोगका तत्त्व (भाग-१)	७०
226 विष्णुसहस्त्रनाम, मूल	१०४	267 ,, ,, (भाग-२)	७१
227 हनुमानचालीसा	१११	268 परम शान्तिका मार्ग (भाग-१)	६९
228 शिवचालीसा	११२	269 ,, ,, (भाग-२)	६९
229 नारायणकवच और अमोघ शिवकवच	१०८	270 भगवान्‌का हेतुरहित सौहार्द और महात्मा किसे कहते हैं ?	८०
231 रामरक्षास्तोत्रम्	१०५		
232 श्रीरामगीता	१११	271 भगवत्प्रेमकी प्राप्ति कैसे हो ?	८१
233 दोहावलीके चालीस दोहे	*	272 स्त्रियोंके लिये कर्तव्य-शिक्षा	६८
234 बलिवैश्वदेव-विधि	११२	273 नल-दमयन्ती	७४
235 सौभाग्य अष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	*	274 महत्त्वपूर्ण चेतावनी	७४
236 साधक-दैनन्दिनी	११३	275 कल्याणप्राप्तिके उपाय, तत्त्व चि० भाग १ (बंगलामें)	६७
237 चित्र-जय श्रीराम	१४३		
242 महत्त्वपूर्ण शिक्षा	६८	276 परमार्थ-पत्रावली (बंगला) भाग-१	७५
243 परम साधन (भाग १)	६८	277 उद्धार कैसे हो ?	७५
244 ,, ,, (भाग २)	६९	278 सच्ची सलाह (परमार्थ-पत्रावली) II	७५
245 आत्मोद्धारके साधन	६९	279 संक्षिप्त स्कन्दपुराणाङ्क	५३
246 मनुष्यका परम कर्तव्य (भाग १)	७०	280 साधनोपयोगी पत्र	७५
247 ,, ,, (भाग २)	७०	281 शिक्षाप्रद पत्र	७५
(तत्त्वचिन्तामणिके सभी भाग क्रमशः)		282 पारमार्थिक पत्र	७५
248 कल्याणप्राप्तिके उपाय (त०चि०भाग १)	६७	283 शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ	७६
249 शीघ्र कल्याणके सोपान (,, ,, २/१)	६७	284 अध्यात्मविषयक पत्र	७५
250 ईश्वर और संसार (,, ,,२/२)	६७	285 आदर्श भ्रातृ-प्रेम	७७
251 अमूल्य वचन (,, ,,४/१)	६७	286 बाल-शिक्षा	७७
252 भगवद्दर्शनकी उत्कण्ठा (,, ,, ४/२)	६७	287 बालकोंके कर्तव्य	७६
253 धर्मसे लाभ और अधर्मसे हानि (,, ,, ३/१)	६७	288 गीताके कुछ श्लोकोंपर विवेचन	*
254 व्यवहारमें परमार्थकी कला (,, ,,५/१)	६७	289 गीता-निबन्धावली	*
255 श्रद्धा-विश्वास और प्रेम (,, ,,५/२)	६७	290 आदर्श नारी सुशीला	७७
256 आत्मोद्धारके सरल उपाय	६८	291 आदर्श देवियाँ	७८
257 परमानन्दकी खेती (,, ,, ६/२)	६७	292 नवधा-भक्ति	७४
258 तत्त्वचिन्तामणि (,, ,,६/१)	६७	293 सच्चा सुख और उसकी प्राप्तिके उपाय	७८
259 भक्ति-भक्त-भगवान् (,, ,, ७/२)	६७	294 संत-महिमा	७८
260 समता अमृत और विषमता विष (,, ,, ७/१)	६७	295 सत्संगकी कुछ सार बातें	७८
261 भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	७३	296 सत्संगकी कुछ सार बातें (बंगला)	७८

297 गीतोक्त संन्यास या सांख्ययोगका स्वरूप	३६	336 नारीशिक्षा	८४
298 भगवान्‌के स्वभावका रहस्य	७१	337 दाम्पत्य-जीवनका आदर्श	८५
299 श्रीप्रेमभक्तिप्रकाश तथा ध्यानावस्थामें प्रभुसे वार्तालाप	७८	338 श्रीभगवन्नाम-चिन्तन	८५
		339 सत्संगके बिखरे मोती	८५
300 नारीधर्म	७७	340 श्रीराम-चिन्तन	८४
301 भारतीय संस्कृति तथा शास्त्रोंमें नारीधर्म	७९	341 प्रेम-दर्शन	८६
302 ध्यान और मानसिक पूजा	८१	342 संत-वाणी (ढाई हजार अनमोल बोल)	८५
303 प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय	७१	343 मधुर	८३
304 गीता पढ़नेके लाभ और त्यागसे भगवत्प्राप्ति	७९	344 उपनिषदोंके चौदह रत्न	९०
		345 भवरोगकी रामबाण दवा	८५
305 गीताका तात्त्विक विवेचन, प्रभाव	७८	346 सुखी बनो	८६
306 धर्म क्या है ? भगवान् क्या हैं ?	७९	347 तुलसीदल	८१
307 भगवान्‌की दया	८०	348 नैवेद्य	८२
309 भगवत्प्राप्तिके विविध उपाय	७९	349 भगवत्प्राप्ति एवं हिन्दू-संस्कृति	८२
310 सावित्री और सत्यवान्	७९	350 साधकोंका सहारा	८२
311 परलोक और पुनर्जन्म एवं वैराग्य	७९	351 भगवच्चर्चा भाग-५	८२
312 आदर्श नारी सुशीला (बंगला)	७७	352 पूर्ण समर्पण	८२
314 व्यापार-सुधारकी आवश्यकता और हमारा कर्त्तव्य	८०	353 लोक-परलोक-सुधार (भाग-१)	८६
315 चेतावनी और सामयिक चेतावनी	८०	354 आनन्दका स्वरूप	८६
316 ईश्वर-साक्षात्कारके लिये नाम-जप सर्वोपरि साधन है और सत्यकी शरणसे मुक्ति	८०	355 महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर	८६
		356 शान्ति कैसे मिले ?	८६
318 ईश्वर दयालु और न्यायकारी है और अवतारका सिद्धान्त	८०	357 दुःख क्यों होतें हैं ?	८७
		358 कल्याण-कुञ्ज (भाग-१)	८७
320 वास्तविक त्याग	७६	359 भगवान्‌की पूजाके पुष्प (भाग-२)	८६
323 ज्ञानयोगके अनुसार विविध साधन	*	360 भगवान् सदा तुम्हारे साथ हैं (भाग-३)	८७
324 गीताका प्रभाव	*	361 मानव-कल्याणके साधन (भाग-४)	८७
325 कर्म-रहस्य (कन्नड़)	९६	362 दिव्य सुखकी सरिता (भाग-५)	८७
326 प्रेमका सच्चा स्वरूप और शोकनाशके उपाय	८१	363 सफलताके शिखरकी सीढ़ियाँ (भाग-६)	८७
		364 परमार्थकी मन्दाकिनी (भाग-७)	८७
327 तीर्थोंमें पालन करनेयोग्य कुछ उपयोगी बातें	*	365 गोसेवाके चमत्कार (तमिल)	१३५
		366 मानव-धर्म	८८
330 नारदभक्ति-सूत्र (बंगला)	१११	367 दैनिक कल्याण-सूत्र	८८
331 सुखी बननेके उपाय	८४	368 प्रार्थना (प्रार्थना-पीयूष)	८८
332 ईश्वरकी सत्ता और महत्ता	८२	369 गोपीप्रेम	८८
333 सुख-शान्तिका मार्ग	८३	370 श्रीभगवन्नाम	८८
334 व्यवहार और परमार्थ	८४	371 राधा-माधव-रस सुधा, सटीक (व्रजभाषामें)	९०
335 अनन्य भक्तिसे भगवत्प्राप्ति	७०		

373 कल्याणकारी आचरण	८८	409 वास्तविक सुख	९३
374 साधन-पथ	८८	410 जीवनोपयोगी प्रवचन	९४
375 वर्तमान शिक्षा	८९	411 साधन और साध्य	९३
376 स्त्री-धर्म-प्रश्नोत्तरी	८९	412 तात्त्विक प्रवचन (हिन्दी)	९४
377 मनको वशमें करनेके कुछ उपाय	८९	413 तात्त्विक प्रवचन (गुजराती)	९४
378 आनन्दकी लहरें	८९	414 तत्त्वज्ञान कैसे हो ?	९४
379 गोवध भारतका कलंक एवं गायका माहात्म्य	*	416 जीवनका सत्य	९४
		417 भगवन्नाम	८८
380 ब्रह्मचर्य	८९	418 साधकोंके प्रति	९५
381 दीन-दुःखियोंके प्रति कर्तव्य	८९	419 सत्संगकी विलक्षणता	९५
382 सिनेमा मनोरंजन या विनाशका साधन	९०	420 मातृशक्तिका घोर अपमान	९६
383 भगवान् श्रीकृष्णकी कृपा तथा दिव्य प्रेमकी प्राप्ति	११०	421 जिन खोजा तिन पाइयाँ	९६
		422 कर्म-रहस्य	९६
384 विवाहमें दहेज	९०	423 ,, (तमिल)	९६
385 नारदभक्ति-सूत्र एवं शाण्डिल्य भक्ति-सूत्र	१११	424 वासुदेवः सर्वम्	९६
386 सत्संग-सुधा	८४	425 अच्छे बनो	९७
387 प्रेम-सत्संग-सुधामाला	१२१	426 सत्संगका प्रसाद	९७
388 गीता-माधुर्य (हिन्दी)	३६	427 गृहस्थमें कैसे रहें ? (हिन्दी)	९९
389 गीता-माधुर्य (तमिल)	३६	428 ,, ,, (बंगला)	९९
390 गीता-माधुर्य (कन्नड़)	३६	429 ,, ,, (मराठी)	९९
391 ,, ,, (मराठी)	३६	430 ,, ,, (ओड़िआ)	९९
392 गीता-माधुर्य (गुजराती)	३६	431 स्वाधीन कैसे बनें ?	९८
393 गीता-माधुर्य (उर्दू)	३६	432 एकै साधे सब सधे	९९
395 गीता-माधुर्य (बंगला)	३६	433 सहज साधना	९९
396 आदर्श ऋषि-मुनि	११६	434 शरणागति (हिन्दी)	९९
397 ,, देशभक्त	११६	435 आवश्यक शिक्षा (आहार-शुद्धि एवं सन्तानका कर्तव्य)	१००
398 ,, सम्राट्	११६		
399 आदर्श संत	११६	436 कल्याणकारी प्रवचन (हिन्दी)	९२
400 कल्याण-पथ	९१	437 कल्याण-चित्रावली	१४३
401 मानसमें नाम-वन्दना	९१	438 दुर्गतिसे बचो (हिन्दी)	१०१
402 आदर्श सुधारक	११६	439 महापापसे बचो (हिन्दी)	१०१
403 जीवनका कर्तव्य	९२	440 सच्चा गुरु कौन ?	१०१
404 कल्याणकारी प्रवचन (गुजराती)	९२	443 सन्तानका कर्तव्य (बंगला)	१००
405 नित्ययोगकी प्राप्ति	९२	444 नित्य-स्तुति और प्रार्थना	१०१
406 भगवत्प्राप्ति सहज है	९१	445 हम ईश्वरको क्यों मानें ?	१०२
407 भगवत्प्राप्तिकी सुगमता	९३	447 मूर्तिपूजा एवं नाम-जपकी महिमा	१०२
408 भगवान्‌से अपनापन	९३	448 भगवल्लीला-अङ्क [कल्याण वर्ष ७२]	१४१

449 दुर्गतिसे बचो, गुरुतत्त्व (बंगला)	१०१	495 दत्तात्रेय-वज्रकवच	१०८
450 हम ईश्वरको'''आहार शुद्धि (बंगला)	१०२	496 गीता पॉकेट साइज (बंगला)	३५
451 महापापसे बचो (बंगला)	१०१	497 Truthfulness of Life	*
452 Śrīmad Vālmīki Rāmāyaṇa Part-I	४४	498 In Search of Supreme Abode	*
453 Śrīmad Vālmīki Rāmāyaṇa Part-II	४४	499 नारद-भक्ति-सूत्र (तमिल)	१११
455 Gītā (Pocket-Size)	३५	500 योगतत्त्वाङ्क [कल्याण वर्ष 65]	*
456 Śrī Rāmacarītamānasa	३८	501 उद्धव-सन्देश	१२१
457 Bhagavadgītā Tattva-Vivecanī	३१	502 गीता, मोटे अक्षरवाली, सटीक, सजिल्द	३४
460 रामाश्वमेध	४५	503 गीता-दैनन्दिनी, पुस्तकाकार	३७
461 हिन्दी-बाल-पोथी (भाग-१)	११३	504 गीता-दर्पण (मराठी)	३२
464 गीता-ज्ञान-प्रवेशिका	३७	506 गीता-दैनन्दिनी, छोटी विशिष्ट संस्करण	३७
465 साधन-सुधा-सिन्धु	९०	508 गीता-सुधा-तरंगिनी	३७
466 सत्संगकी कुछ सार बातें (तमिल)	७८	509 सूक्ति-सुधाकर	१०४
467 साधक-संजीवनी (गुजराती)	३२	510 असीम नीचता और असीम साधुता	१२५
468 गीता-दर्पण (गुजराती)	३२	511 संक्षिप्त महाभारत (खण्ड-२)	५२
469 मूर्ति-पूजा (बंगला)	१०२	39 संक्षिप्त-महाभारत (खण्ड-१)	५२
471 Benedictory Discourses	१२	513 मुण्डकोपनिषद्	५८
472 How to Lead A Household Life	९९	514 दुःखमें भगवत्कृपा	८४
473 Art of Living	९४	515 सर्वोच्चपदकी प्राप्तिके साधन	१००
474 Be Good & Invaluable Advice	१००	516 आदर्श चरितावली	*
476 How to be Self Reliant	९८	517 गर्गसंहिता	५५
477 Gems of Truth Part-I		518 हिन्दू-संस्कृति-अङ्क	१३८
478 Gems of Truth Part-II		519 अमूल्य शिक्षा (तत्त्व-चिन्तामणि भाग ३/२)	६६
479 Sure Step to God Realization		520 Secret of jñānyoga	७०
480 Instructive Eleven Stories	७६	521 Secret of Premyoga	७०
481 Way to divine & Bliss	७५	522 Secret of Karmyoga	७०
482 What is God, What is Dharm?	७९	523 Secret of Bhaktiyoga	७१
483 Turn to God		524 ब्रह्मचर्य और सन्ध्या-गायत्रीका महत्त्व	११२
484 Look Beyond The Veil		525 कल्याणके पुराने मासिक-अङ्क	
485 Path to Divinity		526 महाभाव कल्लोलिनी	८८
486 Wavelets of Bliss & the Divine Message	८९	527 प्रेमयोगका तत्त्व	७०
487 Gītā Mādhurya (English)	३६	528 ज्ञानयोगका तत्त्व	७०
488 नित्य-स्तुतिः विष्णुसहस्रनामसहित	३६	531 चित्र-बाँकेबिहारी	१४३
489 दुर्गासप्तशती, सानुवाद, सजिल्द	१०५	534 Gītā Pocket Size (Bound)	३५
491 हनुमान्‌जी (चित्र)	१४३	535 सुन्दर समाजका निर्माण	९१
492 भगवान् विष्णु (चित्र)	१४३	536 गीता पढ़नेके लाभ, सत्यकी शरणसे मुक्ति (तमिल)	७९
494 The Immanence of God	१२०		

537 बाल-चित्रमय बुद्धलीला	१३५	583 श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण (मूलमात्रम्)	४४
539 संक्षिप्त मार्कण्डेयपुराण	५४	584 भविष्यपुराणाङ्क [कल्याण वर्ष ६६]	५४
541 गीता-मूल, विष्णुसहस्रनाम (ओड़िआ)	३५	586 शिवोपासनाङ्क [कल्याण वर्ष ६७]	१४१
542 ईश्वर	१२०	587 सत्कथा-अङ्क [कल्याण वर्ष ३०]	१३९
543 परमार्थ-सूत्र-संग्रह	७३	588 अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति	७२
545 जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग	९६	589 भगवान् और उनकी भक्ति	९८
546 जय श्रीकृष्ण (चित्र)	१४३	590 मनकी खटपट कैसे मिटे ? (उर्दू)	*
547 विरह-पदावली	४८	591 महापापसे बचो,	
548 मुरलीमनोहर (चित्र)	१४३	सन्तानका कर्त्तव्य (तमिल)	१०१
549 महापापसे बचो (उर्दू)	*	592 नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश	१०३
550 नाम-जपकी महिमा (तमिल)	१०२	593 भगवत्प्राप्तिकी सुगमता (कन्नड़)	९३
551 आहार-शुद्धि (तमिल)	१००	597 महापापसे बचो (कन्नड़)	१०१
552 Way to Attain the Supreme Bliss	१००	598 वास्तविक सुख (कन्नड़)	९३
553 गृहस्थमें कैसे रहें ? (तमिल)	९९	599 हमारा आश्चर्य	७४
555 श्रीकृष्णमाधुरी	४८	600 हनुमानचालीसा (तमिल)	१११
556 गीता-दर्पण (बँगला)	३२	601 भगवान् श्रीकृष्ण (तमिल)	१२१
557 मत्स्यमहापुराण	५६	602 DIVINE LOVE No	
560 लड्डू गोपाल (चित्र) सामान्य	१४३	604 साधनाङ्क [कल्याण वर्ष १५]	१३७
561 गीतोक्त कर्मयोग, भक्तियोग	*	605 जित देखूँ तित तू	९१
562 Ancient Idealism for ···· Living		606 सर्वोच्चपदकी प्राप्तिके साधन (तमिल)	१००
563 शिवमहिम्नःस्तोत्र	१०७	607 सबका कल्याण कैसे हो ? (,,)	*
564 Bhāgavata Mahāpurāṇa Part—I	४८	608 भक्तराज हनुमान् (तमिल)	६५
565 ,, ,, Part—II	४८	609 सावित्री-सत्यवान् (तमिल)	७९
566 गीता, ताबीजी (पन्ना)	३६	610 व्रत-परिचय	१०३
568 शरणागति (तमिल)	९९	611 इसी जन्ममें परमात्मप्राप्ति	७२
569 मूर्ति-पूजा (तमिल)	१०२	613 भक्त नरसिंह मेहता (गुजराती)	६२
570 Let us know the truth	*	614 सन्ध्या	११२
571 श्रीकृष्णलीलाका चिन्तन (डीलक्स)	५०	616 योगाङ्क	१३७
572 परलोक एवं पुनर्जन्माङ्क [कल्याण वर्ष ४३]	१४०	617 देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	९८
573 बालक-अङ्क [कल्याण वर्ष २७]	१३८	619 Ease in God Realization	९१
574 योगवासिष्ठाङ्क [कल्याण वर्ष ३५]	१३९	620 The Divine Name And Its Practice	
576 विनय-पत्रिकाके पैंतीस पद	*	622 How to Attain Eternal Happiness	
577 बृहदारण्यकोपनिषद्	५७	623 धर्मके नामपर पाप	८०
578 कठोपनिषद्	५७	624 गीता-माधुर्य (असमिया)	३६
579 अमूल्य समयका सदुपयोग	७१	625 देशकी वर्तमान दशा एवं	९८
581 गीता-रामानुजभाष्य	३३	उसका परिणाम (बँगला)	
582 छान्दोग्योपनिषद्	५६	626 हनुमानचालीसा (बँगला)	१११

627 संत-अङ्क [कल्याण वर्ष १२]	१३७	668 प्रश्नोत्तरी	१२१
628 श्रीरामभक्ति-अङ्क [,, ,, ६८]	१४१	669 The Divine Name	९५
630 सर्वदेवमयी गौ (चित्र)	१४३	670 विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्रम् (तेलुगु)	१०४
631 सं० ब्रह्मवैवर्तपुराण [कल्याण वर्ष ३७]	५५	671 नाम-जपकी महिमा (तेलुगु)	१०२
632 सब जग ईश्वररूप है	१०२	672 सत्यकी शरणसे मुक्ति (तेलुगु)	८०
633 गीता-छोटी (सजिल्द)	३५	673 भगवान्‌का हेतुरहित सौहार्द (तेलुगु)	८०
634 God is Everything	९६	674 गोविन्द-दामोदर-स्तोत्र (तेलुगु)	१०६
635 शिवाङ्क [कल्याण वर्ष ८]	१३७	675 सं० रामायणम्, रामरक्षास्तोत्रम् (तेलुगु)	१०५
636 तीर्थाङ्क [,, ,, ३१]	१३९	676 हनुमानचालीसा (तेलुगु)	१११
637 जैमिनीय अश्वमेध पर्व	५१	677 गजेन्द्रमोक्ष (तेलुगु)	११०
638 Sahaja Sādhanā	९९	678 सत्संगकी सार बातें (तेलुगु)	७८
639 श्रीनारायणीयम्	५९	679 गीता-माधुर्य (संस्कृत)	३६
641 भगवान् श्रीकृष्ण (तेलुगु)	१२०	680 उपदेशप्रद कहानियाँ	७६
642 प्रेमी भक्त उद्धव (तमिल)	६४	681 रहस्यमय प्रवचन	७५
643 भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान (तमिल)	७३	682 भक्त पंचरत्न (तेलुगु)	६२
644 आदर्श नारी सुशीला (तमिल)	७७	683 तत्त्व-चिन्तामणि, ग्रन्थाकार (सम्पूर्ण)	६६
645 नल-दमयन्ती (तमिल)	७४	684 हिंदी-बाल-पोथी (भाग ३)	११३
646 चोखी कहानियाँ (तमिल)	१२४	685 भक्त बालक (तेलुगु)	६२
647 कन्हैया [चित्रकथा] (तमिल)	१२९	686 प्रेमी भक्त उद्धव (तेलुगु)	६४
648 श्रीकृष्ण [,,] (तमिल)	१३०	687 आदर्श भक्त (तेलुगु)	६२
649 गोपाल [,,] (तमिल)	*	688 भक्तराज ध्रुव (तेलुगु)	६६
650 मोहन [,,] (तमिल)	*	689 भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान (तेलुगु)	७३
651 गोसेवाके चमत्कार	१३५	690 बाल- शिक्षा (तेलुगु)	७७
653 गोसेवा-अङ्क [कल्याण वर्ष ६९]	१४१	691 श्रीभीष्मपितामह (तेलुगु)	६६
655 एकै साधे सब सधे (तमिल)	९९	692 चोखी कहानियाँ (तेलुगु)	१२४
656 गीता माहात्म्यकी कहानियाँ	१३५	693 श्रीकृष्ण-रेखा-चित्रावली, हिन्दी	१३५
657 गणेश-अङ्क [कल्याण वर्ष ४८]	१४०	694 Dialogue with ····· Meditation	७८
658 The Secret of the Gītā		695 हनुमानचालीसा (लघु आकार)	१११
659 उपनिषद्-अङ्क [कल्याण वर्ष २३]	१३८	696 बाल-प्रश्नोत्तरी	११५
660 भक्ति-अङ्क [कल्याण वर्ष ३२]	१३९	698 मार्क्सवाद और रामराज्य	५९
661 गीता-विष्णुसहस्त्रनाम (कन्नड़)	३५	699 गङ्गालहरी	१११
662 ,, ,, (तेलुगु)	३५	700 गीता-मूल, लघु आकार (नया संस्करण)	३६
663 गीता-भाषा (तेलुगु)	३५	701 गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	१२२
664 सावित्री-सत्यवान् (तेलुगु)	७९	702 यह विकास है या विनाश, जरा सोचिये	९८
665 आदर्श नारी सुशीला (तेलुगु)	७७	703 गीता पढ़नेके लाभ (असमिया)	७९
666 अमूल्य समयका सदुपयोग (तेलुगु)	७१	704 श्रीशिवसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०६
667 संतवाणी-अङ्क [कल्याण वर्ष २९]	१३९	705 श्रीहनुमत्सहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०६

706	श्रीगायत्रीसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
707	श्रीरामसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
708	श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
709	श्रीसूर्यसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
710	श्रीगङ्गासहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
711	श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
712	श्रीगणेशसहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०७	
713	श्रीराधिकासहस्त्रनामस्तोत्रम्	१०८	
714	गीता-भाषा-टीका-पॉकेट साइज (असमिया)	३५	
715	श्रीमहामन्त्रराजस्तोत्रम्	१०६	
716	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ (कन्नड़)	७६	
717	सावित्री-सत्यवान्, आदर्श नारी सुशीला (कन्नड़)	७९	
718	भगवद्गीता तात्पर्यके साथ (कन्नड़)	३५	
719	बाल-शिक्षा (कन्नड़)	७७	
720	महाभारतके आदर्श पात्र (कन्नड़)	७३	
721	भक्त बालक (कन्नड़)	६२	
722	सत्यकी शरणसे मुक्ति, गीता पढ़नेके लाभ (कन्नड़)	८०	
723	नाम-जपकी महिमा ..... (आहार शुद्धि) (कन्नड़)	१०२	
724	उपयोगी कहानियाँ (कन्नड़)	१०४	
725	भगवान्‌की दया, हेतुरहित सौहार्द (कन्नड़)	८०	
726	गीता-पदच्छेद (कन्नड़)	३४	
727	स्वास्थ्य, सम्मान और सुख	११७	
728	महाभारत (सम्पूर्ण) हिन्दी-टीका—छः खण्डोंमें	५०	
729	सार-संग्रह एवं सत्संगके अमृत-कण	१०१	
730	संकल्प-पत्र		
731	महापापसे बचो (तेलुगु)	१०१	
732	नित्य-स्तुति, आदित्यहृदयस्तोत्रम् (तेलुगु)	१०१	
733	गृहस्थमें कैसे रहें ? (तेलुगु)	९९	
734	मूर्तिपूजा, आहार शुद्धि (तेलुगु)	१०२	
735	सूर-रामचरितावली	४८	
736	नित्य-स्तुति, आदित्यहृदयस्तोत्रम् (कन्नड़)	१०१	
737	विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कन्नड़)	१०४	
738	हनुमत्स्तोत्रावली (कन्नड़)	१११	
739	गीता-मूल, विष्णुसहस्त्रनाम (मलयालम)	३५	
740	श्रीविष्णुसहस्त्रनाम-मूल (मलयालम)	१०४	
741	महात्मा विदुर (तमिल)	६६	
742	गर्भपात उचित या अनुचित (तमिल)	१२२	
743	गीता-मूलम् (तमिल)	३५	
745	भगवत्तत्त्व	१०२	
746	श्रमण नारद	११८	
747	सप्त-महाव्रत	११८	
748	ज्ञानेश्वरी, गुटका (मराठी)	३३	
749	ईश्वराङ्क	१३७	
750	श्रीमद्भगवद्गीता-भाषा (गुटका)	३५	
751	देवर्षि नारद	६१	
752	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका (तेलुगु)	१२२	
753	रामचरितमानस-सुन्दरकाण्ड (तेलुगु)	३८	
754	गीता-माधुर्य (ओडिआ)	३६	
755	सर्वत्र भगवद्दर्शनका साधन		
757	शरणागति (ओडिआ)	९९	
758	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम (तेलुगु)	९८	
759	शरणागति एवं मुकुन्दमाला (तेलुगु)	९९	
760	महत्त्वपूर्ण शिक्षा (तेलुगु)	६८	
761	एकै साधे सब सधे (तेलुगु)	९९	
762	गर्भपात उचित या अनुचित (बंगला)	१२२	
763	साधक-संजीवनी [बंगला] तीनों भाग	३२	
764	हिन्दी-बाल-पोथी-भाग-४	११३	
765	हिन्दी-बाल-पोथी-भाग-५	११३	
766	महाभारतके आदर्श पात्र (तेलुगु)	७३	
767	भक्तराज हनुमान् (तेलुगु)	६५	
768	रामायणके आदर्श पात्र (तेलुगु)	७३	
769	साधन-नवनीत	७३	
770	अमरताकी ओर	१०१	
771	गीता-तात्पर्यसाहित (तेलुगु)	३५	
772	गीता-पदच्छेद (तेलुगु)	३४	
774	कल्याणकारी दोहा-संग्रह गीताप्रेस-परिचयसहित	१२१	
776	चित्र—सीतारामजी	१४३	
779	दशावतार (पत्रिका)	१३४	

782 चित्र—रामदरबार	१४३	819 विष्णुसहस्रनाम-शांकरभाष्य	१०४
783 Abortion Right or Wrong You Decide	१२२	820 भगवच्चर्चा (ग्रन्थाकार)	८१
784 ज्ञानेश्वरी—गूढार्थ-दीपिका (मराठी)	३३	821 किसान और गाय	९५
785 श्रीरामचरितमानस (मझला) सटीक (गुजराती)	३८	822 अमृत-बिन्दु	९५
		823 गीता-पदच्छेद (तमिल)	३४
		824 Songs from Bhartrihari	
786 Śrī Rāmcaritmānas (Book Size)	३८	825 नवदुर्गा (असमिया)	१३४
787 जय हनुमान-पत्रिका	१३३	826 गर्भपात उचित या अनुचित (ओड़िआ)	१२२
789 सं० शिवपुराण (मोटे अक्षरोंमें)	५२	827 तेईस चुलबुली कहानियाँ	१२७
790 श्रीरामचरितमानस, केवल भाषा	३८	828 हनुमानचालीसा (गुजराती)	१११
791 सूर्याङ्क [कल्याण वर्ष ५३]	१४०	829 अष्टविनायक (चित्रकथा)	१३२
792 आवश्यक चेतावनी (तमिल) पुस्तकाकार	७४	830 सचित्र-सुन्दरकाण्ड, मूल (लाल रंगमें)	३८
793 गीता-मूल, विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् (तमिल)	३५	831 देशकी वर्तमान दशा एवं उसका परिणाम (कन्नड़)	९८
794 विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् (तमिल)	१०४		
795 गीता-भाषा (तमिल)	३५	832 सुन्दरकाण्ड, सटीक (कन्नड़)	३८
796 देशकी वर्तमान दशा और उसका परिणाम (ओड़िआ)	९८	833 रामायणके आदर्श पात्र (कन्नड़)	७३
		834 स्त्रियोंके लिये कर्तव्य-शिक्षा (कन्नड़)	६८
797 संतानका कर्त्तव्य, सच्चा आश्रय (ओड़िआ)	१००	835 श्रीरामभक्त हनुमान् (कन्नड़)	६५
798 गुरुतत्त्व (ओड़िआ)	१०१	836 नल-दमयन्ती (कन्नड़)	७४
799 श्रीरामचरितमानस-ग्रंथाकार (गुजराती)	३८	837 श्रीविष्णुसहस्रानाम, सटीक (कन्नड़)	१०४
800 श्रीमद्भगवद्गीता-तत्त्वविवेचनी (तमिल)	३१	838 गर्भपात उचित या अनुचित (कन्नड़)	१२२
801 ललितासहस्रनाम (तेलुगु)		839 भगवान्के रहनेके पाँच स्थान (कन्नड़)	७३
802 गर्भपात उचित या अनुचित (मराठी)	१२२	840 आदर्श भक्त (कन्नड़)	६२
803 जय हनुमान-पत्रिका (अंग्रेजी)	*	841 भक्त सप्तरत्न (कन्नड़)	६३
804 गर्भपात उचित या अनुचित (गुजराती)	१२२	842 ललितासहस्त्रानाम (कन्नड़)	
805 मातृशक्तिका घोर अपमान (तमिल)	९६	843 दुर्गासप्तशती, मूल (कन्नड़)	१०५
806 भक्तराज हनुमान् (गुजराती)	६५	844 सत्संगकी कुछ सार बातें (गुजराती)	७८
807 सचित्र-आरतियाँ	१०९	845 अध्यात्मरामायण (तेलुगु)	४३
808 Nava Durga	*	846 ईशावास्योपनिषद् (तेलुगु)	५६
809 दिव्य सन्देश एवं मनुष्य सर्वप्रिय	९०	847 Gopi's Love for Shri krishna	८८
810 गोपालसहस्रनामस्तोत्रम्	१०८	848 आनन्दकी लहरें (बंगला)	८९
812 चित्र-नवदुर्गा (छोटा आकार)	१४३	849 मातृशक्तिका घोर अपमान (बंगला)	९६
814 साधन कल्पतरु	६६	850 संतवाणी (भाग १) (तमिल)	८५
815 गीता, सटीक, मोटा टाइप (ओडिआ)	३५	851 श्रीदुर्गाचालीसा एवं विघ्येश्वरीचालीसा	११२
816 कल्याणकारी प्रवचन (बंगला)	९२	852 मूर्ति पूजा एवं नाम-जपकी महिमा (ओडिआ)	१०२
817 कर्म-रहस्य (ओड़िआ)	९६		
818 उपदेशप्रद कहानियाँ (गुजराती)	७६	853 एकनाथी भागवत, मूल (मराठी)	

854 भक्तराज हनुमान् (ओड़िआ)	६५	893 सती सावित्री (गुजराती)	७९
855 हरिपाठ (मराठी)		894 महाभारतके आदर्श पात्र (गुजराती)	७३
856 हनुमानचालीसा (ओड़िआ)	१११	895 भगवान् श्रीकृष्ण (गुजराती)	१२१
857 अष्टविनायक [चित्रकथा] (मराठी)	१३२	897 लघु-सिद्धान्त-कौमुदी, अजिल्द	११८
858 सुन्दरकाण्ड, मूल, लघुआकार	३८	898 भगवन्नाम (मराठी)	९५
859 ज्ञानेश्वरी, मूल, मझला (मराठी)	३३	899 देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम (मराठी)	९८
861 सत्संग-मुक्ताहार	९३		
862 मुझे बचाओ, मेरा क्या कसूर ?	१३२	900 दुर्गतिसे बचो (मराठी)	१०१
863 नवदुर्गा (ओड़िआ)	१३४	901 नाम-जपकी महिमा (मराठी)	१०२
864 अनुराग-पदावली	४८	902 आहार-शुद्धि (मराठी)	१००
865 प्रार्थना (ओड़िआ)	८८	903 सहज-साधना (बंगला)	९९
866 श्रीदुर्गासप्तशती (हिन्दी)	१०५	904 नारदभक्तिसूत्रम् (तेलुगु)	८६
867 भगवान् सूर्य बृहदाकार	१२८	905 आदर्श दाम्पत्य जीवनमो (तेलुगु)	८५
868 भगवान् सूर्य, ग्रन्थाकार (,,)	१२८	906 भगवन्तुडे आत्मेपुणु (तेलुगु)	*
869 कन्हैया-चित्रकथा	१२९	907 प्रेमभक्ति प्रकाशिका (तेलुगु)	७८
870 गोपाल चित्रकथा	१२९	908 नारायणीयम्, मूलम् (तेलुगु)	५९
871 मोहन ,,	१२९	909 दुर्गासप्तशती, मूलम् (तेलुगु)	१०५
872 श्रीकृष्ण ,,	१३०	910 विवेक-चूड़ामणि (तेलुगु)	१२२
875 भक्त सुधाकर (गुजराती)	६४	912 रामरक्षास्तोत्र, सटीक (तेलुगु)	१०५
876 श्रीदुर्गासप्तशती, मूल (गुटका)	१०५	913 भगवत्प्राप्ति सर्वोत्कृष्ट साधनमु स्मरणमें (तेलुगु)	८०
877 अनन्यभक्तिसे भगवत्प्राप्ति (गुजराती)	७०		
878 श्रीरामचरितमानस मूल, मझला (,,)	३८	914 स्तोत्ररत्नावली (तेलुगु)	१०३
879 ,, ,, ,, गुटका (गुजराती)	३८	915 सत्कथा मंजरी [उपदेशप्रद कहानियाँ] (तेलुगु)	७६
880 साधन और साध्य (मराठी)	९३		
881 भगवत्प्राप्तिकी सुगमता (मराठी)	९३	916 नल-दमयन्ती (तेलुगु)	७४
882 मातृशक्तिका घोर अपमान (मराठी)	९६	917 भक्त चन्द्रिका (तेलुगु)	६३
883 मूर्ति-पूजा (मराठी)	१०२	918 भक्त सप्तरत्न (तेलुगु)	६३
884 संतानका कर्त्तव्य (मराठी)	१००	919 मंचि माथुलु (उपयोगी कहानियाँ) (तेलुगु)	१२४
885 तात्त्विक प्रवचन (मराठी)	९४		
886 साधकोंके प्रति (मराठी)	९५	920 परमार्थ-पत्रावली (तेलुगु)	७५
887 जय हनुमान्-पत्रिका (तेलुगु)	१३३	921 नवविधि भक्तुलु (तेलुगु)	७४
888 परलोक और पुनर्जन्मकी सत्य घटनाएँ	१२३	922 सर्वोन्तम् साधनमु (तेलुगु)	*
889 भगवान्के रहनेके पाँच स्थान (गुजराती)	७३	923 भगवन्तुहु दयालु न्यायमूर्ति (तेलुगु)	८०
890 प्रेमी भक्त उद्धव (गुजराती)	६४	924 वाल्मीकीयरामायण, सुन्दरकाण्ड(तेलुगु)	४४
891 प्रेममें विलक्षण एकता	७६	925 सर्वोन्नतपदप्राप्तकी साधनमु (तेलुगु)	१००
892 भक्त चन्द्रिका (गुजराती)	६३	926 सन्तानका कर्तव्य (तेलुगु)	१००

927	भक्तियोग तत्त्वमु (तेलुगु)	*	1005	मातृशक्तिका घोर अपमान (ओड़िआ)	९६
928	भगवान्‌के स्वभावका रहस्य (तेलुगु)	*	1006	वासुदेवः सर्वम् (मराठी)	९६
929	महा भक्तनू (तेलुगु)	६३	1007	अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति (तमिल)	७२
930	दत्तात्रेयवज्रकवच (तेलुगु)	१०८	1008	गीता-श्लोकार्थसहित (ओडिआ) पॉकेट साइज	३५
931	उद्धार कैसे हो ? (गुजराती)	७५			
932	अमूल्य समयका सदुपयोग (गुजराती)	७१	1009	जय हनुमान् (ओड़िआ)	१३३
933	रामायणके आदर्श पात्र (गुजराती)	७३	1010	अष्टविनायक (ओड़िआ)	१३२
934	उपयोगी कहानियाँ (गुजराती)	१२४	1011	आनन्दकी लहरें (ओड़िआ)	८९
935	संक्षिप्त रामायण [वाल्मीकीय रामायण] (गुजराती)	४५	1012	पंचामृत	१००
			1013	**Gems of Satsaṅga**	७८
936	गीता, पॉकेट साइज (गुजराती)	३५	1015	भगवत्प्राप्तिमें भावकी प्रधानता	७२
937	श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्र (गुजराती)	१०४	1016	रामलला (चित्रकथा)	१३१
938	सर्वोच्चपदकी प्राप्तिके साधन (गुजराती)	१००	1017	श्रीराम (चित्रकथा)	१३१
939	मातृशक्तिका घोर अपमान (गुजराती)	*	1018	नवग्रह (चित्रकथा)	१३०
940	अमृत-बिन्दु (गुजराती)	९५	1019	सत्यकी खोज	९७
941	देशकी वर्तमान दशा·····परिणाम (,,)	९८	1020	चित्र-श्रीराधा-कृष्ण	१४३
942	जीवनका सत्य (गुजराती)	९४	1021	आध्यात्मिक प्रवचन	७४
943	गृहस्थमें कैसे रहें ? (गुजराती)	९९	1022	निष्काम श्रद्धा और प्रेम	७४
945	साधन-नवनीत (कन्नड़)	७३	1023	शिवमहिम्नःस्तोत्रम्-सटीक (तेलुगु)	१०७
946	सत्संगका प्रसाद (गुजराती)	९७	1024	नारायण-कवच, सटीक (तेलुगु)	*
947	महात्मा विदुर (गुजराती)	६६	1025	स्तोत्रकदम्बकम (तेलुगु)	
948	सुन्दरकाण्ड-मूल-मोटा टाइप (,,)	३८	1026	पंचसूत्रम् रुद्रम् (तेलुगु)	
950	सुन्दरकाण्ड, मूल, गुटका (,,)	३८	1027	श्रीहनुमत् चरितामृतम् (तेलुगु)	*
951	भक्त-चन्द्रिका (कन्नड़)	६३	1028	गीता-माधुर्यम् (तेलुगु)	३६
952	संतवाणी भाग—२ (तमिल)	८५	1029	भजन-संकीर्तनावली (तेलुगु)	
953	संतवाणी भाग—३ (तमिल)	८५	1030	सन्ध्योपासनविधि (तेलुगु)	*
954	श्रीरामचरितमानस, ग्रन्थाकार (बंगला)	३८	1031	गीता-श्लोकतात्पर्य सहित (तेलुगु)	३५
955	तात्त्विक प्रवचन (बंगला)	९४	1032	बालचित्र-रामायण (पुस्तकाकार)	१२७
956	साधन और साध्य (बंगला)	९३	1033	श्रीदुर्गाचालीसा, लघु आकार	११२
958	मेरा अनुभव	७६	1034	गीता, पॉकेट साइज-सटीक, सजिल्द, (गुजराती)	३५
992	चित्र-फुटकर	*			
999	साधन सम्बन्धी पुस्तकें (पैकेटमें)		1035	सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण	९७
1001	चित्र-जगज्जननी श्रीराधा	१४३	1036	गीता, लघु आकार (ओड़िआ)	३६
1002	श्रीवाल्मीकीय रामायणाङ्क	१३८	1037	प्रार्थना 'हे मेरे नाथ! मैं आपको भूलूँ नहीं !!	१००
1003	सत्संग-मुक्ताहार (ओड़िआ)	९३			
1004	तात्त्विक प्रवचन (ओड़िआ)	९४	1038	संत-महिमा (ओड़िआ)	७८

1039	भगवान्‌की दया (ओड़िआ)	८०	1071	श्रीनामदेवांची गाथा (मराठी)	
1040	सत्संगकी कुछ सार बातें (ओड़िआ)	७८	1072	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ?	१००
1041	ब्रह्मचर्य एवं मनको वशमें करनेके उपाय (ओड़िआ)	८९	1073	भक्त चन्द्रिका (मराठी)	६३
			1074	आध्यात्मिक-पत्रावली (मराठी)	७५
1042	पंचामृत (तमिल)	*	1075	ॐ नमः शिवाय (बंगला)	१३३
1043	नवदुर्गा (बंगला)	१३४	1076	आदर्श भक्त (गुजराती)	*
1044	वेदकथाङ्क	१४१	1077	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ (,,)	७६
1045	बालशिक्षा (गुजराती)	७७	1078	भगवत्प्राप्तिके विविध उपाय (ओड़िआ)	७६
1046	स्त्रियोंके लिये कर्तव्य शिक्षा (गुजराती)	६८	1079	बालशिक्षा (ओड़िआ)	७७
1047	आदर्श नारी सुशीला (गुजराती)	७७	1080	Gita Sadhak Sanjivani (Vol.1)	३२
1048	संत-महिमा (गुजराती)	७८	1081	Gita Sadhak Sanjivani (Vol.2)	३२
1049	आनन्दकी लहरें (गुजराती)	८९	1082	भक्त सप्तरत्न (गुजराती)	६३
1050	सच्चा सुख (गुजराती)	७८	1083	भक्त कुसुम (गुजराती)	*
1051	भगवान्‌की दया (गुजराती)	८०	1084	भक्त महिलारत्न (गुजराती)	६५
1052	इसी जन्ममें भगवत्प्राप्ति (गुजराती)	७२	1085	भगवान् राम (गुजराती)	१२२
1053	अवतारका सिद्धान्त (गुजराती)	८०	1086	कल्याणकारी प्रवचन भाग-२ (,,)	९२
1054	प्रेमका सच्चा स्वरूप, सत्यकी शरणसे मुक्ति (गुजराती)	८१	1087	प्रेमी भक्त (गुजराती)	६३
			1088	एकै साधे सब सधे (गुजराती)	९९
1055	हमारा कर्तव्य, व्यापार सुधारकी आवश्यकता (गुजराती)	८०	1089	धर्म क्या है ? भगवान् क्या हैं ? (ओडिआ)	७९
1056	चेतावनी और सामयिक चेतावनी (,,)	८०	1090	प्रेमका सच्चा स्वरूप, (,,)	८१
1057	सुन्दरकाण्ड-लघु आकार (,,)	४१	1091	हमारा कर्तव्य, पॉकेट साइज (,,)	८०
1058	मनको वशमें करनेके उपाय, कल्याणकारी आचरण (गुजराती)	८९	1092	भागवत-स्तुति-संग्रह (हिन्दी)	५०
			1093	आदर्श कहानियाँ	९२
1059	नल-दमयन्ती (गुजराती)	७४	1094	हनुमानचालीसा (सटीक)	१११
1060	त्यागसे भगवत्प्राप्ति और गीता पढ़नेके लाभ (गुजराती)	*	1095	श्रीरामचरितमानस (ग्रन्थाकार) (वि. संस्करण)	३८
1061	साधन-नवनीत (गुजराती)	७३	1096	कन्हैया (चित्रकथा) (बंगला)	१२९
1062	नारी-शिक्षा (गुजराती)	८४	1097	गोपाल (चित्रकथा) (बंगला)	१२९
1063	सत्संगकी विलक्षणता (गुजराती)	९५	1098	मोहन (चित्रकथा) (बंगला)	१२९
1064	जीवनोपयोगी कल्याण मार्ग (,,)	९६	1099	अमूल्य समयका सदुपयोग (मराठी)	७१
1065	नारदभक्ति-सूत्र (गुजराती)	*	1100	गीता-तत्त्वविवेचनी, ग्रन्थाकार (ओड़िआ)	३१
1066	भगवान्‌से अपनापन (गुजराती)	९३	1101	The drops of Nectar (Amrit Bindu)	९५
1067	दिव्य सुखकी सरिता (गुजराती)	८७	1102	अमृत-बिन्दु (बंगला)	९५
1068	गजेन्द्रमोक्ष (ओड़िआ)	११०	1103	मू० रामायण, रामरक्षास्तोत्र (बंगला) पॉकेट	४५
1069	नारायण-कवच (ओड़िआ)	१०८			
1070	आदित्यहृदयस्तोत्रम् (ओड़िआ)	१०६	1104	भागवताङ्क (ग्रन्थाकार)	१३६

1105	श्रीवाल्मीकिरामायणम्, संक्षिप्त (कन्नड़) पॉकेट	४५
1106	ईशावास्योपनिषद् (कन्नड़)	५६
1107	भगवान् श्रीकृष्ण (कन्नड़)	१२१
1109	उपदेशप्रद कहानियाँ (कन्नड़)	७६
1110	अमृत-बिन्दु (तमिल)	९५
1111	ब्रह्मपुराण, ग्रन्थाकार	५३
1112	गीता-तत्त्व-विवेचनी, ग्रन्थाकार (कन्नड़)	३१
1113	श्रीनरसिंहपुराणम्, ग्रन्थाकार	५४
1114	श्रीकृष्णलीला राजस्थानी शैली	१२७
1115	तत्त्वज्ञान कैसे हो ? (बंगला)	९४
1116	राजाराम (चित्रकथा)	१३२
1117	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम (तमिल)	*
1118	श्रीमद्भगवद्गीता तत्त्वविवेचनी (बँगला)	३१
1119	ईश्वर और धर्म क्यों ? (बँगला)	
1120	सिद्धान्त एवं रहस्यकी बातें	७५
1121	गीता-साधक-संजीवनी (ओड़िआ)	३२
1122	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ?(बँगला)	१००
1123	श्रीकृष्ण (चित्रकथा) (,,)	१३०
1124	गीता श्लोकार्थसहित (मराठी)	*
1125	**Five Divine Abodes**	७३
1126	साधन-पथ (गुजराती)	८८
1127	ध्यान और मानसिक पूजा-नामजपकी महिमा (गुजराती)	८१
1128	दाम्पत्य-जीवनका आदर्श (,,)	८५
1129	अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति (,,)	७२
1130	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ? (ओड़िआ)	१००
1131	कूर्मपुराणाङ्क [कल्याण वर्ष ७१]	५६
1133	संक्षिप्त देवीभागवत-मोटा टाइप	५२
1134	गीता-माहात्म्यकी कहानियाँ (तमिल)	१३५
1135	भगवन्नाम महिमा एवं प्रार्थना अङ्क [कल्याण वर्ष ३९]	१४०
1136	वैशाख-कार्तिक-माघ-मास-माहात्म्य	१०३
1137	भगवान् आणि व्यांची भवन्ती	९८
1138	भगवान्से अपनापन (ओड़िआ)	९३
1139	कल्याणकारी प्रवचन (,,)	९२
1140	भगवान्के दर्शन प्रत्यक्ष हो सकते हैं (बंगला)	७१
1141	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ? (गुजराती)	१००
1142	भक्त सरोज (,,)	६४
1143	भक्त सुमन (,,)	६४
1144	व्यवहारमें परमार्थकी कला (,,)	६६
1145	अमरताकी ओर (,,)	१०१
1146	श्रद्धा-विश्वास और प्रेम (,,)	६६
1147	सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण (,,)	*
1148	महापापसे बचो, पॉकेट साइज (,,)	१०१
1149	बालचित्र-रामायण सम्पूर्ण (,,)	*
1150	साधनकी आवश्यकता	७६
1151	सत्संग-मुक्ताहार (गुजराती)	९३
1152	मुक्तिमें सबका अधिकार (,,)	*
1153	अलौकिक प्रेम, पॉकेट साइज (,,)	*
1154	गोविन्ददामोदरस्तोत्रम् (ओडिआ)	१०६
1155	उद्धार कैसे हो ? (मराठी)	७५
1156	एकादश रूद्र (शिव) चित्रकथा	१२८
1157	गीता-सटीक (मोटे अक्षरवाली) अजिल्द (ओड़िआ)	३४
1158	श्रीकृष्णलीला राजस्थानी शैली, भाग-२	
1159	**Śrimad Bhāgwat Mahāpurāṇa-I**	*
1160	**Śrimad Bhāgwat Mahāpurāṇa-II**	*
1161	श्रीदुर्गासप्तशती, मोटा टाइप (हिन्दी अनुवाद)	१०५
1162	एकादशी व्रतका माहात्म्य (मोटा टाइप)	१०३
1163	बालकोंके कर्तव्य, (ओड़िआ)	७६
1164	शीघ्रकल्याणके सोपान (गुजराती)	६६
1165	सहज-साधना (,,)	९९
1166	कल्याण-कुञ्ज भाग-१ (,,)	*
1167	भगवत्तत्त्व (,,)	१०२
1168	भक्त नरसिंह मेहता (मराठी)	६२
1169	चोखी कहानियाँ (,,)	१२४
1170	आपले कर्त्तव्य (,,)	८०
1171	गीता पढ़नेके लाभ (,,)	*
1172	श्रीमद्भगवद्गीता तत्त्वविवेचनी (तेलुगु)	३१
1173	भक्त चन्द्रिका (ओड़िआ)	६३
1174	आदर्श नारी सुशीला (,,)	७७

1175	प्रश्नोत्तर-मणिमाला	९२
1176	शिखा (चोटी) धारणकी आवश्यकता	९७
1177	आवश्यक शिक्षा (गुजराती)	१००
1178	सार-संग्रह तथा सत्संगके अमृत कण (गुजराती)	१०१
1179	दुर्गतिसे बचो (गुजराती)	१०१
1180	**Sushila an Ideal Lady**	
1181	हनुमानचालीसा मूल (रंगीन)	१११
1182	परम विश्रामकी प्राप्ति	*
1183	नारदपुराण, ग्रन्थाकार	५३
1184	श्रीकृष्णाङ्क, ग्रन्थाकार	१३६
1185	शिवचालीसा (लघु आकार)	११२
1186	श्रीभगवन्नाम (ओड़िआ)	८८
1187	आदर्श भातृप्रेम (ओड़िआ)	७७
1188	मानस-गूढार्थ-चन्द्रिका—प्रस्तावना खण्ड	४२
1189	संक्षिप्त गरुडपुराणाङ्क	१४२
1190	श्रीशुक सुधा-सागर, खण्ड-1, सचित्र, मोटा टाइप	४८
1191	श्रीशुक सुधा-सागर, खण्ड-2, सचित्र, मोटा टाइप	४८
	(श्रीरामचरितमानसकी विस्तृत टीका)	
1192	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-1)	४२
1193	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-2)	४२
1194	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-3)	४२
1195	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-4)	४२
1196	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-5)	४२
1197	रामचरितमानस-गूढ़ार्थ चन्द्रिका (खण्ड-6)	४२
1198	हनुमानचालीसा, लघु आकार (गुजराती)	१११
1199	सुन्दरकाण्ड-लघु आकार (गुजराती)	३८
1200	सत्यप्रेमी हरिश्चन्द्र (ओड़िआ)	६५
1201	महात्मा विदुर (ओड़िआ)	६६
1202	प्रेमीभक्त उद्धव (ओड़िआ)	*
1203	नल-दमयन्ती (ओड़िआ)	७४
1204	सुन्दरकाण्ड-मूल-मोटा (ओड़िआ)	३८
1205	रामायणके आदर्श पात्र (ओड़िआ)	७३
1206	धर्म क्या है, भगवान् क्या हैं? (गुजराती)	७९
1207	मूर्तिपूजा नामजपकी महिमा (गुजराती)	१०२
1208	आदर्श कहानियाँ (ओड़िआ)	९२
1209	प्रश्नोत्तर-मणिमाला (ओड़िआ)	९२

1210	जित देखूँ तित तू (मराठी)	९१
1211	जीवनका कर्तव्य (गुजराती)	९२
1212	एक महात्माका प्रसाद (गुजराती)	*
1213	भक्त सौरभ (गुजराती)	*
1214	मानस-स्तुति-संग्रह	१३३
1215	प्रमुख देवता (सचित्र कथा)	१३४
1216	प्रमुख देवियाँ (सचित्र कथा)	१३३
1217	भवनभास्कर (हिन्दी)	१२४
1218	श्रीरामचरितमानस (मूल) ओडिआ	३८
1219	श्रीपञ्चरत्न-गीता (ओड़िआ)	३५
1220	सावित्री और सत्यवान्(ओडिआ)	७९
1221	आदर्श देवियाँ (ओड़िआ)	७८
1222	श्रीमद्भागवत माहात्म्य (असमिया)	४८
1223	**Bhagvadgita (Roman)**	३७
1224	कन्हैया [चित्रकथा](गुजराती)	१२९
1225	मोहन [चित्रकथा] (गुजराती)	१२९
1226	अष्टविनायक [चित्रकथा] (गुजराती)	१३२
1227	सचित्र-आरतियाँ (गुजराती)	१०९
1228	नवदुर्गा[चित्रकथा](गुजराती)	१३४
1229	पञ्चामृत (गुजराती)	*
1230	कल्याण मासिक-अङ्क (जनवरी)	वर्तमान मासिक अङ्कोंके लिये
1231	कल्याण मासिक-अङ्क (फरवरी)	
1232	कल्याण मासिक-अङ्क (मार्च)	
1233	कल्याण मासिक-अङ्क (अप्रैल)	
1234	कल्याण मासिक-अङ्क (मई)	
1235	कल्याण मासिक-अङ्क (जून)	
1236	कल्याण मासिक-अङ्क (जुलाई)	
1237	कल्याण मासिक-अङ्क (अगस्त)	
1238	कल्याण मासिक-अङ्क (सितम्बर)	
1239	कल्याण मासिक-अङ्क (अक्टूबर)	
1240	कल्याण मासिक-अङ्क (नवम्बर)	
1241	कल्याण मासिक-अङ्क (दिसम्बर)	
1242	पाण्डव गीता एवं हंस गीता	३७
1243	वास्तविक सुख (तमिल)	९३
1245	**Some Exemplary Characters of the Mahābhārata**	७३
1246	भक्तचरितम् (तमिल)	

1247	मेरे तो गिरधर गोपाल	९१
1248	मोहन [चित्रकथा] (ओड़िआ)	१२९
1249	कन्हैया [चित्रकथा] (ओड़िआ)	१२९
1250	ॐ नमः शिवाय [चित्रकथा] (ओड़िआ)	१३३
1251	भवरोगकी रामबाण दवा (ओड़िआ)	८५
1252	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान (ओड़िआ)	७३
1253	परलोक-पुनर्जन्म एवं वैराग्य (ओड़िआ)	७९
1254	साधन नवनीत (ओड़िआ)	७३
1255	कल्याणके तीन सुगम मार्ग पाकेट साइज	९८
1256	अध्यात्मरामायण (तमिल)	४३
1257	गीता (सटीक) पॉकेट साइज (मराठी)	३५
1258	आदर्श सम्राट् (गुजराती)	*
1259	भगवन्नाम (गुजराती)	*
1260	तत्त्वज्ञान कैसे हो ? (गुजराती)	९४
1261	सफलताके शिखरकी सीढ़ियाँ (गुजराती)	*
1262	भक्तके उद्गार (गुजराती)	*
1263	साधन और साध्य (गुजराती)	९३
1264	मेरा अनुभव (गुजराती)	७६
1265	आध्यात्मिक प्रवचन (गुजराती)	७४
1266	प्रेमसुधा-सागर (गुजराती)	*
1267	सहज साधना (ओड़िआ)	९९
1268	वास्तविक सुख (ओड़िआ)	९३
1269	आवश्यक शिक्षा और आहारशुद्धि (ओड़िआ)	१००
1270	नित्ययोगकी प्राप्ति (ओड़िआ)	९२
1271	हनुमानचालीसा-सटीक (ओड़िआ)	*
1272	निष्काम श्रद्धा और प्रेम (ओड़िआ)	७४
1273	नित्यकर्म-प्रयोग (ओड़िआ)	*
1274	परमार्थ-सूत्र-संग्रह (ओड़िआ)	७३
1275	नवधा भक्ति (मराठी)	७४
1276	आदर्श नारी सुशीला (मराठी)	७७
1277	भक्त बालक (मराठी)	६२
1278	दशमहाविद्या-चित्रकथा	१३२
1279	सत्संगकी कुछ सार बातें (मराठी)	७८
1280	चित्र—फुटकर तरहका	
1281	श्रीदुर्गासप्तशती-सटीक (राजसंस्करण)	१०५
1282	श्रीरामचरितमानस-मूल-मझला (राजसंस्करण)	३८
1283	सत्संगकी मार्मिक बातें	७६
1284	Some Ideal Characters of Rāmāyaṇa	७३
1285	Moral Stories	७६
1286	सं० शिवपुराण (गुजराती)	५२
1287	सत्यकी खोज (गुजराती)	९७
1288	गीता श्लोकार्थसहित (कन्नड़)	३५
1289	साधन-पथ (तमिल)	८८
1290	चित्र—नटराज शिव	१४३
1291	श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण कथा-सुधा-सागर	४५
1292	दशावतार चित्रकथा (बंगला)	१३४
1293	शिखा (चोटी) धारणकी आवश्यकता (बँगला)	९७
1294	भगवान और उनकी भक्ति (गुजराती)	९८
1295	जित देखूँ तित तू (गुजराती)	९१
1296	कर्णवासका सत्संग	७२
1297	मानसमें नाम वन्दना (ओड़िआ)	*
1298	गीता-दर्पण (ओड़िआ)	३२
1299	भगवान् और उनकी भक्ति (ओड़िआ)	९८
1300	महाकुम्भ पर्व	११८
1301	नवदुर्गा-चित्रकथा (तेलुगु)	१३४
1302	सिनेमा मनोरंजन या विनाशके साधन (गुजराती)	*
1303	साधकोंके प्रति (बँगला)	९५
1304	गीता-तत्त्वविवेचनी (मराठी) ग्रन्थाकार	३१
1305	प्रश्नोत्तर-मणिमाला (बँगला)	९२
1306	कर्त्तव्य साधनसे भगवत्प्राप्ति (,,)	
1307	नवदुर्गा (पॉकेट साइज)	१३४
1308	प्रेरक कहानियाँ	९६
1309	गीता-माहात्म्यकी कहानियाँ (तेलगु)	१३५
1310	धर्मके नामपर पाप (गुजराती)	८०
1311	रामाज्ञाप्रश्न (गुजराती)	*
1312	कर्मयोगका तत्त्व, भाग-२ (गुजराती)	*
1313	गीता-तत्त्वविवेचनी (गुजराती)	३१
1314	श्रीरामचरितमानस-सटीक (मराठी)	३८
1315	गीता-सटीक, मोटे अक्षर (गुजराती)	३४
1316	हिन्दी-बालपोथी (भाग-१) ग्रन्थाकार	११३

1317	गीता-पदच्छेद (पॉकेट साइज)	३२
1318	Ramcharit Manas (Hindi Text, Roman Eng.)	३८
1319	कल्याणके तीन सुगम मार्ग (बंगला) पॉकेट साइज	९८
1320	कल्याण-चित्रावली भाग-२	१४३
1321	सब जग ईश्वररूप है (ओड़िआ)	१०२
1322	श्रीदुर्गासप्तशती-सटीक-अजिल्द (बंगला)	१०५
1323	हनुमानचालीसा (असमिया)	१११
1324	अमृत-वचन	७४
1325	सब जग ईश्वररूप है (गुजराती)	१०२
1326	संक्षिप्त देवीभागवत (गुजराती)	५२
1327	भगवत्प्राप्तिकी सुगमता (गुजराती)	*
1328	भगवतप्राप्ति सहज है (गुजराती)	*
1329	कल्याणके तीन सुगम मार्ग (गुजराती)	*
1330	मेरा अनुभव (मराठी)	७६
1331	कृष्णभक्त उद्धव (मराठी)	*
1332	दत्तात्रेयवज्रकवच (मराठी)	१०८
1333	भगवान् श्रीकृष्ण (मराठी)	१२१
1334	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान (मराठी)	७३
1335	रामायणके आदर्श पात्र (मराठी)	७३
1337	वाल्मीकीय रामायण-भाषा,मोटा टाइप(I)	४४
1338	वाल्मीकीय रामायण-भाषा, मोटा टाइप (II)	४४
1339	कल्याणके तीन सुगम मार्ग (मराठी)	९८
1340	अमृत-बिन्दु (मराठी)	९५
1341	सहज साधना (मराठी)	९९
1342	बड़ोंके जीवन शिक्षा (ओड़िआ)	११५
1343	हर हर महादेव (सचित्र कथा)	१३३
1344	सचित्र-आरती-संग्रह	१०९
1345	आरोग्य-अङ्क (साधारण अङ्कोंके साथ)	
1346	दुर्गासप्तशती-सचित्र, हिन्दी-टीकासहित	१०५
1349	सुन्दरकाण्ड-सटीक, हनुमानचालीसासहित	३८
1351	चित्र—सुमधुर गोपाल	१४३
1352	श्रीरामचरितमानस-सटीक (तेलुगु)	३८
1353	रामायणके कुछ आदर्श पात्र (तमिल)	७३
1354	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र (तमिल)	७३
1355	सचित्र-स्तुति-संग्रह	११०
1356	सुन्दरकाण्ड-सटीक (बंगला)	३८
1357	नवदुर्गा (चित्रकथा) (कन्नड़)	१३४
1358	कर्मरहस्य (बंगला)	९६
1359	जिन खोजा तिन पाइयाँ (बंगला)	९६
1360	तू ही तू	९७
1361	संक्षिप्त वराहपुराण	५४
1362	अग्निपुराण	५५
1363	शरणागति-रहस्य	४६
1364	श्रीविष्णुपुराण-मोटा टाइप (हिन्दी)	५३
1365	नित्यकर्म-पूजाप्रकाश (गुजराती)	१०२
1366	श्रीदुर्गासप्तशती-सटीक अजिल्द (,,)	१०५
1367	सत्यनारायण व्रत-कथा	१०४
1368	साधना (बँगला)	
1369	साधक-संजीवनी-ग्रन्थाकार (कन्नड़) खण्ड-१	३२
1370	साधक-संजीवनी-ग्रन्थाकार (कन्नड़) खण्ड-२	३२
1371	शरणागति (कन्नड़)	९९
1372	गीता-माहात्म्यसहित (कन्नड़)	३४
1373	गजेन्द्रमोक्ष (कन्नड़)	११०
1374	अमूल्य समयका सदुपयोग (कन्नड़)	७१
1375	ॐ नमः शिवाय (चित्रकथा) (,,)	१३३
1376	मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (सातों खण्ड)	४२
1377	आरोग्य-अङ्क (सजिल्द)	१४२
1378	सुन्दरकाण्ड मूल, (लालरंग)	३८
1379	नीतिसार-अङ्क	१४२
1381	क्या करें, क्या न करें ?	१२०
1382	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ (मराठी)	७६
1383	भक्तराज हनुमान् (मराठी)	६५
1384	सती-सावित्री कथा, पॉकेट साइज (मराठी)	७९
1385	नल-दमयन्ती (मराठी)	७४
1386	महाभारतके आदर्श पात्र (मराठी)	७३
1387	प्रेममें विलक्षण एकता (मराठी)	७६
1388	गीता-श्लोकार्थ-मोटे अक्षरमें (मराठी)	३४
1389	श्रीरामचरितमानस, बृहदाकार (राजसंस्करण)	३८
1390	गीता-तात्पर्यसहित (मोटा टाइप) तेलुगु	३५
1392	गीता-ताबीजी [माचिस आकार] सजिल्द	३६
1393	गीता-सटीक, सजिल्द (पॉकेट) बंगला	३५
1394	भगवान् श्रीराम, पुस्तकाकार	१३१

1395	WOMAN NUMBER	
1396	RAMA NUMBER	
1397	MANUSMRITI NUMBER	
1398	HINDU SANSKRITI NUMBER	
1399	चोखी कहानियाँ (गुजराती)	१२४
1400	पिताकी सीख (गुजराती)	११५
1401	बालप्रश्नोत्तरी (गुजराती)	११५
1402	रामचरितमानस-सामान्य (ग्रन्थाकार)	३८
1406	GITA MADHURYA (The Melody etarnal)	३६
1407	Drop of Nactar (Special Edition)	९५
1408	सब साधनोंका सार	९३
1409	भगवत्प्रेम-प्राप्तिके उपाय	७२
1410	Ease in God Realigation	९३
1411	Bhagvadgita [spl. Edition]	३७
1412	Way to Divine Bliss [spl. Edition]	*
1413	God is Everything [spl. Edition]	९६
1414	Story of Mira Bai [spl. Edition]	
1415	अमृत-वाणी बँगला	७४
1416	गरुडपुराण-सारोद्धार	१२४
1417	श्रीशिवस्तोत्ररत्नाकर	१०४
1418	श्रीकृष्णालीला-दर्शन (चित्रकथा)	१३०
1419	श्रीरामचरितमानस (केवल भाषा) [तेलुगु]	३८
1420	पौराणिक देवियाँ [पत्रिका]	१३०
1421	ईशादि नौ उपनिषद् [शांकरभाष्य]	५७
1422	वीर बालक [गुजराती]	११६
1423	गुरु और माता पिताके भक्त बालक [गुजराती]	११७
1424	दयालु और परोपकारी बालक-बालिकाएँ [गुजराती]	११७
1425	वीर बालिकाएँ [गुजराती]	११७
1426	गीता-साधक-संजीवनी, खण्ड-१ [तमिल]	३२
1427	गीता-साधक-संजीवनी, खण्ड-२ [तमिल]	३२
1428	आवश्यक शिक्षा, पुस्तकाकार [मराठी]	१००
1429	वाल्मीकीय रामायण, सुन्दरकाण्ड, ग्रन्थाकार [तेलुगु]	४४
1430	श्रीरामचरितमानस (मूल) मोटा, ग्रन्थाकार [गुजराती]	३८
1431	गीता-दैनन्दिनी, पुस्तकाकार [फोम]	३७
1432	श्रीवामनपुराण	५५
1433	साधना-पथ	७२
1434	एक नयी बात	९८
1435	आत्मकल्याणके विविध उपाय	७२
1436	श्रीरामचरितमानस (बृहदाकार) [मूल]	३८
1437	वीर बालक [रंगीन]	११६
1438	Discovery of Truth & Immortality	९७
1439	दशमहाविद्या (चित्रकथा) [बँगला]	१३२
1440	परमपितासे प्रार्थना	९८
1441	संसारका असर कैसे छूटे ?	९७
1442	प्रमुख ऋषिमुनि (चित्रकथा)	१३१
1443	रामायणके प्रमुख पात्र (चित्रकथा)	१३१
1444	गीता-ताबीजी, सजिल्द (बँगला)	३६
1445	Virtuous Children	११७
1446	गीता-केवल भाषा (उर्दू)	३५
1447	मानवमात्रके कल्याणके लिये	१०२
1448	वीर वालिकाएँ (रंगीन)	११७
1449	दयालु और परोपकारी बालक-वालिकाएँ (रंगीन)	११७
1450	सच्चे और ईमानदार बालक (रंगीन)	११७
1451	गुरु और माता पिताके भक्त बालक (रंगीन)	११७
1452	आदर्श कहानियाँ (बँगला)	९२
1453	प्रेरक कहानियाँ (बँगला)	९६
1454	स्तोत्ररत्नावली (बँगला)	१०३
1455	गीता-लघु आकार (बँगला)	३६
1456	भगवत्प्राप्तिके पथ व पाथेय (बँगला)	
1457	प्रेममें विलक्षण एकता (गुजराती)	*
1458	सब साधनोंका सार (गुजराती)	९३
1459	तू-ही-तू (गुजराती)	*
1460	विवेक-चूड़ामणि (बँगला)	१२२
1461	हम कैसे रहें ?	१२३
1462	मानवमात्रके कल्याणके लिये [विशिष्ट]	१०२
1463	श्रीरामचरितमानस-सटीक (ओड़िआ)	३८
1464	अमृत-बिन्दु (ओड़िआ)	९६
1465	गीता-अन्वय अर्थसहित पॉकेट साइज	३४

1466	वाल्मीकीयरामायण-सुन्दरकाण्ड (तेलुगु)	४४
1467	भगवत्प्रेम-अङ्क (मासिक अङ्कोंके साथ)	१४२
1468	संक्षिप्त शिवपुराण (विशिष्ट संस्करण)	५२
1469	सब साधनोंका सार (बंगला)	९३
1470	For Salvation of Mankind	१०२
1471	संध्या, सन्ध्या-गायत्रीका महत्त्व, ब्रह्मचर्य	११२
1472	नीतिसार-अङ्क	१४२
1473	साधन-सुधा-सिन्धु (ओड़िआ)	९०
1474	श्रीसकल संतवाणी (मराठी) भाग-1	६१
1475	श्रीसकल संतवाणी (मराठी) भाग-2	६१
1476	श्रीदुर्गासप्तशती-सटीक (ओड़िआ)	१०५
1477	वाल्मीकीयरामायण-सुन्दरकाण्ड-सटीक (तेलुगु)	४४
1478	मानवमात्रके कल्याणके लिये (बंगला)	१०२
1479	साधनके दो प्रधान सूत्र	९५
1480	भगवान्‌के स्वभावका रहस्य (तमिल)	७१
1481	प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय (तमिल)	७१
1482	भक्तियोगका तत्त्व (तमिल)	७१
1483	भगवत्पथ-दर्शन	६९
1485	ज्ञानके दीप जले	९४
1486	मानवमात्रके कल्याणके लिये (गुजराती)	१०२
1487	गृहस्थमें कैसे रहें? (असमिया)	९९
1488	श्रीमद्भागवतके प्रमुख पात्र	१२८
1489	गीता-दैनन्दिनी (बँगला) पुस्तकाकार	३७
1490	भागवत-सुधासागर (विशिष्ट संस्करण)	४८
1491	मोहन पत्रिका (अंग्रेजी)	१२९
1492	रामलला पत्रिका (अंग्रेजी)	१३१
1493	नेत्रोंमें भगवान्‌को बसा लें!	७७
1494	बालचित्रमय चैतन्यलीला (ओड़िआ)	१३५
1495	बालचित्रमय चैतन्यलीला (बँगला)	१३५
1496	परलोक-पुनर्जन्मकी सच्ची घटनाएँ (")	१२३
1497	भक्तियोगका तत्त्व (कन्नड़)	*
1498	भगवत्कृपा (कन्नड़)	८०
1499	नवधाभक्ति (कन्नड़)	७४
1500	संध्या-गायत्रीका महत्त्व (गुजराती)	११२
1501	Real Love	७८
1502	श्रीनामरामायणम् एवं हनुमानचालीसा (लघु आकार) (तेलुगु)	१११
1503	भगवत्प्राप्तिमें भावकी प्रधानता (गुजराती)	७२
1504	प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय (गुजराती)	७१
1505	भीष्मस्तवराज	*
1506	अमूल्य समयका सदुपयोग (ओड़िआ)	७१
1507	उद्धार कैसे हो? (ओड़िआ)	७५
1508	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम (ओड़िआ)	९८
1509	रामरक्षास्तोत्र (ओड़िआ)	१०५
1511	मानवमात्रके कल्याणके लिये (ओड़िआ)	१०२
1512	साधनके दो प्रधान सूत्र (ओड़िआ)	९५
1513	उपयोगी कहानियाँ (बँगला)	१२४
1514	उपयोगी कहानियाँ (ओड़िआ)	१२४
1515	शिवचालीसा (असमिया)	११२
1516	परमशान्तिका मार्ग भाग-1 (गुजराती)	६९
1517	परमशान्तिका मार्ग भाग-2 (गुजराती)	*
1518	भगवान्‌के स्वभावका रहस्य (गुजराती)	७१
1519	आध्यात्मविषयक पत्र (गुजराती)	*
1520	कर्मयोगका तत्त्व भाग-1 (गुजराती)	७०
1521	मनुष्य-जीवनकी सफलता, भाग-1 (गुजराती)	*
1522	मनुष्य-जीवनकी सफलता, भाग-2 (गुजराती)	*
1523	Is Salvation Not Possible Without Guru	*
1524	हनुमानचालीसा-लघु आकार (विशिष्ट संस्करण)	१११
1525	हनुमानचालीसा (अति लघु आकार)	१११
1526	गीता-मूल, मोटे अक्षर, पॉकेट साइज (तेलुगु)	३५
1527	विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् नामावलिसहित (")	१०४
1528	हनुमानचालीसा, रोमन	१११
1529	सम्पूर्ण दुःखोंका अभाव कैसे हो?	६८
1530	आनन्द कैसे मिले?	६८
1531	श्रीमद्भगवद्गीता एवं विष्णुसहस्रनाम (तेलगु)	३६
1532	वाल्मीकिरामायणं सुन्दरकाण्डं वचनमु (तेलुगु)	४४
1533	श्रीरामचरितमानस विशिष्ट संस्करण (गुजराती)	३८
1534	वाल्मीकिरामयण सुन्दरकाण्ड-सटीक (तमिल)	४४
1535	श्रीमद्भागवतमहापुराण-सटीक (खण्ड-1) विशिष्ट संस्करण	४८

1536	श्रीमद्भागवतमहापुराण-सटीक (खण्ड-2) विशिष्ट संस्करण	४८
1537	श्रीमद्भागवतकी प्रमुख कथाएँ चित्रकथा	१२८
1538	महाभारतकी प्रमुख कथाएँ चित्रकथा	१३०
1539	सत्संगकी कुछ मार्मिक बातें (गुजराती)	*
1540	मेरे तो गिरधर गोपाल (,,)	*
1541	साधनके दो प्रधान सूत्र (बंगला)	९५
1542	भगवत्प्रेम-अङ्क [अजिल्द]	१४२
1543	Upanishad Number (कल्याण कल्पतरु)	*
1544	श्रीरामचरितमानस गुटका [विशिष्ट सं०]	३८
1545	BRAVE AND HONEST CHILDREN	११७
1546	गीता-प्रबोधनी	३३
1547	किसान और गाय (तेलुगु) पॉकेट साइज	९५
1548	व्रतपर्वोत्सव अङ्क (सजिल्द)	१४२
1549	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण सुन्दरकाण्ड, सटीक	४४
1550	SUNDERKAND POCKET SIZE (ROMAN)	*
1551	भागवतमहापुराण (ओड़िआ) जगन्नाथदास	५०
1552	श्रीमद्भागवतमहापुराण भाग-१ (गुजराती)	४८
1553	श्रीमद्भागवतमहापुराण भाग-२ (गुजराती)	४८
1554	श्रीरामचरितमानस सुन्दरकाण्ड (सटीक) अस०	*
1555	गीता-माहात्म्यसहित [विशिष्ट संस्करण]	३४
1556	श्रीमद्भगवद्गीता श्लोकार्थसहित [लघु आकार]	३६
1557	वाल्मीकीयरामायण, बाल०, अयो०, सटीक, तेलुगु	४४
1558	अध्यात्मरामायण (कन्नड़)	४३
1559	वाल्मीकीयरामायण सुन्दरकाण्ड (कन्नड़)	४४
1560	श्रीरामचरितमानस-सटीक (कन्नड़)	३८
1561	दुःखोंका नाश कैसे हो ?	७१
1562	गीता-प्रबोधनी (पुस्तकाकार)	३३
1563	श्रीरामचरितमानस-सटीक, मझला (वि० सं०)	३८
1564	महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव	६१
1565	गीता-मोटे अक्षर (गुजराती) सटीक, सजि०	३५
1566	गीता-श्लोकार्थसहित (पॉकेट) सजिल्द	३५
1567	श्रीदुर्गासप्तशती मूल, मोटा (आड़ी)	१०५
1568	चित्र बालरूप श्रीराम	१४३
1569	हनुमत्स्तोत्रावली (तेलुगु)	१११
1570	गीता-माचिस आकार (तेलुगु)	३६

1571	गीता-लघु आकार (तेलुगु)	३६
1572	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ (तेलुगु)	७६
1573	श्रीमद्भागवतमहापुराण मूलमात्रम् (तेलुगु)	४८
1574	संक्षिप्त महाभारत (बंगला) भाग-१	५२
1575	शिक्षा (चोटी) धारणकी आवश्यकता (मराठी)	*
1576	श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम् (गुजराती)	*
1577	श्रीमद्भागवत-सटीक (बंगला) खण्ड-१	४८
1578	मानवमात्रके कल्याणके लिये (मराठी)	१०२
1579	साधनार मनोभूमि (बंगला)	
1580	अध्यात्मसाधनाय कर्महीनता नय (बंगला)	
1581	गीतार सारात्सार (बंगला)	
1582	चित्र-भगवान् श्रीकृष्ण	१४३
1583	सुन्दरकाण्ड-मूल, आड़ी (रंगीन)	३८
1584	BHAGVADGITA ROMAN (POCKET)	३७
1585	व्रतपर्वोत्सव-अङ्क (अजिल्द)	१४३
1586	देवीपुराण [महाभागवत]-शक्तिपीठाङ्क	१४२
1587	जीवन-सुधारकी बातें	७१
1588	माघमास-माहात्म्य	१०३
1589	श्रीहरिवंशपुराण (केवल हिन्दी) मोटा	४१
1590	गीता-प्रबोधनी, पॉकेट साइज (वि० संस्करण)	३३
1591	आरती-संग्रह (मोटा टाइप)	११०
1592	आरोग्य-अङ्क (संवर्धित संस्करण)	१४२
1593	अन्त्यकर्म-श्राद्धप्रकाश	१०२
1594	सहस्रनामस्तोत्र संग्रह	*
1595	साधकमें साधुता	क०पृ०३
1596	नारायणकवच एवं अमोघ शिवकवच (ओड़िआ)	*
1597	चिन्ता शोक कैसे मिटें ?	क०पृ०३
1598	सत्संगके फूल	क०पृ०३
1599	श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित)	१६०
1600	श्रीगणेशसहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित)	१६०
1601	श्रीहनुमत्सहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित)	१६०
1602	श्रीमद्भगवद्गीता लघु आकार (वि०सं०)	
1603	ईशादि नौ उपनिषद् (बंगला)	१६०
1604		
1605		

गीताप्रेस, गोरखपुरकी पुस्तकोंका संक्षिप्त-विवरण

मूल्यमें परिवर्तन होनेपर पुस्तकपर छपा मूल्य देय होगा।

श्रीमद्भगवद्गीताकी विभिन्न टीकाएँ—

गीता-तत्त्व-विवेचनी—भगवान् श्रीकृष्णकी दिव्यवाणीसे निःसृत सर्वशास्त्रमयी गीताकी विश्वमान्य महत्ताको दृष्टिमें रखकर इस अमर संदेशको जन-जनतक पहुँचानेके उद्देश्यसे गीताप्रेसके आदि संस्थापक परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा प्रणीत गीताकी एक दिव्य टीका। इसमें २५१५ प्रश्न और उनके उत्तरके रूपमें प्रश्नोत्तर शैलीमें गीताके श्लोकोंकी विस्तृत व्याख्याके साथ अनेक गूढ़ रहस्योंका सरल, सुबोध भाषामें सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। इसके स्वाध्यायसे सामान्य-से-सामान्य व्यक्ति भी गीताके रहस्योंको आसानीसे हृदयंगम कर अपने जीवनको धन्य कर सकता है।

गीता-तत्त्व-विवेचनीके विभिन्न संस्करण—

कोड	पुस्तक-नाम	मूल्य रु०
1	■ **गीता-तत्त्व-विवेचनी**—हिन्दी-टीका, सजिल्द, सचित्र, बृहदाकार।	१२०
2	■ ,, ,, ,, —हिन्दी-टीका, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
3	■ ,, ,, ,, —हिन्दी-टीका, सजिल्द, सचित्र, साधारण संस्करण, ग्रन्थाकार।	४५
1118	■ ,, ,, ,, —बँगला-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
800	■ ,, ,, ,, —तमिल-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	८०
1100	■ ,, ,, ,, —ओड़िआ-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
1112	■ ,, ,, ,, —कन्नड़-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
1172	■ ,, ,, ,, —तेलुगु-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	८०
1313	■ ,, ,, ,, —गुजराती-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
1304	■ ,, ,, ,, —मराठी-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०
457	■ ,, ,, ,, —अँग्रेजी-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	७०

गीता-साधक-संजीवनी—परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजने गीतोक्त जीवनकी प्रयोगशालासे दीर्घकालीन अनुसन्धानद्वारा अनन्त रत्नोंका प्रकाश इस टीकामें उतार कर लोक-कल्याणार्थ प्रस्तुत किया है, जिससे आत्मकल्याणकामी साधक साधनाके चरमोत्कर्षको आसानीसे प्राप्त कर आत्मलाभ कर सकें। इस टीकामें स्वामीजीकी व्याख्या विद्वत्ता-प्रदर्शनकी न होकर सहज करुणासे साधकोंकी कल्याणकामी है। विविध आकार-प्रकार, भाषा, आकर्षक साज-सज्जामें उपलब्ध यह टीका सद्गुरुकी तरह सच्ची मार्गदर्शिका है।

गीता-साधक-संजीवनीके विभिन्न संस्करण—

कोड	पुस्तक नाम	मूल्य रु०
5	■ **गीता-साधक-संजीवनी (परिशिष्टसहित)**—हिन्दी-टीका, सजिल्द, सचित्र, बृहदाकार।	१८०
6	■ **गीता-साधक-संजीवनी (परिशिष्टसहित)**—हिन्दी-टीका, मजबूत जिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	१००
7	■ **गीता-साधक-संजीवनी**—मराठी-अनुवाद, मजबूत जिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	१००
467	■ **गीता-साधक-संजीवनी**—गुजराती-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	१००
1080 1081	■ **गीता-साधक-संजीवनी (परिशिष्टसहित)**—अंग्रेजी-अनुवाद (दो खण्डोंमें) पुस्तकाकार, सजिल्द, सचित्र।	१००
763	■ **गीता-साधक-संजीवनी**—बँगला-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	११०
1121	■ ,, ,, ,, —ओड़िआ-अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रन्थाकार।	११०
1369 1370	■ **गीता-साधक संजीवनी**—कन्नड़-अनुवाद (दो खण्डोंमें) ग्रंथाकार, सजिल्द, सचित्र।	१४०
1426 1427	■ **गीता-साधक-संजीवनी** तमिल अनुवाद, सजिल्द, सचित्र, ग्रंथाकार (दो खण्डोंमें)	१५०
1317	■ **गीता-पॉकेट साइज**—साधक-संजीवनीके आधारपर भावार्थ अन्वय एवं पदच्छेदसहित।	१२

गीता-दर्पण—सरल-से-सरल शैलीमें गीतोक्त जीवन-कलाके संवाहक श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजीद्वारा प्रणीत इस ग्रन्थरत्नके स्वाध्यायसे अनेक भावुक भक्त गीतारूपी दर्पणके द्वारा आत्मपरिष्कार कर चुके हैं। इसमें गीताको सुबोध रूपमें प्रश्नोत्तर शैलीमें प्रस्तुत किया गया है तथा

गीताको विभिन्न दृष्टियोंसे विचारकी कसौटीपर कसते हुए प्रधान-प्रधान विषयोंको विशद व्याख्यासे समलंकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त इसमें गीता-व्याकरण एवं छन्द-सम्बन्धी ज्ञानसे भी परिचित कराया गया है।

गीता-दर्पणके विभिन्न संस्करण

कोड	पुस्तक नाम	मूल्य रु०
08	■ गीता-दर्पण (हिन्दी) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार।	४०
504	■ गीता-दर्पण (मराठी) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार।	३५
556	■ गीता-दर्पण (बँगला) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार।	४०
468	■ गीता-दर्पण (गुजराती) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार।	४५
1298	■ गीता-दर्पण (ओड़िआ) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार।	४०

गीता-प्रबोधनी (कोड नं० 1546) पॉकेट साइज—श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रणीत गीताकी इस संक्षिप्त टीकामें गीताके श्लोक, श्लोकार्थ और कुछ श्लोकोंकी संक्षेपमें व्याख्या भी दी गयी है। यह टीका नित्यपाठ तथा यात्रादिमें साथ रखनेकी दृष्टिसे विशेष सुविधाजनक है। मूल्य रु० १५, **(कोड नं० 1562)**, पुस्तकाकारमें भी, मूल्य रु० ३०

■ **ज्ञानेश्वरी-गूढ़ार्थ-दीपिका—(मराठी) कोड नं० 784, ग्रन्थाकार —** इस ग्रन्थमें महाराष्ट्रके प्रसिद्ध सन्त ज्ञानेश्वरके द्वारा प्रणीत गीताकी टीकाके साथ उसकी श्रीगुलाबरावकृत विशद व्याख्या दी गयी है। मूल्य रु० १३० ज्ञानेश्वरी-(कोड नं० 859) मूल-मझला मूल्य रु० ४० और (कोड नं० 748) मूल-गुटका आकारमें मूल्य रु० २५ भी उपलब्ध।

■ **गीता-शाङ्करभाष्य—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 10, ग्रन्थाकार—** इसमें गीताके मूल श्लोकोंके साथ शाङ्करभाष्य तथा सरल भाषामें उसका अनुवाद दिया गया है। गूढ़ भावोंको समझानेके लिये टिप्पणी तथा अन्तमें श्लोकोंके पदोंकी अकारादिक्रमसे सूची भी दी गयी है। मूल्य रु० ६०

■ **गीता-रामानुज-भाष्य—कोड नं० 581, पुस्तकाकार**—यह श्रीसम्प्रदाय-प्रवर्तक जगद्गुरु श्रीरामानुजाचार्यद्वारा की गयी विशिष्टाद्वैत सिद्धान्तकी पुष्टिमें गीताकी अद्भुत व्याख्या है, जिसका अनुकरण भक्ति-पक्षके लगभग

सभी आचार्योंद्वारा किया गया है। आचार्यश्रीके इस भाष्यमें प्रचलित अद्वैतवादका श्रुति-स्मृतियोंके प्रमाणसहित सुन्दर युक्तियोंद्वारा खण्डन, भगवद्-आराधनापूर्वक कर्मकी आवश्यकतापर बल, आत्मबोध-हेतु सतत प्रयास इत्यादि विषयोंपर विशद विवेचन है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ४०

■ **गीता-चिन्तन—कोड नं०11, पुस्तकाकार—**परम श्रद्धेय (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा भिन्न-भिन्न रुचि, अधिकार, योग्यतावाले मनुष्योंको कर्तव्य-कर्मका बोध तथा भगवान्‌की ओर गति करानेके उद्देश्यसे लिखे गये गीता-सम्बन्धी लेखों, विचारों, पत्रोंका दुर्लभ संग्रह। इसमें गीताके श्लोकोंकी संक्षिप्त टीकाके साथ गीतामें भक्तियोग, शरणागतिका स्वरूप, निष्काम कर्म, आत्माकी शाश्वतता, गीता और वैराग्य आदि अनेक विषयोंपर विशद विवेचन है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ३५

■ **गीता-पदच्छेद-अन्वय—साधारण भाषा-टीकासहित, कोड नं० 17, पुस्तकाकार—**इसकी टीका इतनी सरल है कि साधारण पढ़े-लिखे मनुष्य भी इसे आसानीसे समझ सकते हैं। इसमें श्लोकोंके ठीक-ठीक अनुवादके साथ पदच्छेद और अन्वय दे दिये जानेसे इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गयी है। टिप्पणी-प्रधान और सूक्ष्म विषय, त्यागसे भगवत्प्राप्ति-विषयक निबन्धसहित। मूल्य रु० २५ (कोड नं० 1465) पॉकेट साइज, (कोड नं० 12) गुजराती, (कोड नं० 14) मराठी, (कोड नं० 772) तेलुगु, (कोड नं० 13) बँगला, (कोड नं० 726) कन्नड़ और (कोड नं० 823) तमिलमें भी उपलब्ध।

गीताके विभिन्न संस्करण—

■ **गीता-माहात्म्यसहित—कोड नं०16, पुस्तकाकार—**इसमें प्रत्येक अध्यायके प्रारम्भमें पद्मपुराणसे उद्धृत माहात्म्यका सरस वर्णन, मोटे अक्षरोंमें गीताका मूलपाठ और सरल भाषामें अर्थ दिये जानेसे यह स्त्रियों, बालकों, वृद्धोंके लिये विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० २५ (कोड नं० 1555) वि० सं०, (कोड नं०15) मराठी (कोड नं० 1372) कन्नड़में भी उपलब्ध।

■ **गीता—कोड नं० 18, पुस्तकाकार—**भाषा-टीका, टिप्पणी, प्रधान विषय, मोटा टाइप। मूल्य रु० १३ इसका अजिल्द संस्करण (कोड नं० 1315) गुजराती, (कोड नं० 1157) ओड़िआ, (कोड नं० 1388) मराठी

तथा सजिल्द संस्करण (कोड नं० 502) हिन्दी, (कोड नं० 1465) गुजराती, (कोड नं० 771) तेलुगु, (कोड नं० 815) ओड़िआ, (कोड नं० 718) कन्नड़ और (कोड नं० 743) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **गीता (केवल भाषा)—कोड नं०19, पुस्तकाकार—** संस्कृत भाषासे अनभिज्ञ लोगों-हेतु विशेष उपयोगी। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 663) तेलुगु (कोड नं० 1446) उर्दू और (कोड नं० 795) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **गीता (केवल भाषा) —कोड नं० 750, पॉकेट साइज—**सम्पूर्ण गीताका केवल हिन्दी अनुवाद, यात्रादिमें पाकेटमें रखने योग्य। मूल्य रु० ४

■ **गीता—कोड नं० 20, पॉकेट साइज—**मूल श्लोक, भाषा-टीका, गीता-महिमा, प्रधान-विषय, त्यागसे भगवत्प्राप्ति निबन्धसहित। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 455) अँग्रेजी, (कोड नं० 1257) मराठी, (कोड नं० 496) बँगला, (कोड नं० 714) असमिया, (कोड नं० 1008) ओड़िआ, (कोड नं० 936) गुजराती, (कोड नं० 1288) कन्नड़ (कोड नं० 1031) तेलुगु, (कोड नं० 1390) तेलुगु (विशेष संस्करण) और (कोड नं० 1391) अँग्रेजी (विशेष संस्करण) में भी उपलब्ध।

■ **गीता—मूल, भाषा-टीका, सजिल्द, कोड नं० 1566, पॉकेट साइज—** गीता मूल, हिन्दी अनुवाद, गीता-महिमा, गीताके प्रत्येक अध्यायके प्रधान विषयोंकी सूची, त्यागसे भगवत्प्राप्ति-निबन्धसहित। मूल्य रु० १० (कोड नं० 534) अंग्रेजी, सजिल्द, (कोड नं० 1034) गुजराती, सजिल्द और (कोड नं० 1393) बंगला, सजिल्दमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीपञ्चरत्नगीता—कोड नं० 21, पुस्तकाकार—**इसमें गीता, विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुस्मृति तथा गजेन्द्रमोक्षका एक साथ मोटे अक्षरोंमें प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 1219) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **गीता—मूल, मोटे अक्षरोंवाली कोड नं० 22, पुस्तकाकार—**मोटे अक्षरोंमें मूल पाठ, माहात्म्य, न्यास-विधि-सहित। बालकों और वृद्धोंके लिये पाठहेतु उपयोगी। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1531) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **गीता—मूल, कोड नं० 23, पॉकेट साइज—**गीताका मूल पाठ, विष्णुसहस्रनामसहित, नित्यपाठ-हेतु उपयोगी। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 661)

कन्नड़, (कोड नं० 662) तेलुगु, (कोड नं० 793) तमिल, (कोड नं० 739) मलयालम और (कोड नं० 541) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **नित्यस्तुतिः (कोड नं० 488) पॉकेट साइज**—प्रातः स्मरणहेतु स्तुति तथा गीता मूल—विष्णुसहस्रनामसहित। मूल्य रु० ५

■ **गीता—मूल, कोड नं 700, छोटी साइज**—नित्य पाठहेतु सदैव पास रखनेयोग्य पुस्तक।) मूल्य रु० २ (कोड नं० 1455) बंगला (कोड नं० 1571) तेलुगु और (कोड नं० 1036) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **गीता-श्लोकार्थसहित (कोड नं० 1556) लघु आकार**—यात्रादिमें साथ रखने तथा नित्यपाठके लिये उपयोगी। मूल्य रु० ५

■ **गीता-ताबीजी सजिल्द—कोड नं० 1392, माचिस आकारकी**—न्यास, ध्यान, गीता-मूलपाठ-सहित, हर समय साथ रखनेयोग्य सुन्दर पुस्तक। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1570) तेलुगु, (कोड नं० 1444) बंगलामें भी उपलब्ध।

■ **गीता-ताबीजी (कोड नं० 566)**—एक ही पन्नेमें सम्पूर्ण गीताका सुन्दर प्रकाशन। मूल्य रु० .२५

▲ **गीताके कुछ श्लोकोंपर विवेचन (कोड नं० 288) पुस्तकाकार**—गीताके कुछ महत्त्वपूर्ण श्लोकोंपर सरल विश्लेषण। मूल्य रु० २

▲ **गीता-निबन्धावली (कोड नं० 289) पुस्तकाकार**—गीताके कुछ सूक्ष्म विषयोंपर एक सरल विवेचन। मूल्य रु० २.५०

▲ **गीतोक्त संन्यास या सांख्ययोगका स्वरूप (कोड नं० 297) पाकेट साइज**—गीतामें ज्ञानयोग और संन्यासके सन्दर्भमें ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० १

▲ **गीता-माधुर्य—कोड नं० 388, पुस्तकाकार**—श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्यमात्रको कर्तव्य और मुक्तिकी शिक्षा प्रदान करनेवाला एक सार्वभौमिक ग्रन्थ है। इस पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा प्रश्नोत्तर शैलीमें गीताके गूढ़ भावोंको बड़े ही सरल तथा रोचक ढंगसे प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 389) तमिल, (कोड नं० 391) मराठी, (कोड नं० 392) गुजराती, (कोड नं० 393) उर्दू, (कोड नं० 1028) तेलुगु, (कोड नं० 395) बँगला, (कोड नं० 624) असमिया, (कोड नं० 390) कन्नड़, (कोड नं० 754) ओड़िआ, (कोड नं० 487) अंग्रेजी (कोड नं० 1406) अंग्रेजी डिलक्स और (कोड नं० 679) संस्कृतमें भी उपलब्ध।

■ **गीता—रोमन, (अंग्रेजी अनुवाद) अजिल्द, कोड नं० 1223, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें अंग्रेजी भाषा-भाषी लोगोंको गीता-पाठ तथा अर्थबोधकी सुविधा प्रदान करनेकी दृष्टिसे गीताके मूल श्लोकोंके साथ रोमन वर्णान्तर एवं अंग्रेजी भाषामें अर्थ दिया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1411) विशेष संस्करण (कोड नं० 1584) पॉकेट साइजमें भी उपलब्ध।

■ **गीता-ज्ञान-प्रवेशिका —कोड नं० 464, पुस्तकाकार—**परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रणीत यह पुस्तक गीता-शिक्षार्थियोंके लिये अत्यन्त उपयोगी है। इसमें, गीताके सम्बन्धमें ज्ञातव्य बातें, गीता-पाठकी विधियाँ, गीताके प्रधान और सूक्ष्म विषय, गीताभ्यासकी कला, गीता (मूल) तथा गीताकी अनुक्रमणिका आदि दी गयी है। मूल्य रु० १२

■ **पाण्डवगीता और हंसगीता —कोड नं० 1242, पॉकेट साइज—** इस पुस्तकमें पाँचों पाण्डव, व्यास आदि ऋषियों, भगवान्‌के उद्धव आदि सखा तथा इन्द्रादि देवताओंके द्वारा की गयी भगवान् नारायणके स्तुतियोंके सानुवाद संग्रहके साथ भीष्मके द्वारा पाण्डवोंको दिये गये उपदेशोंका संकलन है। मूल्य रु० ३

गीता-दैनन्दिनी [दो आकार-तीन प्रकारमें] —इसके सभी संस्करण सम्पूर्ण गीताका मूल पाठ, उपासनायोग्य आठ बहुरंगे चित्र, प्रार्थना, कल्याणकारी लेख, वर्षभरके व्रत त्यौहार, तिथि, वार, संक्षिप्त पञ्चाङ्ग, रूलदार पृष्ठ आदि अनेक विशेषताओंसे युक्त है।

■ **पुस्तकाकार (कोड नं० 1431)** (विशिष्ट संस्करण) मूल्य रु० ४५
■ ,, **(कोड नं० 503) (रोमन) सामान्य संस्करण—** सुन्दर प्लास्टिक आवरण। मूल्य रु० ३०
■ **पॉकेट साइज (कोड नं० 506) डीलक्स संस्करण—** फोमकी जिल्द, मूल्य रु० २०

■ **गीता-सुधातरंगिनी—कोड नं० 508, पुस्तकाकार—**इस पुस्तकमें साधक-संजीवनीके आधारपर लिखा गया चौपाई, दोहा, छन्द और सोरठाके रूपमें सम्पूर्ण गीताका पद्यानुवाद दिया गया है। मूल्य रु० १०

रामायण

श्रीरामचरितमानस— श्रीगोस्वामी तुलसीदासजी महाराजके द्वारा प्रणीत श्रीरामचरितमानस हिन्दी साहित्यकी सर्वोत्कृष्ट रचना है। आदर्श राजधर्म, आदर्श गृहस्थ-जीवन, आदर्श पारिवारिक जीवन आदि मानव-धर्मके सर्वोत्कृष्ट आदर्शोंका यह अनुपम आगार है। सर्वोच्य भक्ति, ज्ञान, त्याग, वैराग्य तथा भगवान्‌की आदर्श मानव-लीला तथा गुण, प्रभावको व्यक्त करनेवाला ऐसा ग्रन्थरत्न संसारकी किसी भाषामें मिलना असम्भव है। आशीर्वादात्मक ग्रन्थ होनेके कारण सभी लोग इसका मन्त्रवत् आदर करते हैं। इसका श्रद्धापूर्वक पाठ करनेसे एवं इसके उपदेशोंके अनुरूप आचरण करनेसे मानवमात्रके कल्याणके साथ भगवत्प्रेमकी सहज ही प्राप्ति सम्भव है। इस दिव्य ग्रन्थरत्नकी अधिकाधिक प्रचार-प्रसारकी दृष्टिसे ही गीताप्रेससे इसके बृहदाकार, ग्रन्थाकार, मझला आकार, गुटका आकार और अलग-अलग काण्डके रूपमें विभिन्न भाषाओंमें सटीक एवं मूल अनेक संस्करण प्रकाशित किये गये हैं। श्रीरामचरितमानसका सटीक संस्करण अबतक प्रकाशित सैकड़ों टीकाओंमें पाठ-भेदोंको दृष्टिमें रखकर सर्वाधिक प्रमाणित टीकाके रूपमें निकाला गया। यहाँसे प्रकाशित श्रीरामचरितमानसका मूलपाठ भी यथाशक्ति सर्वाधिक शुद्ध तथा क्षेपकरहित है। श्रीरामचरितमानसके सभी संस्करणोंमें पाठ-विधिके साथ नवाह्न और मासपारायणके विश्रामस्थान, गोस्वामीजीकी संक्षिप्त जीवनी, श्रीरामशलाका प्रश्नावली तथा अन्तमें रामायणजीकी आरती दी गयी है। गीताप्रेससे प्रकाशित श्रीरामचरितमानसके विभिन्न संस्करणोंकी प्रत्येक घरमें उपस्थिति ही इसकी लोकप्रियता तथा प्रामाणिकताका सुन्दर परिचय है।

श्रीरामचरितमानसके विभिन्न संस्करण विभिन्न भाषाओंमें

कोड नं०	हिन्दी-संस्करण	मूल्य रु०
1389	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) बृहदाकार,** मोटा टाइप, राजसंस्करण, सचित्र, सजिल्द लेमिनेटेड चित्रावरणसहित।	३५०

80	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) बृहदाकार,** मोटा टाइप—सचित्र,सजिल्द आकर्षक, लेमिनेटेड चित्रावरणसहित।	२५०
1095	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) ग्रन्थाकार (राजसंस्करण)—** सचित्र, सजिल्द, आकर्षक लेमिनेटेड आवरणसहित।	१९०
81	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) ग्रन्थाकार,** सचित्र, सजिल्द, मोटा टाइप—आकर्षक आवरणसहित।	१३०
1402	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) ग्रन्थाकार, साधारण संस्करण—**सचित्र, सजिल्द आकर्षक आवरणसहित।	१००
82	■ **श्रीरामचरितमानस (सटीक) मझला आकार**—सचित्र सजिल्द।	६५
790	■ **श्रीरामचरितमानस (केवल भाषा) ग्रन्थाकार—** सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	८०
1436	■ **श्रीरामचरितमानस बृहदाकार (केवल मूल पाठ)—** बहुत बड़े अक्षरोंमें सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरण सहित।	१४०
83	■ **श्रीरामचरितमानस—ग्रन्थाकार (केवल मूल पाठ)—** मोटे अक्षरोंमें, सचित्र सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	६५
1563	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) मझला आकार, (विशिष्ट संस्करण)**	७५
1282	■ **श्रीरामचरितमानस (केवल मूल) मझला आकार (राजसंस्करण)**—सचित्र-सजिल्द।	६०
84	■ **श्रीरामचरितमानस (केवल मूल) मझला आकार**—सचित्र, सजिल्द।	४०
1544	■ **श्रीरामचरितमानस (केवल मूल) गुटका आकार, विशिष्ट संस्करण**	३०
85	■ **श्रीरामचरितमानस (केवल मूल) गुटका आकार**—सचित्र, सजिल्द।	२५
	अंग्रेजी-संस्करण	
1318	■ **श्रीरामचरितमानस—ग्रन्थाकार (मूल)**—रोमन-वर्णान्तर, अंग्रेजी अनुवाद, सचित्र, सजिल्द आकर्षक आवरणसहित।	२००
456	■ **श्रीरामचरितमानस—ग्रन्थाकार (मूल) अंग्रेजी अनुवाद—** सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	१००

786	■ **श्रीरामचरितमानस—मझला आकार (मूल)—** अंग्रेजी अनुवाद, सचित्र, सजिल्द।	७०
	ओडिआ-संस्करण	
1218	■ **श्रीरामचरितमानस—(मूल, मोटा टाइप) ग्रन्थाकार —** सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	७०
1463	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार**—सचित्र, सजिल्द	१३०
	बँगला-संस्करण	
954	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार**—सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	१२०
	गुजराती-संस्करण	
1533	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार** (विशिष्ट संस्करण)	१९०
799	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार**—सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	१३०
785	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) मझला आकार**, सचित्र, सजिल्द, आकर्षक आवरणसहित।	६०
1430	■ **श्रीरामचरितमानस—ग्रन्थाकार (मूल मोटाटाइप)—** सचित्र, सजिल्द आकर्षक आवरण सहित।	६०
878	■ **श्रीरामचरितमानस—मझला आकार** (मूल) सचित्र, सजिल्द।	४०
879	■ **श्रीरामचरितमानस—गुटका आकार** (मूल) सचित्र, सजिल्द।	२५
	मराठी-संस्करण	
1314	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार,** सचित्र, सजिल्द आकर्षक आवरणसहित।	१३०
	तेलुगु-संस्करण	
1352	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार,** सचित्र, सजिल्द आकर्षक आवरणसहित।	१२०
1419	■ **श्रीरामचरितमानस—(केवल भाषा) ग्रन्थाकार,** सचित्र, सजिल्द	७०
	कन्नड़-संस्करण	
1560	■ **श्रीरामचरितमानस—(सटीक) ग्रन्थाकार**	११०

श्रीरामचरितमानसके मूल एवं सटीक अलग-अलग काण्ड

कोड	पुस्तक आकार	भाषा	मूल्य रु०
94	■ **श्रीरामचरितमानस—(पुस्तकाकार) बालकाण्ड** (सटीक)	हिन्दी	१८
95	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) अयोध्याकाण्ड** (,,)	,,	१८
141	■ **श्रीरामचरितमानस—** (,,) **अरण्य, किष्किन्धा, सुन्दरकाण्ड** (,,)	,,	९
1349	■ **श्रीरामचरितमानस—(पुस्तकाकार) सुन्दरकाण्ड** (,,) मोटा टाइप, लाल अक्षरोंमें हनुमानचालीसा सहित	,,	१५
98	■ **श्रीरामचरितमानस—(पुस्तकाकार) सुन्दरकाण्ड** (,,)	,,	५
101	■ **श्रीरामचरितमानस—** (,,) **लंकाकाण्ड** (,,)	,,	९
102	■ **श्रीरामचरितमानस—** (,,) **उत्तरकाण्ड** (,,)	,,	८
830	■ **श्रीरामचरितमानस—(ग्रन्थाकार) सुन्दरकाण्ड** (मूल) मोटा टाइप (रंगीन)	,,	१२
1378	■ **श्रीरामचरितमानस—(पुस्तकाकार) सुन्दरकाण्ड** (मूल) लाल रंगमें	,,	६
1583	■ **श्रीरामचरितमानस—(बेड़िआ) सुन्दरकाण्ड** (मूल) लाल रंगमें	,,	६
100	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) सुन्दरकाण्ड** (मूल) मोटा टाइप	,,	५
99	■ **श्रीरामचरितमानस—(गुटका) सुन्दरकाण्ड** (मूल)	,,	३
858	■ **श्रीरामचरितमानस—(लघु आकार) सुन्दरकाण्ड** (मूल)	,,	२
832	■ **श्रीरामचरितमानस—(पुस्तकाकार) सुन्दरकाण्ड** (सटीक)	कन्नड़	८
753	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) सुन्दरकाण्ड** (,,)	तेलुगु	५
1356	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) सुन्दरकाण्ड** (,,)	बँगला	५
948	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) सुन्दरकाण्ड** मूल मोटा टाइप	गुजराती	५
1204	■ **श्रीरामचरितमानस—(,,) सुन्दरकाण्ड** मूल मोटा टाइप	ओडिआ	५
950	■ **श्रीरामचरितमानस—(गुटका आकार) सुन्दरकाण्ड** (मूल)	गुजराती	३
1199	■ **श्रीरामचरितमानस—(लघु आकार) सुन्दरकाण्ड** (मूल)	गुजराती	२

गीताप्रेससे प्रकाशित श्रीरामचरितमानसकी बृहत् टीकाएँ—

■ **मानस-पीयूष (सात खण्डोंमें) कोड नं० 86, ग्रन्थाकार**—माहात्मा श्रीअञ्जनीनन्दनजी शरणके द्वारा सम्पादित 'मानस-पीयूष' श्रीरामचरितमानसकी सबसे बृहत् टीका है। यह महान् ग्रन्थ ख्यातिलब्ध रामायणियों, उत्कृष्ट विचारकों, तपोनिष्ठ महात्माओं एवं आधुनिक मानसविज्ञोंकी व्याख्याओंका

एक साथ अनुपम संग्रह है। आजतकके समस्त टीकाकारोंके इतने विशद तथा सुसंगत भावोंका ऐसा संग्रह अत्यन्त दुर्लभ है। भक्तोंके लिये तो यह एकमात्र विश्रामस्थान तथा संसार-सागरसे पार होनेके लिये सुन्दर सेतु है। विभिन्न दृष्टियोंसे यह ग्रन्थ विश्वके समस्त जिज्ञासुओं, भक्तों, विद्वानों तथा सर्वसामान्यके लिये असीम ज्ञानका भण्डार एवं संग्रह तथा स्वाध्यायका विषय है। ऑफसेटकी सुन्दर छपाई, मजबूत जिल्द तथा आकर्षक लेमिनेटेड आवरणमें उपलब्ध। मूल्य रु० १०५०

मानस-पीयूषके अलग-अलग खण्डोंका विवरण

कोड	खण्ड विवरण	मूल्य रु०
87	■ **मानस-पीयूष (बालकाण्ड-खण्ड-१)** बालकाण्डके प्रारम्भसे दोहा ४३ तक।	१५०
88	■ **मानस-पीयूष (बालकाण्ड-खण्ड-२)** बालकाण्ड दोहा ४४ से दोहा १८८ तक।	१५०
89	■ **मानस-पीयूष (बालकाण्ड-खण्ड-३)** बालकाण्ड दोहा १८९ से दोहा २६८ बालकाण्ड समाप्तिक।	१५०
90	■ **मानस-पीयूष (अयोध्याकाण्ड-खण्ड-४)** सम्पूर्ण अयोध्याकाण्डकी विस्तृत व्याख्या।	१५०
91	■ **मानस-पीयूष (अरण्य, किष्किन्धाकाण्ड-खण्ड-५)** दोनों काण्डोंकी विस्तृत व्याख्या एक जिल्दमें	१५०
92	■ **मानस-पीयूष (सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड-खण्ड-६)** दोनों काण्डोंकी विस्तृत व्याख्या एक जिल्दमें	१५०
93	■ **मानस-पीयूष (उत्तरकाण्ड-खण्ड-७)** सम्पूर्ण उत्तरकाण्डका विस्तृत विवेचन	१५०

श्रीरामचरितमानसकी बृहत् नवीन हिन्दी-टीका

■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (सात खण्डोंमे) कोड नं० 1376, ग्रन्थाकार—** यह श्रीरामचरितमानसके गूढ़-से-गूढ़तम भावोंका सरल ढंगसे बोध करानेवाली सर्वोत्तम हिन्दी-टीका है। इस टीकाके लेखक प० प० दण्डी स्वामी श्रीप्रज्ञानानन्दजी सरस्वती श्रीरामचरितमानसके आजीवन तत्त्वान्वेषक रहे हैं। इस टीकाकी भाषा-शैली तथा विषय-वस्तुके प्रस्तुतीकरणकी कला

इतनी विलक्षण है कि यह पाठकोंकी समस्त जिज्ञासाओंका स्वाध्याय मात्रसे समाधान कर देती है। '**मानस-पीयूष**' के बाद गीताप्रेससे ४९९२ पृष्ठोंमें प्रकाशित मानस-तत्त्वज्ञानकी अभिनव प्रकाशिका तथा बृहत् टीका होनेके कारण यह मानस-जिज्ञासुओं, शोध छात्रों तथा सामान्य जनताके लिये भी संग्रह तथा स्वाध्यायका विषय है। ऑफसेटकी सुन्दर छपाई, मजबूत जिल्द तथा आकर्षक लेमिनेटेड आवरण पृष्ठके साथ उपलब्ध। मूल्य रु० ७६०

मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिकाके ग्रन्थाकारमें अलग-अलग खण्डोंका विवरण		
कोड	**खण्ड विवरण**	**मूल्य रु०**
1188	■ **प्रस्तावना (खण्ड)** श्रीरामचरितमानसके विविध विषयोंपर लेखोंका अद्भुत संग्रह	१००
1192	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-१)**—बालकाण्डके प्रारम्भसे दोहा ४३ (क) तक।	९०
1193	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-२)**—बालकाण्ड दोहा ४३ (ख) से दोहा १८८।६ तक।	१००
1194	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-३)**—बालकाण्ड दोहा १८८। ७ से बालकाण्ड-समाप्तिक।	११०
1195	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-४)**—सम्पूर्ण अयोध्याकाण्डकी विस्तृत व्याख्या एक जिल्दमें	१५०
1196	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-५)** अरण्य, किष्किन्धा एवं सुन्दरकाण्डका विस्तृत विवेचन एक जिल्दमें	९०
1197	■ **मानस-गूढ़ार्थ-चन्द्रिका (खण्ड-६)**—लंकाकाण्डसे उत्तरकाण्ड परिशिष्टसहित	१२०

■ **अध्यात्मरामायण (कोड नं० 74) ग्रन्थाकार**—यह परम पवित्र गाथा भगवान् शङ्करद्वारा आदिशक्ति जगदम्बा पार्वतीजीको सुनायी गयी थी। यह कथा ब्रह्माण्डपुराणके उत्तरखण्डमें आयी है, अतः इसके रचयिता भी महामुनि व्यास हैं। इसमें परम रसायन रामचरित्रका वर्णन और प्रसंगानुसार भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, उपासना, सदाचार सम्बन्धी उपदेश एवं अध्यात्म-तत्त्वके विवेचनकी प्रधानता है। मूल्य रु० ६० (कोड नं० 1256) तमिल, (कोड नं० 1558) कन्नड़ एवं (कोड नं० 845) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (कोड नं० 75, 76) ग्रन्थाकार**—त्रेतायुगमें महर्षि वाल्मीकिके श्रीमुखसे साक्षात् वेदोंका ही श्रीमद्रामायणरूपमें प्राकट्य हुआ, ऐसी आस्तिक जगत्की मान्यता है। अत: श्रीमद्रामायणको वेदतुल्य प्रतिष्ठा प्राप्त है। धराधामका आदिकाव्यका होनेसे इसमें भगवान्के लोकपावन चरित्रकी सर्वप्रथम वाङ्मयी परिक्रमा है। इसके एक-एक श्लोकमें भगवान्के दिव्य गुण, सत्य, सौहार्द, दया, क्षमा, मृदुता, धीरता, गम्भीरता, ज्ञान, पराक्रम, प्रजा-रंजकता, गुरुभक्ति, मैत्री, करुणा, शरणागत-वत्सलता-जैसे अनन्त पुष्पोंकी दिव्य सुगन्ध है। मूलके साथ सरस हिन्दी अनुवादमें दो खण्डोंमें उपलब्ध, सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० २२०

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायणके विभिन्न संस्करण—

कोड	पुस्तकका नाम	मूल्य रु०
1337 1338	■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (ग्रन्थाकार)**—केवल भाषानुवाद, मोटा टाइप दो खण्डोंमें सेट	२४०
77	■ ,, ,, **(ग्रन्थाकार)**—केवल भाषानुवाद, सचित्र, सजिल्द।	१४०
583	■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (ग्रन्थाकार)**—मूल पाठ, मजबूत जिल्द, सचित्र।	१००
78	■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (गुटका आकार)**—सुन्दरकाण्ड, मूलमात्रम्। (कोड नं०1549) सटीक, पुस्तकाकार एवं (कोड नं० 1477) सटीक (कोड नं०1466) मूल, ग्रन्थाकार (कोड नं० 1532) पुस्तकाकार भाषा तेलुगुमें भी उपलब्ध।	१५
452 453	■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (ग्रन्थाकार)**—मूल पाठ, अंग्रेजी अनुवादसहित, सचित्र, सजिल्द—दो खण्डोंमें सेट।	३००

■ **सं० श्रीमद्वाल्मीकीय रामायणाङ्क (कोड नं० 1002) ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें श्रीमद्वाल्मीकीय रामायणके विभिन्न पक्षोंपर अनेक विद्वान् सन्त-महात्माओं एवं अनुभवी विचारकोंके सुन्दर लेखोंके साथ सम्पूर्ण वाल्मीकीय रामायणकी कथाएँ दी गयी हैं। मूल्य रु० ६५

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण—बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड तात्पर्यसहित-[तेलुगु] ग्रन्थाकार (कोड नं० 1557)—तेलुगु भाषाभाषी पाठकोंकी रुचि एवं आग्रहको स्वीकार करके इस पुस्तकमें वाल्मीकीय रामायणके उपर्युक्त दोनों काण्डोंको तात्पर्यसहित तेलुगु वर्णान्तरमें प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ११०

■ **श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण-कथा-सुधा-सागर (कोड नं० 1291) ग्रन्थाकार**—इस ग्रन्थमें अयोध्याके श्रीराम-कथा-मर्मज्ञ परम विद्वान् आचार्य श्रीकृपाशङ्करजीके द्वारा नैमिषारण्यमें प्रस्तुत की गयी सम्पूर्ण वाल्मीकीय रामायणकी कथाको लिपिबद्ध करके प्रकाशित किया गया है। इसमें स्थान-स्थानपर मूल श्लोकोंके साथ कथाकी प्रस्तुति इतनी सारगर्भित एवं सरस है कि साधारण पाठक भी इसके स्वाध्यायसे गम्भीर भावोंमें सहज ही निमग्न हो सकते हैं। मूल्य रु० ८५

■ **मूल रामायण (कोड नं० 223) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें श्रीमद्वाल्मीकीय रामायणमें वर्णित मूल रामायणके श्लोकोंका सानुवाद संकलन किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1103) बंगला, (कोड नं० 935) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **रामाश्वमेध (कोड नं० 460) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा सम्पादित है। इसमें पद्मपुराणके पातालखण्डमें वर्णित भगवान् श्रीरामके अश्वमेध यज्ञ विषयक सामग्रीके साथ अनेक कल्याणकारी आख्यानों, तत्त्वबोधक कथाओं तथा आध्यात्मिक ज्ञानकी वृद्धि करनेवाले उपदेशोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० १०

▲ **मानसमें नाम-वन्दना (कोड नं० 401) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह है। इसमें श्रीरामचरितमानसमें वर्णित नाम-महिमा प्रसंगका विस्तृत विवेचन किया गया है। मूल्य रु० ८

■ **मानस-रहस्य (कोड नं० 103) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक वैकुण्ठवासी श्रीजयरामदासजी (दीन) के कल्याणके विभिन्न अंकोंमें पूर्व प्रकाशित श्रीरामचरितमानसके विभिन्न प्रसंगोंपर ३५ लेखोंका अनुपम संकलन है। इसमें रामावतारका रहस्य, कलियुगका पुण्यप्रताप, सीतातत्त्व, श्रीभरत-यश-चन्द्र आदि प्रसंगोंपर अत्यन्त सुन्दर विवेचन किया गया है। मूल्य रु० ३५

■ **मानस-शंका-समाधान (कोड नं० 104) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें श्रीजयरामदासजी (दीन) के द्वारा श्रीरामचरितमानसके विभिन्न प्रसंगोंके सन्दर्भ पाठकोंके मनमें उठनेवाले प्रश्नोंका मानसके प्रमाणोंके आधारपर विस्तृत समाधान प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० ११

■ **शरणागति-रहस्य (कोड नं० 1363) पुस्तकाकार**—शरणागति भक्तिका सार-सर्वस्व है। इस पुस्तकमें विद्वान् लेखक भट्ट श्रीमथुरानाथ शास्त्रीके द्वारा वाल्मीकीय रामायणके आधारपर विभीषण और सुग्रीवके चरित्रोंके माध्यमसे भक्तिके छहों अंगोंकी अनुपम व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० २०

अन्य तुलसीकृत साहित्य

■ **रामाज्ञाप्रश्न (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 109, पुस्तकाकार**—इसमें विभिन्न सर्गोंमें रामचरित्रके वर्णनके साथ शकुन एवं ज्योतिष सम्बन्धी गोस्वामीजीकी कविताओंका संग्रह है। मूल्य रु० ७

■ **विनय-पत्रिका (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 105, पुस्तकाकार**—यह अद्भुत पुस्तक सन्त-शिरोमणि गोस्वामी श्रीतुलसीदासजी महाराजके आर्त हृदयका भावात्मक परिचय है। इसमें उन्होंने विभिन्न देवी-देवताओंके चरणोंमें प्रणत होकर श्रीरामभक्तिके वरदानकी याचनाके साथ भगवान् श्रीरामकी कृपा पक्षका सुन्दर वर्णन किया है। भावात्मक व्याख्याके साथ उपलब्ध। मूल्य रु० २५

■ **गीतावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 106, पुस्तकाकार**—कविकुल-चक्रचूड़ामणि गोस्वामी श्रीतुलसीदासजीद्वारा प्रणीत गीतावलीमें सम्पूर्ण रामचरितका वर्णन पदोंमें किया गया है। इस ग्रन्थमें गोस्वामीजीने अपने इष्टदेवकी मधुर झाँकी तथा श्रीरामके करुणापक्षके वर्णनको विशेष प्राथमिकता दी है। मूल्य रु० २५

■ **दोहावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 107, पुस्तकाकार**— यह पुस्तक प्रातःस्मरणीय भक्तकुल चूड़ामणि गोस्वामी श्रीतुलसीदासजीकी प्रमुख कृतियोंमें है और भक्त-समाजमें इसका बहुत आदर है। यह श्रीगोस्वामीजीके भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, सदाचार, नीतिका अक्षय अनुभवकोश है। मूल्य रु० १२

■ **कवितावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 108, पुस्तकाकार**—गोस्वामी श्रीतुलसीदासजीद्वारा विरचित तथा श्रीइन्द्रदेवनरायणजीद्वारा अनुवादित यह पुस्तक भावुक भक्तोंको प्राणोंके समान प्रिय है। इसमें भगवान् श्रीरामके बालकाण्डसे लेकर उत्तरकाण्डपर्यन्त लीलाओंका बड़ा ही मनोहर चित्रण है। मूल्य रु० १२

■ **श्रीकृष्ण-गीतावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 110, पुस्तकाकार—** गोस्वामीजीद्वारा विरचित यह गीत-काव्य व्रजभाषाकी मधुर कृति है। भगवान् श्रीकृष्णके मधुर लीलाओंका यह मनोहर चित्रण गोस्वामीजीका श्रीराम और श्रीकृष्णके प्रति अभेद प्रेमका सुन्दर परिचायक है। मूल्य रु० ५

■ **जानकी-मंगल (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 111, पुस्तकाकार—** यह पुस्तक गोस्वामीजीकी भावमयी तूलिकाद्वारा उकेरा गया भगवान् श्रीराम तथा श्रीसीताजीकी विवाह-लीलाका मधुर काव्यात्मक चित्रण है। मूल्य रु० ४

■ **पार्वती-मंगल—कोड नं० 113 (सरल भावार्थसहित) पुस्तकाकार—** गोस्वामी श्रीतुलसीदासजीकी यह कृति भगवान् शङ्करके साथ गिरिराज नन्दिनी भगवती पार्वतीके विवाहका काव्यमय एवं रसमय चित्रण है। मूल्य रु० ३

■ **हनुमानबाहुक (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 112, पॉकेट साइज—** गोस्वामीजीके द्वारा विरचित यह स्तुत्यात्मक काव्य त्रिताप-निवारक तथा श्रीहनुमान्‌जीकी प्रसन्नता-हेतु सबल आधार है। इसके पाठसे आपत्तियोंका शमन एवं हनुमान्‌जीकी कृपा प्राप्त होती है। मूल्य रु० ३

■ **वैराग्यसंदीपनी एवं बरवै रामायण (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 114, पाकेटसाइज—** गोस्वामीजीके वैराग्य सम्बन्धी कविताओंके साथ बरवै रामायणका भी सुन्दर संग्रह। मूल्य रु० ३

सूरदासजीद्वारा विरचित साहित्य

■ **सूर-विनय-पत्रिका (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 61, पुस्तकाकार—** महाकवि श्रीसूरदासजीके द्वारा विरचित ३०९ पदोंके इस संग्रहमें वैराग्य, संसारकी अनित्यता, विनय, प्रबोध तथा चेतावनी आदि विषयोंका सुन्दर वर्णन है। पुस्तकमें आये हुए मुख्य कथा-प्रसंग पुस्तकके अन्तमें परिशिष्टके रूपमें दिये गये हैं। मूल्य रु० २०

■ **श्रीकृष्ण-बाल-माधुरी (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 62, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्णके शिशुलीलासे सम्बन्धित ३३५ पदोंका संकलन किया गया है। पुस्तकके अन्तमें पदोंमें आये हुए मुख्य कथाके मर्मस्पर्शी प्रसंग भी दिये गये हैं। मूल्य रु० २०

■ **श्रीकृष्ण-माधुरी (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 555, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें श्रीसूरदासजीके ३४३ पदोंका संग्रह किया गया है। इन पदोंमें भगवान् श्रीकृष्णके बाल, कुमार एवं किशोरस्वरूपकी अनुपम छटा, मुरलीकी मधुरिमा एवं उसके मोहक प्रभावका बड़ा ही सजीव चित्रण किया गया है। मूल्य रु० २०

■ **विरह-पदावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 547, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें श्रीसूरदासजीके द्वारा विरचित गोपी-विरह-सम्बन्धी ३२५ पदोंका संग्रह है। इसमें अक्रूरजीके साथ श्रीकृष्णके मथुरागमनके समय यशोदा एवं गोपियोंकी विरह-दशाका बड़ा ही मर्मस्पर्शी चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १५

■ **सूर-रामचरितावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 735, पुस्तकाकार—** प्रस्तुत पुस्तकमें श्रीसूरदासजीके रामचरित-सम्बन्धी पदोंका संग्रह है। इन पदोंमें भगवान् श्रीरामके अनुकरणीय आदर्श लीलाओंका बहुत ही मौलिक एवं रसमय वर्णन किया गया है। पुस्तकके अन्तमें परिशिष्टरूपमें पदोंमें आये हुए कथा-प्रसंगोंका भी वर्णन दिया गया है। मूल्य रु० १८

■ **अनुराग-पदावली (सरल भावार्थसहित) कोड नं० 864, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्णके प्रति गोपियोंके प्रेम-प्रसंगोंका श्रीसूरदासजीके द्वारा विभिन्न पदोंके रूपमें अद्भुत चित्रण किया गया है। मूल्य रु० २०

पुराण-साहित्य

■ **श्रीमद्भागवतमहापुराण (कोड नं० 26, 27) ग्रन्थाकार—** श्रीमद्भागवत भारतीय वाङ्मयका मुकुटमणि है। भगवान् शुकदेवद्वारा महाराज परीक्षित्को सुनाया गया भक्तिमार्गका तो मानो सोपान ही है। इसके प्रत्येक श्लोकमें श्रीकृष्ण-प्रेमकी सुगन्धि है। इसमें साधन-ज्ञान, सिद्धज्ञान, साधन-भक्ति, सिद्धा-भक्ति, मर्यादा-मार्ग, अनुग्रह-मार्ग, द्वैत, अद्वैत समन्वयके साथ प्रेरणादायी विविध उपाख्यानोंका अद्भुत संग्रह है। कलिसंतरणका साधन-

रूप यह सम्पूर्ण ग्रन्थ-रत्न मूलके साथ हिन्दी-अनुवाद, पूजन-विधि, भागवत-माहात्म्य, आरती, पाठके विभिन्न प्रयोगोंके साथ दो खण्डोंमें उपलब्ध है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० २२० और (कोड नं० 1535, 1536) विशिष्ट संस्करण, मूल्य रु० ३००, (कोड नं० 1552, 1553) गुजराती दो खण्डोंमें भी।

श्रीमद्भागवतके विभिन्न संस्करण—

	मूल्य रु०
■ **श्रीमद्भागवत-सुधासागर (कोड नं० 28) ग्रन्थाकार—** सम्पूर्ण श्रीमद्भागवतका भाषानुवाद, मजबूत जिल्द, सचित्र, लेमिनेटेड आवरणसहित।	१३०
■ **श्रीमद्भागवत-सुधासागर (कोड नं० 1490) ग्रन्थाकार,** विशिष्ट संस्करण, सचित्र, सजिल्द।	१८०
■ **श्रीशुक-सुधासागर (कोड नं० 25) बृहदाकार—** भाषानुवाद।	२८०
■ **श्रीशुक-सुधासागर (कोड नं० 1190, 1191) ग्रन्थाकार—** सम्पूर्ण श्रीमद्भागवतका भाषानुवाद, सचित्र, सजिल्द, मोटा टाइप, दो खण्डोंमें सेट।	२५०
■ **श्रीमद्भागवत-महापुराण (कोड नं० 564, 565) ग्रन्थाकार—** मूल पाठ, अँग्रेजी अनुवाद, मजबूत जिल्द, सचित्र, दो खण्डोंमें सेट।	२५०
■ **श्रीमद्भागवतमहापुराण (कोड नं० 29) ग्रन्थाकार—** मूल, मोटा टाइप **(कोड नं० 1573)** तेलुगुमें भी उपलब्ध।	९०
■ **श्रीमद्भागवत-महापुराण (कोड नं० 124) मझला आकार—** मूल।	५०

■ **श्रीप्रेम-सुधासागर (कोड नं० 30) ग्रन्थाकार—** श्रीकृष्णलीला-रस-रसिक भक्तोंके मनको स्वस्थ वैचारिक पुष्टिहेतु गीताप्रेसद्वारा प्रकाशित तथा स्वामी अखण्डानन्द सरस्वतीद्वारा अनुवादित दशम-स्कन्धका सरस शैलीमें यह भाषानुवाद है। जगह-जगह गूढ़ भावोंके प्रकाशहेतु इसे श्रीकृष्णलीलाकी रसमयी विशद व्याख्यासे अलंकृत किया गया है, ताकि सामान्य जन भी श्रीकृष्णलीला-सिन्धुमें अवगाहन कर इस धरा-धामपर सुलभ अमृतका पान कर अमरत्व प्राप्त कर सकें। मूल्य रु० ६०

■ **भागवत एकादश स्कन्ध-सानुवाद (कोड नं० 31) पुस्तकाकार—** महात्माओंमें भक्तिस्कन्धके रूपमें प्रसिद्ध भागवतके एकादश स्कन्धमें

भक्त प्रवर सखा उद्धवको भगवान् श्रीकृष्णद्वारा दिये गये विविध दिव्य उपदेशोंके साथ श्रीवसुदेव-नारद-संवाद, राजा निमि-नौ योगीश्वर-संवादका वर्णन बड़ा ही आकर्षक है। अवधूतके चौबीस गुरुओंका इतिहास इसीमें है। मूल्य रु० २४

■ **श्रीकृष्णलीलाका चिन्तन (कोड नं० 571) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्णके जन्मसे लेकर, बाल तथा पौगण्ड अवस्थाकी विभिन्न लीलाओंका बड़ा ही साहित्यिक, सरस एवं भावपूर्ण चित्रण किया गया है। राजसंस्करणमें अच्छे तथा मोटे कागजपर प्रकाशित ये लेख साहित्यिक मनोभूमिको संस्कारित करनेवाले तथा श्रीकृष्ण भक्तोंके लिये अनुपम रसायन हैं। मूल्य रु० १००

■ **भागवत-स्तुति-संग्रह (कोड नं० 1092) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें ध्रुव, प्रह्लाद, अम्बरीष आदि भक्तों, विभिन्न देवताओं तथा ऋषियोंके द्वारा श्रीमद्भागवतमें की गयी भगवान्‌की सुन्दर स्तुतियोंका संग्रह किया गया है। पूजा-पाठ तथा नित्य-स्वाध्यायकी दृष्टिसे यह स्तुति-संग्रह अत्यन्त उपयोगी है। मूल्य रु० ५५

संत जगन्नाथकृत भागवत [ओड़िआ] (कोड नं० 1551)—उड़ीसाके प्रसिद्ध संत श्रीजगन्नाथदासजी महाराजके द्वारा प्रणीत इस ग्रन्थमें भगवान् श्रीकृष्णकी समस्त लीलाओंका ओड़िआ काव्यमें अत्यन्त सरस वर्णन किया गया है। ऑफसेटकी सुन्दर छपाई, मज़बूत जिल्द एवं भगवान्‌के आकर्षक चित्र पुस्तककी अन्य विशेषताएँ हैं। मूल्य रु० १४०

■ **महाभारत (सटीक) कोड नं० 728, ग्रन्थाकार**—छः खण्डोंमें सेट—महाभारत भारतीय संस्कृतिका, आर्य सनातन-धर्मका अद्भुत महाग्रन्थ है। इसे पंचम वेद भी कहा जाता है। इस महाग्रन्थमें उपनिषदोंका सार, इतिहास, पुराणोंका उन्मेष, निमेष, चातुर्वर्णका विधान, पुराणोंका आशय, ग्रह, नक्षत्र, तारा आदिका परिमाण, तीर्थों, पुण्य देशों, नदियों, पर्वतों, समुद्रों तथा वनोंका वर्णन होनेके कारण यह अनन्त गूढ़, गुह्य रत्नोंका भण्डार है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसमें निखिल रसामृत-सिन्धु, अनन्त प्रेमाधार भगवान् श्रीकृष्णके गुण-गौरवका गान है। छः खण्डोंमें प्रकाशित यह ग्रन्थ-रत्न हिन्दू संस्कृतिके अध्येताओंहेतु मननीय और संग्रहणीय है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० १२००

महाभारतके विभिन्न खण्डोंका विवरण

कोड नं०	खण्ड	विवरण	मूल्य रु०
32	■ प्रथम खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, आदिपर्वसे सभापर्वतक, सचित्र, सजिल्द।	२००
33	■ द्वितीय खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, वनपर्वसे विराटपर्वतक, सचित्र, सजिल्द।	२००
34	■ तृतीय खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, उद्योगपर्वसे भीष्मपर्वतक, सचित्र, सजिल्द।	२००
35	■ चतुर्थ खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, द्रोणपर्वसे स्त्रीपर्वतक, सचित्र, सजिल्द।	२००
36	■ पञ्चम खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, शान्तिपर्व, सचित्र, सजिल्द।	२००
37	■ षष्ठ खण्ड	(सानुवाद) ग्रन्थाकार, अनुशासनपर्वसे स्वर्गारोहणपर्वतक, सचित्र, सजिल्द।	२००

■ **महाभारत-खिलभाग हरिवंशपुराण (कोड नं० 38) ग्रन्थाकार—** हरिवंशपुराण वेदार्थ-प्रकाशक महाभारत ग्रन्थका अन्तिम पर्व है। पुत्र-प्राप्तिकी कामनासे हरिवंशपुराणके श्रवणकी परम्परा भारतवर्षमें चिरकालसे प्रचलित है। अनन्त भावुक धर्मपरायण लोग इसके श्रवणसे पुत्र-प्राप्तिका लाभ प्राप्त कर चुके हैं। भगवद्भक्ति तथा प्रेरणादायी कथानकोंकी दृष्टिसे भी इसका बड़ा महत्त्व है। भगवान् श्रीकृष्णसे सम्बन्धित अगणित कथाएँ इसमें ऐसी हैं, जो अन्यत्र दुर्लभ हैं। धार्मिक जन-सामान्यके कल्याणार्थ इसके अन्तमें सन्तानगोपाल-मन्त्र, अनुष्ठान-विधि, सन्तान-गोपाल-यन्त्र, संतान-गोपालस्तोत्र भी संगृहीत हैं। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० १५०

■ **जैमिनीय अश्वमेध पर्व (कोड नं० 637) ग्रन्थाकार—** यह ग्रन्थ भगवान् व्यासदेवके शिष्य महर्षि जैमिनिके द्वारा प्रणीत है। कहा जाता है कि व्यासजीके समान इन्होंने भी विशाल महाभारतकी रचना की थी, किन्तु काल-क्रमके प्रभावसे अन्य बहुमूल्य ग्रन्थोंकी भाँति उसका भी लोप हो गया, केवल आश्वमेधिक पर्व ही उपलब्ध है। इसकी कथाएँ बड़ी मधुर, रोचक, सरस तथा

भक्ति-प्रेमसे ओतप्रोत हैं। भक्त सुधन्वा, मोरध्वज, ताम्रध्वज, चन्द्रहास आदिकी कथाएँ केवल इसी ग्रन्थमें मिलती हैं। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ५०

■ **संक्षिप्त महाभारत (कोड नं 39, 511) ग्रन्थाकार**—विश्वके उत्कृष्ट विचारकों, तत्त्वान्वेषकों, समालोचकोंद्वारा भारतीय ज्ञानके विश्वकोशके रूपमें समादृत महाभारतकी महिमाका कोई पार नहीं है। इसमें ज्ञान, वैराग्य, भक्तियोग, नीति, सदाचार, प्राचीन इतिहास, राजनीति, कूटनीति आदि मानव जीवनोपयोगी विविध विषयोंका समावेश है। यह शास्त्रोंमें पंचम वेदकी मान्यतासे अलंकृत है। सबको इस अगाध ज्ञानसे परिचित करानेके उद्देश्यसे ही सम्पूर्ण महाभारतका यह सार गीताप्रेसद्वारा प्रकाशित किया गया है। सचित्र, सजिल्द [दो खण्डोंमें सेट]। मूल्य रु० २२०

■ **संक्षिप्त शिवपुराण (मोटा टाइप) कोड नं० 789, ग्रन्थाकार**—इस पुराणमें परात्पर ब्रह्म शिवके कल्याणकारी स्वरूपका तात्त्विक विवेचन, रहस्य, महिमा और उपासनाका विस्तृत वर्णन है। इसमें इन्हें पंचदेवोंमें प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वरके रूपमें स्वीकार किया गया है। शिव-महिमा, लीला-कथाओंके अतिरिक्त इसमें पूजा-पद्धति, अनेक ज्ञानप्रद आख्यान और शिक्षाप्रद कथाओंका सुन्दर संयोजन है। सचित्र, सजिल्द मूल्य रु० ११०, विशिष्ट संस्करण (कोड नं० 1468) मूल्य रु० १४० एवं (कोड नं० 1286) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **संक्षिप्त पद्मपुराण (कोड नं० 44) ग्रन्थाकार**—इस पुराणमें भगवान् विष्णुकी विस्तृत महिमाके साथ, भगवान् श्रीराम तथा श्रीकृष्णके चरित्र, विभिन्न तीर्थोंका माहात्म्य, शालग्रामका स्वरूप, तुलसी-महिमा तथा विभिन्न व्रतोंको सुन्दर वर्णन है। मूल्य रु० १२०

■ **संक्षिप्त श्रीमद्देवीभागवत (मोटा टाइप) कोड नं०1133, ग्रन्थाकार**—यह पुराण परम पवित्र वेदकी प्रसिद्ध श्रुतियोंके अर्थसे अनुमोदित, अखिल शास्त्रोंके रहस्यका स्रोत तथा आगमोंमें अपना प्रसिद्ध स्थान रखता है। यह सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, वंशानुकीर्ति, मन्वन्तर आदि पाँचों लक्षणोंसे पूर्ण हैं। पराम्बा भगवतीके पवित्र आख्यानोंसे युक्त यह पुराण त्रितापोंका शमन करनेवाला तथा सिद्धियोंका प्रदाता है। सचित्र, सजिल्द, मूल्य रु० १३० (कोड नं० 1326) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीविष्णुपुराण (सानुवाद) कोड नं० 48, ग्रन्थाकार**—श्रीपराशर ऋषि-प्रणीत यह पुराण अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। इसके प्रतिपाद्य भगवान् विष्णु हैं, जो सृष्टिके आदिकारण, नित्य, अक्षय, अव्यय तथा एकरस हैं। इसमें आकाश आदि भूतोंका परिमाण, समुद्र, सूर्य आदिका परिमाण, पर्वत, देवतादिकी उत्पत्ति, मन्वन्तर, कल्प-विभाग, सम्पूर्ण धर्म एवं देवर्षि तथा राजर्षियोंके चरित्रका विशद वर्णन है। भगवान् विष्णु प्रधान होनेके बाद भी यह पुराण विष्णु और शिवके अभिन्नताका प्रतिपादक हैं। सचित्र, सजिल्द, मूल्य रु० ८० (कोड नं० 1364) केवल हिन्दी अनुवादमें भी उपलब्ध। मूल्य रु० ५५

■ **संक्षिप्त नारदपुराण (कोड नं० 1183) ग्रन्थाकार**—इसमें सदाचार-महिमा, वर्णाश्रम धर्म, भक्ति तथा भक्तके लक्षण, विविध प्रकारके मन्त्र, देवपूजन, तीर्थ-माहात्म्य, दान-धर्मके माहात्म्य और भगवान् विष्णुकी महिमाके साथ अनेक भक्तिपरक उपाख्यानोंका विस्तृत वर्णन किया गया है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० १००

■ **संक्षिप्त स्कन्दपुराणाङ्क (कोड नं० 279) ग्रन्थाकार**—यह पुराण कलेवरकी दृष्टिसे सबसे बड़ा है तथा इसमें लौकिक और पारलौकिक ज्ञानके अनन्त उपदेश भरे हैं। इसमें धर्म, सदाचार, योग, ज्ञान तथा भक्तिके सुन्दर विवेचनके साथ अनेकों साधु-महात्माओंके सुन्दर चरित्र पिरोये गये हैं। आज भी इसमें वर्णित आचारों, पद्धतियोंके दर्शन हिन्दू समाजके घर-घरमें किये जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें भगवान् शिवकी महिमा, सती-चरित्र, शिव-पार्वती-विवाह, कार्तिकेय जन्म, तारकासुर-वध, आदिका मनोहर वर्णन है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० १५०

■ **सं० ब्रह्मपुराण (कोड नं० 1111) ग्रन्थाकार**—इस पुराणमें सृष्टिकी उत्पत्ति, पृथुका पावन चरित्र, सूर्य एवं चन्द्रवंशका वर्णन, श्रीकृष्णचरित्र, कल्पान्तजीवी मार्कण्डेय मुनिका चरित्र, तीर्थोंका माहात्म्य एवं अनेक भक्तिपरक आख्यानोंकी सुन्दर चर्चा की गयी है। भगवान् श्रीकृष्णकी ब्रह्मरूपमें विस्तृत व्याख्या होनेके कारण यह ब्रह्मपुराणके नामसे प्रसिद्ध है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ७०

■ **सं० मार्कण्डेयपुराण (कोड नं० 539) ग्रन्थाकार—** भगवतीकी विस्तृत महिमाका परिचय देनेवाले इस पुराणमें दुर्गासप्तशतीकी कथा एवं माहात्म्य, हरिश्चन्द्रकी कथा, मदालसा-चरित्र, अत्रि-अनसूयाकी कथा, दत्तात्रेय-चरित्र आदि अनेक सुन्दर कथाओंका विस्तृत वर्णन है। मूल्य रु० ५५

■ **नरसिंह पुराणम्—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1113, ग्रन्थाकार—** इस पुराणमें दशावतारकी कथाएँ एवं सात काण्डोंमें भगवान् श्रीरामके पावन चरित्रके साथ सदाचार, राजनीति, वर्णधर्म, आश्रम-धर्म, योग-साधना आदिका सुन्दर विवेचन किया गया है। इसके अतिरिक्त इसमें भगवान् नरसिंहकी विस्तृत महिमा, अनेक कल्याणप्रद उपाख्यानोंका वर्णन, भौगोलिक वर्णन, सूर्य-चन्द्रादिसे उत्पन्न राजवंशोंका वर्णन तथा अनेक स्तुतियोंका सुन्दर उल्लेख है। मूल्य रु० ६०

■ **सं० गरुडपुराण—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1189, ग्रन्थाकार —** इस पुराणके अधिष्ठातृ देव भगवान् विष्णु हैं। इसमें ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, सदाचार, निष्काम कर्मकी महिमाके साथ यज्ञ, दान, तप, तीर्थ आदि शुभ कर्मोंमें सर्व साधारणको प्रवृत्त करनेके लिये अनेक लौकिक एवं पारलौकिक फलोंका वर्णन किया गया है। इसके अतिरिक्त इसमें आयुर्वेद, नीतिसार आदि विषयोंका वर्णन और जीवात्माके कल्याणके लिये मृत जीवके अन्तिम समयमें किये जानेवाले कर्मोंका विस्तारसे निरूपण किया गया है। मूल्य रु० ९०

■ **सं० भविष्यपुराण—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 584, ग्रन्थाकार—** यह पुराण विषय-वस्तु एवं वर्णन शैलीकी दृष्टिसे अत्यन्त उच्च कोटिका है। इसमें धर्म, सदाचार, नीति, उपदेश, अनेकों आख्यान, व्रत, तीर्थ, दान, ज्योतिष एवं आयुर्वेद शास्त्रके विषयोंका अद्भुत संग्रह है। वेताल-विक्रम-संवादके रूपमें कथा-प्रबन्ध इसमें अत्यन्त रमणीय है। इसके अतिरिक्त इसमें नित्यकर्म, संस्कार, सामुद्रिक लक्षण, शान्ति तथा पौष्टिक कर्म, आराधना और अनेक व्रतोंका भी विस्तृत वर्णन है। मूल्य रु० ९०

■ **संक्षिप्त श्रीवराहपुराण (कोड नं० 1361) ग्रन्थाकार—** इस पुराणमें भगवान् श्रीहरिके वराह अवतारकी मुख्य कथाके साथ अनेक तीर्थ, व्रत, यज्ञ, दान, आदिका विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें भगवान् नारायणका पूजन-विधान, शिव-पार्वतीकी कथाएँ, वराहक्षेत्रवर्ती आदित्यतीर्थोंकी

महिमा, मोक्षदायिनी नदियोंकी उत्पत्ति और माहात्म्य एवं त्रिदेवोंकी महिमा आदिपर भी प्रकाश डाला गया है। 'कल्याण' वर्ष ५१, (सन् १९७७)-में प्रकाशित इस पुराणको बड़े टाइपमें विभिन्न चित्रों और आकर्षक लेमिनेटेड आवरण-पृष्ठके साथ प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ६०

■ **सं० ब्रह्मवैवर्तपुराण—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 631, ग्रन्थाकार —** इस पुराणमें चार खण्ड हैं—ब्रह्मखण्ड, प्रकृतिखण्ड, श्रीकृष्णजन्मखण्ड और गणेशखण्ड। इसमें भगवान् श्रीकृष्णकी लीलाओंका विस्तृत वर्णन, श्रीराधाकी गोलोक-लीला तथा अवतार लीलाका सुन्दर विवेचन, विभिन्न देवताओंकी महिमा एवं एकरूपता और उनकी साधना-उपासनाका सुन्दर निरूपण किया गया है। अनेक भक्तिपरक आख्यानों एवं स्तोत्रोंका भी इसमें अद्भुत संग्रह है। मूल्य रु० १२०

■ **वामनपुराण—सचित्र, सटीक, सजिल्द, कोड नं० 1432 ग्रन्थाकार—** यह पुराण मुख्यरूपसे त्रिविक्रम भगवान् विष्णुके दिव्य माहात्म्यका व्याख्याता है। इसमें भगवान् वामन, नर-नारायण, भगवती दुर्गाके उत्तम चरित्रके साथ भक्त प्रह्लाद तथा श्रीदामा आदि भक्तोंके बड़े रम्य आख्यान है। इसके अतिरिक्त शिवजीका लीला-चरित्र,जीवमूत वाहन-आख्यान, दक्ष-यज्ञ विध्वंस, हरिका कालरूप, कामदेव-दहन, अंधक-वध, लक्ष्मी-चरित्र, प्रेतोपाख्यान, विभिन्न व्रत, स्तोत्र और अन्तमें विष्णुभक्तिके उपदेशोंके साथ इस पुराणका उपसंहार हुआ है। मूल्य रु० ७५

■ **अग्निपुराण (कोड नं० 1362) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार—** विषयकी विविधता एवं लोकोपयोगिताकी दृष्टिसे इस पुराणका विशेष महत्त्व है। इसमें परा-अपरा विद्याओंका वर्णन, महाभारतके सभी पर्वोंकी संक्षिप्त कथा, रामायणकी संक्षिप्त कथा, मत्स्य, कूर्म आदि अवतारोंकी कथाएँ, सृष्टि-वर्णन, दीक्षा-विधि, वास्तु-पूजा, विभिन्न देवताओंके मन्त्र आदि अनेक उपयोगी विषयोंका अत्यन्त सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० १२०

■ **गर्गसंहिता—सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 517, ग्रन्थाकार—** यह ग्रन्थ यदुकुलके महान् आचार्य महामुनि श्रीगर्गकी रचना है। इसमें श्रीमद्भागवतमें सूत्ररूपसे वर्णित श्रीराधाकृष्णकी लीलाओंका विस्तृत वर्णन किया गया है। श्रीराधाजीके दिव्य आकर्षणसे आकर्षित भगवान् श्रीकृष्णका रासरासेश्वरी

श्रीराधा एवं गोपिकाओंके साथ रासलीलाका इतना सुन्दर और सरस वर्णन अन्यत्र दुर्लभ है। पूर्वजन्ममें गोपिकाओंद्वारा श्रीकृष्ण-प्रेमकी प्राप्तिके लिये की गयी तपस्या तथा उनकी सरस कथाओंका भी इसमें सुन्दर वर्णन किया गया है। भगवान् श्रीकृष्णके अनुरागी भक्तोंके लिये यह दिव्य ग्रन्थ नित्य स्वाध्यायका विषय है। मूल्य रु० ८०

मत्स्यमहापुराण-सानुवाद (कोड नं० 557) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार— इस पुराणमें मत्स्यावतारकी कथाके साथ सृष्टि वर्णन, मन्वन्तर तथा पितृवंशवर्णन, ययाति चरित्र, राजनीति, यात्राकाल, शकुन-शास्त्र आदि अनेक उपयोगी विषयोंका संग्रह है। मूल्य रु० १५०

कूर्मपुराण-सानुवाद (कोड नं० 1131) सचित्र, सजिल्द, ग्रन्थाकार— इस पुराणमें भगवान्‌के कूर्मावतारकी सृष्टि-वर्णन, वर्ण, आश्रम और उनके कर्त्तव्योंका वर्णन, युग धर्म, मोक्षके साधन, २८ व्यासोंकी कथाएँ आदि विविध विषयोंका सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ८०

उपनिषद् और दर्शन-साहित्य—

■ **पातञ्जलयोग-प्रदीप (कोड नं० 47) ग्रन्थाकार—** श्रद्धेय श्रीओमानन्द महाराजद्वारा प्रणीत इस ग्रन्थमें पातञ्जलयोग सूत्रोंकी व्याख्या तत्त्ववैशारदी, भोजवृत्ति तथा योगवार्तिकके अनुसार विस्तृत रूपसे की गयी है। इसमें उपनिषदों तथा भारतीय दर्शनोंके विभिन्न तत्त्वोंकी सुन्दर समालोचना है। इसकी व्याख्या सरल तथा सुगम है। भूमिकारूपमें षड्दर्शन समन्वय तथा तत्त्वविश्लेषण प्रणालीसे यह ग्रन्थ और भी उपयोगी हो गया है। यह योग-दर्शनके जिज्ञासुओंके लिये नित्य पठनीय है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ९०

■ **छान्दोग्योपनिषद्— सजिल्द, कोड नं० 582, पुस्तकाकार—** सामवेदीय तलवकार ब्राह्मणके अन्तर्गत वर्णित यह उपनिषद् बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। इसकी शैली अत्यन्त क्रमबद्ध और युक्तिपूर्ण है। इसमें तत्त्वज्ञान और तदुपयोगी कर्म तथा उपासनाओंका बड़ा ही सुन्दर वर्णन है। सानुवाद,शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० ७०

■ **ईशावास्योपनिषद् (कोड नं० 67) पुस्तकाकार—** उपनिषदोंमें ईशावास्योपनिषद्का सर्वप्रथम स्थान है। यह शुक्ल यजु:संहिताके ज्ञान-काण्डका चालीसवाँ अध्याय है। यह तत्त्वज्ञानका अक्षयकोश है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1106) कन्नड़, (कोड नं० 846) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **बृहदारण्यकोपनिषद् —सजिल्द, कोड नं० 577, पुस्तकाकार**—यह उपनिषद् यजुर्वेदकी काण्वीशाखामें वाजसनेय ब्राह्मणके अन्तर्गत है। कलेवरकी दृष्टिसे यह समस्त उपनिषदोंकी अपेक्षा बृहत् है तथा अरण्य, वनमें अध्ययन किये जानेके कारण इसे आरण्यक भी कहते हैं। वार्त्तिककार सुरेश्वराचार्यने अर्थतः भी इसकी बृहत्ता स्वीकार की है। विभिन्न प्रसंगोंमें वर्णित तत्त्वज्ञानके इस बहुमूल्य ग्रन्थ रत्नपर भगवान् शङ्कराचार्यका सबसे विशद भाष्य है। मूल्य रु० १००

■ **ईशादि नौ उपनिषद्—सजिल्द (सानुवाद, शांकरभाष्य) कोड नं० 1421, पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें एक ही जिल्दमें ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डुक्य, ऐतरेय, तैत्तिरीय प्रश्न तथा श्वेताश्वतर उपनिषद्के मन्त्र, मन्त्रानुवाद, शाङ्करभाष्य और उसका हिन्दीमें भाष्यार्थ दिया गया है। यह पुस्तक संस्कृतके विद्यार्थियों तथा ब्रह्मज्ञानकें जिज्ञासुओंके लिये विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० १००

■ **ईशादि नौ उपनिषद्—सजिल्द, कोड नं० 66, पुस्तकाकार**—विषयकी दृष्टिसे वेदोंके तीन विभाग हैं—कर्म, उपासना और ज्ञान। इसी ज्ञानकाण्डका नाम उपनिषद् या 'ब्रह्मविद्या' है। तत्त्व जिज्ञासुओंके कल्याणार्थ इस पुस्तकमें (ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैत्तिरीय प्रश्न तथा श्वेताश्वतर) नौ उपनिषद्ोंको एक साथ संगृहीत किया गया है। श्रीहरिकृष्ण गोयन्दकाकृत (अन्वय, सरल व्याख्यासहित)। मूल्य रु० ४५

■ **केनोपनिषद् (कोड नं० 68) पुस्तकाकार**—सामवेदीय तलवकार ब्राह्मणके अन्तर्गत वर्णित इस उपनिषद्में भगवान्के स्वरूप और प्रभाव-वर्णनके साथ परमार्थ ज्ञानकी अनिर्वचनीयता, अभेदोपासना तथा यक्षोपाख्यानमें भगवान्का सर्वप्रेरकत्व एवं सर्वकर्तृत्व स्वरूप दर्शनीय है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० १०

■ **कठोपनिषद् (कोड नं० 578) पुस्तकाकार**—कृष्ण यजुर्वेदके कठशाखाके अंश इस उपनिषद्में जहाँ यम-नचिकेता-संवादके रूपमें ब्रह्मविद्याका विशद वर्णन सुबोध और सरल शैलीमें किया गया है, वहीं इसमें वर्णित नचिकेता-चरित्र पितृ-भक्तिका अनुपम आदर्श है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० १२

■ **माण्डूक्योपनिषद् (कोड नं० 69) पुस्तकाकार**—अथर्ववेदीय ब्राह्मणके अन्तर्गत वर्णित इस उपनिषद्में केवल बारह मन्त्र हैं। कलेवरकी दृष्टिसे छोटी होनेपर भी भगवान् गौणपादाचार्यने इसपर कारिकाएँ लिखकर इसे अद्वैतवादकी आधारशिला बना दिया है। शाङ्करभाष्य, हिन्दी अनुवादसहित। मूल्य रु० २०

■ **मुण्डकोपनिषद् (कोड नं० 513) पुस्तकाकार**—अथर्ववेदके मन्त्र-भागमें वर्णित इस उपनिषद्में तीन मुण्डक हैं तथा एक-एक मुण्डकके दो-दो खण्ड हैं। आचार्य परम्पराके वर्णनके साथ-साथ इसमें अपरा और परा विद्याके रूपमें अनात्म तथा आत्मतत्त्वका विश्लेषण है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० ८

■ **प्रश्नोपनिषद् (कोड नं० 70) पुस्तकाकार**—अथर्ववेदीय ब्राह्मणभागमें वर्णित इस उपनिषद्में मुण्डकोपनिषद्के ही परा और अपरा विद्याका सुकेशा आदि छः ऋषिकुमारोंद्वारा पिप्पलाद मुनिसे पूछे गये छः प्रश्नोंके उत्तरके रूपमें विस्तृत वर्णन है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० १०

■ **तैत्तिरीयोपनिषद् (कोड नं० 71) पुस्तकाकार**—कृष्णयजुर्वेदीय तैत्तिरीयारण्यकके प्रपाठक सातसे नौ तक वर्णित इस उपनिषद्के सप्तम् प्रपाठक शिक्षावल्लीमें गुरु-शिष्य परम्परा तथा भृगुवल्ली और ब्रह्मानन्दवल्लीमें ब्रह्मज्ञानका सविधि निरूपण है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० १६

■ **ऐतरेयोपनिषद् (कोड नं० 72) पुस्तकाकार**—ऋग्वेदीय ऐतरेयारण्यक खण्डके अध्याय ४, ५, ६ का नाम ऐतरेयोपनिषद् है। ब्रह्मविद्या प्रधान इस उपनिषद्में संन्यास और ज्ञानको ही मोक्षका हेतु बतलाया गया है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० ७

■ **श्वेताश्वतरोपनिषद् (कोड नं० 73) पुस्तकाकार**—कृष्णयजुर्वेदीय इस उपनिषद्के वक्ता श्वेताश्वतर ऋषि हैं। इसमें जगत्के कारण-तत्त्वके रूपमें ब्रह्मका निरूपण करते हुए साधक, साधन और साध्य विषयपर मार्मिक भाषामें प्रकाश डाला गया है। सानुवाद, शाङ्करभाष्य। मूल्य रु० २०

■ **वेदान्त-दर्शन (कोड नं० 65) पुस्तकाकार**—महर्षि वेदव्यास-प्रणीत ब्रह्मसूत्र भारतीय दर्शनका अत्यन्त ही महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ वेदके चरम सिद्धान्त परब्रह्मका निदर्शन कराता है। अतः इसे वेदान्त-दर्शन भी कहते हैं। वेदके उत्तरभाग उपासना और ज्ञान दोनोंकी मीमांसा

करनेके कारण इसका एक नाम उत्तरमीमांसा भी है। पदच्छेद और अन्वयसहित विस्तृत हिन्दी-व्याख्या। मूल्य रु० ३५

■ **मार्क्सवाद और रामराज्य—सजिल्द, कोड नं० 698, पुस्तकाकार—** धर्मसम्राट् ब्रह्मलीन स्वामी श्रीकरपात्रीजी महाराजद्वारा प्रणीत यह पुस्तक भारतीय धर्म-दर्शनकी निधि है। इसमें स्वामीजीने पाश्चात्त्य दार्शनिकों, राजनीतिज्ञोंकी जीवनी, उनका समय, मत-निरूपण, भारतीय ऋषियोंसे उनकी तुलना, विकासवादका खण्डन, ईश्वरवादका मण्डन, मार्क्सवादका प्रबल शास्त्रीय आलोकमें विरोध तथा न्याय और वेदान्तके सिद्धान्तका विस्तारसे प्रतिपादन किया है। यह राजनीति और दर्शनके विश्वकोशके रूपमें आदरणीय और मननीय ग्रन्थ है। मूल्य रु० ७५

■ **श्रीनारायणीयम्—सजिल्द, कोड नं० 639, पुस्तकाकार—**यह नारायणीयम् नामक छोटा-सा स्तोत्रात्मक काव्य केरल प्रान्त-निवासी विद्वान् भक्त श्रीभट्टनारायणतिरिकी रचना है। श्रीकृष्णलीलाके लगभग सभी प्रसंग इसमें वर्णित हैं। भक्तिरसका परिपोषक होनेके कारण यह काव्यरत्न श्रीमद्भागवतके समान आशीर्वादात्मक ग्रन्थ है। भक्त-समाजमें इसका अत्यन्त आदर है। केरलवासी भक्त लौकिक और पारलौकिक कामनाओंकी सिद्धिहेतु इसका नित्य पाठ करते हैं। मूल्य रु० ३५ (कोड नं० 908) तेलुगुमें भी।

■ **पातञ्जलयोगदर्शन (कोड नं० 135) पुस्तकाकार—**योगदर्शन साधकोंके लिये अत्यन्त उपयोगी और महत्त्वपूर्ण शास्त्र है। प्रस्तुत पुस्तकमें महर्षि पतञ्जलिकृत योगदर्शनका सम्पूर्ण मूल, प्रत्येक सूत्रका एक-दूसरेसे सम्बन्ध एवं शब्दार्थके साथ श्रीहरिकृष्णदासजी गोयन्दकाकृत सरल एवं सुबोध व्याख्या है। मूल्य रु० १०

भक्त-चरित्र

■ **एकनाथ-चरित्र (कोड नं० 121) पुस्तकाकार—**प्रस्तुत पुस्तकमें आदर्श गृहस्थ संत श्रीएकनाथजीके जीवन-चरित्रका बड़ा ही सुन्दर वर्णन किया गया है। इसमें संत एकनाथजीका जन्म, उनकी असाधारण प्रतिभा, भगवत्प्राप्तिकी अभिलाषा, गुरु-शरणागति, इष्ट-साक्षात्कार, परदुःखकातरता, चमत्कारिक प्रभाव, ग्रन्थ-प्रणयन आदिका बड़ा ही सजीव चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १५

■ **चैतन्य-चरितावली (कोड नं० 123) ग्रन्थाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें मात्र चार सौ वर्ष पूर्व बंगालमें भक्ति और प्रेमकी अजस्र धारा प्रवाहित करनेवाले कलिपावनावतार श्रीचैतन्य महाप्रभुका विस्तृत जीवन-परिचय है। स्वनामधन्य परम संत श्रीप्रभुदत्तजी ब्रह्मचारीद्वारा प्रणीत यह ग्रन्थ श्रीचैतन्यदेवके सम्पूर्ण जीवन-चरित्रकी सुन्दर वाङ्मयी परिक्रमा है। इसमें कीर्तनके रंगमें रँगे महाप्रभुकी लीलाएँ, अधमोंके उद्धारकी घटनाएँ, श्रीचैतन्यमें विभिन्न भगवद्भावोंका आवेश, यवनोंको भी पावन करनेकी कथा, श्रीवास, पुण्डरीक, हरिदास आदि भक्तोंके चरित्र, श्रीरघुनाथका गृह-त्याग आदि अलौकिक प्रेमपूर्ण घटनाओंको पढ़कर हृदय प्रेम-समुद्रमें डुबकी लगाने लगता है। वास्तवमें महाप्रभुका सम्पूर्ण जीवन-चरित्र भगवद्भक्तिका महामन्त्र है। मूल्य रु० १००

■ **भक्त-भारती (कोड नं० 167) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भक्त ध्रुव प्रह्लाद, गजेन्द्र, शबरी और कुन्ती आदि सात भक्तोंके चरित्रका काव्यात्मक चित्रण किया गया है। प्रकाशनकी प्रक्रियामें

■ **भागवतरत्न प्रह्लाद (कोड नं० 53) पुस्तकाकार**—भगवान्‌के भक्तोंमें भक्त प्रह्लादका चरित्र अद्वितीय है। भगवद्विश्वासका ऐसा अनूठा चरित्र कहीं ढूढ़नेसे भी नहीं मिलता। इनकी रक्षाके लिये भगवान्‌को खम्भेसे प्रकट होना पड़ा। प्रस्तुत पुस्तकमें श्रीमद्भागवतके आधारपर श्रीप्रह्लादजीके जीवन-चरित्रका बड़ा ही सुन्दर वर्णन किया गया है। इसमें हिरण्यकशिपुकी तपस्या, इन्द्रद्वारा प्रह्लादकी माता कयाधूका अपहरण, देवर्षि नारदद्वारा कयाधूको छुड़ाना, प्रह्लादजीका जन्म, हिरण्यकशिपुका अत्याचार, हिरण्यकशिपु-वध इत्यादि सभी विषयोंपर बड़ा ही सरस विवेचन प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० १५

■ **भक्त-चरिताङ्क—सजिल्द, सचित्र, कोड नं० 40 ग्रन्थाकार [कल्याण वर्ष २६ सन् १९५२ ई०]**—भक्तोंके चरित्र सदा ही नवीन तथा प्रेरणादायक हैं। त्याग, तपस्या, भगवद्भक्ति तथा पवित्र सेवाभाव आदिका सच्चा स्वरूप तो भक्त चरित्रोंमें ही प्रत्यक्ष देखनेको मिलता है। इस विशेषाङ्कमें भगवद्विश्वासको बढ़ानेवाले उपासकों, साधकों तथा महात्माओंके जीवन-चरित्रका ऐसा दुर्लभ संग्रह है, जो पाठकोंके हृदयमें भगवद्भक्ति और

भगवद्विश्वासका सहज ही संचार कर देता है। इसमें वर्णित कथाएँ रोचक, ज्ञानप्रद, अनुशीलनयोग्य, प्रेमानन्दको बढ़ानेवाली तथा शान्ति प्रदान करनेवाली हैं। मूल्य रु० १२०

श्रीसकल संतवाणी [मराठी] दो खण्डोंमें (कोड नं० 1474, 1475)

ग्रन्थाकार—प्रस्तुत पुस्तकमें संत ज्ञानेश्वर, संत निवृत्तिनाथ, श्रीसोपानदेव, श्रीमुक्ताबाई, श्रीनामदेवजी महाराज, संत एकनाथजी महाराज, श्रीजनार्दन स्वामी और श्रीतुकारामजीकी गाथाके रूपमें महाराष्ट्रके चौदह पवित्र संतोंके अमर उपदेशोंका संकलन किया गया है। खण्ड-१, मूल्य रु० ६०, खण्ड-२, मूल्य रु० १५०

■ **श्रीतुकाराम-चरित्र (कोड नं० 51) पुस्तकाकार**—महाराष्ट्रके प्रसिद्ध संत तुकारामको कौन नहीं जानता है। सारा महाराष्ट्र आज भगवान्‌के साथ-साथ उनके नामका कीर्तन करता है। प्रस्तुत पुस्तकमें संत तुकारामके जीवन-चरित्रका बड़ा ही सरस एवं सुन्दर चित्रण किया गया है। इसमें संत तुकारामजीपर गुरुकृपा, उनका मनोजय, एकान्तवास, विट्ठलोपासना, आत्मपरीक्षण, भगवत्साक्षात्कार इत्यादिका इतना भावपूर्ण वर्णन किया गया है कि पाठकोंकी आँखोंसे बरबश ही प्रेमाश्रु छलक पड़ते हैं। मूल्य रु० ३५

महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव (कोड नं० 1564)—संतोंका चरित्र भगवद्भक्तिकी प्रेरणा और आदर्श कर्तव्यनिष्ठाका अनुपम आधार है। प्रस्तुत पुस्तकमें आसामकी पवित्र भूमिमें प्रसूत भगवन्निष्ठाके अमर परिचायक संत श्रीशंकरदेवके व्यक्तित्व एवं कृतित्वका भावपूर्ण शैलीमें सरस वर्णन किया गया है। मूल्य रु० ८

■ **देवर्षि नारद (कोड नं० 751) पुस्तकाकार**—नित्य परिव्राजक देवर्षि नारदका कार्य अपनी वीणाकी मनोहर झंकारके साथ भगवद्गुणोंका गान तथा लोगोंमें भगवद्भक्तिका प्रचार है। ये द्वादश भागवतोंमें प्रमुख हैं। प्रस्तुत पुस्तकमें इनके जन्म-कर्मका विस्तृत परिचय दिया गया है। भक्तिके परमाचार्य देवर्षि नारदके चरित्रके पठन-पाठनसे मनमें सात्त्विक भावोंके सहज सञ्चारके साथ भगवद्भक्तिका विकास होता है। मूल्य रु० १२

■ **भक्त नरसिंह मेहता (कोड नं० 168) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें गुजरातके प्रसिद्ध भक्त श्रीनरसिंह मेहताके चरित्र-चित्रणमें उनके जीवनकी अद्भुत घटनाओंका बड़ा ही भावात्मक वर्णन किया गया है। पुस्तक २० अध्यायोंमें विभक्त की गयी है—जिसमें नरसिंह मेहतापर महात्माकी कृपा, कुटुम्ब-विस्तार, शिव-अनुग्रह, रासदर्शन, अनन्याश्रय, कुवरबाईका दहेज, भक्त और भगवान्, अन्तिम अवस्था आदि महत्त्वपूर्ण विषय हैं। भगवान्के द्वारा भक्तके योग-क्षेम-वहनका नरसिंह मेहता-जैसा अद्भुत चरित्र और कोई नहीं मिलता। इस पुस्तकके पठन-पाठनसे भगवान्पर दृढ़ विश्वास तथा भगवद्भक्तिमें सहज निष्ठा होती है। मूल्य रु० १२ (कोड नं० 1168) मराठी और (कोड नं० 613) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **भक्त-बालक (कोड नं० 169) पुस्तकाकार**—इसमें भक्त गोविन्द, मोहन, धन्ना जाट, चन्द्रहास और सुधन्वाकी ऐसी सरस, मधुर तथा भक्तिरससे पूर्ण कथाएँ हैं, जिन्हें पढ़कर आँखोंसे अश्रुपात होने लगता है और मन भगवत्कृपाके स्मरणमें डूब जाता है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 685) तेलुगु, (कोड नं० 1277) मराठी और (कोड नं० 721) कन्नड़में भी उपलब्ध।

■ **भक्त नारी (कोड नं० 170) पुस्तकाकार**—भक्त-चरित्र-मालाकी इस पुस्तकमें भक्तिमती शबरी, मीराबाई, करमैतीबाई, जनाबाई और तपस्विनी रबिया बाईके पावन चरित्रकी दिव्य सुगन्ध है, जिसकी महकसे पाठकका मन-मस्तिष्क महक उठता है तथा हृदय आनन्दसे भर जाता है और व्यक्ति भक्तिपथका पथिक बन जाता है। मूल्य रु० ५

■ **भक्त पञ्चरत्न (कोड नं० 171) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भक्त रघुनाथ, भक्त दामोदर, गोपाल चरवाहा, शान्तोवा आदि भक्तोंके चरित्रका ऐसा सरस वर्णन है कि पाठकका मन भक्तिकी पावन गङ्गामें गोते लगाने लगता है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 682) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **आदर्श भक्त (कोड नं० 172) पुस्तकाकार**—त्याग और परोपकारके मूर्तिमान् स्वरूप महाराजा रन्तिदेव, राजा शिबि आदि भक्तोंके चरित्रका प्रस्तुत पुस्तकमें ऐसा हृदयहारी चित्रण है कि इसे पढ़नेपर पाठकोंके मनमें सद्गुणोंकी अमिट छाप पड़नेके साथ आँखोंसे आँसू छलक पड़ते हैं।

मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1076) गुजराती, (कोड नं० 687) तेलुगु तथा (कोड नं० 840) कन्नड़में भी उपलब्ध।

■ **भक्त सप्तरत्न (कोड नं० 173) पुस्तकाकार**—भक्त चाहे किसी भी देश, काल, जातिमें उत्पन्न क्यों न हो, भगवद्भक्तिके प्रभावसे वह सर्वपूज्य संत बन जाता है। इस भक्तचरितमालामें ऐसे ही प्रेमी भक्त दामाजी पंत, रघु केवट, कूबा कुम्हार, यवन भक्त सालबेग आदिके सुन्दर चरित्र पिरोये हुए हैं। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 841) कन्नड़ और (कोड नं० 1082) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **भक्त-चन्द्रिका (कोड नं० 174) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें सखुबाई, ज्योति पंत, भक्त विट्ठलदासजी, भक्त नारायणदास आदिकी भावपूर्ण सुन्दर कथाएँ हैं। भगवान् भक्तोंके प्रेमसे विवश होकर कैसे भक्तोंका योग-क्षेम वहन करते हैं तथा उनकी छोटी-से-छोटी सेवा करनेमें भी नहीं हिचकते हैं—इसका सुन्दर उदाहरण इन भक्तिपूर्ण रोचक कथाओंमें बिखरा हुआ है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 951) कन्नड़, (कोड नं० 917) तेलुगु, (कोड नं० 1073) मराठी, (कोड नं० 1173) ओड़िआ और (कोड नं० 892) गुजरातीमें भी उपलब्ध)।

■ **भक्त-कुसुम (कोड नं० 175) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक भगवान्के अनन्य भक्त जगन्नाथदास, हिम्मतदास, गोविन्ददास आदि छः भक्तोंके पावन चरित्रसे सजायी गयी है। इसे पढ़नेसे हृदयमें भक्ति-प्रेमकी सरस धारा प्रवाहित होने लगती है। मूल्य रु० ५

■ **प्रेमी भक्त (कोड नं० 176) पुस्तकाकार**—भक्त-चरितमालाकी इस पुस्तकमें भक्त विल्वमंगल, भक्त जयदेव, श्रीरूप सनातन, हरिदास आदिके सुन्दर चरित्र पिरोये हुए हैं। ये कथाएँ सरस, रोचक, भक्ति उत्पन्न करनेवाली और हृदयग्राही हैं। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 929) तेलुगु एवं (कोड नं० 1087) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **प्राचीन भक्त (कोड नं० 177) पुस्तकाकार**—प्राचीनकालमें ऐसे अनेक संत और भक्त हुए हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ भगवान्को अर्पण कर अपनी आत्माको प्रभुमय बना लिया और अपने जीवनमें भक्ति, ज्ञान और

वैराग्यको चरितार्थ कर जीवनका सर्वोत्कृष्ट लाभ प्राप्त किया। प्रस्तुत पुस्तकमें ऐसे ही उत्कृष्ट भक्त मार्कण्डेय मुनि, राजा शंख, मुनि उतङ्क, विष्णुदास, राजा चित्रकेतु आदि चौदह भक्तोंके सुन्दर चरित्र हैं। मूल्य रु० १०

■ **भक्त सरोज (कोड नं०178) पुस्तकाकार**—जगत्में जन्मका एकमात्र लक्ष्य ईश्वरप्रेम है। प्रस्तुत पुस्तकमें ऐसे ही ईश्वरप्रेमी भक्त गंगाधरदास, भक्त हरिदास आदि दस भक्तोंकी रोचक और उपदेशप्रद सुन्दर गाथाएँ हैं। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1142) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **भक्त सुमन (कोड नं० 179) पुस्तकाकार**—भक्त भगवान्के ही स्वरूप हैं। इस पुस्तकमें भक्त विष्णुचित्त, भक्त बिसोबा, भक्त राँका-बाँका, भक्त नरपति, भक्त नामदेव आदि दस भक्तोंके ऐसे प्रेरणाप्रद चरित्र हैं, जिन्हें पढ़कर भगवद्विमुख व्यक्ति भी सहज ही भगवद्भक्त बन जाता है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1143) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **भक्त सौरभ (कोड नं० 180) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भगवान्के सच्चे विश्वासी, सुख-दुःखके द्वन्द्वोंसे अतीत, भक्त श्रीव्यास-दास, श्रीप्रयागदास, भक्त प्रतापदास आदि पाँच भक्तोंकी उत्तम कथाएँ हैं। ये कथाएँ अत्यन्त भावपूर्ण तथा भगवत्कृपाकी प्रत्यक्ष निदर्शक हैं। मूल्य रु० ७

■ **प्रेमी भक्त उद्धव (कोड नं० 187) पुस्तकाकार**—भगवान् श्रीकृष्णके मित्र तथा भक्त उद्धवका चरित्र भगवद्भक्तोंके लिये आदर्श पथ तथा पाथेय है। प्रस्तुत पुस्तकमें परम भक्त उद्धवके सुन्दर चरित्रका श्रीमद्भागवत और गर्ग-संहिताके आधारपर बड़ा ही भावपूर्ण चित्रण किया गया है। पुस्तकके अन्तमें भगवान् श्रीकृष्णद्वारा उद्धवके प्रति किये गये उपदेश भी संकलित हैं, जिससे पुस्तक और भी उपयोगी हो गयी है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 642) तमिल, (कोड नं० 890) गुजराती, (कोड नं० 1331) मराठी, (कोड नं० 1202) ओड़िआ और (कोड नं० 686) तेलुगुमें भी उपलब्ध)।

■ **भक्त सुधाकर (कोड नं० 181) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भक्त रामचन्द्र, भक्त लाखाजी, भक्त गोवर्धन, भक्त नवीनचन्द्र, भक्त स्वामी रामअवधदास आदि बारह भक्तोंके ऐसे विलक्षण चरित्र संग्रह किये गये हैं, जिन्हें पढ़ते ही भावुक हृदयोंमें भगवद्भक्ति एवं शाश्वती शान्तिकी

कल्याणकारिणी तरंगें उठने लगती हैं। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 875) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **भक्त महिलारत्न (कोड नं० 182) पुस्तकाकार**—भक्त-चरित्र-मालाकी इस अनुपम पुस्तकमें भक्तिमती रानी रत्नावती, भक्तिमती हरदेवी, भक्तिमती निर्मला, भक्तिमती कुँवर रानी आदिकी सुन्दर शिक्षाप्रद गाथाएँ हैं। इसके पठन-पाठनसे भगवान्‌के चरणोंमें सच्ची प्रीतिके उदयके साथ भगवान्‌के मंगलमय विधानमें संतोष होता है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1084) गुजरातीमें भी उपलब्ध)।

■ **भक्त दिवाकर (कोड नं० 183) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भक्त सुव्रत, भक्त वैश्वानर, भक्त पद्मनाभ, नन्दी वैश्य, भक्त राजा पुण्यनिधि, शिवभक्त महाकाल आदि आठ विभिन्न भक्ति-धाराओंके भक्तोंके मंगलमय चरित्रका अनुपम संग्रह है। ये चरित्र मानव-मनके सम्पूर्ण कल्मषोंको धोने तथा उसे भक्ति-पथपर बढ़ानेमें विशेष सहायक हैं। मूल्य रु० ६

■ **भक्त रत्नाकर (कोड नं० 184) पुस्तकाकार**—इस संग्रहमें गुम्फित भक्त माधवदास, भक्त विमल तीर्थ, भक्त महेश मण्डल, स्वामी हरिदास आदि चौदह भक्तोंके चरित्र, श्रद्धा, प्रेमको बढ़ानेवाले तथा भगवान्‌में अनुपम निष्ठा पैदा करनेवाले हैं। मूल्य रु० ६

■ **भक्तराज हनुमान् (कोड नं० 185) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भक्तश्रेष्ठ हनुमान्‌जीकी विभिन्न लीलाओंका वाल्मीकीय रामायण, अध्यात्म रामायण, ब्रह्माण्डपुराण तथा पद्मपुराणके आधारपर बड़ा ही सुन्दर और सरस चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1383) मराठी, (कोड नं० 854) ओड़िआ, (कोड नं० 608) तमिल, (कोड नं० 767) तेलुगु, (कोड नं० 835) कन्नड़ तथा (कोड नं० 806) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **सत्यप्रेमी हरिश्चन्द्र (कोड नं० 186) पुस्तकाकार**—सत्यनिष्ठ राजा हरिश्चन्द्रका जीवन-चरित्र सत्य और धर्मपर दृढ़निष्ठाका अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत पुस्तकमें उनके जन्म-कर्म, धर्मनिष्ठा तथा त्यागपूर्ण व्यवहारका इतिहास-पुराणोंके आधारपर बड़ा ही सजीव चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1200) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **महात्मा विदुर (कोड नं० 188) पुस्तकाकार**—धर्मावतार महात्मा विदुरका जीवन-चरित्र आदर्श व्यवहार, लोक-कल्याण तथा दृढ़ ईश्वर-विश्वास और भक्तिका अनुपम उदाहरण है। उनका सदाचार और भगवत्प्रेम सर्वथा स्तुत्य है। प्रस्तुत पुस्तकमें महाभारत एवं श्रीमद्भागवतके आधारपर विदुरजीकी स्पष्टवादिता, नीति-निपुणता, निःस्पृहता, भगवद्भक्ति, संतोष आदिका ओजस्वी और सरल भाषामें बड़ा सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 947) गुजराती, (कोड नं० 1201) ओड़िआ, (कोड नं० 741) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **भक्तराज ध्रुव (कोड नं० 189) पुस्तकाकार**—भक्तराज ध्रुवका जीवन अपूर्व भगवन्निष्ठा तथा भगवद्भक्तिका उदाहरण है। विमाताके द्वारा अपमानित होकर एक छोटी-सी घटना उनके भगवत्साक्षात्कारका कारण बन गयी। इस पुस्तकमें महान् भक्त ध्रुवके प्रेरणादायी चरित्रको पुराणोंके आधारपर अत्यन्त सरल भाषामें प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 688) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **विदुरनीति (कोड नं० 136) पुस्तकाकार**—महाभारतके विलक्षण पात्र श्रीविदुरजी नीतिशास्त्रके प्रकाण्ड विद्वान् थे। इस पुस्तकमें उनके द्वारा धृतराष्ट्रको दिये गये उपदेशोंका सानुवाद संकलन किया गया है। मूल्य रु० १०

■ **भीष्मपितामह (कोड नं० 138) पुस्तकाकार**—श्रीभीष्मपितामहका जीवन त्याग और शौर्यका अनुपम उदाहरण है। भगवान् श्रीकृष्णके प्रति इनकी भक्ति अनुकरणीय है। इस पुस्तकमें महाभारत एवं श्रीमद्भागवतके आधारपर श्रीभीष्मपितामहके सम्पूर्ण जीवन-चरित्रका अत्यन्त रसमय वर्णन किया गया है। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 691) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके शीघ्र कल्याणकारी प्रकाशन

■ **तत्त्व-चिन्तामणि (सातों भाग) एक साथ , कोड नं० 683, ग्रन्थाकार**—अलग-अलग सात भागों तथा विभिन्न शीर्षकोंकी तेरह पुस्तकोंमें पूर्व प्रकाशित सरल एवं व्यावहारिक शिक्षाप्रद लेखोंके इस

ग्रन्थाकार संकलनमें गीता-रामायण आदि ग्रन्थोंके सार तत्त्वोंका संग्रह है। इसके अध्ययनसे साधन-सम्बन्धी सभी जिज्ञासाओंका सहज ही समाधान हो जाता है। यह प्रत्येक घरमें अवश्य रखने एवं उपहारमें देनेयोग्य एक कल्याणकारी ग्रन्थ है। कपड़ेकी मजबूत जिल्द एवं आकर्षक लेमिनेटेड आवरणके साथ, पृष्ठ-संख्या १०३२ मूल्य रु० ८०

पुस्तकाकारमें उपलब्ध तत्त्व-चिन्तामणिके विभिन्न भाग—

कोड		मूल्य
■ 248	कल्याण प्राप्तिके उपाय—तत्त्व-चिन्तामणिभाग-१	९
■ 275	,, ,, ,, — ,, ,, भाग-१ (बँगला)	१३
▲ 249	शीघ्र कल्याणके सोपान— ,, ,, भाग-२, (खण्ड-१)	८
▲1164	,, ,, ,, ,, ,, (गुजराती)	१०
▲ 250	ईश्वर और संसार— ,, ,, भाग-२, (खण्ड-२)	१२
▲ 519	अमूल्य शिक्षा— ,, ,, भाग-३, (खण्ड-१)	९
▲ 253	धर्मसे लाभ अधर्मसे हानि—,, ,, भाग-३, (खण्ड-२)	९
▲ 251	अमूल्य वचन— ,, ,, भाग-४, (खण्ड-१)	१०
▲ 252	भगवद्दर्शनकी उत्कण्ठा— ,, ,, ,, (खण्ड-२)	१०
▲ 254	व्यवहारमें परमार्थकी कला—,, ,, भाग-५, (खण्ड-१)	८
▲1144	,, ,, ,, ,, (गुजराती)	८
▲ 255	श्रद्धा-विश्वास और प्रेम— ,, ,, भाग-५ (खण्ड-२)	१०
▲1146	,, ,, ,, ,, ,, (गुजराती)	१०
▲ 258	तत्त्व-चिन्तामणि— भाग-६ (खण्ड-१)	९
▲ 257	परमानन्दकी खेती— ,, ,, भाग-६ (खण्ड-२)	९
▲ 260	समता अमृत और विषमता विष— ,, भाग-७ (खण्ड-१)	१०
▲ 259	भक्ति-भक्त-भगवान्— ,, ,, भाग-७ (खण्ड-२)	१०

■ **साधन-कल्पतरु (कोड नं० 814) ग्रन्थाकार**—इसमें विभिन्न शीर्षकोंमें पूर्व प्रकाशित तेरह पुस्तकोंका ग्रन्थाकार प्रकाशन करके एक साथ छापा गया है। मूल्य रु० ७०। इसमें संगृहीत तेरह पुस्तकोंका अलग-अलग भी प्रकाशन उपलब्ध है—जो निम्नलिखित है।

▲ **महत्त्वपूर्ण शिक्षा (कोड नं० 242) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भारतीय हिन्दू धर्म और संस्कृतिका स्वरूप, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग, सदाचार, वैराग्य, सत्संग आदि विषयोंपर विविध प्रेरणादायी उपाख्यानोंके माध्यमसे सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 760) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲ **स्त्रियोंके लिये कर्तव्यशिक्षा (कोड नं० 272) पुस्तकाकार**—इसमें स्त्रियोंके कर्तव्य, आचार-व्यवहार, पातिव्रत-धर्म, पवित्र चरित्र आदि विषयोंके प्रतिपादनके साथ पतिव्रता सुकला, सावित्री आदिके त्याग बलिदानका मार्मिक वर्णन किया गया है। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 834) कन्नड़ एवं (कोड नं० 1046) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **आत्मोद्धारके सरल उपाय (कोड नं० 256) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें मनुष्यके कल्याणार्थ शीघ्र कल्याणकारी अनेक सोपानोंका वर्णन है। इसके अतिरिक्त इसमें भगवान्‌के जन्म, कर्म, स्वरूपका रहस्य, निर्गुण निराकार परमात्माकी उपासना, समयको परमोपयोगी बनानेका साधन इत्यादि अनेक विषयोंपर तात्विक चर्चा है। मूल्य रु० ८

▲ **परम साधन (भाग-१)—कोड नं० 243, पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें आबाल-वृद्ध-हेतु हर प्रकारके उन्नतिके साधनोंका निरूपण करते हुए भगवत्प्राप्तिमें मनुष्यमात्रका अधिकार, सत्यपालन, स्त्री-बालकों-हेतु कर्तव्य शिक्षा एवं शिक्षाप्रद कहानियोंके संग्रहके साथ गीता-रामायणकी महत्ताका सरल प्रतिपादन है। मूल्य रु० ९

सम्पूर्ण दुःखोंका अभाव कैसे हो? (कोड नं० 1529)—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकी अनुभवसिद्ध वाणीसे निःसृत आध्यात्मिक प्रवचनोंके इस संकलनमें वैराग्यका प्रभाव, भगवल्लीलाका तत्त्व और रहस्य, कलहसे बचो, भक्तिकी महिमा, '**निमित्तमात्रं भव**' आदि विभिन्न प्रकरणोंके माध्यमसे इहलौकिक और पारलौकिक जीवन-सुधारके अनुपम उपाय प्रस्तुत किये गये हैं। मूल्य रु० ६

आनन्द कैसे मिले? (कोड नं० 1530)—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे संकलित यह पुस्तक चेतावनी, चार रत्न, ध्यानकी विधि, ध्यानका विषय, कल्याणकारी बातें, वैराग्यकी महिमा

आदि अनेक विषयोंके माध्यमसे संसारकी असारताका बोध कराते हुए वास्तविक आनन्दकी प्राप्तिके सुगम उपायोंकी सुन्दर व्याख्या है। मूल्य रु० ६

भगवत्पथ-दर्शन (कोड नं० 1483)—प्रस्तुत पुस्तक ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा अपने परिचितों एवं मित्रोंके आध्यात्मिक प्रश्नोंके उत्तरके रूपमें समय-समयपर लिखे गये प्रेरणादायक पत्रोंका संग्रह है। इसमें भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, चेतावनी आदि विषयोंसे सम्बन्धित अनेक विषयोंपर सुन्दर प्रकाश डाला गया है। मूल्य रु० ८

▲ परम साधन (भाग-२)—कोड नं० 244, पुस्तकाकार— साधनोपयोगी विभिन्न कल्याणकारी लेखोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ८

▲ मनुष्य जीवनकी सफलता (भाग-१)—कोड नं० 264, पुस्तकाकार— मानव-जीवनके सर्वांगीण विकासके लिये मन, इन्द्रियोंके संयम, स्त्रियोंके कर्तव्य, सत्पुरुषोंका संग, अनाथोंकी निष्काम सेवा, भ्रातृप्रेम तथा ईश्वर-भक्ति आदिके विषयमें एक तात्त्विक विवेचन। मूल्य रु० ९

▲ मनुष्य जीवनकी सफलता (भाग-२)—कोड नं० 265, पुस्तकाकार— मानव-जीवनके लक्ष्य भगवत्प्राप्तिके उद्देश्यको सिद्ध करनेवाले विभिन्न लेखोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ७

▲ परम शान्तिका मार्ग (भाग-१)—कोड नं० 268, पुस्तकाकार— इस पुस्तकमें परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन श्रीजयदयाल गोयन्दकाद्वारा शास्त्रीय दृष्टिसे धर्मयुक्त उन्नति, प्राचीन सिद्धान्तोंकी उपादेयता, वर्तमान पतन तथा उससे बचने-के उपाय, परम पुरुषार्थ इत्यादि विषयोंका सुन्दर विवेचन है। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 1516) गुजरातीमें भी।

▲ परमशान्तिका मार्ग (भाग-२)—कोड नं० 269, पुस्तकाकार— कर्म-बन्धनसे मुक्त करके भगवत्प्राप्ति करानेवाली अनेक युक्तियोंकी सरल व्याख्या। मूल्य रु० ९

▲ आत्मोद्धारके साधन (भाग-१)—कोड नं० 245, पुस्तकाकार— ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा समय-समयपर लिखे गये मनुष्य-मात्रके उद्धार-हेतु मार्मिक लेखोंका एक अनुपम संग्रह, जिसमें गुरु-भक्ति, मातृ-पितृ-भक्ति, ईश्वर-भक्ति, पातिव्रत्य धर्म आदि विषयोंको प्रेरणा-दायक उदाहरणोंके द्वारा समझाया गया है। मूल्य रु० १०

▲ **अनन्य भक्तिसे भगवत्प्राप्ति (आत्मोद्धारके साधन भाग-२) कोड नं० 335, पुस्तकाकार**—सर्वतन्त्र स्वतन्त्र परमात्माके साक्षात्कारका सहज साधन अनन्य भक्ति है—इस आशयको स्पष्ट करनेवाले निष्काम कर्म, अन्तकालमें परमात्म-चिन्तन, श्रद्धा, प्रेम, विश्वासकी प्रधानता आदि अन्यान्य विषयोंपर ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकी विशद व्याख्या। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 877) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **मनुष्यका परम कर्तव्य (भाग-१) कोड नं० 246, पुस्तकाकार**— ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, संयम, वर्णाश्रम-धर्म, सत्य, श्रद्धा, समता, भगवत्प्रेम, प्रारब्ध और पुरुषार्थ आदि आध्यात्मिक विषयोंपर सुन्दर विवेचन किया गया है। मूल्य रु० ९

▲ **मनुष्यका परम कर्तव्य (भाग-२) कोड नं० 247, पुस्तकाकार**— यह मानव-कर्तव्यका बोध करानेवाले विभिन्न कल्याणकारी लेखोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० ९

▲ **प्रेमयोगका तत्त्व (कोड नं० 527) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें प्रेमका स्वरूप, श्रद्धा और प्रेम, प्रेम और शरणागति आदि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंके विशद विश्लेषणके साथ भगवान् श्रीरामके प्रति महाराज दशरथ, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, सीता, सुतीक्ष्ण आदिके अलौकिक प्रेम-भावका अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 521) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **ज्ञानयोगका तत्त्व (कोड नं० 528) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें ब्रह्मलीन श्रीजयदयाल गोयन्दकाके सत्ताईस लेखोंका संग्रह है, जिसमें विवेक, वैराग्य, प्रकृति, जीव, आत्मा और परमात्माका स्वरूप आदि विषयोंपर विशद व्याख्या है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 520) अंग्रेजी अनुवादमें भी उपलब्ध।

▲ **कर्मयोगका तत्त्व (भाग-१) कोड नं० 266, पुस्तकाकार**—यह पुस्तक कर्मयोगके रहस्योंका प्रतिपादन करनेवाले श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके विभिन्न लेखोंका अनूठा संग्रह है, जिसे पढ़कर मनुष्य कर्म करते हुए सहज ही परमात्माको उपलब्ध करके अपने जीवनको सार्थक कर सकता है। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 1520) गुजराती, (कोड नं० 522) अंग्रेजी-अनुवादमें भी उपलब्ध।

▲ **कर्मयोगका तत्त्व (भाग-२) कोड नं० 267, पुस्तकाकार—** कर्मके गम्भीर रहस्यों एवं कल्याणकारी युक्तियोंका एक सुन्दर प्रतिपादन। मूल्य रु० ९

▲ **प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय (कोड नं० 303) पुस्तकाकार—** (भक्तियोगका तत्त्व भाग-१) यह पुस्तक ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा भक्तिके स्वरूप, भक्तोंके लक्षण, नाम-जप, श्रद्धा, प्रेम, शरणागति इत्यादि अनेक विषयोंपर सरल भाषामें विशद विश्लेषण है। मूल्य रु० ८, (कोड नं० 1504) गुजराती, (कोड नं० 1481) तमिल, (कोड नं० 523) अंग्रेजी अनुवादमें भी उपलब्ध।

दुःखोंका नाश कैसे हो ? (कोड नं० 1561) पुस्तकाकार—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे संकलित इस पुस्तकमें गीताजीमें समताकी विशेषता, सेवा, ईश्वर-चिन्तन तथा सत्संगसे लाभ, भगवत्प्राप्तिका महत्त्व, वास्तविक शान्ति क्या है ? आदि विभिन्न प्रकरणोंके माध्यमसे दुःखकी आत्यन्तिक निवृत्ति एवं भगवत्प्राप्तिके सुगम साधनोंकी मनोरम व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० ८

जीवन-सुधारकी बातें (कोड नं० 1587)—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा विभिन्न लौकिक तथा पारलौकिक विषयोंपर प्रस्तुत प्रवचनोंके इस संग्रहमें पारमार्थिक प्रश्नोत्तर, कल्याणकारी बातें, संसारकी असारता आदि विषयोंके माध्यमसे आत्मोद्धारकी सुन्दर कला बतलायी गयी है। मूल्य रु० ८

▲ **अमूल्य समयका सदुपयोग (कोड नं० 579) पुस्तकाकार—**मानव-जन्म अनन्त पुण्योंका परिणाम है। इसलिये समय रहते आत्मोद्धार करना ही मूल कर्तव्य है। यह पुस्तक भगवद्भावकी वृद्धि करनेवाले सेठजी श्रीजयदयाल गोयन्दकाके अनेक लेखोंका संकलन है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1374) कन्नड़, (कोड नं० 932) गुजराती, (कोड नं० 1099) मराठी, (कोड नं० 1506) ओड़िआ और (कोड नं० 666) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲ **भगवान्‌के स्वभावका रहस्य (कोड नं० 298) पुस्तकाकार—** (भक्तियोगका तत्त्व भाग-२) भगवान्‌के नाम, रूप, गुण और स्वभावके रहस्योंका एक सुन्दर विश्लेषण। मूल्य रु० ९, (कोड नं० 1518) गुजराती, (कोड नं० 1480) तमिलमें भी।

▲ **इसी जन्ममें परमात्मप्राप्ति (कोड नं० 611) पुस्तकाकार**—मनुष्यको देश, काल, पात्रकी प्रतीक्षा किये बिना तत्काल इसी जन्ममें परमात्माकी प्राप्ति-हेतु संलग्न हो जाना चाहिये। इस भावनाको जीवन्त करनेवाले सेठजी श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके चुने हुए लेखोंका अद्भुत संग्रह। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1052) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति (कोड नं० 588) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके १२ प्रवचनोंका संग्रह है, जिसमें भक्तिके सर्वाधिक मुखर चर्चाके साथ अजामिलोपाख्यान, आरुणी-उपमन्यु एवं सनत्सुजात इत्यादिके उदाहरणोंद्वारा श्रद्धा, विश्वासके महत्त्वका भावात्मक प्रतिपादन किया गया है तथा हर मनुष्यको भगवत्प्राप्तिका अधिकारी बताया गया है। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 1007) तमिल, (कोड नं० 1129) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **कर्णवासका सत्संग (कोड नं० 1296) पुस्तकाकार**—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा कर्णवासमें दिये गये अनेक कल्याणकारी प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह। मूल्य रु० ७

▲ **भगवत्प्रेमकी प्राप्तिमें भावकी प्रधानता (कोड नं० 1015) पुस्तकाकार**—भगवद्भावकी वृद्धि करनेवाले विभिन्न लेखोंका एक कल्याणकारी प्रकाशन। मूल्य रु० ७, (कोड नं० 1503) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **भगवत्प्रेम-प्राप्तिके उपाय (कोड नं० 1409) पुस्तकाकार**—परम श्रद्धेय श्रीजयदयाल गोयन्दकाके ६०-६५ वर्ष पूर्व लिपिबद्ध प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह। इसमें शान्ति मिलनेके उपाय, भगवान् जल्दी कैसे मिलें आदि विषयोंके माधयमसे साधनाके गम्भीर रहस्योंका सुन्दर प्रतिपादन है। मूल्य रु० ८

▲ **आत्मकल्याणके विविध उपाय (कोड नं० 1435) पुस्तकाकार**—सत्संगका स्वरूप, भोगकी दुःखरूपता, स्वार्थत्यागकी महिमा आदि विविध विषयोंके माध्यमसे आत्मकल्याणके सुगम उपायोंकी एक अनुपम व्याख्या। मूल्य रु० ६

साधना-पथ (कोड नं० 1433)—ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे संकलित इस पुस्तकमें चेतावनी, सर्वत्र ईश्वर-दर्शन, संगका प्रभाव, बालकोंके लिये शिक्षा आदि २२ प्रसंगोंके माध्यमसे

मानवमात्रके उद्धारके लिये साधनाके गम्भीर रहस्योंका सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ६

▲ **भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान (कोड नं० 261) पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें पद्मपुराण-सृष्टिखण्डसे संकलित सर्वव्यापक भगवान्‌की उपलब्धिके विषयमें मूक चाण्डाल, तुलाधार वैश्य, नरोत्तम ब्राह्मण इत्यादि पाँच कथाओंके माध्यमसे तात्त्विक व्याख्या की गयी है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 889) गुजराती, (कोड नं० 643) तमिल, (कोड नं० 689) तेलुगु, (कोड नं० 839) कन्नड़, (कोड नं० 1252) ओडिआ, (कोड नं० 1334) मराठी और (कोड नं० 1125) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **रामायणके कुछ आदर्श पात्र (कोड नं० 262) पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें भगवान् श्रीराम, श्रीलक्ष्मण, श्रीभरत, श्रीशत्रुघ्न, भक्त हनुमान् तथा भगवती श्रीसीताजीके अनुकरणीय पावन चरित्रका सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 933) गुजराती, (कोड नं० 1205) ओड़िआ, (कोड नं० 1353) तमिल, (कोड नं० 1335) मराठी, (कोड नं० 768) तेलुगु, (कोड नं० 1284) अंग्रेजी और (कोड नं० 833) कन्नड़में भी उपलब्ध।

▲ **महाभारतके कुछ आदर्श पात्र (कोड नं० 263) पुस्तकाकार—** भगवान् श्रीकृष्ण, धर्मराज युधिष्ठिर, भगवान् वेदव्यास आदि दस पात्रोंके अनुकरणीय जीवन-चरित्रका महाभारतके आधारपर अद्भुत चित्रण। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 894) गुजराती, (कोड नं० 1354) तमिल, (कोड नं० 766) तेलुगु, (कोड नं० 1386) मराठी, (कोड नं० 1245) अंग्रेजी और (कोड नं० 720) कन्नड़में भी उपलब्ध।

▲ **परमार्थ-सूत्र-संग्रह (कोड नं० 543) पुस्तकाकार—** ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे चुने हुए अनेक सूत्रात्मक उपदेशोंका सूक्तियोंके रूपमें अद्भुत संकलन। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1274) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **साधन-नवनीत (कोड नं० 769) पुस्तकाकार—** परमार्थ-मार्गके पथिकोंके लिये सहयोगी अनेक कल्याणकारी उपदेशोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1061) गुजराती, (कोड नं० 1254) ओड़िआ और (कोड नं० 945) कन्नड़में भी उपलब्ध।

▲ **हमारा आश्चर्य (कोड नं० 599) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकृत बहुमूल्य प्रवचनोंका संग्रह है। इसमें छोटी-छोटी कहानियोंके द्वारा हमारा आश्चर्य, निष्कामता, प्रेमका रहस्य और प्रभाव, सत्संगका रहस्य आदि विषयोंपर सरल और सुबोध भाषामें मनोहर प्रतिपादन है। मूल्य रु० ८

▲ **आध्यात्मिक प्रवचन (कोड नं० 1021) पुस्तकाकार**—अध्यात्म, आत्मा, परमात्मा, जीव, बन्धन, मुक्ति आदि अनेक विषयोंका सरल और सुबोध भाषामें समाधान प्रस्तुत करनेवाली एक अनुपम पुस्तक। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1265) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **अमृत-वचन (कोड नं० 1324) पुस्तकाकार**—ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे संकलित अनेक लौकिक और पारलौकिक विषयोंकी कल्याणकारी सूक्तियोंका सुन्दर संग्रह। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1415) बंगलामें भी।

▲ **निष्काम श्रद्धा और प्रेम (कोड नं० 1022) पुस्तकाकार**—निष्काम कर्मकी उपयोगिताके विश्लेषक विभिन्न लेखोंका अद्भुत संग्रह। मूल्य रु० ७, (कोड नं० 1272) ओड़िआमें भी।

▲ **नवधा भक्ति (कोड नं० 292) पुस्तकाकार**—विभिन्न शास्त्रीय प्रमाणोंके आधारपर भगवान्‌की श्रवणादि नौ भक्तियोंकी व्याख्याके साथ भरत-चरित्रमें नवधा भक्तिका सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1499) कन्नड़, (कोड नं० 1275) मराठी, (कोड नं० 921) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲ **नल-दमयन्ती (कोड नं० 273) पुस्तकाकार**—महाभारतके आधारपर ब्रह्मलीन परम तत्त्वज्ञ श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा लिखा गया नल-दमयन्तीके चरित्रका मनोहर चित्रण। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 645) तमिल, (कोड नं० 916) तेलुगु, (कोड नं० 836) कन्नड़, (कोड नं० 1059) गुजराती, (कोड नं० 1203) ओड़िआ और (कोड नं० 1385) मराठीमें भी उपलब्ध।

▲ **महत्त्वपूर्ण चेतावनी (कोड नं० 274) पुस्तकाकार**—ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दका अपने मित्रों और प्रेमियोंको समय-समयपर उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नोंके उत्तरके रूपमें पत्र लिखा करते थे, जिनमें आध्यात्मिक तथा लौकिक विषयोंका अद्भुत समाधान होता था। प्रस्तुत पुस्तकमें उन आध्यात्मिक पत्रोंका दुर्लभ संग्रह है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 792) तमिलमें भी।

▲ **उद्धार कैसे हो (कोड नं० 277) पुस्तकाकार**—इसमें सेठजीद्वारा अपने परिचितोंको सद्प्रेरणाहेतु प्रेम और शरणागति, सत्संग, त्याग आदि अनेक शिक्षाप्रद विषयोंपर लिखे गये ५१ पत्रोंका सुन्दर संग्रह है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1155) मराठी, (कोड नं० 1507) ओड़िआ, (कोड नं० 481) अंग्रेजी और (कोड नं० 931) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **सच्ची सलाह (कोड नं० 278) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक जिज्ञासुओंके पारमार्थिक रुचिकी वृद्धि, आन्तरिक जिज्ञासाकी पूर्ति तथा ईश्वर-प्रेमको बढ़ानेवाले श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके ८० पत्रोंका सुन्दर सग्रह है। मूल्य रु० ८

▲ **साधनोपयोगी पत्र (कोड नं० 280) पुस्तकाकार**—मानव-जीवनको सदाचार-सम्पन्न बनानेवाले तथा पारमार्थिक प्रकाश देनेवाले विभिन्न विषयोंके विश्लेषक ७२ पत्रोंका संकलन। मूल्य रु० ६

▲ **शिक्षाप्रद पत्र (कोड नं० 281) पुस्तकाकार**—अभ्यास, वैराग्य, संयम, जप-विधि, भगवान्‌के दयाका रहस्य, संसारकी क्षणभंगुरता इत्यादि अनेक विषयोंपर शास्त्रीय समाधान करनेवाले ७० पत्रोंका अद्भुत प्रकाशन। मूल्य रु० ७

▲ **रहस्यमय प्रवचन (कोड नं० 681) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक जीवनमुक्त मनीषी ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा प्रवचनके रूपमें प्रस्तुत अनेक लौकिक तथा पारलौकिक विषयोंपर सरल और सुबोध भाषामें शास्त्रानुभूत विचारोंका दुर्लभ संकलन है। मूल्य रु० ८

▲ **पारमार्थिक पत्र (कोड नं० 282) पुस्तकाकार**—जिज्ञासु स्वजनोंकी शंकाओंके समाधानार्थ अनेक आध्यात्मिक और धार्मिक विषयोंपर लिखे गये ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके ९१ पत्रोंका संग्रह। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 920) तेलुगुमें भी।

▲ **अध्यात्म-विषयक पत्र (कोड नं० 284) पुस्तकाकार**—नाम-जपकी महिमा, श्रद्धा-विश्वासपूर्वक भगवच्छरणागति, उपासना, ईश्वर, जीव, प्रकृति-विश्लेषण, कुसंगसे हानि आदि अनेक अध्यात्म-विषयक ५४ पत्रोंका संग्रह। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1074) मराठीमें भी।

▲ **सिद्धान्त और रहस्यकी बातें (कोड नं० 1120) पुस्तकाकार**—शास्त्रीय सिद्धान्तोंका एक प्रयोगात्मक विवेचन। मूल्य रु० ८

▲ **शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ (कोड नं० 283) पुस्तकाकार**—लौकिक-पारलौकिक कल्याणकी सिद्धिहेतु गृहस्थ साधकोंके लिये उपदेशप्रद ग्यारह कहानियोंका एक सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 480) अंग्रेजी, (कोड नं० 716) कन्नड़, (कोड नं० 1382) मराठी, (कोड नं० 1572) तेलुगु एवं (कोड नं० 1077) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **उपदेशप्रद कहानियाँ (कोड नं० 680) पुस्तकाकार**—ज्ञान, वैराग्य, सेवा, परोपकार, ईश्वर-विश्वास, भगवद्भक्तिकी संवर्द्धक १२ कहानियोंका ब्रह्मलीन श्रीजयदयाल गोयन्दकाकृत मनोहर संकलन। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 818) गुजराती, (कोड नं० 1109) कन्नड़, (कोड नं० 915) तेलुगु तथा (कोड नं० 1285) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **प्रेममें विलक्षण एकता (कोड नं० 891) पुस्तकाकार**—प्रेम, सेवा, त्याग, परोपकार-विषयक ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके अनेक प्रवचनोंका विलक्षण संकलन। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1387) मराठीमें भी उपलब्ध।

▲ **मेरा अनुभव (कोड नं० 958) पुस्तकाकार**—अनुभवके आधारपर साधनात्मक रहस्योंका सुन्दर प्रतिपादन। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1330) मराठी और (कोड नं० 1264) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **साधनकी आवश्यकता (कोड नं० 1150) पुस्तकाकार**—अनेक साधनात्मक रहस्योंके विवेचनके साथ साधनाकी उपयोगिता और महत्ताका सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० ७

▲ **वास्तविक त्याग (कोड नं० 320) पुस्तकाकार**—त्यागकी परिभाषा मात्र वस्तुगत त्याग न होकर उसके आसक्तिका त्याग है। इस परिभाषाको स्पष्ट करनेवाले योगवासिष्ठसे उद्धृत चूड़ाला-शिखिध्वज-संवादका तात्त्विक और सुन्दर विश्लेषण। मूल्य रु० ५

▲ **सत्संगकी मार्मिक बातें (कोड नं० 1283) पुस्तकाकार**—सत्संगकी उपयोगिता और महत्ताका सुन्दर प्रतिपादन। मूल्य रु० ७

▲ **बालकोंके कर्तव्य (कोड नं० 287) पुस्तकाकार**—बालकोंको शिष्टाचार, स्वाध्याय और सेवाकी शिक्षा प्रदान करनेवाली एक अद्भुत पुस्तक। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1163) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **नेत्रोंमें भगवान्‌को बसा लें (कोड नं० 1493) पुस्तकाकार—** प्रस्तुत पुस्तक ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा ६० वर्ष पूर्व गीताभवन ऋषिकेशमें विविध आध्यात्मिक विषयोंपर दिये गये प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह है। इसमें सच्चिदानन्दकी एकता, संसार परमात्मस्वरूप है श्रद्धाकी महिमा, भगवान्‌की महिमा, मनुष्यका कर्तव्य आदि २६ विषयोंपर प्रेरक आध्यात्मिक दृष्टान्तोंके माध्यमसे आत्मकल्याणके सुगम मार्गका अनुपम विवेचन है। मूल्य रु० ६

▲ **आदर्श भ्रातृप्रेम (कोड नं० 285) पुस्तकाकार—** श्रीवाल्मीकीय रामायण, अध्यात्म रामायण और श्रीरामचरितमानसके आधारपर श्रीराम, श्रीभरत, श्रीलक्ष्मण, श्रीशत्रुघ्नके चरित्र एवं पारस्परिक प्रेमका एक मार्मिक विवेचन। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1187) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **बाल-शिक्षा (कोड नं० 286) पुस्तकाकार—** बालकोंके चरित्र-निर्माणहेतु सदाचार, संयम, ब्रह्मचर्य, माता-पिता-गुरुजनोंकी सेवा आदि विषयोंपर ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके लेखोंका दुर्लभ संकलन। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 690) तेलुगु, (कोड नं० 719) कन्नड़, (कोड नं० 1079) ओड़िआ एवं (कोड नं० 1045) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲ **आदर्श नारी सुशीला (कोड नं० 290) पुस्तकाकार—** परम विदुषी, सद्‌गुणी, ईश्वर-भक्त, पतिव्रता एवं आदर्श नारी सुशीलाका श्रीजय-दयालजी गोयन्दकाद्वारा मनोहर चरित्र-चित्रण। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 312) बँगला, (कोड नं० 644) तमिल, (कोड नं० 1047) गुजराती, (कोड नं० 1276) मराठी, (कोड नं० 1174) ओड़िआ, (कोड नं० 1180) अंग्रेजी और (कोड नं० 665) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲ **नारीधर्म (कोड नं० 300) पुस्तकाकार—** भारतीय नारियोंको कर्तव्य-कर्मका बोध करानेवाली एवं कल्याणपथका निर्देशन करने-वाली ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकी अत्यन्त उपयोगी पुस्तक। मूल्य रु० ३

▲ **आदर्श देवियाँ (कोड नं० 291) पुस्तकाकार**—ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा परम्बा, सीता, देवी कुन्ती, द्रौपदी, गान्धारीके जीवन-चरित्रका अनूठा चित्रण, जिसमें उनके पति-प्रेम, पति-सेवा, त्याग, सहिष्णुता, निर्भयता आदि गुणोंके विषयमें ऐसा मनोहर वर्णन किया गया है जिसे पढ़कर आँखोंसे प्रेमाश्रु छलक पड़ें। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1221) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **सच्चा सुख और उसकी प्राप्तिके उपाय (कोड नं० 293) पॉकेट साइज**—प्रस्तुत पुस्तकमें इस भौतिकवादी युगमें इन्द्रिय सुखकी अनित्यता तथा उसके परिणाममें दु:खकी प्राप्ति बताते हुए सच्चा सुख अर्थात् भगवत्प्राप्तिके विविध साधनोंका ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाद्वारा बहुत सुन्दर ढंगसे वर्णन किया गया है। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1050) गुजराती (कोड नं० 1501) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **संत-महिमा (कोड नं० 294) पॉकेट साइज**—प्रस्तुत पुस्तकमें ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकी अमरकृति तत्त्व-चिन्तामणि भाग ४ से उद्धृत संत-महात्माओंकी महिमा तथा उनके प्रभावका बड़ा ही मनोहर चित्रण है। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1048) गुजराती और (कोड नं० 1038) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **सत्संगकी कुछ सार बातें (कोड नं० 295) पॉकेट साइज**—व्यावहारिक जीवनमें उतारनेयोग्य भगवत्प्राप्तिके उद्देश्यसे संकलित ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके अनुभूत उपदेशोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु०२ (कोड नं० 296) बँगला, (कोड नं० 466) तमिल, (कोड नं० 678) तेलुगु, (कोड नं० 1040) ओड़िआ, (कोड नं० 844) गुजराती (कोड नं० 1279) मराठी और (कोड नं० 1013) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **श्रीप्रेमभक्ति-प्रकाश एवं ध्यानावस्थामें प्रभुसे वार्तालाप (कोड नं० 299) पुस्तकाकार**—ध्यानके प्रगाढ़ अवस्थामें अनुभूत विचारोंका ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दका-द्वारा एक प्रभावोत्पादक विवेचन। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 907) तेलुगु और (कोड नं० 694) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ **गीताका तात्त्विक विवेचन एवं प्रभाव (कोड नं० 305) पुस्तकाकार**—श्रीमद्भगवद्गीताके चुने हुए श्लोकोंका सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० २

▲ **भारतीय संस्कृति तथा शास्त्रोंमें नारीधर्म—कोड नं० 301 (पॉकेट साइज)**—शास्त्रीय प्रमाणोंके आलोकमें नारीधर्मका एक सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० २

▲ **सावित्री और सत्यवान् (कोड नं० 310) पुस्तकाकार**—पातिव्रत्य धर्ममें अविचल निष्ठा रखनेवाली तथा पतिको परमेश्वर माननेवाली परमसती सावित्रीका पुराणोंके आधारपर सुन्दर चरित्र-चित्रण। मूल्य रु० २ (कोड नं० 893) गुजराती, (कोड नं० 1384) मराठी, (कोड नं० 609) तमिल, (कोड नं० 664) तेलुगु, (कोड नं० 717) कन्नड़ और (कोड नं० 1220) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **गीता पढ़नेके लाभ और त्यागसे भगवत्प्राप्ति (गजलगीतासहित)—कोड नं० 304, पॉकेट साइज**—गीताकी उपयोगिता, महत्ता तथा गीतोक्त आचरणकी शिक्षा देनेवाली ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाकी एक अद्भुत पुस्तक। मूल्य रु० २ (कोड नं० 536) तमिल, (कोड नं० 1060) गुजराती और (कोड नं० 703) असमियामें भी उपलब्ध।

▲ **भगवत्प्राप्तिके विविध उपाय (कोड नं० 309) पुस्तकाकार**—कल्याणप्राप्तिकी विभिन्न युक्तियोंकी एक सरल व्याख्या। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1078) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **परलोक और पुनर्जन्म एवं वैराग्य (कोड नं० 311) पॉकेट साइज**—आत्माकी उन्नति, जगत्‌में धार्मिक भावकी स्थापना तथा पाप-तापसे जन-सामान्यका उद्धार करनेके उद्देश्यसे ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके पुनर्जन्म तथा परलोककी मान्यताको दृढ़ करनेवाले लेखोंका अद्भुत संकलन। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1253) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **धर्म क्या है ? भगवान् क्या हैं ? (कोड नं० 306) पॉकेट साइज**—धर्म एवं भगवान्‌के स्वरूपके विवेचनके साथ भगवत्प्राप्तिकी विभिन्न युक्तियोंका सरल भाषामें सुन्दर विश्लेषण। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1206) गुजराती, (कोड नं० 482) अंग्रेजी और (कोड नं० 1089) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **भगवान्‌की दया (भगवत्कृपा एवं कुछ अमृत-कण) कोड नं० 307, पॉकेट साइज**—भगवान्‌की दयाको विश्लेषित करनेवाला एक गवेषणात्मक विश्लेषण। मूल्य रु० २ (कोड नं० 725) कन्नड़ (कोड नं० 1051) गुजराती और (कोड नं० 1039) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **व्यापार-सुधारकी आवश्यकता और हमारा कर्तव्य (कोड नं० 314) पॉकेट साइज**—व्यापारी बन्धुओंको सच्चे तथा निश्छल व्यापारकी उपदेशिका तथा कर्तव्य-कर्मकी शिक्षा देनेवाली श्रीजयदयालजी गोयन्दका-द्वारा प्रणीत एक सुन्दर पुस्तक। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1055) गुजराती, और (कोड नं० 1170) मराठीमें भी उपलब्ध।

▲ **ईश्वर-साक्षात्कारके लिये नाम-जप सर्वोपरि साधन है और सत्यकी शरणसे मुक्ति (कोड नं० 316) पॉकेट साइज**—भगवन्नाम महिमा एवं सत्य-धर्मका सुन्दर विश्लेषण। मूल्य रु० २ (कोड नं० 672, 913) तेलुगुमें भी।

▲**धर्मके नामपर पाप (कोड नं० 623) पॉकेट साइज**—धर्मकी आड़में पापकर्मकी वृद्धि करनेवाले व्यक्तियों और संस्थाओंसे सावधान करनेवाली एक विशिष्ट पुस्तक। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1310) गुजरातीमें भी।

▲**चेतावनी और सामयिक चेतावनी (कोड नं० 315) पॉकेट साइज**—जीवनमें वैराग्यका सञ्चार और कर्तव्यका बोध करानेवाले उपदेशोंका एक सुन्दर संकलन। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1056) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**ईश्वर दयालु और न्यायकारी है और अवतारका सिद्धान्त (कोड नं० 318) पॉकेट साइज**—भगवान्‌की दया और न्यायके प्रतिपादनके साथ उनके जन्म और कर्मके सिद्धान्तोंकी एक सुन्दर व्याख्या। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1053) गुजराती एवं (कोड नं० 923) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲**भगवान्‌का हेतुरहित सौहार्द एवं महात्मा किसे कहते हैं? (कोड नं० 270) पॉकेट साइज**—भगवान्‌के सुहृदयताका तत्त्व समझाकर भगवद्भक्तिकी प्रेरणा और महात्माओंके सच्चे स्वरूपकी व्याख्या करनेवाला ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके महत्त्वपूर्ण लेखोंका संकलन। मूल्य रु० २ (कोड नं० 673) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲भगवत्प्रेमकी प्राप्ति कैसे हो ? (कोड नं० 271) पॉकेट साइज— प्रेमस्वरूप भगवत्प्रेमकी प्राप्तिहेतु ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके शास्त्रीय एवं अनुभवयुक्त विचारोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० २

▲ध्यान और मानसिक-पूजा (कोड नं० 302) पॉकेट साइज— भगवान्‌के ध्यान करनेकी सुन्दर विधियोंके साथ उनकी मानसिक पूजाकी एक अनुभवपूर्ण व्याख्या। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1127) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲प्रेमका सच्चा स्वरूप और शोकनाशके उपाय (कोड नं० 326) पॉकेट साइज— परम रहस्यमय प्रेमतत्त्व एवं दुःखके कारण तथा उसके निवारणके विषयपर ब्रह्मलीन श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके महत्त्वपूर्ण लेखोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1090) ओड़िआ और (कोड नं० 1054) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

नित्यलीलालीन परम श्रद्धेय श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दार (भाईजी)-के अनमोल प्रकाशन

■भगवच्चर्चा (कोड नं० 820) ग्रन्थाकार—प्रस्तुत ग्रन्थ नित्यलीलालीन (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा कल्याणमें समय-समयपर लिखे गये (पुस्तकाकारमें छः खण्डोंमें पूर्व प्रकाशित) विभिन्न महत्त्वपूर्ण लेखोंका अनुपम संग्रह है। इसमें ईश्वरप्रेम, भगवत्कृपा, भगवद्दर्शन, विनय, सतियोंका अनुकरणीय चरित्र, भजनकी विशेषता, भगवान् श्रीराम तथा शिव-लीलाओंका वर्णन, दैवी विपत्तियोंसे बचनेके उपाय, सन्त-महिमा, दिनचर्या, श्रीकृष्ण-लीलाके विविध प्रसंग, भक्तिके चमत्कार, पति-पत्नीके कर्तव्य आदि विविध विषयोंपर अत्यन्त ही सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। सचित्र, सजिल्द मूल्य रु० ७० पूर्व प्रकाशित छः खण्डोंके अलग-अलग संस्करण भी उपलब्ध हैं।

▲तुलसीदल (कोड नं० 347) पुस्तकाकार—गोलोकवासी (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके सर्वजनोपयोगी २३ लेखों तथा ५ कविताओंका उत्तम संग्रह। मूल्य रु० १०

▲**नैवेद्य (कोड नं० 348) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें प्रार्थना, चेतावनी, सत्संग, स्वाध्याय, स्वराज्य, साधना, वशीकरण, सती-महिमा, श्रीरुक्मिणीजीका अनन्य प्रेम, गुरु-शिष्य-संवाद, कैकेयी, द्रौपदी आदिके चरित्र आदि अन्यान्य उपयोगी विषयोंपर श्रीभाईजीके लेखोंका सुन्दर संग्रह है। मूल्य रु० १०

■**भगवत्प्राप्ति एवं हिन्दू संस्कृति (कोड नं० 349) पुस्तकाकार**—अखिल विश्वको शान्ति, परस्पर मैत्री और सामञ्जस्यका अमृतमय संदेश देनेवाली भारतीय संस्कृतिके विभिन्न पक्षोंपर (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारकी एक सुन्दर व्याख्या। इसमें हिन्दू-संस्कृतिके स्वरूपके साथ ज्ञानयोग, अवतार-तत्त्व, पुरुषोत्तम तत्त्व, भगवान्‌की लीलाओंका रहस्य आदि विषयोंपर सुन्दर विवेचन किया गया है। मूल्य रु० १२

▲**साधकोंका सहारा (कोड नं० 350) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक भगवदानुरागकी वृद्धि तथा पारमार्थिक सिद्धिसे साधकोंके अकिञ्चनताका अपहरण करनेवाले सन्त-महिमा, निर्भराभक्ति, मौन व्याख्यान आदि अनेक विषयोंपर शास्त्रोचित व्याख्यासे अलङ्कृत श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके उपदेशपूर्ण लेखोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० १५

▲**भगवच्चर्चा (भाग-५) कोड नं० 351, पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा लिखे गये युगल सरकारकी उपासना, भगवन्नाम, चीरहरणका रहस्य, भक्त और भगवान्‌का सम्बन्ध-जैसे अनेक उपयोगी लेखोंका संकलन है। मूल्य रु० १५

▲**पूर्ण समर्पण (कोड नं० 352) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें परमार्थपथके पथिकोंके जिज्ञासाके समाधान-हेतु अनेक उपयोगी विषयोंकी सुन्दर व्याख्याके साथ गीतोक्त कर्मयोग और आधुनिक कर्मवाद, गीता और वैराग्य, गीतामें विश्वरूप दर्शन इत्यादि विषयोंपर सुन्दर विवेचन किया गया है। मूल्य रु० १५

▲**ईश्वरकी सत्ता और महत्ता (कोड नं० 332) पुस्तकाकार**—देश-विदेशके विभिन्न संतों, विचारकोंद्वारा ईश्वरको माननेका कारण, ईश्वरके अस्तित्वपर शास्त्रीय और अनुभवी प्रमाण आदि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंपर लिखे गये लेखोंका अद्भुत संग्रह। मूल्य रु० २०

■ **पदरत्नाकर (कोड नं० 050) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक भक्तहृदय पूज्य श्रीभाईजीके द्वारा प्रणीत भक्ति-साहित्यके १५६५ गेय पदोंका अनुपम संग्रह है। इन पदोंमें भगवान् श्रीकृष्णकी मधुर लीलाओंके चित्रणके साथ ज्ञान, वैराग्य, चेतावनी आदि अनेक विषयोंपर सरल काव्यात्मक प्रकाश डाला गया है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ५०

■ **श्रीराधा-माधव-चिन्तन (कोड नं० 049) पुस्तकाकार**—नित्यलीलालीन (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा प्रणीत यह अनुपम ग्रन्थ-रत्न है। इसमें श्रीराधाकृष्णका अलौकिक प्रेम ही श्रीराधामाधव-चिन्तनके रूपमें प्रस्फुटित है। भक्ति और शास्त्रीय चिन्तनके अद्भुत समन्वयके साथ यह ग्रन्थ-रत्न सात प्रकरणोंमें विभक्त है। श्रीराधा, श्रीकृष्ण, श्रीराधामाधव, भावराज्य-लीला-रहस्य, प्रेम-तत्त्व, गोपाङ्गना और प्रकीर्ण—ये सातों प्रकरण मुक्तिके सप्त सोपानके रूपमें भगवत्-तत्त्वका सरस, हृदयग्राही प्रतिपादन करते हैं। यह ग्रन्थ साधकों, श्रद्धालुओं, व्रज-रस-रसिकोंके लिये नित्य स्वाध्याय एवं संग्रहका विषय है। सचित्र, सजिल्द। मूल्य रु० ५०

▲ **अमृत-कण (कोड नं० 058) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक व्यवहार और परमार्थके सर्वोच्च शिखरपर पहुँचानेवाले (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादपोद्दारके प्रौढ़ वैचारिक मनोभूमिसे निःसृत, भारतीय वर्ण-धर्मका स्वरूप, परमधाम, वैरसे भयानक दुर्गति आदि अनेक विषयोंपर दुर्लभ लेखोंका संकलन है। मूल्य रु० १६

▲ **सुख-शान्तिका मार्ग (कोड नं० 333) पुस्तकाकार**—मनुष्य जबतक दूसरे व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति, स्थानमें सुख और शान्तिकी तलाश करनेका प्रयास करता है तबतक उसके हाथ दैन्य, निराशा और विषाद ही लगता है। वास्तविक सुख-शान्ति प्रभुकी भक्ति तथा प्राप्तिमें ही है। इस पुस्तकमें भक्ति और उसकी प्राप्तिके विभिन्न आयामोंकी विस्तृत चर्चा की गयी है। मूल्य रु० १५

▲ **मधुर (कोड नं० 343) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक नित्यलीलालीन श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके द्वारा कल्याणके लिये समय-समयपर लिखे गये भगवान् श्रीकृष्ण और उनकी अभिन्न शक्ति श्रीराधाजी एवं महाभागा गोपिकाओंके दिव्यातिदिव्य प्रेममय उद्गारोंका ७२ झाँकियोंके रूपमें मनोहर काव्यात्मक चित्रण है। मूल्य रु० ११

▲**मानव-जीवनका लक्ष्य (कोड नं० 056) पुस्तकाकार**—अनित्य जगत्‌के मोहका उन्मूलन कर मानव-जीवनके चरमोत्कर्ष लक्ष्य भगवत्प्रेम तथा मुक्तिको प्राप्त करानेवाले साधनके प्रकार, रास-रहस्य, समर्पण इत्यादि अनेक विषयोंपर विभिन्न लेखोंका संग्रह। मूल्य रु० १२

▲**सुखी बननेके उपाय (कोड नं० 331) पुस्तकाकार**—मानव-जीवनको नियन्त्रित कर कर्तव्य-बोध तथा आत्मशोधकी प्रेरणा देनेवाले श्रीभाईजीके धर्मके विविध रूप, दया-धर्मका स्वरूप, तीर्थोंकी महिमा आदि विषयोंपर लिखे गये अनेक लेखोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० १०

▲**व्यवहार और परमार्थ (कोड नं० 334) पुस्तकाकार**—लौकिक और पारलौकिक सभी विषयोंके सम्यक् ज्ञाता (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा समय-समयपर लोगोंकी समस्याओंके समाधानार्थ प्रश्नोत्तरके रूपमें लिखे गये पत्रोंका अद्भुत संग्रह। मूल्य रु० १२

▲**नारी-शिक्षा (कोड नं० 336) पुस्तकाकार**—नारी-जातिके सर्वांगीण विकासके लिये स्त्रियोंके कर्तव्य, भारतीय नारीका स्वरूप, बच्चोंका जीवन-निर्माण, पातिव्रत्य धर्म, हिन्दू शास्त्रोंमें नारीका स्थान इत्यादि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंपर श्रीभाईजी-कृत एक उपदेशपूर्ण विवेचन। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1062) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**दुःखमें भगवत्कृपा (कोड नं० 514) पुस्तकाकार**—अध्यात्म साधनाके परमोच्च शिखरपर पहुँचे हुए (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारद्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें दुःखमें भगवत्कृपा, भक्ति-तत्त्व दिग्दर्शन, सर्वार्थसाधक भगवन्नाम आदि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंपर अद्भुत तात्त्विक विवेचन किया गया है। मूल्य रु० १०

▲**सत्संग-सुधा (कोड नं० 386) पुस्तकाकार**—श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके गुणग्राही मनोवृत्तिद्वारा संगृहीत—एक भगवत्कृपा-पथ-पथिक साधुके राग-द्वेषको शिथिल करनेवाले तथा भगवद्विश्वासकी वृद्धि करनेवाले अनेक आध्यात्मिक विषयोंपर शोधपूर्ण विचारोंका अनुपम संग्रह। मूल्य रु० १०

▲**श्रीरामचिन्तन (कोड नं० 340) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् श्रीरामके गुण, लीला, प्रभाव, उपासना आदिका अत्यन्त ही मार्मिक चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ९

▲सन्त-वाणी (ढाई हजार अनमोल बोल)—कोड नं० 342, पुस्तकाकार—त्रिताप-सन्तप्त संसारको मुक्तिरूप निरतिशय आनन्दका सन्देश देकर शान्ति प्रदान करनेवाले प्राय: सभी देश जातिके विभिन्न सन्तोंके उपदेशात्मक सूक्तियोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 850) भाग-१, (कोड नं० 952) भाग-२, (कोड नं० 953) भाग-३ तमिलमें भी उपलब्ध।

▲दाम्पत्य-जीवनका आदर्श (कोड नं० 337) पुस्तकाकार—धर्मानुशासित गृहस्थाश्रम—धर्म और मोक्षके सम्पुटमें अर्थ और कामका सम्पुटित जीवन पञ्चम पुरुषार्थ भगवद्भक्तिका प्रदाता है। दाम्पत्य जीवनके सर्वाङ्गीण विकास-हेतु (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें पति-पत्नीके कर्तव्य, धर्म, व्यवहार आदि विभिन्न विषयोंपर लिखे गये अनेक उपयोगी लेखोंका संग्रह है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1128) गुजराती और (कोड नं० 905) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲सत्संगके बिखरे मोती (कोड नं० 339) पुस्तकाकार—इस पुस्तकमें (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारके द्वारा प्रणीत भक्ति, वैराग्य, सदाचार, सन्त-महिमा, भगवत्प्रेम-सम्बन्धी सूक्तियोंका संकलन किया गया है। मूल्य रु० १०

▲श्रीभगवन्नाम-चिन्तन (कोड नं० 338) पुस्तकाकार—हमारे शास्त्रोंमें श्रीभगवन्नामकी महिमा अतुलनीय है। कलियुगी प्राणियोंके लिये भगवन्नाम ही परम साध्य और साधन है। प्रस्तुत पुस्तक श्रद्धेय श्रीभाईजीके भगवन्नाम-विषयक लेखों, विचारों और पत्रोंका सुन्दर संग्रह है। इसके पठन-पाठनसे नाम-जपमें सहज ही निष्ठा होती है। मूल्य रु० १०

▲भवरोगकी रामबाण दवा (कोड नं० 345) पुस्तकाकार—प्रस्तुत पुस्तक षड्विकारसे संतप्त मानव-जीवनके भव रोगोंका उपशमन कर पूर्ण शान्ति, तथा स्वास्थ्यकी प्रदाता है। इसमें सहिष्णुता, सेवा, सम्मानदान, स्वार्थत्याग, समता, सत्संग, सदाचार, सन्तोष, सरलता तथा सत्य आदि अनेक विषयोंपर सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1251) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲ **सुखी बनो (कोड नं० 346) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें मानवके व्यावहारिक और पारमार्थिक समस्याओंका समाधान करनेवाले (भाईजीके) अनेक विषयोंपर लिखे गये लेखों और विचारोंका संकलन किया गया है। मूल्य रु० ७

▲ **प्रेम-दर्शन (कोड नं० 341) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भक्ति-दर्शनके प्रधान आचार्य देवर्षि नारदकृत नारद-भक्तिसूत्रकी (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा सर्वजनोपयोगी, बोधगम्य तथा सरल व्याख्या की गयी है। मूल्य रु० ९ (कोड नं० 904) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲ **लोक-परलोक-सुधार (भाग-१) कोड नं० 353, पुस्तकाकार**—यह पुस्तक व्यक्तिके व्यावहारिक तथा पारमार्थिक समस्त समस्याओंके समाधानहेतु श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके अनेक लोककल्याणकारी पत्रोंका संग्रह है। मूल्य रु० ८

▲ **आनन्दका स्वरूप—लोक-परलोक-सुधार (भाग-२) कोड नं० 354, पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें श्राद्धकी आवश्यकता, मनुष्यका कर्तव्य, असली सद्गुण, वास्तविक भजनका स्वरूप, दोष-नाशके उपाय, अर्थ और अनर्थ आदि अनेक उपयोगी विषयोंपर संगृहीत नित्यलीलालीन श्रीहनुमान-प्रसादजी पोद्दारके कल्याणकारी पत्रोंका संग्रह है। मूल्य रु० ८.५०

▲ **महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर (लो० प० सु० भाग-३) कोड नं० 355, पुस्तकाकार**—भाईजी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा साधन-मार्गमें आनेवाले २९२ प्रश्नोंका पत्रात्मक समाधान, जो जिज्ञासुओं-हेतु सद्गुरुकी भाँति सच्चा मार्गदर्शक है। मूल्य रु० १२

▲ **शान्ति कैसे मिले? (लो० प० सु० भाग-४) कोड नं० 356, पुस्तकाकार**—कलि-कल्मषप्रसूत दुराशा, द्वेष दुराचार आदिसे युक्त आजके तमसाच्छन्न युगमें सच्चे सुख-शान्तिके सन्देशवाहक तथा पारमार्थिक और लौकिक समस्याओंके समाधानमें सक्षम श्रीभाईजीके पत्रोंका संग्रह। मूल्य रु० १३

▲ **भगवान्‌की पूजाके पुष्प (क० कुं० भाग-२) कोड नं० 359, पुस्तकाकार**—अन्तःकरणको शुद्ध कर भगवद्भावका संचार करनेवाले (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारके ४६ लेखोंका संकलन। मूल्य रु० ७

▲दुःख क्यों होते हैं? (लो० प० सु० भाग-५) कोड नं० 357, पुस्तकाकार—संसारके पाप-तापसे सन्तप्त मानव-मनको अपने उत्कृष्ट वैचारिक फुहारसे शान्ति प्रदान करनेवाले—तत्त्व-विचार, भजन-साधन-सम्बन्धी अनेक जिज्ञासाओंकी तृप्ति करनेवाले (श्रीभाईजी) हनुमानप्रसाद पोद्दारके पत्रोंका संकलन। मूल्य रु० १२

▲कल्याण कुञ्ज (भाग-१) कोड नं० 358, पुस्तकाकार—परम श्रद्धेय श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके दीर्घकालीन साधना, तपस्या, चिन्तनके मूर्तरूप विचारोंका संग्रह। ये विचार पाठकोंके जीवनमें परिवर्तन कर भगवद्विश्वासके संस्थापक और सत्पथ-प्रदर्शक हैं। मूल्य रु० ६

▲भगवान् सदा तुम्हारे साथ हैं (क० कुं० भाग-३) कोड नं० 360, पुस्तकाकार—परमार्थपथका पथिक बनानेवाले तथा मानव-मनसे दुःख, निराशाका निष्कासन कर आनन्द और प्रेमका संचार करनेवाले श्रीभाईजीके ६३ लेखोंका संग्रह। मूल्य रु० ८

▲मानव-कल्याणके साधन (क० कुं० भाग-४) कोड नं० 361, पुस्तकाकार—जीवन-निर्माणकी कलासे परिपूर्ण तथा मानव-मनको महत्तम लक्ष्यको समझानेमें समर्थ श्रीभाईजीके दुर्लभ विचारोंका संग्रह। मूल्य रु० १२

▲दिव्य सुखकी सरिता (क० कुं० भाग-५) कोड नं० 362, पुस्तकाकार— इस पुस्तकमें सब ब्रह्मरूप, अनन्त भगवत्कृपा, सच्चा अर्थ, अनर्थोंका मूल अहंकार आदि अनेक आध्यात्मिक विषयोंपर श्रीभाईजीके कल्याणमय विचारोंका सुधा-प्रवाह है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1067) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲सफलताके शिखरकी सीढ़ियाँ (क० कुं० भाग-६) कोड नं० 363, पुस्तकाकार—परमार्थपथके सच्चे प्रदीप, कर्तव्यका बोध तथा आत्म-शोधके प्रेरणास्रोत भाईजीके लेखोंका सुन्दर संग्रह। मूल्य रु० ६

▲परमार्थकी मन्दाकिनी (क० कुं० भाग-७) कोड नं० 364, पुस्तकाकार—कल्याणके आदि सम्पादक श्रीभाईजीकी लेखनीद्वारा तरङ्गित वैचारिक शिवधाराके अनेक लेखोंका यह प्रवाह अवगाहन मात्रसे पाठकको परमार्थके दिव्य शिखरपर आरूढ़ कर देता है। मूल्य रु० ५

▲**महाभाव-कल्लोलिनी (कोड नं० 526) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें श्रीराधाकृष्णकी विभिन्न लीलाओंसे सम्बन्धित ११६ पदोंका संग्रह है। नित्यलीलालीन (भाईजी) श्रीहनुमानप्रसादके द्वारा प्रणीत यह पद-संग्रह पाठकोंकी भक्ति-भावनाकी वृद्धि करनेवाला तथा आध्यात्मिक रुचिकी तृप्ति करनेवाला है। मूल्य रु० ६

▲**मानव-धर्म (कोड नं० 366) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें मनु-प्रतिपादित धर्मके मूल तत्त्वोंपर विस्तृत प्रकाश डालते हुए इन सार्वभौम धर्मोंके पालनसे भगवत्प्राप्ति आदि विषयोंका सरल विवेचन, युक्ति, अनुभव और शास्त्र-प्रमाणके आधारपर नित्यलीलालीन श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारद्वारा अत्यन्त सुन्दर ढंगसे किया गया है। मूल्य रु० ५

▲**दैनिक-कल्याण-सूत्र (कोड नं० 367) पुस्तकाकार**—प्रतिदिन जीवनमें उतारकर व्यावहारिक जीवनको परिष्कृत करनेयोग्य महापुरुषोंके विचारोंका अनुपम संग्रह। मूल्य रु० ४

▲**प्रार्थना—प्रार्थना-पीयूष (कोड नं० 368) पुस्तकाकार**—प्रगाढ़ विश्वासके साथ मनकी सहज एवं सच्ची स्थितिमें भगवान्‌से जो कुछ भी आवेदन-निवेदन किया जाता है, वही प्रार्थना है। इस पुस्तकमें ऐसी ही अन्तःस्थलको स्पर्श करनेवाली २१ प्रार्थनाओंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 865) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**गोपीप्रेम (कोड नं० 369) पुस्तकाकार**—कृष्ण-प्रेमिका गोपियोंके प्रेमका गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसाद पोद्दारद्वारा सरस चित्रण। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 847) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲**श्रीभगवन्नाम (कोड नं० 370) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भगवन्नाम-महिमाकी व्याख्याके साथ नाम-जपकी महत्ताका सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1186) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**कल्याणकारी आचरण (कोड नं० 373) पाकेट साइज**—जीवनमें पालन करनेयोग्य व्यावहारिक ज्ञानकी एक सुन्दर पुस्तक। मूल्य रु० १

▲**साधन-पथ (सचित्र) कोड नं० 374, पुस्तकाकार**—साधन-मार्गके संशयको निरस्त करने तथा परमध्येय परमात्मतत्त्वके निर्धारणमें

सहयोगी वैराग्य, साधनके विघ्न, कामना, दैन्य, आत्म-समर्पण आदि विषयोंपर महत्त्वपूर्ण उपयोगी उपदेशोंका संग्रह। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1289) तमिल और (कोड नं० 1126) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**वर्तमान शिक्षा (कोड नं० 375) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें वर्तमान शिक्षा-पद्धतिके गुण-दोषकी समीक्षाके साथ प्राचीन शिक्षाके अनिवार्यताकी विस्तृत व्याख्या की गयी है। मूल्य रु० ३

▲**स्त्री-धर्म प्रश्नोत्तरी (कोड नं० 376) पुस्तकाकार**—स्त्रियों, माताओं तथा बालिकाओं-हेतु परमार्थ तथा व्यावहारिक ज्ञानकी शिक्षा देनेवाला प्रश्नोत्तर शैलीमें श्रीभाईजीके महत्त्वपूर्ण लेखोंका संग्रह। मूल्य रु० ३

▲**मनको वश करनेके कुछ उपाय (कोड नं० 377) पॉकेट साइज**—नित्यलीलालीन श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें मनका स्वरूप और उसको वशमें करनेके उपायोंके साथ ध्यान करनेकी शास्त्र-सम्मत विधिका अत्यन्त रोचक शैलीमें वर्णन किया गया है। मूल्य रु० १ (कोड नं० 1058) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**आनन्दकी लहरें (कोड नं० 378) पॉकेट साइज**—मनुष्य अपने व्यवहारद्वारा एक-दूसरेके सुख-दुःखमें सहयोगी बनकर किस प्रकार इस धरा-धामको स्वर्गीय सुखमें परिवर्तित कर सकता है? इस विषयको गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें बड़े ही सुन्दर ढंगसे समझाया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 848) बँगला, (कोड नं० 1011) ओड़िआ, (कोड नं० 486) अंग्रेजी और (कोड नं० 1049) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**ब्रह्मचर्य (कोड नं० 380) पुस्तकाकार**—इसमें गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा ब्रह्मचर्य-रक्षाके सरल उपायों तथा उससे लाभका सुन्दर वर्णन किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1041) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**दीन-दुःखियोंके प्रति कर्तव्य (कोड नं० 381) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें श्रीभाईजी द्वारा दीनों, रोगियों, विधवाओं तथा अनाथोंके प्रति कर्तव्य-कर्मका समुचित बोध कराया गया है। मूल्य रु० १

▲**सिनेमा मनोरंजन या विनाशका साधन (कोड नं० 382)** प्रस्तुत पुस्तकमें सिनेमासे होनेवाली बुराइयोंपर प्रकाश डालते हुए सिनेमाके सन्दर्भमें विभिन्न विद्वानोंके विचारोंका भी संग्रह श्रीभाईजीद्वारा किया गया है। मूल्य रु० २

▲**उपनिषदोंके चौदह रत्न (कोड नं० 344) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारद्वारा सरल भाषामें ज्ञान-विज्ञानसे परिपूर्ण चौदह रत्नोंके रूपमें उपनिषदोंके चुने हुए चौदह चरित्रोंका सर्वजनोपयोगी प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ६

▲**राधा-माधव-रस-सुधा (कोड नं० 371) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें श्रीभाईजीके द्वारा प्रणीत श्रीराधाकृष्णके विभिन्न लीलाओंका सोलह गीतोंके रूपमें सटीक संग्रह है। मूल्य रु० ३

▲**विवाहमें दहेज (कोड नं० 384) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें वर्तमान समयके अभिशाप दहेजसे उत्पन्न बुराइयोंकी आलोचनाके साथ समाजको इससे बचनेके लिये प्रेरणा दी गयी है। मूल्य रु० १

▲**दिव्य संदेश एवं मनुष्यका सर्वप्रिय जीवन कैसे बने ? (कोड नं० 809) पॉकेट साइज**—इस पुस्तिकामें भगवत्प्राप्तिकी कल्याणकारी युक्तियोंकी व्याख्याके साथ व्यावहारिक जीवनको सुन्दर बनानेके अनेक उपायोंकी सरल व्याख्या की गयी है। मूल्य रु० १

परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजीके कल्याणकारी प्रवचन

■ **साधन-सुधा-सिन्धु—कोड नं० 465 (ग्रन्थाकार)**—यह ग्रन्थ गीताप्रेससे प्रकाशित स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रणीत लगभग ५० पुस्तकोंका ग्रन्थाकार संकलन है। इसमें परमात्मप्राप्तिके अनेक सुगम उपायोंका सरल भाषामें अत्यन्त मार्मिक विवेचन किया गया है। यह ग्रन्थ प्रत्येक देश, वेष, भाषा एवं सम्प्रदायके साधकोंके लिये साधनकी उपयोगी एवं मार्गदर्शक सामग्रीसे युक्त है। पृष्ठ-संख्या १००८, कपड़ेकी मजबूत जिल्द एवं सुन्दर रंगीन, लेमिनेटेड आवरणसहित। मूल्य रु० ८० (कोड नं० 1473) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**कल्याण-पथ—कोड नं० 400 (पुस्तकाकार)**—कर्तव्य-कर्मका समुचित रीतिसे पालन करते हुए अधिकार और फलासक्तिका त्यागकर भगवत्प्राप्तिका उद्देश्यवाला व्यक्ति स्वतः मुक्त है। स्वामी श्रीराम-सुखदासजी महाराजद्वारा प्रस्तुत यह पुस्तक कल्याण-पथ-पथिकों-हेतु योग्य मार्गदर्शक है। मूल्य रु० ८

▲**जित देखूँ तित तू—कोड नं० 605 (पुस्तकाकार)**—इस पुस्तकमें 'सब कुछ भगवान् ही हैं' गीताके इस महत्त्वपूर्ण सिद्धान्तका प्रतिपादन करते हुए श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजने भक्तिकी श्रेष्ठता, अनिर्वचनीय प्रेम, संयोग, वियोग और योग आदि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंपर उपयोगी दृष्टान्तोंके माध्यमसे सुन्दर विवेचन किया है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1210) मराठी और (कोड नं० 1295) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**भगवत्प्राप्ति सहज है—कोड नं० 406 (पुस्तकाकार)**—इस पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा सरल बोलचालकी भाषामें भगवत्प्राप्तिकी अनेक युक्तियोंका सहज ढंगसे प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 619) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲**सुन्दर समाजका निर्माण—कोड नं० 535 (पुस्तकाकार)**—समाजके सभी वर्गोंके उत्थानके लिये स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकी एक सर्वजनोपयोगी पुस्तक—जिसका स्वाध्याय व्यक्तिको कर्तव्य-बोध कराकर आत्मपरिष्कारकी योग्यता प्रदान करता है। मूल्य रु० ८

▲**मानसमें नाम वन्दना—कोड नं० 401 (पुस्तकाकार)**—साधन-पथमें अग्रसारित करनेवाला तथा भगवान्‌में अनन्य निष्ठाको जन्म देनेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकृत श्रीरामचरितमानसके नाम-वन्दना प्रसंगपर विभिन्न प्रवचनोंका संग्रह। मूल्य रु० ८

▲**मेरे तो गिरधर गोपाल एवं अलौकिक प्रेम (कोड नं० 1247) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें कामना, जिज्ञासा और लालसा, अभेद और अभिन्नता, सच्ची आस्तिकता, अभिमान कैसे छूटे?, साधक, साध्य और साधन, अक्रियतासे परमात्मप्राप्ति आदि १२ लेखोंके रूपमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके ओजस्वी तथा आध्यात्मिक विचारोंका संकलन है। मूल्य रु० ६

▲**जीवनका कर्तव्य (कोड नं० 403) पुस्तकाकार**—सन्त और भगवन्त दोनोंका उद्देश्य मनुष्यमात्रको उठाकर ईश्वरकी कोटिमें पहुँचाना तथा दुःख और दैन्यकी आत्यन्तिक निवृत्ति करना है। इस पुस्तकमें परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा समय-समयपर दिये गये चेतावनी, वैराग्य, नाम-जप आदि अनेक कल्याणकारी विषयोंके व्याख्यानोंका संकलन किया गया है। यह व्याख्यान संग्रह प्रत्येक व्यक्तिके आत्मोद्धारमें सच्चा सहायक है। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1211) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**प्रश्नोत्तर-मणिमाला (कोड नं० 1175) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा साधन-भजनके संदर्भमें साधकों और जिज्ञासुओंके मनमें उठनेवाली शंकाओंका प्रश्नोत्तर शैलीमें सुन्दर समाधान प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1305) बँगला और (कोड नं० 1209) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**कल्याणकारी प्रवचन (कोड नं० 436) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक भगवत्प्राप्तिके अभिलाषी साधकोंके मार्गदर्शन-हेतु सरल भाषामें प्राप्त और प्रतीति, संसारमें रहनेकी कला, अनुभव और विश्वास-जैसे अनेक विषयोंपर स्वामी श्रीरामसुखदासजीके प्रवचनोंका संग्रह है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 404) गुजराती, (कोड नं० 816) बँगला, (कोड नं० 471) अंग्रेजी और (कोड नं० 1139) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**नित्ययोगकी प्राप्ति (कोड नं० 405) पुस्तकाकार**—परमात्मतत्त्वसे हम कभी अलग नहीं हो सकते तथा जगत् कभी हमारा नहीं हो सकता। इस पुस्तकमें ईश्वर और जीवके नित्य योगमें विघ्नरूप सम्पूर्ण बाधाओंका निदान करनेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1270) ओड़िआमें भी।

▲**आदर्श कहानियाँ (कोड नं० 1093) पुस्तकाकार**—कहानियोंके माध्यमसे उपदेशात्मक सूत्रोंकी व्याख्या भारतकी प्राचीन कला है। कहानियोंके द्वारा पारमार्थिक एवं लौकिक शिक्षा सरलतासे दी जा सकती है। इस पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संकलित तत्त्व-ज्ञानकी प्रेरणास्रोत ३२ कहानियोंका सुन्दर संग्रह है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1452) बंगला और (कोड नं० 1208) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**भगवत्प्राप्तिकी सुगमता (कोड नं० 407) पुस्तकाकार**—भगवत्प्राप्तिके सुगम साधनोंका प्रश्नोत्तर शैली एवं बोल-चालकी साधारण भाषामें स्वामी श्रीरामसुखदासजीके व्याख्यानोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 881) मराठी एवं (कोड नं० 593) कन्नड़में भी उपलब्ध।

▲**भगवान्‌से अपनापन (कोड नं० 408) पुस्तकाकार**—यद्यपि हम परमात्माके ही हैं, क्योंकि परमात्माका अंश जीव अपने अंशी परमात्मासे अलग हो ही नहीं सकता, तथापि इस मान्यताके बिना कि हम परमात्माके हैं, जीव परमात्मासे विमुख ही रहता है। प्रस्तुत पुस्तक भगवान्‌में निष्ठा पैदा कर साधनामें तीव्रता लानेवाले स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1066) गुजराती और (कोड नं० 1138) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**सत्संग-मुक्ताहार (कोड नं० 861) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक स्वामी श्रीरामसुखदासजीके द्वारा प्रणीत नौ आध्यात्मिक रहस्योंका उद्‌घाटन करनेवाले लेखोंका संकलन है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1003) ओड़िआ और (कोड नं० 1151) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**वास्तविक सुख (कोड नं० 409) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक नागपुरमें परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा मनुष्य-जीवनका उद्देश्य, भगवान् प्रेमके भूखे हैं, दृढ़ निश्चयकी महिमा आदि विषयोंपर दिये गये प्रवचनोंका संग्रह है। मूल्य रु० ५, (कोड नं० 1268) ओड़िआ, (कोड नं० 598) कन्नड़, (कोड नं० 1243) तमिलमें भी उपलब्ध।

▲**साधन और साध्य (कोड नं० 411) पुस्तकाकार**—परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा जिज्ञासुओंके शंका-समाधान-हेतु करण निरपेक्ष साधनपर एक मार्मिक व्याख्या। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 880) मराठी, (कोड नं० 1263) गुजराती और (कोड नं० 956) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲**सब साधनोंका सार (कोड नं० 1408) पुस्तकाकार**—परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रस्तुत इस पुस्तकमें—सब साधनोंका सार, अपना किसे मानें, कल्याणका निश्चित उपाय आदि १२ विषयोंके माध्यमसे साधनामें गम्भीर रहस्योंका सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1469) बंगलामें भी उपलब्ध।

▲तात्त्विक प्रवचन—कोड नं० 412 (पुस्तकाकार)—परमात्मतत्त्वके गूढ़-से-गूढ़ विषयपर सरल भाषामें अत्यन्त ही सरल ढंगसे समझाकर कल्याण-पथका पथिक बना देना स्वामी श्रीरामसुखदासजीके प्रवचनोंकी विशेषता है। इस पुस्तकमें जन-साधारणके कल्याण-हेतु स्वामीजीद्वारा सार बात, मुक्तिका रहस्य आदि अनेक विषयोंपर दिये गये व्याख्यानोंका संकलन किया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 885) मराठी, (कोड नं० 955) बँगला, (कोड नं० 1004) ओड़िआ और (कोड नं० 413) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲तत्त्वज्ञान कैसे हो? एवं मुक्तिमें सबका समान अधिकार (कोड नं० 414) पुस्तकाकार—जिज्ञासु साधकोंकी आध्यात्मिक यात्राको सुगम बनानेके उद्देश्यसे स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकृत तत्त्वज्ञान क्या है? शब्दसे शब्दातीत, अविनाशी रस आदि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयोंपर प्रवचनोंका संकलन। मूल्य रु० ६, (कोड नं० 1260) गुजराती, (कोड नं० 1115) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲जीवनोपयोगी प्रवचन (कोड नं० 410) पुस्तकाकार—यह मानव-जीवनमें आनेवाली अनेक व्यावहारिक और पारमार्थिक समस्याओंका सहज समाधान करनेवाली एक अत्यन्त उपयोगी पुस्तक है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 473) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ ज्ञानके दीप जले (कोड नं० 1485) पुस्तकाकार—प्रस्तुत पुस्तक श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संकलित अनेक आध्यात्मिक विषयोंपर छोटे-छोटे उपदेशोंका सुन्दर संकलन है। गहन अनुभव एवं साधनाके आलोकमें प्रस्तुत ये उपदेश साधकों एवं जिज्ञासुओंकी आध्यात्मिक यात्राको सुगम बनानेके लिये अनुपम सहायक है। मूल्य रु० १२

▲जीवनका सत्य (कोड नं० 416) पुस्तकाकार—शरीर और संसारसे ममता हट जानेपर अपने-आप तत्त्वका अनुभव हो जाता है। प्रस्तुत पुस्तकमें तत्त्वज्ञानके गूढ़ रहस्योंका अत्यन्त सरल भाषामें बोध कराया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 942) गुजराती भी उपलब्ध।

▲ **साधनके दो प्रधान सूत्र (कोड नं० 1479) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकके इस परिवर्धित संस्करणमें ईश्वर, जीव और संसारके स्वरूप तथा सम्बन्ध एवं आत्मज्ञानके सरल उपायोंका साधनके दो प्रधान सूत्र, साधकोंके लिये जानना और मानना आदि प्रकरणोंके माध्यमसे श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा अत्यन्त सुन्दर विवेचन प्रस्तुत किया गया है। अच्छे मोटे कागजपर दो रंगोंमें बड़े अक्षरोंमें छपी यह पुस्तक नित्य स्वाध्यायके साथ उपहारमें देनेयोग्य है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1512) ओड़िआ, (कोड नं० 1541) बंगलामें भी।

▲**किसान और गाय (कोड नं० 821) पॉकेट साइज**—किसानोंके लिये व्यावहारिक शिक्षा और गोपालनकी महत्ताका एक सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1547) तेलुगुमें भी।

▲**अमृत-बिन्दु (कोड नं० 822) पुस्तकाकार**—परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संकलित सूत्रात्मक उपदेशोंके रूपमें एक हजार चुनी हुई सूक्तियोंका एक सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1340) मराठी, (कोड नं० 940) गुजराती, (कोड नं० 1102) बँगला, (कोड नं० 1464) ओड़िआ, (कोड नं० 1101) अंग्रेजी, (कोड नं० 1407) अंग्रेजी डिलक्स तथा (कोड नं० 1110) तमिलमें भी उपलब्ध।

▲**भगवन्नाम (कोड नं० 417) पुस्तकाकार**—भगवन्नामकी महिमा तथा जप-विधिपर समुचित प्रकाश डालकर नाम-जपमें निष्ठा पैदा करनेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंका एक सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 898) मराठी और (कोड नं० 669) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲**साधकोंके प्रति (कोड नं० 418) पुस्तकाकार**—मानव-जीवनके व्यावहारिक और पारमार्थिक समस्याओंका समाधान कर जीवनके चरमोत्कर्ष लक्ष्य मोक्षको प्राप्त करानेवाली स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकी प्रवचन-माला। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1303) बँगला और (कोड नं० 886) मराठीमें भी उपलब्ध।

▲**सत्संगकी विलक्षणता (कोड नं० 419) पुस्तकाकार**—क्षणमात्रमें संशयोंका उच्छेदकर आत्मतत्त्वका बोध करानेवाली और सत्संग-महिमाको प्रतिपादित करनेवाली स्वामी श्रीरामसुखदासजीकी अद्भुत व्याख्यान-माला। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1063) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग (कोड नं० 545) पुस्तकाकार—इस पुस्तकमें संसारमें रहनेकी कलाके साथ आत्मकल्याणकारी युक्तियोंका सुन्दर प्रतिपादन किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1064) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲मातृशक्तिका घोर अपमान (कोड नं० 420) पुस्तकाकार—वर्तमान नारीके मातृत्वरूपको निखारकर कर्तव्य-अकर्तव्यका ज्ञान करानेवाली तथा गृहस्थ जीवनकी सच्ची शिक्षा प्रदान करनेवाली स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकी अद्भुत पुस्तक। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 882) मराठी, (कोड नं० 939) गुजराती, (कोड नं० 1005) ओड़िआ, (कोड नं० 849) बंगला और (कोड नं० 805) तमिलमें भी उपलब्ध।

▲जिन खोजा तिन पाइयाँ (कोड नं० 421) पुस्तकाकार—इस पुस्तकमें आत्मज्ञानको विश्लेषित करनेवाले जिन खोजा तिन पाइयाँ, सत्-असत्का विवेक, भोग और योग आदि अनेक विषयोंपर स्वामीजीके अनुभवी विचारोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1359) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲कर्म-रहस्य (कोड नं० 422) पुस्तकाकार—कर्मके सन्दर्भमें फैली हुई भ्रान्तिको दूर करनेके उद्देश्यसे स्वामी श्रीरामसुखदासजीद्वारा कर्मके गूढ़ रहस्योंका सुन्दर प्रतिपादन। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1358) बँगला, (कोड नं० 423) तमिल, (कोड नं० 325) कन्नड़ और (कोड नं० 817) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲प्रेरक कहानियाँ (कोड नं० 1308) पुस्तकाकार—स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संकलित चुनी हुई बुद्धिमान् बनजारा, सच्चा स्वांग, हीरेका मूल्य आदि ३२ सुन्दर कहानियोंका संकलन। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1453) बंगलामें भी उपलब्ध।

▲वासुदेवः सर्वम् (कोड नं० 424) पुस्तकाकार—स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके नौ लेखोंका यह संग्रह साधकोंके लिये भगवत्तत्त्वके सहज अनुभव-हेतु सच्चा मार्गदर्शक है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1006) मराठी, (कोड नं० 634) अंग्रेजी और (कोड नं० 1413) अंग्रेजी डिलक्स भी उपलब्ध।

▲अच्छे बनो (कोड नं० 425) पुस्तकाकार—मानव अपने उद्धार और पतनका दायित्व स्वत: वहन करता है, अत: उसे कर्तव्य-कर्मको शास्त्रोचित ढंगसे सम्पादित करते हुए केवल उत्कट अभिलाषासे परमात्मज्ञान प्राप्त कर जीवनके लक्ष्यको प्राप्त कर लेना चाहिये। प्रस्तुत पुस्तकमें व्यवहार तथा परमार्थ-सम्बन्धी अनेक लेखोंका संग्रह किया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 474) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲सत्संगका प्रसाद (कोड नं० 426) पुस्तकाकार—परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा विरचित इस पुस्तकमें आत्मोद्धारके मार्गमें आनेवाले विघ्नोंके निवारणके लिये एक निश्चय, सत्संगकी आवश्यकता, विकार आपमें नहीं आदि अनेक विषयोंपर समुचित प्रकाश डाला गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 946) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲सत्यकी खोज (कोड नं० 1019) पुस्तकाकार—इस पुस्तकमें सत्यकी खोज, विज्ञानसहित ज्ञान, मुक्ति और प्रेम, मुक्तिका सुगम उपाय, हमारा असली घर आदि ग्यारह लेखोंमें आत्मकल्याणके सहज साधनोंका सरल विवेचन किया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1287) गुजराती और (कोड नं० 1438) अंग्रेजी डिलक्स भी उपलब्ध।

▲सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण (कोड नं० 1035) पॉकेट साइज—आत्मज्ञानके सहज बोधकी एक अनुपम पुस्तक। मूल्य रु० १ (कोड नं० 1147) गुजरातीमें भी।

▲तू-ही-तू (कोड नं० 1360) पॉकेट साइज—सर्वत्र भगवद्दर्शनकी कलाका एक सुन्दर प्रतिपादन। मूल्य रु० २

▲शिखा (चोटी) धारणकी आवश्यकता और हम कहाँ जा रहे हैं? विचार करें! (कोड नं० 1176) पॉकेट साइज—शिखा धारण करनेकी उपयोगिताकी शास्त्रीय और वैज्ञानिक व्याख्या तथा आत्मनिरीक्षणके लिये सुन्दर चेतावनी। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1293) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲ संसारका असर कैसे छूटे? (कोड नं० 1441) पॉकेट साइज— इस पुस्तकमें श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके पूर्व प्रकाशित तीन अति उपयोगी लेखों—'संसारका असर कैसे छूटे' 'मनकी खटपट कैसे मिटे?' और 'अक्रियतासे परमात्मप्राप्ति', का प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २

▲स्वाधीन कैसे बनें? (कोड नं० 431) पॉकेट साइज—संसारके विकारोंकी दासतासे मुक्त कर आत्मज्ञान तथा शान्तिके संदेशवाहक स्वामीजीके दिव्य विचारोंका अनुपम संग्रह। मूल्य रु० २ (कोड नं० 476) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲ एक नयी बात (कोड नं० 1434) पॉकेट साइज—श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रस्तुत इस पुस्तकमें एक नयी बात, सार बात, भगवत्प्रेमका रहस्य आदि विभिन्न प्रसंगोंके माध्यमसे आत्मोद्धारके मार्गका सुन्दर परिचय दिया गया है। मूल्य रु० २

▲ परम पितासे प्रार्थना (कोड नं० 1440) पॉकेट साइज—इस पुस्तकमें श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकी पुस्तक 'एक नयी बात' में छपी प्रार्थनाको मोटे कागजपर बहुरंगे चित्रावरणसे संयुक्त करके प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० १

▲कल्याणके तीन सुगम मार्ग (कोड नं० 1255) पॉकेट साइज—कर्मयोग, भक्तियोग एवं ज्ञानयोगके माध्यमसे आत्मसाक्षात्कारकी सुन्दर व्याख्या। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1319) बँगला, (कोड नं० 1329) गुजराती एवं (कोड नं० 1339) मराठीमें भी उपलब्ध।

▲यह विकास है या विनाश जरा सोचिये (कोड नं० 702) पॉकेट साइज—भौतिक सुख-समृद्धिको ही जीवनका लक्ष्य मानकर न्याय, अन्यायपर विचार किये बिना अर्थ और भोग-सञ्चयमें रत लोगोंको स्वामीजीकी कड़ी चेतावनी। मूल्य रु० २

▲भगवान् और उनकी भक्ति (कोड नं० 589) पुस्तकाकार—कल्याण-प्राप्तिके सभी साधनोंमें सर्वश्रेष्ठ साधन है—भक्ति। प्रस्तुत पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा भक्ति और उसकी महिमा, सर्वश्रेष्ठ साधन, विलक्षण भगवत्कृपा आदि अनेक विषयोंका सुन्दर विवेचन किया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1294) गुजराती, (कोड नं० 1299) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम (कोड नं० 617) पुस्तकाकार—आसन्न विनाशकी तरफ उन्मुख समाजकी पतनोन्मुखी धारणा—जिसमें पशुओंके विनाशको मांस उत्पादन; मर्यादा-नाशको नारी

स्वतन्त्रता, नैतिक-पतनको उन्नति तथा 'भ्रूण-हत्या' को पाप न मानने-जैसी भ्रामक मान्यता हो गयी है। परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजने इस पुस्तकमें उस मान्यतापर कठोर प्रहार करते हुए गृहस्थ-जीवनका सच्चा आदर्श प्रस्तुत किया है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 941) गुजराती, (कोड नं० 899) मराठी, (कोड नं० 1117) तमिल, (कोड नं० 758) तेलुगु, (कोड नं० 625) बँगला, (कोड नं० 831) कन्नड़, तथा (कोड नं० 796) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**गृहस्थमें कैसे रहें ? (कोड नं० 427) पुस्तकाकार**—संसारमें रहते हुए अनासक्त भावसे जीनेकी कला तथा जीवनका सिद्धान्त समझाकर चरित्र-निर्माणका सच्चा पाठ पढ़ानेवाली स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराज-कृत अद्भुत पुस्तक। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 943) गुजराती, (कोड नं० 429) मराठी, (कोड नं० 553) तमिल, (कोड नं० 733) तेलुगु, (कोड नं० 428) बँगला, (कोड नं० 128) कन्नड़, (कोड नं० 1487) असमिया, (कोड नं० 430) ओड़िआ तथा (कोड नं० 472) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲**एकै साधे सब सधै (कोड नं० 432) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके सात आध्यात्मिक विषयोंपर दिये गये प्रवचनोंका संकलन है, जिसमें दृढ़ भावसे लाभ, ज्ञेय तत्त्व आदि विषयोंपर विशद विवेचन है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1088) गुजराती, (कोड नं० 655) तमिल और (कोड नं० 761) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲**सहज साधना (कोड नं० 433) पुस्तकाकार**—साधकके विवेकका विकास, साधनाके प्रति उत्साह तथा साध्यको प्राप्त करानेवाले स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके निर्दोषताका अनुभव, जिज्ञासा और बोध आदि अनेक तात्त्विक लेखोंका संकलन। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1341) मराठी (कोड नं० 1165) गुजराती, (कोड नं० 903) बँगला, (कोड नं० 638) अंग्रेजी और (कोड नं० 1267) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**शरणागति (कोड नं० 434) पुस्तकाकार**—सच्चे हृदयसे भगवच्छरणा-गतिकी स्वीकृति हो जानेपर चिन्ता, भय, शोक आदि दोषोंका अपने-आप उपशमन हो जाता है—इस दिव्य भावको दृढ़ करानेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकृत एक सुन्दर विवेचन। मूल्य रु० ४

(कोड नं० 568) तमिल, (कोड नं० 757) ओड़िआ, (कोड नं० 1371) कन्नड़, और (कोड नं० 759) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

▲आवश्यक शिक्षा, सन्तानका कर्तव्य और आहारशुद्धि (कोड नं० 435) पुस्तकाकार—प्रस्तुत पुस्तकमें स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजने विद्या प्राप्त करनेकी कला एवं विद्यार्थियों-हेतु पालनीय नियमोंका प्रश्नोत्तर शैलीमें बड़ा ही सुन्दर विश्लेषण किया है। इसके अतिरिक्त इसमें सन्तानके कर्तव्य और आहार-शुद्धिपर भी विवेचन है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1269) ओड़िआ, (कोड नं० 902) आहारशुद्धि मराठी, (कोड नं० 474) अंग्रेजी, (कोड नं० 551) तमिल तथा (कोड नं० 1177) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ? (कोड नं० 1072) पुस्तकाकार—इस पुस्तकमें सर्वसामान्यको कलियुगी गुरुओंके मायाजालसे सावधान करते हुए वास्तविक गुरुके रूपमें परमात्माका परिचय दिया गया है। मूल्य रु० ४ (कोड नं० 1141) गुजराती, (कोड नं० 1122) बंगला एवं (कोड नं० 1130) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■हे मेरे नाथ मैं आपको भूलूँ नहीं (कोड नं० 1037)— प्रार्थनाका यह वाक्य मोटे कागजपर पोस्टर आकारमें भगवान् विष्णुके रंगीन चित्रके साथ छापा गया है। इसे मँढ़वाकर घर या ऑफिसमें रखा जा सकता है। मूल्य रु० १ भी उपलब्ध।

■पञ्चामृत (कोड नं० 1012)—गीताके आधारपर लिखा गया स्वामी श्रीरामसुखदासजीके पाँच अमूल्य उपदेशोंका यह संग्रह पोस्टर आकारमें भगवान् विष्णुके रंगीन चित्रके साथ छापा गया है। यह नित्य स्मरणके उद्देश्यसे घर और ऑफिस आदिमें मँढ़वाकर रखनेयोग्य है। मूल्य रु० १

▲संकल्प-पत्र (कोड नं० 730) पुस्तकाकार—नित्य पालनीय नियमोंकी पुस्तिका। मूल्य रु० २

▲सर्वोच्चपदकी प्राप्तिका साधन (कोड नं० 515) पॉकेट साइज—भगवत्प्राप्तिकी कल्याणकारी युक्तियोंका अनुपम संग्रह। मूल्य रु० १ (कोड नं० 938) गुजराती, (कोड नं० 606) तमिल, (कोड नं० 925) तेलुगु और (कोड नं० 552) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲अमरताकी ओर (कोड नं० 770) पुस्तकाकार—मुक्तिकी साधनामें सहयोगी स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके अनेक तत्त्व-बोधक प्रवचनोंका सुन्दर संग्रह। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1145) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲दुर्गतिसे बचो (कोड नं० 438) पॉकेट साइज —मानवमात्रकी भयंकर पापोंसे बचानेके उद्देश्यसे लिखी गयी पाप और उनके परिणामोंको सुन्दर व्याख्या। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1179) गुजराती, (कोड नं० 449) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲महापापसे बचो (कोड नं० 439) पॉकेट साइज—गर्भपात-जैसे महापापके भयंकर परिणाम तथा इससे होनेवाले आत्महननकी स्वामी श्रीरामसुखदासजीद्वारा सुन्दर व्याख्या। मूल्य रु० २ (कोड नं० 451) बँगला, (कोड नं० 591) तमिल, (कोड नं० 731) तेलुगु, (कोड नं० 597) कन्नड़ और (कोड नं० 1148) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲सच्चा गुरु कौन? (कोड नं० 440) पॉकेट साइज—व्यक्तिके अन्दर ज्ञान प्राप्त करनेकी उत्कट जिज्ञासा ही तत्त्वज्ञानकी जननी है। इस दृष्टिसे सच्चा गुरु तत्त्वज्ञान ही है—इस भावका विशद विश्लेषक तथा कलियुगी गुरुओंसे सावधान करनेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजका शोधपूर्ण लेख। मूल्य रु० २ (कोड नं० 798) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲नित्य-स्तुति और प्रार्थना (कोड नं० 444) पॉकेट साइज—भगवान्‌की अर्चना एवं भगवत्कृपाकी प्राप्तिमें स्तुतियोंका अत्यन्त महत्त्व है। यह पुस्तक स्वामी श्रीरामसुखदासजीद्वारा संकलित स्तुतियोंका सुन्दर प्रकाशन है। रोगनिवारक आदित्यहृदयस्तोत्रके साथ। मूल्य रु० २ (कोड नं० 732) तेलुगु और (कोड नं० 736) कन्नड़में भी उपलब्ध।

▲सार-संग्रह एवं सत्संगके अमृत कण (कोड नं० 729) पॉकेट साइज—स्वामी श्रीरामसुखदासजीद्वारा संकलित गीता, रामायण, भागवत महाभारतके मुख्य उपदेशों एवं सूक्तियोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1178) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**हम ईश्वरको क्यों मानें ? (कोड नं० 445) पॉकेट साइज** — ईश्वरकी सत्ता और महत्ताको प्रतिपादित करनेवाला स्वामी श्रीरामसुखदासजीका एक सुन्दर प्रवचन-संग्रह। मूल्य रु० २ (कोड नं० 450) बँगलामें भी उपलब्ध।

▲**भगवतत्त्व (कोड नं० 745) पॉकेट साइज**—परमात्मस्वरूपका एक सुन्दर और तात्त्विक विवेचन। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1167) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

▲**मानवमात्रके कल्याणके लिये (कोड नं० 1447) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संकलित सब साधनोंका सार, कल्याणके तीन सुगम मार्ग, अमरताकी ओर आदि महत्त्वपूर्ण लेखोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1486) गुजराती, (कोड नं० 1478) बंगला, (कोड नं० 1578) मराठी, (कोड नं० 1470) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

▲**सब जग ईश्वररूप है (कोड नं० 632) पुस्तकाकार**—भक्तियोगकी पृष्ठभूमिमें ईश्वरके सर्वव्यापक स्वरूपको प्रतिपादित करनेवाली स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजकी अनुपम कृति। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1325) गुजराती, (कोड नं० 1321) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

▲**मूर्तिपूजा-नाम-जपकी महिमा (कोड नं० 447) पॉकेट साइज**— मूर्ति-पूजा एवं नाम- जपकी महत्ताका प्रतिपादक स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजका प्रवचन-संग्रह। मूल्य रु० २ (कोड नं० 734) तेलुगु, (कोड नं० 901) मराठी, (कोड नं० 852) ओड़िआ, (कोड नं० 469) बँगला, (कोड नं० 1207) गुजराती, और (कोड नं० 569, 550) तमिलमें भी उपलब्ध।

नित्यकर्म-साधन-भजनहेतु उपयोगी—प्रकाशन

■ **अन्त्यकर्म-श्राद्धप्रकाश (कोड नं० 1593) ग्रन्थाकार**—इस ग्रन्थमें मूल ग्रन्थों तथा निबन्ध-ग्रन्थोंको आधार बनाकर श्राद्ध-सम्बन्धी सभी कृत्योंका साङ्गोपाङ्ग निरूपण किया गया है। ग्रन्थके प्रारम्भमें आये हुए शताधिक प्रमाणोंको हिन्दी-अनुवादके साथ दिया गया है। ग्रन्थमें मूल प्रयोग-भाग संस्कृतमें तथा प्रक्रिया-सम्बन्धी सभी निर्देश हिन्दीमें दिये गये हैं। श्राद्धकी प्रक्रियाओंको समझनेके लिये यथास्थान चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० ७५

■ **नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश सजिल्द (कोड नं० 592) पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें प्रातःकालीन भगवत्स्मरणसे लेकर स्नान, ध्यान, संध्या, जप, तर्पण, बलिवैश्वदेव, देव-पूजन, देव-स्तुति, विशिष्ट-पूजन-पद्धति, पञ्चदेव-पूजन, पार्थिव-पूजन, शालग्राम-महालक्ष्मी-पूजनकी विधि तथा अन्तमें नित्यस्मरणीय स्तोत्रोंका संग्रह होनेसे यह पुस्तक सबके लिये उपयोगी तथा संग्रहणीय है। मूल्य रु० ३५ (कोड नं० 1365) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **व्रत-परिचय (कोड नं० 610) पुस्तकाकार—** भारतमें व्रतोंका सर्वव्यापी प्रचार है। व्रतोंके प्रभावसे मनुष्योंकी आत्मा शुद्ध होती है और संकल्पशक्ति बढ़ती है। प्रस्तुत पुस्तकमें प्रत्येक मासमें पड़नेवाले व्रतोंके विस्तृत परिचयके साथ उन्हें सही ढंगसे सम्पादित करनेकी विधि दी गयी है। इसके अतिरिक्त इसमें परिशिष्ट प्रकरणके अन्तर्गत अधिमासव्रत, संक्रान्तिव्रत, अयनव्रत, पक्षव्रत, वारव्रत, प्रायश्चित्तव्रत तथा अन्तमें वटसावित्री, मंगलागौरी, संकष्टचतुर्थी, ऋषिपंचमी, शिवरात्रि आदि विभिन्न व्रतोंकी सुन्दर कथाएँ दी गयी हैं। मूल्य रु० २८

■ **एकादशी-व्रतका माहात्म्य (मोटा टाइप) कोड नं० 1162, पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें पद्मपुराणके आधारपर २६ एकादशियोंके माहात्म्य तथा विधिका बड़ा ही सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १२

■ **वैशाख-कार्तिक-माघमास माहात्म्य—कोड नं० 1136 (पुस्तकाकार)—** शास्त्रोंमें माघ, कार्तिक तथा वैशाख मासका विशेष महत्त्व है। इन महीनोंमें किया गया पुण्य अक्षय होता है। इस पुस्तकमें पद्मपुराण तथा स्कन्दपुराणमें वर्णित इन तीनों महीनोंके माहात्म्यका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २०

माघमास-माहात्म्य (कोड नं० 1588)— पुराणोंमें वैशाख, कार्तिक एवं माघमासका विशेष माहात्म्य बताया गया है। इन महीनोंमें भगवान्‌की प्रीतिके उद्देश्यसे किये जानेवाले पुण्यकर्म अक्षय हो जाते हैं। प्रस्तुत पुस्तकमें पद्मपुराणमें वर्णित माघमासके माहात्म्यका संकलन किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **स्तोत्ररत्नावली (सानुवाद) कोड नं० 052, पुस्तकाकार—** देवताओंकी उपासनामें उनकी स्तुतियोंका विशेष महत्त्व है। इस पुस्तकमें गणेश, शिव, विष्णु, श्रीराम, कृष्ण, सूर्य, लक्ष्मी, सरस्वती आदि प्रमुख देवी-देवताओंके प्रसिद्ध स्तोत्रोंका संग्रह किया गया है। पुस्तकके

अन्तमें देवताओंके प्रातःस्मरणीय स्तोत्र, कुछ ज्ञानप्रद आध्यात्मिक स्तोत्र और अकाल मृत्यु और रोगादिसे रक्षा करनेवाले मृत्युञ्जय स्तोत्रका भी संग्रह है। उपासनाकी दृष्टिसे यह पुस्तक सबके लिये विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० २० (कोड नं० 1454) बंगला तथा (कोड नं० 914) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **शिवस्तोत्ररत्नाकर, सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1417) पुस्तकाकार—** भगवान् शिवके चरित्र बड़े ही उदात्त तथा अनुकम्पापूर्ण हैं। ये थोड़ी ही उपासनासे प्रसन्न होकर अपने भक्तोंको सब कुछ प्रदान कर देते हैं। इस पुस्तकमें भक्तोंके लिये उपयोगी भगवान् शिवके विभिन्न स्तोत्रों, स्तुतियों, सहस्रनाम तथा आरती आदिका सुन्दर संकलन किया गया है। मूल्य रु० २०

■ **श्रीसत्यनारायण-व्रत-कथा (कोड नं० 1367) पुस्तकाकार—**इस पुस्तकमें भगवान् सत्यनारायणके पूजन-विधिके साथ स्कन्दपुराणसे उद्धृत सत्यनारायण-व्रत-कथाको भावार्थसहित दिया गया है। पुस्तकके अन्तमें हवन-विधि तथा आरती दी गयी है। मूल्य रु० ८

■ **श्रीविष्णुसहस्रनाम-शाङ्करभाष्य (कोड नं० 819) पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें विष्णुसहस्रनाम, भगवान् शङ्कराचार्यकृत भाष्य तथा उसका हिन्दी-अनुवाद दिया गया है। मूल्य रु० १५

■ **श्रीविष्णुसहस्रनाम-सटीक (कोड नं० 206) पॉकेट साइज—** पाठकोंको विष्णुसहस्रनामके अर्थसहित पाठकी सुविधा प्रदान करनेके लिये इस पुस्तकमें विष्णुसहस्रनामका सानुवाद प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ४, विष्णुसहस्रनामका मूल-पाठ (कोड नं० 226) हिन्दी, मूल्य रु० २ (कोड नं० 937) गुजराती, (कोड नं० 740) मलयालम, (कोड नं० 794) तमिल, (कोड नं० 670) तेलुगु तथा (कोड नं० 737) मूल और (कोड नं० 837) सानुवाद कन्नड़में भी उपलब्ध।

■ **सूक्ति-सुधाकर (कोड नं० 509) पुस्तकाकार—**इस पुस्तकमें संस्कृतिके विभिन्न ग्रन्थोंसे संकलित ब्रह्मसूक्ति, सीतासूक्ति, शिवसूक्ति, विष्णुसूक्ति, रामसूक्ति, कृष्णसूक्ति, राधासूक्ति, वैराग्य-सूक्ति, भक्ति-सूक्ति आदि विभिन्न सूक्तियोंका अद्भुत संग्रह है। मूल्य रु० १५

■ **श्रीदुर्गासप्तशती**—दुर्गासप्तशती हिन्दू-धर्मका सर्वमान्य ग्रन्थ है। इसमें भगवतीकी कृपाके सुन्दर इतिहासके साथ अनेक गूढ़ रहस्य भरे हैं। सकाम भक्त इस ग्रन्थका श्रद्धापूर्वक पाठ करके कामनासिद्धि तथा निष्काम भक्त दुर्लभ मोक्ष प्राप्त करते हैं। इस पुस्तकमें पाठ करनेकी प्रामाणिक विधि, कवच, अर्गला, कीलक, वैदिक, तान्त्रिक रात्रिसूक्त, देव्यथर्वशीर्ष, नवार्णविधि, मूल पाठ, दुर्गाष्टोत्तरशतनामस्तोत्र, श्रीदुर्गामानसपूजा, तीनों रहस्य, क्षमा-प्रार्थना सिद्धिकुञ्जिकास्तोत्र, पाठके विभिन्न प्रयोग तथा आरती दी गयी है।

दुर्गासप्तशतीके विभिन्न संस्करण

कोड			मूल्य रु०
■ 117	दुर्गासप्तशती, मूल मोटा टाइप,	(पुस्तकाकार) संस्कृत	१५
■ 876	,, मूल, गुटका	(पॉकेट साइज) संस्कृत	७
■ 909	,, मूल मोटा टाइप,	(पुस्तकाकार) तेलुगु	१२
■ 843	,, मूल मोटा टाइप,	(,,) कन्नड़	१०
■ 1346	,, सानुवाद, मोटा टाइप	(,,) हिन्दी	२०
■ 118	,, सानुवाद	(,,) ,,	१८
■ 489	,, सानुवाद, सजिल्द	(,,) ,,	२४
■ 1281	,, सटीक, राजसंस्करण	(,,) ,,	३०
■ 866	,, केवल भाषा	(,,) ,,	१२
■ 1161	,, ,,मोटा टाइप, सजिल्द	(,,) ,,	३०
■ 1567	,, ,,मोटा टाइप, सजिल्द आड़ी		२२
■ 1366	,, सानुवाद, मोटा टाइप	(,,) गुजराती	१८
■ 1322	,, ,, ,,	(,,) बँगला	१८
■ 1476	,, ,, ,,	(,,) ओड़िआ	१८

■ **रामरक्षास्तोत्रम् (कोड नं० 231) पॉकेट साइज**—यह स्तोत्र आत्मरक्षाके साथ श्रीरामकी कृपा-प्राप्तिका प्रमुख साधन है। श्रद्धालु भक्त इसका नित्य पाठ करते हैं। मूल्य रु० २ (कोड नं० 675) संक्षिप्त रामायणसहित तेलुगु और (कोड नं० 912) सटीक-तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **रामस्तवराज (सटीक) कोड नं० 207, पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें सनत्कुमार-संहितासे संगृहीत भगवान् श्रीरामकी सुन्दर स्तुतिका सानुवाद प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ३

■ **आदित्यहृदयस्तोत्रम् (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवादसहित) कोड नं० 211, पॉकेट साइज**—रोग-शोकका निवारक और शत्रुओंपर विजय दिलानेवाले आदित्यहृदयस्तोत्रकी उपयोगिता देखकर देशी तथा विदेशी बन्धुओंको अर्थ-सहित पाठकी सुविधा प्रदान करनेके लिये इसमें मूलके साथ हिन्दी और अंग्रेजीमें अनुवाद दिया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1070) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीगोविन्ददामोदरस्तोत्र (कोड नं० 224) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें श्रद्धालु प्रेमियोंके नित्यपाठ-हेतु श्रीबिल्वमंगलविरचित गोविन्ददामोदरस्तोत्रके मूलके साथ सन्त प्रभुदत्तब्रह्मचारीकृत सरस हिन्दी-अनुवाद प्रकाशित किया गया है। पुस्तकके अन्तमें मधुराष्टक तथा श्रीकृष्ण-सौन्दर्य-वैभव भी दिया गया है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 674) तेलुगु और (कोड नं० 1154) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **महामन्त्रराजस्तोत्र (सानुवाद) कोड नं० 715, पुस्तकाकार**—स्वामी श्रीलक्ष्मण शास्त्रीके द्वारा प्रणीत यह स्तोत्र 'वसन्ततिलका' छन्दकी सुमधुर रचना है? इसमें कुल ११८ छन्द हैं। इसके प्रत्येक श्लोकके पूर्वार्धमें संक्षिप्त भगवच्चरित तथा आठ बार भगवन्नाम आया है। इसके पाठसे श्रद्धालु भक्त भगवच्चरित्रके आनन्दके साथ भगवन्नाम-जपका भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मूल्य रु० ३

■ **श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 704) पॉकेट साइज**—यह स्तोत्र कोटि जन्मोंसे सञ्चित पापोंका शमन करनेवाला और भगवान् शङ्करकी भक्ति प्रदान करनेवाला है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1576) गुजरातीमें भी।

■ **श्रीहनुमत्सहस्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 705) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें हनुमत्-भक्तों-हेतु सभी कामनाओंको पूर्ण करनेवाले विभीषण-विरचित हनुमत्सहस्रनामस्तोत्रके साथ संकटमोचनस्तोत्रका भी प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ३

■ **गायत्रीसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 706) पॉकेट साइज**—यह स्तोत्र पाठमात्रसे दरिद्रताका नाश करनेवाला और सभी तीर्थोंके स्नानका फल तथा भगवती गायत्रीकी कृपासे मोक्षका फल देता है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीरामसहस्त्रसनामस्तोत्रम् (कोड नं० 707) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें सभी पापोंको विनष्ट करनेवाले तथा सभी यज्ञोंका फल देनेवाले श्रीरामसहस्त्रनामके साथ महादेवकृत श्रीरामस्तुति एवं रामाष्टकका भी प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 708) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें श्रद्धालु बन्धुओंके लिये नित्यपाठ-हेतु भगवती सीताका सहस्त्रनाम एवं श्रीसीतारामाष्टकका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीसूर्यसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 709) पॉकेट साइज**—इसका नित्य पाठ करनेसे रोगोंका शमन, कामनाओंकी सिद्धि तथा संग्राममें विजय प्राप्त होती है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीगङ्गासहस्त्रनामस्तोत्रम्—कोड नं० 710 (पॉकेट साइज)**—यह परम पवित्र स्तोत्र पाठकर्ता भक्तोंको सुख, यश और विजय देनेवाला तथा स्वर्गका प्रदाता है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 711) पॉकेट साइज**—भगवती लक्ष्मीके कृपाकी आकांक्षा हर व्यक्ति नित्य ही करता है। इस पुस्तकमें भगवती लक्ष्मीकी उपासनाके लिये नित्य पाठहेतु लक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रका प्रकाशन किया गया है। पुस्तकके अन्तमें देवकृत लक्ष्मीस्तोत्रके संग्रहसे इसकी उपयोगिता और बढ़ गयी है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीगणेशसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 712) पॉकेट साइज**—भगवान् गणेशकी प्रथम पूजा जगत् प्रसिद्ध है। वे सभी विघ्नोंका विनाश करनेवाले और सिद्धियोंके प्रदाता हैं। इस पुस्तकमें गणेशजीके उपासक भक्तोंके सुविधाहेतु गणेशसहस्त्रनामस्तोत्रका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ३

■ **शिवमहिम्नःस्तोत्र (कोड नं० 563) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें पुष्पदन्त-विरचित भक्तवाञ्छाकल्पतरु भगवान् शिवके महिम्नःस्तोत्रके मूल श्लोकोंके साथ सरस पद्यानुवाद दिया गया है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1023) सटीक तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीराधिकासहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 713) पॉकेट साइज**—प्रस्तुत स्तोत्र श्रीनारद-पाञ्चरात्रसे संकलित है। यह वैष्णवभक्तोंका सार-सर्वस्व है। भगवान् शङ्करद्वारा भगवती पार्वतीके प्रश्नोत्तरके रूपमें वर्णित इस स्तोत्रके पाठसे रास-रासेश्वरी भगवती श्रीराधिकाकी कृपा एवं भगवान् श्रीकृष्णकी गुह्य-भक्ति प्राप्त होती है। मूल्य रु० ३

■ **श्रीगोपालसहस्त्रनामस्तोत्रम् (कोड नं० 810) पॉकेट साइज**—भगवती पार्वतीके प्रश्न करनेपर भगवान् शंकरके द्वारा बताया गया यह स्तोत्र भगवान् श्रीकृष्णकी महिमाका परिचायक तथा पाठमात्रसे श्रीकृष्णकृपाकी प्राप्ति करानेवाला एवं अनेक विपत्तियोंका शमन करनेवाला है। मूल्य रु० ३

■ **दत्तात्रेय-वज्रकवच (सानुवाद) कोड नं० 495, पुस्तकाकार**—यह कवच देवर्षि नारदके द्वारा प्रणीत तथा नारदपुराणसे संगृहीत है। इसके पाठसे समस्त विघ्नोंका नाश तथा आत्मसाक्षात्कार होता है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1332) मराठी और (कोड नं० 930) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीनारायणकवच एवं अमोघ शिवकवच (कोड नं० 229) पॉकेट साइज**—प्रस्तुत पुस्तकमें प्रकाशित ये दोनों कवच श्रीमद्भागवत एवं स्कन्दपुराणसे संगृहीत किये गये हैं। इनके पाठसे सम्पूर्ण बाधाओंके शमनके साथ शत्रुओंपर विजय प्राप्त होती है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1069) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **भजन-संग्रह (पाँचों भाग एक साथ) कोड नं० 54, पुस्तकाकार**—भक्त अंत:करणसे अपने इष्टकी उपासनामें एवं उनके अलंकारिक छटाके वर्णनमें, उनके ऐश्वर्यशाली स्वरूपकी अर्चना तथा अपने दैन्य-समर्पणमें भावात्मक गीतोंका उद्गार ही भजन कहलाता है—जो ताल और लयके साथ मनको एकाग्र कर प्रभुके श्रीचरणोंमें निवेदित होकर आत्म-निवेदन बन जाता है। इस पुस्तकमें साधकोंके मनको प्रभु-लीलामें तन्मयताके उद्देश्यसे गोस्वामी श्रीतुलसीदासजी, मीराबाई, श्रीसूरदासजी आदि छाछठ भक्त सन्तोंके भजनोंका संकलन किया गया है। पुस्तकके अन्तमें गोलोकवासी श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दारके पदोंका संग्रह है। मूल्य रु० २५

■ **पद-पद्माकर (कोड नं० 063) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक श्रीरामरज शर्मा (पंकिल) के द्वारा प्रणीत व्रजभाषाका गीतकाव्य है। इसमें विभिन्न राग-रागिनियोंमें निबद्ध स्तुतियोंके साथ रामभक्ति, शिवभक्ति, कृष्ण-भक्ति, चेतावनी एवं विविध विषयोंपर २८९ मधुर गीतोंका अनुपम संग्रह है। प्रकाशनमें विचाराधीन

■ **श्रीरामकृष्णलीला-भजनावली (कोड नं० 140) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भगवान् श्रीराम, श्रीकृष्णके मनोहर लीला-चरित्रसे सम्बन्धित अत्यन्त मधुर रसमय भावके सञ्चारक ३२८ भजनोंका संग्रह किया गया है। मूल्य रु० १६

■ **चेतावनी-पद-संग्रह (दोनों भाग एक साथ) कोड नं० 142, पुस्तकाकार**—यह पुस्तक भक्ति, प्रेम, त्याग, वैराग्य, चेतावनी आदि विभिन्न विषयोंके आत्मप्रेरक पदोंका सरल हिन्दी तथा राजस्थानी भाषाके भावमय भजनोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० १६

■ **भजनामृत—(कोड नं० 144) पुस्तकाकार**—भक्तोंके लिये भजनोंका महत्त्व अमृत-तुल्य है। भगवत्प्रेममें उन्मत्त प्रेमीका मन अनेक प्रकारके भाव-तरंगोंसे अनुप्राणित होकर भजन बन जाता है। प्रस्तुत पुस्तकमें इन्हीं भावतरंगोंकी सहज माधुरीको समेटकर ६७ मधुर भजनोंका यह संग्रह निवेदन, भगवद्-वियोग, लीलागान आदि शीर्षकोंमें प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ७

■ **सचित्र-आरती-संग्रह (कोड नं० 1344) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकके प्रारम्भमें आरतीकी उपयोगिताके साथ भगवान् श्रीगणेश, श्रीजगदीश्वर, श्रीलक्ष्मी, श्रीशिव, श्रीजानकीनाथ, श्रीकृष्ण, श्रीराधाजी, श्रीगङ्गाजी, श्रीहनुमान्‌जी अदिके आर्टपेपरपर आकर्षक चित्रोंके साथ उनकी सुन्दर आरतियाँ दी गयी हैं। मूल्य रु० १०

■ **सचित्र आरतियाँ (कोड नं० 807) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें गणेश, लक्ष्मी, नारायण, महादेव, हनुमान्‌जी, दुर्गाजी आदिके चित्रोंके साथ उनकी १० आरतियोंको सुन्दर आर्ट पेपरपर प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1227) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **सचित्र-स्तुति-संग्रह (कोड नं० 1355) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें गणेश, शिव, विष्णु आदि देवताओंके सुन्दर चित्रोंके साथ उनकी सुन्दर स्तुति दी गयी है। मूल्य रु० ५

■ **आरती-संग्रह (कोड नं० 153) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् तथा विभिन्न देवी-देवताओंके सविधि-पूजन, भजन-हेतु १०२ उपयोगी आरतियोंका संग्रह किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **सीताराम भजन (कोड नं० 208) पॉकेट साइज**—इस पुस्तिकामें गोस्वामी श्रीतुलसीदासजी महाराजके कुछ महत्त्वपूर्ण दोहोंके साथ सीताराम जपके एक हजार नाम दिये गये हैं। मूल्य रु० ३

■ **हरेराम भजन (१४ माला) कोड नं० 222, पुस्तकाकार**—इस पुस्तिकामें अनेक कल्याणकारी छन्द और दोहोंके साथ 'हरेराम' षोडश अक्षर महामन्त्रके सोलह मालाओंका जप दिया गया है। लेमिनेटेड आवरणसहित। मूल्य रु० १०

■ **हरेराम भजन (२ माला) कोड नं० 221 पॉकेट साइज**—इस पुस्तिकामें उपदेशपरक दोहोंके साथ हरेराम महामन्त्रका दो मालाका जप दिया गया है। लेमिनेटेड आवरणसहित। मूल्य रु० ३

■ **विनय-पत्रिकाके पैंतीस पद (कोड नं० 576) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें गोस्वामी श्रीतुलसीदासजी महाराजके द्वारा विरचित विनय-पत्रिकाके चुने हुए ३५ पदोंका संग्रह किया गया है। मूल्य रु० २

■ **गजेन्द्रमोक्ष (कोड नं० 225) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें श्रीमद्भागवतसे संगृहीत कष्ट और ऋणसे त्राण दिलानेवाले गजेन्द्र-मोक्षके श्लोकोंका सानुवाद और पद्यानुवादसहित प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 677) तेलुगु, (कोड नं० 1373) कन्नड़, और (कोड नं० 1068) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **भगवान् श्रीकृष्णकी कृपा तथा दिव्य प्रेमकी प्राप्तिके लिये (कोड नं० 383) पाकेट साइज**—इस पुस्तकमें माहेश्वरतन्त्र और ब्रह्मवैवर्तपुराणसे उद्धृत भगवान् श्रीकृष्णके तीन महत्त्वपूर्ण स्तोत्रोंका प्रकाशन किया गया है। इसके पाठसे भगवान् श्रीकृष्णकी कृपा प्राप्त होती है। मूल्य रु० १.५०

■ **गङ्गालहरी (कोड नं० 699) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें कलि-कल्मष-विनाशिनी पुण्यतोया भगवती गङ्गाके स्तोत्रका सानुवाद प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २

■ **श्रीरामगीता (कोड नं० 232) पॉकेट साइज**—वाल्मीकीय रामायणमें श्रीरामके द्वारा लक्ष्मणको ज्ञान और कर्म-मीमांसा, महावाक्य-विचार, आत्म-चिन्तन, ओंकारोपासना आदि विभिन्न आध्यात्मिक विषयोंपर दिये गये उपदेशोंका इस पुस्तकमें सानुवाद संकलन किया गया है। मूल्य रु० ३

▲ **नारद-भक्ति-सूत्र एवं शाडिण्ल्य भक्ति-सूत्र (कोड नं० 385) पॉकेट साइज**—देवर्षि नारद भक्ति-मार्गके सर्वोत्कृष्ट आचार्य माने जाते हैं। इस पुस्तकमें उनके द्वारा प्रणीत नारद-भक्ति-सूत्रके साथ शाण्डिल्य भक्तिसूत्रका भी सानुवाद प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 330) बँगला एवं (कोड नं० 499) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **हनुमानचालीसा (कोड नं० 227) पॉकेट साइज**—प्रस्तुत पुस्तकमें नित्य पाठके लिये श्रीहनुमानचालीसा, संकटमोचन-हनुमानाष्टक, हनुमत्-स्तवन, हनुमान्‌जीकी आरती, रामस्तुति, रामावतार तथा शिवपञ्चाक्षर स्तोत्रका भी संग्रह किया गया है। मूल्य रु० १.५० (कोड नं० 1094) हिन्दी-भावार्थ-सहित, मूल्य रु० ४, (कोड नं० 1181) मूल, रंगीन मूल्य रु० २, (कोड नं० 695) लघु आकार, मूल्य रु० १, (कोड नं० 1524) विशिष्ट संस्करण, मूल्य रु० १, (कोड नं० 1525) अति लघु आकार, मूल्य रु० १, (कोड नं० 1528) रोमन वर्णान्तर, अंग्रेजी-अनुवाद, (कोड नं० 828) गुजराती, पॉकेट साइज, (कोड नं० 1198) गुजराती, लघु आकार (कोड नं० 600) तमिल, (कोड नं० 626) बँगला, (कोड नं० 1569) तेलुगु, (कोड नं० 1502) श्रीनामरामायणम् एवं हनुमानचालीसा, लघु आकार (तेलुगु), (कोड नं० 738) कन्नड़, (कोड नं० 1323) असमिया और (कोड नं० 856) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **अपरोक्षानुभूति (कोड नं० 203) पुस्तकाकार**—भगवान् शङ्कराचार्यके द्वारा प्रणीत यह छोटी-सी पुस्तिका तत्त्वज्ञानके बहुमूल्य उपदेशोंके रूपमें आत्मसाक्षात्कारका महामन्त्र है। सरल अनुवादके साथ उपलब्ध। मूल्य रु० ३

■ **शिवचालीसा (कोड नं० 228) पॉकेट साइज**—भगवान् शङ्करकी प्रसन्नता तथा भक्तिहेतु उनकी नित्य उपासनाके लिये इस पुस्तकमें शिव-प्रातःस्मरणस्तोत्र, शिवचालीसा, शिव-आरती तथा शिव-पञ्चाक्षर स्तोत्रका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1185) लघु आकार, मूल्य रु० १ (कोड नं० 1515) असमियामें भी उपलब्ध।

■ **दुर्गाचालीसा, विन्ध्येश्वरीचालीसा (कोड नं० 851) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें भगवती दुर्गाकी उपासनाके लिये दुर्गाचालीसा एवं विन्ध्येश्वरीचालीसाका संग्रह किया गया है। पुस्तकके अन्तमें सौभाग्य अष्टोत्तरशतनाम एवं दुर्गाजीकी आरती भी दी गयी है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 1033) लघु आकारमें भी उपलब्ध। मूल्य रु० १

■ **नित्यकर्म-प्रयोग (कोड नं० 139) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें सन्ध्यो-पासनविधि, नित्य होम, तर्पण-विधि, देव-पूजन, बलिवैश्वदेव, ब्रह्मयज्ञ आदि नित्य प्रयोगके सभी मन्त्रोंका सानुवाद संकलन किया गया है। मूल्य रु० १०

■ **सन्ध्योपासनविधि एवं तर्पण बलिवैश्वदेव-विधि (कोड नं० 210) पुस्तकाकार**—नित्य सन्ध्या-उपासना एवं तर्पण बलिवैश्वदेवविधिका मन्त्रानुवादके साथ सुन्दर प्रकाशन। मूल्य रु० ३

■ **सन्ध्या, सन्ध्या-गायत्रीका महत्त्व और ब्रह्मचर्य (कोड नं० 1471) पुस्तकाकार**—ब्रह्मचर्य-पालनके साथ सन्ध्योपासना एवं गायत्री-उपासनाकी शास्त्रोंमें बड़ी महिमा बतायी गयी है। गायत्री-उपासना परब्रह्मकी उपासना है। इसकी नित्य उपासनासे लौकिक अभ्युदयके साथ सहज ही आत्मकल्याणकी प्राप्ति हो सकती है। प्रस्तुत पुस्तकमें ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके द्वारा प्रणीत ब्रह्मचर्य और सन्ध्या-गायत्रीके महत्त्वके साथ सन्ध्योपासन-विधिका प्रकाशन किया गया है। सम्बन्धित विषयोंका एक साथ समावेश होनेके कारण यह पुस्तक सभीके लिये अत्यन्त उपयोगी है। मूल्य रु० ४

■ **सन्ध्या (कोड नं० 614)**—इसमें त्रिकाल सन्ध्याके सविधि मन्त्र दिये गये हैं, जो नित्यकर्मके लिये विशेष सहायक हैं। मूल्य रु० २

■ **साधक-दैनन्दिनी (कोड नं० 236) पुस्तकाकार**—इसमें साधकोंके लिये नित्य पालनीय और त्यागनेयोग्य नियमोंकी तालिका दी गयी है। मूल्य रु० २

बालकोपयोगी पाठ्य पुस्तकें एवं कल्याणकारी प्रकाशन

■ **बालक-अङ्क (कल्याण वर्ष २७) कोड नं० 573, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें बालकोंके लिये जीवनमें अनुकरणीय आदर्श चरित्रोंका अद्भुत संग्रह है। इसमें भगवान्‌के लीलाचरित्रोंके साथ विश्वके प्रमुख देशभक्तों, राजनीतिज्ञोंके बाल-चरित्र, गुरु एवं मातृ-पितृ भक्त बालकोंके बाल-चरित्र तथा सत्यपर बलिदान होनेवाले बालकोंके बालचरित्रका कथानकोंके रूपमें मार्मिक चित्रण किया गया है। इसका अध्ययन तथा मनन बालकोंके जीवनको उन्नत बनानेमें विशेष सहायक है। मूल्य रु० ११०

■ **बालपोथी** —गीताप्रेसका उद्देश्य है—भारतीय संस्कृति और सभ्यताके उत्कृष्ट संवाहक संस्कारवान् एवं सच्चरित्र बालकोंका निर्माण। इस उद्देश्यकी सिद्धिके लिये यहाँसे सतत बालोपयोगी सत्साहित्यका सृजन एवं प्रकाशन होता रहता है। इस पुस्तकमें सम्पूर्ण वर्णमाला रंगीन बहुरंगे चित्रोंके साथ दी गयी है और प्रत्येक अक्षरके साथ दो वस्तुओंके रंगीन चित्र दिये गये हैं। चित्रोंमें उन्हीं वस्तुओंका ज्ञान कराया गया है जिनसे बच्चोंके मनपर अच्छे संस्कार पड़ें और उनके मस्तिष्कका सही दिशामें विकास हो। पुस्तकके प्रारम्भमें भगवान्‌की सुन्दर प्रार्थना तथा अन्तमें स्वर, स्वरोंकी पहचान, हिन्दी वर्णमाला, व्यंजनोंकी पहचान, अंग्रेजी वर्णमाला एवं एकसे सौतक गिनती दी गयी है।

बालपोथीके विभिन्न भाग

कोड	पुस्तक-नाम	मूल्य रु०	कोड	पुस्तक-नाम	मूल्य रु०
■ 1316	बालपोथी (शिशु) रंगीन ग्रन्थाकार	१०	■ 212	बालपोथी भाग-२	३
			■ 684	बालपोथी भाग-३	३
■ 125	बालपोथी (रंगीन) भाग-१	४	■ 764	बालपोथी भाग-४	७
■ 461	बालपोथी सामान्य भाग-१	३	■ 765	बालपोथी भाग-५	७

■ **आओ बच्चों तुम्हें बतायें (कोड नं० 215) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें सूरज, धरती, हिमालय आदिके सरल भाषामें परिचयके साथ बालकोंको विभिन्न पक्षियों एवं वस्तुओंके विषयमें जानकारी दी गयी है। मूल्य रु० ३

■ **बालककी दिनचर्या (कोड नं० 216) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें बालकोंको दैनिक व्यवहारसे परिचित कराया गया है। १८ पाठोंमें विभक्त इस पुस्तकमें प्रातः जागरणसे लेकर सायंकाल तकके नियमित क्रिया-कलापकी सुन्दर रूपरेखा प्रस्तुत की गयी है। इसके अतिरिक्त इसमें स्वास्थ्यके नियमोंके ज्ञानके साथ उनके अनुसार जीवन बनानेकी प्रेरणा दी गयी है। मूल्य रु० ३

■ **बालकके गुण (कोड नं० 214) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें १९ पाठ हैं। इसमें बच्चोंको सत्य, दया, क्षमा, सहनशीलता, नम्रता, सादगी, पवित्रता, श्रद्धा, सच्चा सुख आदि अनेक सद्गुणोंसे कथात्मक शैली तथा सरल भाषामें परिचित कराया गया है। पुस्तकके अन्तमें कुछ पालन करनेयोग्य वेद-वचनोंका भी संग्रह किया गया है। मूल्य रु० ४

■ **बालकोंकी सीख (कोड नं० 217) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें बालकोंके मनपर उत्तम संस्कार डालनेवाली छोटे-छोटे वाक्योंमें अत्यन्त सुन्दर शिक्षा दी गयी है। इसमें कृतज्ञ रहो, प्रतिज्ञा करो, आदर, प्रणाम करो, आज्ञापालन, घमण्ड मत करो आदि १६ पाठ हैं। इस पुस्तकका स्वाध्याय बालकके चरित्र-निर्माणमें विशेष सहायक है। मूल्य रु० ३

■ **बालकके आचरण (कोड नं० 219) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक सोलह पाठोंमें विभाजित है। इसमें देशकी लाज, धर्मका पालन, त्यागनेयोग्य काम, स्मरण रखो, अच्छे पुरुष, बुरे पुरुष, धन, बल, बुद्धि आदिका सदुपयोग आदि विभिन्न विषयोंपर बालकोंको सुन्दर एवं व्यावहारिक शिक्षा दी गयी है। मूल्य रु० ३

■ **बालकोंकी बातें (कोड नं० 145) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें बातचीतके रूपमें बालकोंके लिये बहुत उत्तम उपदेश दिये गये हैं। इसमें ईश्वर-भक्ति, बालकोंके अच्छे काम, बाँटकर खाना, स्वदेश प्रेम, बालकोंका निश्चय आदि विषयोंपर सरल भाषामें अत्यन्त सुन्दर प्रकाश डाला गया है। मूल्य रु० ७

■ **बाल-अमृत-वचन (कोड नं० 218) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें दीन-दुःखियोंके प्रति कर्तव्य, दया, परोपकार, सत्य-वचन, उत्तम व्यवहार, क्रोधका त्याग, मित्रता, भगवान्‌पर भरोसा आदि विभिन्न विषयोंपर सरल भाषामें प्रकाश डाला गया है। पुस्तकके अन्तमें कुछ नीतिपरक दोहे और कुण्डलियाँ भी दी गयी हैं। मूल्य रु० ३

■ **बाल-प्रश्नोत्तरी (कोड नं० 696) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें २१ प्रश्न एवं उनके उत्तरके माध्यमसे बालकको विभिन्न धार्मिक विषयोंकी सुन्दर शिक्षा दी गयी है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 1401) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **बालकोंकी बोल-चाल (कोड नं० 213) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें बालकोंको दैनिक व्यवहारकी जानकारी दी गयी है। वे किस प्रकार बोलें, बैठें, पढ़ें, लिखें एवं किस प्रकार सफाई और सावधानी रखें आदि बातें अत्यन्त सरल ढंगसे समझायी गयी हैं। इसके अतिरिक्त इसमें स्वास्थ्यके प्रारम्भिक नियमोंसे भी परिचित कराया गया है। मूल्य रु० ३

■ **बड़ोंके जीवनसे शिक्षा (कोड नं० 146) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें सत्यवादी हरिश्चन्द्र, महाराज रघु, महाराज दिलीप, महर्षि दधीच, लिखित मुनि, कर्ण, संयमराय, भामासाह, शिवाजी आदि महापुरुषोंके जीवन-चरित्रका अत्यन्त सरल भाषा एवं छोटे-छोटे वाक्योंमें चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1342) ओडिआमें भी उपलब्ध।

■ **पिताकी सीख (कोड नं० 150) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें बालकोंको खान-पान एवं स्वास्थ्य-सम्बन्धी जानकारियोंसे परिचित कराया गया है। इसमें हमारी स्वास्थ्य रक्षक सेना, सिगरेट-बीड़ी एवं तम्बाकूसे हानि, पाचन और परिपुष्टि, भोजन-व्यवस्था, पानी, स्वच्छ वायु, मानसिक और आत्मिक शुद्धि आदि दस विषयोंपर बड़ा ही सुन्दर प्रकाश डाला गया है। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 1400) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **आदर्श चरितावली (कोड नं० 516) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् ऋषभदेव, भगवान् बुद्ध आदि भगवद् अवतारों, शंकराचार्य, वल्लभाचार्य आदि मत प्रवर्तकों एवं विभिन्न अन्य आचार्योंके उपदेशोंके साथ उनका संक्षिप्त जीवन-परिचय दिया गया है। मूल्य रु० ३

आदर्श ऋषि-मुनि (कोड नं० 396)—इस पुस्तकमें सनकादि, देवर्षि नारद, ब्रह्मर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र आदि १६ ऋषि-मुनियोंके चरित्रका उनकी शिक्षाओंके साथ प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **आदर्श देश-भक्त (कोड नं० 397) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भारतवर्षके महान् देशभक्त नेताओं—श्रीदादाभाई नौरोजी, सर फिरोजशाह मेहता, लोकमान्य तिलक, पंडित मदन मोहन मालवीय, महात्मा गाँधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आदिके ३२ प्रेरक चरित्रोंका उनके शिक्षाओंके साथ संग्रह किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **आदर्श सन्त (कोड नं० 399) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें संत ज्ञानेश्वर, श्रीनामदेव, संत एकनाथ, समर्थ स्वामी रामदास, श्रीरामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी रामतीर्थ आदि ३२ संतोंके संक्षिप्त परिचयके साथ उनके उपदेशोंका संग्रह है। मूल्य रु० ५

■ **आदर्श सम्राट् (कोड नं० 398) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें सम्राट् अशोक, सम्राट् समुद्रगुप्त, सम्राट् हर्षवर्धन, रानी एलिजाबेथ, बादशाह अकबर, महाराणा प्रताप, शिवाजी, गुरु गोविन्द सिंह, नेपोलियन बोनापार्ट, महारानी लक्ष्मीबाई आदि ३२ आदर्श राजाओंके सुन्दर एवं संक्षिप्त जीवन-परिचयके साथ कविताओंमें उनके जीवनसे शिक्षाका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **आदर्श सुधारक (कोड नं० 402) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक महात्मा जरथुस्त्र, हजरत मूसा, महात्मा सुकरात, दार्शनिक प्लेटो, महात्मा टालस्टाय, राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, स्वामी दयानन्द सरस्वती आदि ३२ प्रसिद्ध समाज सुधारकोंके जीवन-परिचयके साथ उनके मुख्य उपदेशोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० ४

■ **वीर बालक (कोड नं० 148) पुस्तकाकार सामान्य** —इस पुस्तकमें भगवान् श्रीरामके पुत्र लव-कुश, वीर अभिमन्यु, वीर बालक भरत, बालक शिवाजी आदि १९ पुराण एवं इतिहास प्रसिद्ध बालकोंके चरित्रका सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1437) रंगीन, मूल्य रु० ७ एवं (कोड नं० 1422) गुजराती (कोड नं० 1545) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

■ **गुरु और माता-पिताके भक्त बालक (कोड नं० 149) पुस्तकाकार सामान्य**—गुरु तथा माता-पिताकी भक्ति भारतीय संस्कृतिका प्रधान अंग है। इस पुस्तकमें बालक आरूणि, बालक उपमन्यु, श्रीगणेशजी, श्रवणकुमार, बालक भीष्म आदि १९ बालकोंका सुन्दर चरित्र संगृहीत है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1451) रंगीन, मूल्य रु० ७ (कोड नं० 1423) गुजराती तथा (कोड नं० 1445) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

■ **सच्चे और ईमानदार बालक (कोड नं० 152) पुस्तकाकार सामान्य**— सच्चाई और ईमानदारी मानवकी सबसे मूल्यवान् सम्पत्ति है। इस पुस्तकमें सुकरात, नेपोलियन, गोपाल कृष्ण गोखले, महारानी विक्टोरिया आदिके बाल्य जीवनके प्रेरक प्रसंगोंका अनुपम संग्रह है मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1450) रंगीन, मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1545) अंग्रेजी भी उपलब्ध।

■ **दयालु और परोपकारी बालक-वालिकाएँ (कोड नं० 155) पुस्तकाकार सामान्य**—इस पुस्तकमें उत्कृष्ट आदर्शोंके प्रेरणास्रोत २३ दयालु और परोपकारी बालक-बालिकाओंके छोटे-छोटे सचित्र चरित्र प्रकाशित किये गये हैं। विभिन्न सद्गुणोंके प्रेरक ये चरित्र बालक-बालिकाओंके लिये पठनीय तथा उपयोगी हैं मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1449) रंगीन, मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1424) गुजराती तथा (कोड नं० 1445) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

■ **वीर वालिकाएँ (कोड नं० 156) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें १६ वीर बालिकाओंके सुन्दर तथा आदर्श चरित्र प्रकाशित किये गये हैं। ये चरित्र अपूर्व त्याग तथा बलिदानके सजीव चित्र हैं। इनका स्वाध्याय बालक-बालिकाओंके मस्तिष्कपर उत्कृष्ट आदर्शोंकी अमिट छाप अंकित कर देता है मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1448) रंगीन, मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1425) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **स्वास्थ्य, सम्मान और सुख (कोड नं० 727) पुस्तकाकार**—सुन्दर जीवन-जीनेके लिये स्वास्थ्य, सम्मान और सुख-शान्तिसे पूर्ण जीवन आवश्यक है। इस पुस्तकमें स्वास्थ्यके लिये ५०, सम्मानके लिये २४ तथा सुखके लिये ९ सूत्रात्मक नियमोंकी जानकारी दी गयी है। यदि बालक इन नियमोंको अपने जीवनका अंग बना लें तो उनका जीवन स्वास्थ्य, सम्मान और सुखसे परिपूर्ण हो जायगा। मूल्य रु० ३

■ **लघुसिद्धान्तकौमुदी (कोड नं० 897) पुस्तकाकार**—संस्कृत विद्यार्थियोंके लिये विशेष उपयोगी इस पुस्तकमें टिप्पणीके द्वारा कठिन सूत्रोंका अर्थ सरल संस्कृतमें देकर उदाहृत पदोंमें उनका समन्वय दिखाया गया है। प्रत्येक प्रकरणके कठिन पदोंका संस्कृतमें साधन दिया गया है और उदाहरणमें आये हुए प्रत्येक पदोंका अर्थ भी दिया गया है। कारक भावकर्म, कर्मकर्तृ आदि गम्भीर प्रकरणोंका मर्म सरलतासे समझाया गया है एवं कृदन्त शब्दोंके मूल धातुओंका परिचय कराया गया है। विभिन्न दृष्टियोंसे यह पुस्तक संस्कृतके अध्यापकों और विद्यार्थियों दोनोंके लिये विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० १८

सर्वोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

■ **मनोबोध (कोड नं० 202) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें समर्थ स्वामी श्रीरामदासके द्वारा प्रणीत एवं मराठी साहित्यमें 'मनाचे श्लोक' के नामसे विख्यात २०५ पदोंका मूलसहित हिन्दी-अनुवाद दिया गया है। ये पद साहित्यकी मनोभूमिको संस्कारित करनेके साथ ज्ञान, वैराग्य, भक्तिके सच्चे व्याख्याताके रूपमें भगवत्पथके सच्चे मार्गदर्शक हैं। मूल्य रु० ५

■ **श्रमण नारद (कोड नं० 746) पुस्तकाकार**—इस छोटी-सी पुस्तिकामें कर्म सिद्धान्तके रहस्योंका सरल भाषामें सुन्दर कथात्मक चित्रण किया गया है। मूल्य रु० २

■ **महाकुम्भ-पर्व (कोड नं० 1300) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें महाकुम्भ-पर्वके उद्भव-विकास एवं माहात्म्यका वेदों एवं पुराणोंके आधारपर सरल भाषामें सुन्दर परिचय दिया गया है। पुस्तकके अन्तमें तीर्थोंमें पालनीय नियमोंका भी उल्लेख किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **सप्तमहाव्रत (कोड नं० 747) पुस्तकाकार**—राष्ट्रपिता महात्मा गाँधीके द्वारा सत्य, अहिंसा आदि सात विषयोंपर दिये गये उपदेशोंका एक सुन्दर संकलन। मूल्य रु० ३

■ **मननमाला (कोड नं० 196) पुस्तकाकार**—इसमें ईश्वर, भक्ति, ज्ञान आदि विषयोंसे सम्बन्धित आत्मबोधक सूत्रोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० १.२५

■ **मानसिक दक्षता (कोड नं० 57) पुस्तकाकार**—संसारमें सफलता, समृद्धि और सुख पानेके लिये आत्मिक बल और मानसिक कार्यक्षमता आवश्यक है। प्रशिक्षित मनके द्वारा ही लौकिक और पारलौकिक उन्नतिकी साधना सम्भव है। इस पुस्तकमें विद्वान् लेखक श्रीराजेन्द्रबिहारी लालने मनोविज्ञानकी उन सभी शिक्षाओंका संकलन किया है, जो व्यवहार और अनुभवकी कसौटीपर खरी उतर चुकी हैं। इसके स्वाध्याय एवं अनुपालनसे कोई भी महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति अपनी योग्यताको बढ़ा सकता है। मूल्य रु० २०

■ **आशाकी नयी किरणें (कोड नं० 60) पुस्तकाकार**—समस्त अद्भुत सिद्धियाँ मनुष्यके मन और आत्मामें निवास करती हैं। सतत पुरुषार्थ तथा उद्योगका आश्रय ग्रहण करके व्यक्ति सफलताके शिखरपर पहुँच सकता है। इस पुस्तकमें डॉ० रामचरण महेन्द्रके अनेक प्रेरणादायक निबन्धोंका संकलन है। मूल्य रु० १६

■ **अमृतके घूँट (कोड नं० 119) पुस्तकाकार**—मानवमात्रको विकास और आत्मपरिस्कारकी शिक्षा देनेवाला डॉ० रामचन्द्र महेन्द्रके ओजस्वी निबन्धोंका सुन्दर संकलन। मूल्य रु० १५

■ **आनन्दमय जीवन (कोड नं० 120) पुस्तकाकार**—मनुष्य अपने-आपमें एक दैवी शक्ति-सम्पन्न आत्मा है। उसके कण-कणमें आनन्दका दिव्य प्रवाह है। डॉ० रामचरण महेन्द्रके ओजस्वी विचारोंके रूपमें संकलित यह पुस्तक आध्यात्मिक पथकी परिचायिका तथा मानव-जीवनमें आनन्दमय वातावरणको विकसित करनेवाली है। मूल्य रु० १३

■ **स्वर्ण-पथ (कोड नं० 132) पुस्तकाकार**—इस विशाल संसारमें ईश्वर ही सुख-शान्तिका आगार है। जीवनकी सच्ची समृद्धि प्राप्त करनेके लिये हमें आस्तिक बनकर अपने जीवन एवं आदर्शोंका सही निर्माण करना चाहिये। डॉ० रामचरण महेन्द्रके द्वारा प्रणीत यह पुस्तक तुम महान् हो, निराशाका अन्त, जागते रहो, जीवन-धन, अध्यात्म विद्या, गृहस्थमें संन्यास आदि अनेक शीर्षकोंकी सुन्दर व्याख्याके रूपमें आध्यात्मिक स्वर्णपथकी सच्ची परिचायिका है। मूल्य रु० १४

■ **ईश्वर (कोड नं० 542) पुस्तकाकार**—महामना पं० मदनमोहन मालवीयके द्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें वेदशास्त्रोंके आधारपर ईश्वर और धर्मका बड़ा ही सुन्दर निरूपण किया गया है। मूल्य रु० २ (कोड नं० 494) अंग्रेजीमें भी।

■ **महकते जीवन-फूल (कोड नं० 55) पुस्तकाकार**—आत्मनियन्त्रण एवं आत्मपरिष्कारके द्वारा स्वयंको पूर्ण विकसित फूलके रूपमें परिष्कृत करके सज्जनता सद्व्यवहारकी दिव्य सुगन्धिसे जगत्को सुवासित कर देना सच्ची मानवता है। यह पुस्तक मनुष्यके जीवनका परिष्कार करके अनेक सद्गुणोंसे अलंकृत करनेवाले डॉ० रामचरण महेन्द्रके अनेक शोधपूर्ण विचारोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० २०

■ **जीवनमें नया प्रकाश (कोड नं० 59) पुस्तकाकार**—मनुष्य-जीवन शुद्ध अर्थोंमें मनुष्य ही बननेके लिये है। डॉ० रामचरण महेन्द्रके द्वारा प्रणीत यह पुस्तक जीवनमें नवीन चेतनाका सञ्चार करनेवाली आशावादी विचारोंका अनुपम कोश है। इसमें आप अमृत-संतान है, आशाकी जीवन ज्योति, एक रहस्यकी बात, व्यवहारका उपहार, हमने मौतको टाला है आदि ४२ निबन्धोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० १५

■ **क्या करें, क्या न करें ? (कोड नं० 1381) पुस्तकाकार**—श्रीराजेन्द्र कुमार धवनके द्वारा संकलित एवं सम्पादित इस पुस्तकमें लगभग १०५ ग्रन्थोंके आधारपर आचार-व्यवहार-सम्बन्धी उपदेशोंका संग्रह किया गया है। वर्तमान समयमें यह पुस्तक सर्व-सामान्यको शास्त्रीय व्यवहारसे परिचित करानेकी दृष्टिसे विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० १८

■ **प्रेमयोग (कोड नं० 64) पुस्तकाकार**—प्रेम मानव-भावनाका सर्वोत्कृष्ट परिचय है। जगत्में परमात्माके वास्तविक स्वरूपका परिचय प्रेम ही है। प्रस्तुत पुस्तक श्रीवियोगी हरिजीके द्वारा प्रणीत हिन्दू, मुसलमान, ईसाई प्राय: सभी धर्मावलम्बियोंके प्रेम-सम्बन्धी सूक्तियोंके आधारपर एक सरस एवं स्वस्थ आलोचनात्मक व्याख्या है। मोह और प्रेम, प्रेमका अधिकारी, लौकिकसे पारलौकिक प्रेम, प्रेममें अनन्यता, दास्य, वात्सल्य, सख्य प्रेम आदि विविध विषयोंकी सुन्दर व्याख्याके रूपमें यह पुस्तक नित्य पठनीय एवं संग्रहणीय है। मूल्य रु० १८

कल्याणकारी दोहा-संग्रह (गीताप्रेस-परिचयसहित) (कोड नं० 774)— प्रस्तुत पुस्तकमें गोस्वामी श्रीतुलसीदासजी, संत कबीर, संत दादूदयाल, संत सुन्दरदास, संत पलटू साहब, संत दरिया साहब, सहजोबाई, रहीम तथा नारायण स्वामी आदि संतोंके कल्याणकारी दोहोंके संग्रहके साथ गीताप्रेस, गीताद्वार तथा लीला-चित्रमन्दिरका विस्तृत परिचय दिया गया है। पुस्तकमें गीताप्रेस, लीला-चित्रमन्दिर एवं गीताद्वारके चारों दिशाओंके आकर्षक एवं बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० ५

■ **प्रेम-सत्संग-सुधा-माला (कोड नं० 387) पुस्तकाकार—** यह पुस्तक परमात्माकी उपासनात्मक कलाकी विभिन्न उपदेशोंके रूपमें गुँथी हुई १०८ पुष्पोंकी ऐसी माला है, जिसका स्वाध्याय संसारमें रहते हुए भगवान्‌की भक्ति करनेका अनुपम सूत्र प्रदान करता है। मूल्य रु० १२

■ **प्रश्नोत्तरी (कोड नं० 668) पॉकेट साइज—** भगवान् शंकराचार्यके द्वारा प्रणीत यह पुस्तक प्रश्नोत्तर शैलीमें वेदान्तके तत्त्वज्ञानकी सुन्दर परिचायिका है। मूल्य रु० २

■ **उद्धव-सन्देश (कोड नं० 501) पुस्तकाकार—** श्रीमद्भागवतमें भगवान् श्रीकृष्णके द्वारा अपने प्रिय सखा उद्धवके माध्यमसे व्रजाङ्गनाओंको सन्देश भेजनेका प्रसंग अत्यन्त मार्मिक है। इस पुस्तकमें श्रीभगवान्‌की परदुःखकातरता, दूत-प्रेषणकी सार्थकता, व्रजकी शुभ यात्रा, नन्दराजका दीनभाव, गोपियोंकी मर्मव्यथा, वेदनापूर्ण व्रजवार्ता आदि ३२ विषयोंके रूपमें उद्धव-सन्देशकी अत्यन्त ही सरस तथा साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० १३

■ **भगवान् श्रीकृष्ण (कोड नं० 191) पुस्तकाकार—** इस पुस्तकमें कंसके अत्याचारसे लेकर भगवान् श्रीकृष्णके स्वधाम गमनतककी सम्पूर्ण लीलाओंका सरल तथा सरस भाषामें बड़ा ही सुन्दर वर्णन प्रस्तुत किया गया है मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1333) मराठी, (कोड नं० 895) गुजराती, (कोड नं० 601) तमिल, (कोड नं० 1107) कन्नड़ और (कोड नं० 641) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **भगवान्‌पर विश्वास (कोड नं० 195) पुस्तकाकार—** इस पुस्तिकामें प्रेमीभक्त भाई लारेन्सके चार भाषण और पन्द्रह पत्रोंका संग्रह है। इसमें भगवान्‌पर विश्वास-सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण अनुभवों और साधनोंका बड़ा ही सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ५

■ **भगवान् राम (कोड नं० 193) पुस्तकाकार**—बालक-बालिकाओंको भगवान् श्रीरामके आदर्श चरित्रका ज्ञान करानेके उद्देश्यसे तैयार की गयी इस पुस्तकमें श्रीरामावतार, बालक्रीड़ा और शिक्षा, यज्ञरक्षा, जानकी-स्वयंवर, रामविवाह, वनवास, सीताहरण, लंकादहन, राम-रावण-युद्ध, रामराज्य आदि समस्त प्रसंगोंकी बड़ी सुन्दर प्रस्तुति की गयी है मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1085) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **तत्त्वविचार (कोड नं० 130) पुस्तकाकार**—श्रीज्वालाप्रसादजी कानोडियाके द्वारा प्रणीत इस पुस्तकमें ईश्वरतत्त्व, श्रीकृष्णभक्तिरसतत्त्व, श्रीरामतत्त्व, श्रीशिवतत्त्व, शक्ति-उपासनातत्त्व, योगतत्त्व, साधनतत्त्व आदि विविध विषयोंपर बड़ी सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। विभिन्न दृष्टियोंसे यह पुस्तक सबके लिये मननीय है। मूल्य रु० ९

■ **विवेक चूड़ामणि-सानुवाद (कोड नं० 133) पुस्तकाकार**—भगवान् शंकराचार्यके द्वारा विरचित ग्रन्थोंमें विवेक चूड़ामणिका विशेष स्थान है। इसमें ब्रह्मनिष्ठाका महत्त्व, ज्ञानोपलब्धिका उपाय, प्रश्न-निरूपण, आत्मज्ञानका महत्त्व, पञ्चप्राण, आत्म-निरूपण, मुक्ति कैसे होगी? आत्मज्ञानका फल आदि तत्त्वज्ञानके विभिन्न विषयोंका अत्यन्त सुन्दर निरूपण किया गया है। मूल्य रु० १२ (कोड नं० 1460) बंगला और (कोड नं० 910) तेलुगु अनुवादमें भी उपलब्ध।

▲ **गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका (कोड नं० 701) पुस्तकाकार**—भ्रूणहत्या सम्पूर्ण मानव-जातिपर कलङ्क है। इस पुस्तकमें गर्भपातमें हत्या अनिवार्य है, भ्रूणहत्याकी विधियाँ, गर्भपात करानेसे माँको भी खतरें, गर्भस्थ बच्चेकी हत्याका आँखों देखा विवरण, भ्रूणहत्या कानूनकी दृष्टिमें, लिङ्ग-परीक्षण अभिशाप आदि विभिन्न विषयोंके माध्यमसे भ्रूण-हत्याका मार्मिक चित्रण करते हुए इस पुस्तकके लेखक श्रीगोपीनाथ अग्रवालके द्वारा इस कुकृत्यको रोकनेकी सलाह दी गयी है। मूल्य रु० ३ (कोड नं० 826) ओडिआ, (कोड नं० 762) बँगला, (कोड नं० 742) तमिल, (कोड नं० 752) तेलुगु, (कोड नं० 802) मराठी, (कोड नं० 804) गुजराती, (कोड नं० 838) कन्नड़ एवं (कोड नं० 783) अंग्रेजीमें भी उपलब्ध।

■ **सुखी जीवन (कोड नं० 131) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक दो बहनोंके संवादके रूपमें लिखी गयी आध्यात्मिक जीवनकी अनुपम पाठशाला है। इसमें सुखकी खोज, शान्तिका साधन, प्रेममें परमेश्वर, धर्मका रहस्य, दिव्य संदेश, दुःखका घर, बोध-वाटिका आदि १९ विषयोंकी विभिन्न धार्मिक उपाख्यानोंके माध्यमसे अत्यन्त सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० १०

▲ **हम कैसे रहें ? (कोड नं० 1461) पुस्तकाकार**—इस संसारमें मानव-जन्मका उद्देश्य आदर्श मानव बननेके साथ-साथ जन्म-मृत्युके बन्धनसे मुक्तिकी साधना है। भारतीय ऋषियोंके द्वारा प्रणीत शास्त्र हमें संसारमें जीनेकी कला और जीवनके सिद्धान्त (मुक्तिकी साधना)-की अनुपम शिक्षा देते हैं। इस पुस्तकमें आर्ष-ग्रन्थोंसे संकलित विभिन्न प्रेरक कथाओंके माध्यमसे संसारमें रहनेकी व्यावहारिक शिक्षाके साथ आत्म-कल्याणके सुगम उपायोंकी सुन्दर जानकारी प्रस्तुत की गयी है। मूल्य रु० ८

■ **एक लोटा पानी (कोड नं० 122) पुस्तकाकार**—श्रीपारसनाथ सरस्वतीके द्वारा प्रणीत यह पुस्तक जीवनमें उच्च आदर्शोंकी स्थापनामें सुन्दर सहायिका है। इसमें एक लोटा पानी, बलिदान, मूर्तिमान् परोपकार, भक्त रविदास, अहिंसाकी विजय आदि २४ कहानियोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० १२

■ **सती द्रौपदी (कोड नं० 134) पुस्तकाकार**—भारतीय सतियोंमें सती द्रौपदीका चरित्र अतुलनीय है। इस पुस्तकमें पुण्यश्लोका सती द्रौपदीके चरित्रका महाभारतके आधारपर स्वामी अखण्डानन्दजी सरस्वती-के द्वारा अत्यन्त मनोहर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० ९

■ **परलोक और पुनर्जन्मकी सत्य घटनाएँ (कोड नं० 888) पुस्तकाकार**—भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्ममें पुनर्जन्मका सिद्धान्त निर्विवाद रूपमें स्वीकार किया गया है। जीव अपने कर्मानुसार समय-समयपर विभिन्न योनियोंमें जन्म लेता है और सुख-दुःखका फल भोगता है। इस पुस्तकमें पुनर्जन्मके सिद्धान्तको पुष्ट करनेवाली २४ सत्य घटनाओंका कथानकके रूपमें सुन्दर चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १२, (कोड नं० 1496) बंगलामें भी उपलब्ध।

■ **भवन-भास्कर (कोड नं० 1217) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें पुराणादि विभिन्न शास्त्रोंके आधारपर वास्तुशास्त्रकी प्रमुख सार बातोंका सुन्दर संग्रह है। इसमें भवन-निर्माणकी शास्त्रीय कलाके सुन्दर विवेचनके साथ वास्तुदोष निवारणके कुछ उपाय भी बतलाये गये हैं। मूल्य रु० १०

■ **गरुड़पुराण-सारोद्धार (सानुवाद) (कोड नं० 1416) पुस्तकाकार**—यह ग्रन्थ अत्यन्त पवित्र तथा पुण्यदायक है। श्राद्ध और प्रेतकार्यके अवसरोंपर विशेषरूपसे इसके श्रवणका विधान है। इस ग्रन्थमें मूल संस्कृत श्लोंकोंके साथ उनका सरल हिन्दी-अनुवाद दिया गया है। यह कर्मकाण्डी ब्राह्मणों एवं सर्व सामान्यके लिये भी अत्यन्त उपयोगी तथा प्रामाणिक ग्रन्थ है। मूल्य रु० २०

■ **उपयोगी कहानियाँ (कोड नं० 137) पुस्तकाकार**—कहानियाँ मनुष्य-जीवनमें प्रेरणास्रोतका कार्य करती हैं। इस पुस्तकमें भला आदमी, सच्चा लकड़हारा, दयाका फल, मित्रकी सलाह, अतिथि-सत्कार आदि ३६ प्रेरक कहानियोंका अनुपम संग्रह है। सरल तथा रोचक भाषामें संगृहीत ये कहानियाँ बालकोंके जीवन-निर्माणमें विशेष सहायक हैं। मूल्य रु० ८ (कोड नं० 919) तेलुगु, (कोड नं० 127) तमिल, (कोड नं० 1513) बंगला, (कोड नं० 724) कन्नड़ एवं (कोड नं० 934) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **सती सुकला (कोड नं० 157) पुस्तकाकार**—भारतवर्ष सतियों एवं पतिव्रताओंकी पुण्यभूमि है। आजके आधुनिक सभ्यताके प्रलोभनोंके बीच चलनेवाली माताओंके लिये सतियोंका चरित्र ही सच्चा पथप्रदर्शक है। इस पुस्तकमें पद्मपुराणके आधारपर सती सुकलाके पातिव्रत धर्मका ९ प्रकरणोंमें अत्यन्त सुन्दर वर्णन किया गया है। मूल्य रु० ४

■ **चोखी कहानियाँ (कोड नं० 147) पुस्तकाकार**—इस छोटी-सी पुस्तिकामें अत्यन्त सरल तथा रोचक भाषामें भगवान्‌का भरोसा, अधम बालक, स्वाधीनताका सुख, सत्य बोलो, सर्वस्व दान आदि ३२ सुन्दर कहानियोंका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ५ (कोड नं० 1169) मराठी, (कोड नं०1399) गुजराती, (कोड नं० 692) तेलुगु और (कोड नं० 646) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **हृदयकी आदर्श-विशालता (कोड नं० 161) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें कल्याणके (पढ़ो, समझो और करो) शीर्षकमें पूर्व प्रकाशित सत्य घटनाओंका ईश्वर प्रार्थनाका फल, सेठकी सहृदयता, गरीबकी ईमानदारी, बड़ोंका पुण्य, आनन्दके आँसू, चिथड़ेमें छिपे लाल आदि विभिन्न ५९ शीर्षकोंमें संग्रह किया गया है। आदर्श गुणोंके प्रेरक ये विभिन्न प्रसंग पठनीय तथा अनुकरणीय हैं। मूल्य रु० १०

■ **आदर्श उपकार (कोड नं० 159) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक कल्याणमें समय-समयपर प्रकाशित सत्य घटनाओंका प्रेरक प्रसंगोंके रूपमें ऐसा मार्मिक चित्रण है कि इसे पढ़ते-पढ़ते आँखोंसे प्रेमाश्रु छलक पड़ें। आदर्श उपकार, स्वप्नके स्वरूपमें सत्य, बहूकी बुद्धि, विद्यालयकी मित्रता आदि ४८ प्रसंगोंके रूपमें वर्णित ये प्रेरक प्रसंग पठनीय तथा अनुकरणीय हैं। मूल्य रु० १०

■ **असीम नीचता और असीम साधुता (कोड नं० 510) पुस्तकाकार**—कल्याणमें 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षकके अन्तर्गत पूर्व प्रकाशित प्रेरक प्रसंगोंके इस संग्रहमें दानव और देवता, तांगेवालेकी ईमानदारी, मनुष्यका कर्तव्य, सहानुभूति, जीवन-दान आदि ७१ आदर्श घटनाओंका प्रकाशन किया गया है। पुस्तकमें संगृहीत सभी घटनाएँ भगवद्विश्वासको बढ़ानेमें सहायक तथा मानव-चरित्रके पराकाष्ठाको रेखाङ्कित करनेवाली हैं। मूल्य रु० १०

■ **उपकारका बदला (कोड नं० 162) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक कल्याणमें 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षकमें पूर्व प्रकाशित सत्य घटनाओंका संग्रह है। इसमें उपकारका बदला, दरिद्रकी सेवा, कृतज्ञता, भगवान्‌का वरदान, गुप्त-दान आदि मानव-जीवनमें सात्त्विकताका संचार करनेवाले ५९ प्रेरक स्वर्ण सूत्रोंका संग्रह है। मूल्य रु० १०

■ **आदर्श मानव-हृदय (कोड नं० 163) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक कल्याणमें 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षकके अन्तर्गत प्रकाशित सत्य घटनाओंका आदर्श मानव-हृदय, आदर्श आत्म-बलिदान, नमकका बदला, बहूका आदर्श त्याग आदि ६५ प्रसंगोंके रूपमें सुन्दर संकलन है। ये घटनाएँ मानवताको सद्गुणोंसे अलंकृत करनेवाली तथा जीवनमें शान्ति, सुख तथा सद्भावकी जनक हैं। मूल्य रु० १०

■ **कलेजेके अक्षर (कोड नं० 160) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक कल्याणमें पूर्व प्रकाशित सत्य घटनाओंका कलेजेके अक्षर, कर्जका भय, उपकार, अमृतका प्रवाह, भक्तकी ईमानदारी, नमककी महिमा आदि ५५ प्रेरक प्रसंगोंके रूपमें अनुपम चित्रण है। मूल्य रु० १०

■ **भगवान्‌के सामने सच्चा सो सच्चा (कोड नं० 164) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें कल्याणमें 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षकमें पूर्व प्रकाशित प्रेरक घटनाओंका संग्रह है। इसमें संगृहीत सत्संगतिका परिणाम, सच्ची तीर्थयात्रा, मूक मानवता, सेवाका प्रकाश आदि ६२ प्रेरक प्रसंग रोचक एवं उपदेशप्रद तथा जीवन-पथके सुन्दर प्रदीप हैं। मूल्य रु० १०

■ **मानवताका पुजारी (कोड नं० 165) पुस्तकाकार**—कल्याणमें 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षक रूपमें पूर्व प्रकाशित सत्य घटनाओंका संग्रह यह पुस्तक मानवताका पुजारी, मनुष्यमें देवता, कर्तव्य-पालन, आत्माकी आवाज, आदर्श ईमानदारी आदि ६० प्रेरक प्रसंगोंसे अलंकृत है। मूल्य रु० १०

■ **परोपकार और सच्चाईका फल (कोड नं० 166) पुस्तकाकार**—कल्याणके 'पढ़ो, समझो और करो' शीर्षकके अन्तर्गत पूर्व प्रकाशित सत्य घटनाओंके संग्रहके रूपमें प्रकाशित यह पुस्तक माँका हृदय, दया, अद्भुत त्याग, मिट्टीका खेल आदि १०५ प्रेरक प्रसंगोंकी सुन्दर संवाहिका है। मूल्य रु० १०

■ **एक महात्माका प्रसाद (कोड नं० 129) पुस्तकाकार**—महात्माओंकी महिमा अवर्णनीय है। उनका मुख्य कार्य संसारसे अज्ञानान्धकारका नाश करके विमल ज्ञानका प्रकाश करना है। महात्माओंका संसारमें निवास लोक-कल्याणके लिये ही होता है। प्रस्तुत पुस्तक ऐसे ही एक तत्त्वज्ञानी महात्माके संसार-सागरसे उद्धार करनेवाले अमूल्य उपदेशोंका संकलन है। इसमें चित्तशुद्धिका उपाय, योग, बोध और प्रेम, गुणोंके अभिमानसे हानि, सत्संग करनेकी रीति आदि विभिन्न ३० प्रकरणोंमें साधनाके अमृत-उपदेशोंका सुन्दर संकलन है। मूल्य रु० १८

■ **सत्संग-माला एवं ज्ञानमणिमाला (कोड नं० 151) पुस्तकाकार**—यह पुस्तक ज्ञान, वैराग्य, भक्ति, जगत्, जीव, ब्रह्म, माया आदि विभिन्न आध्यात्मिक विषयोंपर उपदेशोंकी सूत्रात्मक व्याख्या है। मूल्य रु० १०

■ **तेईस चुलबुली कहानियाँ—कोड नं० 827 (पुस्तकाकार)—** मनुष्यको आदर्श-जीवन-जीनेकी प्रेरणा देनेमें कहानियोंकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इस पुस्तकमें सत्य, दया, त्याग, परोपकार, न्याय आदि सद्गुणोंकी प्रेरणास्रोत २२ सुन्दर कहानियोंका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० १०

धार्मिक चित्रकथाएँ

■ **बाल-चित्रमय श्रीकृष्णलीला—कोड नं० 190 (ग्रन्थाकार)—** भगवान् श्रीकृष्णकी लीलाएँ अत्यन्त मधुर हैं। इनके स्वाध्यायसे पवित्रता, भक्ति, प्रेम, वैराग्य, ज्ञान आदि दिव्य गुणोंका सञ्चार होता है। इस पुस्तकमें बालक-बालिकाओंको श्रीकृष्ण-लीलासे परिचित करानेके उद्देश्यसे भगवान् श्रीकृष्णकी विभिन्न लीलाओंके ९६ चित्र दिये गये हैं। प्रत्येक चित्रके नीचे चित्रमें दिखायी गयी लीलाका वर्णन याद करनेयोग्य पदोंमें दिया गया है। चित्रके सामने सरल भाषामें चित्रमें प्रदर्शित लीलाका सुन्दर एवं सरल भाषामें वर्णन भी किया गया है। सुन्दर चित्रावरणसे युक्त अच्छे आर्टपेपर पर छापी गयी ये लीलाएँ बालक-बालिकाओंके लिये विशेष उपयोगी हैं। मूल्य रु० १२

■ **बालचित्र रामायण (सम्पूर्ण)—कोड नं० 1032 (पुस्तकाकार)—** भगवान् श्रीराम भारतीय संस्कृतिके प्राण हैं। इस पुस्तकमें भगवान् श्रीरामकी विभिन्न लीलाओंके ९६ चित्र दिये गये हैं और प्रत्येक चित्रके नीचे चित्रमें दर्शायी गयी लीलाका काव्यात्मक वर्णन दिया गया है। यह पुस्तक छोटे बच्चोंको रामचरित्रका ज्ञान करानेकी दृष्टिसे विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० ४

श्रीकृष्णलीला—(कोड नं० 1114 (राजस्थानी शैली १८ वीं शताब्दी)— इस पुस्तकमें अठारहवीं सदीके प्रख्यात चित्रकारोंके द्वारा हस्तनिर्मित भगवान् श्रीकृष्णकी विभिन्न लीलाओंके ३६ चित्र दिये गये हैं। प्रत्येक चित्रके साथ राजस्थानी, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषामें चित्रमें दर्शायी गयी लीलाका वर्णन दिया गया है। २८×४४.५ से०मी० के आकारमें सुन्दर एवं मोटे आर्टपेपरपर प्रकाशित इस पुस्तकके विभिन्न चित्र भारतीय चित्रकलाके पारखियोंके लिये अनुपम उपलब्धि हैं। मूल्य रु० १००

■ **श्रीमद्भागवतके प्रमुख पात्र—(कोड नं० 1488 (ग्रन्थाकार)—** प्रस्तुत पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्ण, बलराम, श्रीवसुदेवजी, माता देवकी,

नन्दबाबा, माता यशोदा, श्रीकृष्णके व्रजसखा, गोपियाँ, अक्रूरजी, श्रीकृष्ण सखा उद्धव, महाराज मुचुकुन्द, प्रद्युम्नजी, श्रीकृष्णसखा सुदामा, गोकर्ण महाराज परीक्षित आदि श्रीमद्भागवतके सत्रह महत्त्वपूर्ण पात्रोंके जीवन-वृत्तका सरल भाषामें भावात्मक परिचय दिया गया है। प्रत्येक चरित्रके साथ सम्बन्धित आकर्षक बहुरंगे रंगीन चित्र भी दिये गये हैं। यह पुस्तक सबके लिये प्रेरक सामग्रीसे युक्त है। मूल्य रु० १५

श्रीमद्भागवतकी प्रमुख कथाएँ (कोड नं० 1537)—श्रीमद्भागवतकी कथाएँ मानव-जीवनमें नैतिक मूल्योंकी स्थापना, उच्च आदर्शोंकी प्रतिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा, सहकारिता आदि सद्गुणोंकी प्रतिष्ठामें विशेष सहायक हैं। चित्रकथाकी इस पुस्तकमें भगवान् वराह, नर-नारायण, भगवान् कपिल, सतीका आत्मदाह, भक्तराज ध्रुव, जडभरत, भक्त प्रह्लाद आदिकी सत्रह प्रमुख कथाओंको अत्यन्त सरल एवं भावात्मक शैलीमें श्रीमद्भागवतके आधारपर प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक कथाके साथ सम्बन्धित आकर्षक एवं बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १५

■ **भगवान् सूर्य (कोड नं० 868)**—भारतमें सूर्योपासनाका इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। गणेश, शिव, शक्ति, विष्णु आदि पुराण प्रसिद्ध देवताओंमें भगवान् सूर्यदेव अन्यतम हैं। पुराणोंमें द्वादश मासादित्योंके रूपमें भगवान् सूर्यके बारह स्वरूपोंकी सुन्दर चर्चा है। इस पुस्तकमें मासादित्योंके रूपमें भगवान् सूर्यके बारह स्वरूपोंके अलग-अलग ध्यान, परिचय, लीलाकथा तथा व्रतादिका सरल भाषामें सुन्दर चित्रण किया गया है। प्रत्येक मासादित्य-परिचयके बायें पृष्ठपर सुन्दर आर्टपेपरपर शास्त्रीय नियमोंके अनुसार बनावाये गये उनके उपासनायोग्य आकर्षक चित्र भी दिये गये हैं। पुस्तकके अन्तमें सूर्यस्तोत्र भी संगृहीत है। मूल्य रु० १५

■ **एकादश रुद्र (शिव)— (कोड नं० 1156), बृहदाकार**—३७×२७ से०मी०—भगवान् रुद्र आशुतोष होनेके कारण अपने उपासकोंपर शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। पुराणों तथा शैवागममें इनके एकादश स्वरूपोंकी चर्चा है। शैवागममें इनके नाम शम्भू, पिनाकी-गिरीश, स्थाणु, भर्ग, सदाशिव, शिव, हर, शर्व, कपाली तथा भव बतलाये गये हैं। इस पुस्तकमें प्रामाणिक

ग्रन्थोंके आधारपर एकादश रुद्रोंके ध्यान, परिचय तथा लीलाका अत्यन्त मनोहर चित्रण किया गया है। प्रत्येक रुद्रके परिचयके साथ उसके बायें पृष्ठपर उनका आकर्षक चित्र भी दिया गया है। इसके अतिरिक्त इसमें औढरदानी शिव, हरिहरात्मक शिव, अर्धनारीश्वर शिव, पञ्चमुख शिव, गङ्गाधर शिव तथा महामत्युञ्जय शिवकी लीला-कथाओंके साथ आकर्षक चित्र दिये गये हैं। मूल्य रु० ५०

■ **कन्हैया—कोड नं० 869 (ग्रन्थाकार)—** श्रीमद्भागवतके दशम स्कन्धके आधारपर लिखी गयी चित्रकथाके इस भागमें भगवान् श्रीकृष्णके जन्मसे लेकर माखन-लीलातककी नौ लीलाओंका सरल भाषामें सजीव चित्रण किया गया है। कथाकी भाषा-शैली इतनी सरस और रोचक है कि आबाल-वृद्ध सभी लोग श्रीकृष्ण-लीलाके मधुर प्रसंगोंका सहज ही आनन्द उठा सकते हैं। प्रत्येक कथाके साथ सुन्दर आर्टपेपरपर लीलासे सम्बन्धित आकर्षक चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १०(कोड नं० 1096) बँगला, (कोड नं० 647) तमिल, (कोड नं० 1224) गुजराती और (कोड नं० 1249) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **गोपाल (कोड नं० 870) ग्रन्थाकार—** भगवान् श्रीकृष्णकी बाल-लीलाएँ परम मंगलमयी तथा अमृतस्वरूप हैं। इस पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्णके द्वारा बलरामकी यशोदाके समक्ष शिकायतसे लेकर वत्सासुर-उद्धारतककी नौ बाल लीलाओंका सरल भाषामें सुन्दर वर्णन किया गया है। पुस्तकमें प्रत्येक बाललीलाका बहुरंगा आकर्षक चित्र भी दिया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1097) बँगला भी उपलब्ध।

■ **मोहन (कोड नं० 871) ग्रन्थाकार—** श्रीकृष्ण-चित्रकथाके इस भागमें ब्रह्माजीके मोहभंगसे लेकर श्रीकृष्णके द्वारा दर्जी और मालीपर कृपातककी नौ सुन्दर लीलाओंके वर्णनके साथ उनके आकर्षक एवं बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। पुस्तकमें दावाग्नि-पान, गोवर्धन-पूजा, रासलीला आदि कथाओंका वर्णन इतना सरस है कि उन्हें बार-बार पढ़नेकी इच्छाका पाठक संवरण नहीं कर पाता है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1098) बँगला, (कोड नं० 1225) गुजराती, (कोड नं० 1491) अंग्रेजी और (कोड नं० 1248) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीकृष्ण (कोड नं० 872) ग्रन्थाकार**—भगवान् श्रीकृष्णकी लीलाएँ इतनी सरस तथा रोचक हैं कि उन्हें पढ़कर मन भगवत्कृपाके अगाध सिन्धुमें गोते लगाने लगता है। श्रीकृष्ण-चित्रकथाका यह भाग कुवलयापीडके उद्धारसे लेकर भगवान् श्रीकृष्णके परमधाम-गमनतक नौ सुन्दर तथा चुनी हुई लीलाओंसे सजाया गया है। प्रत्येक कथाके साथ उससे सम्बन्धित आकर्षक बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1123) बँगला और (कोड नं० 648) तमिलमें भी उपलब्ध।

■ **श्रीकृष्णलीला-दर्शन (कोड नं० 1418) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तक उस शृंखलामें एक नूतन कड़ी है। इसमें भगवान्‌के प्राकट्यसे लेकर परधाम-प्रस्थानतककी लीलाओंको सत्रह प्रमुख शीर्षकोंमें समायोजित करनेका प्रयास किया गया है। बालकोंके लिये यह विशेष उपयोगी हो सके, इसका ध्यान रखते हुए भाषामें सरलताका समावेश है। प्रत्येक लीलाके साथ उनसे सम्बन्धित रंगीन चित्र दिये गये हैं। मूल्य रु० १०

महाभारतकी प्रमुख कथाएँ (कोड नं० 1538) ग्रन्थाकार—चित्रकथाकी इस पुस्तकमें महाभारतकी सत्रह प्रमुख कथाओंको सरल एवं भावपूर्ण शैलीमें प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक कथाके साथ आकर्षक एवं बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १५

■ **नवग्रह (कोड नं० 1018) ग्रन्थाकार**—भारतमें नवग्रह-उपासनाका इतिहास अत्यन्त पुराना है। प्रत्येक हिन्दू अपने त्रितापोंके शमन एवं भौतिक उन्नतिके लिये समय-समयपर नवग्रहोंकी उपासना करता है। इस पुस्तकमें शास्त्रोंके आधारपर नवग्रहोंके उद्भव-विकास, ध्यान और परिचयके साथ उनकी उपासनाके मन्त्र दिये गये हैं। प्रत्येक ग्रह-परिचयके साथ उस ग्रहका बहुरंगा आकर्षक चित्र दिया गया है। मूल्य रु० १०

■ **पौराणिक देवियाँ (कोड नं० 1420) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें सती सावित्री, सती अनसूया, माता कौसल्या, माता सुमित्रा, माता कैकेयी, माता देवकी, माता यशोदा एवं सती द्रौपदीके त्याग, बलिदान, भगवद्भक्ति, पातिव्रत्य आदि आदर्श गुणोंका पुराणोंके आधारपर अत्यन्त सरस चित्रण किया गया है। प्रत्येक चरित्रके साथ उससे सम्बन्धित आकर्षक रंगीन चित्र भी दिये गये हैं। यह पुस्तक माताओं, बहनोंके लिये आदर्श शिक्षिका है। मूल्य रु० १०

■ **रामायणके प्रमुख पात्र (कोड नं० 1443) ग्रन्थाकार**—भारतीय समाज और संस्कृतिका सबसे उदात्तस्वरूप हमें रामायणके चरित्रोंमें उपलब्ध होता है। प्रस्तुत पुस्तकमें भगवान् श्रीराम, महर्षि वसिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महाराज दशरथ, श्रीभरत, श्रीलक्ष्मण, श्रीशत्रुघ्न, माता कौसल्या, माता सुमित्रा, माता कैकेयी, भगवती सीता, हनुमान्, सुग्रीव और विभीषण आदिके चरित्र-चित्रणके साथ उनसे सम्बन्धित बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १५

■ **प्रमुख ऋषिमुनि (कोड नं० 1442) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् व्यास, देवर्षि नारद, महात्मा शुकदेव, भगवान् शंकराचार्य, गोस्वामी तुलसीदास आदि १७ संत-भक्तोंके चरित्रका उनके आकर्षक बहुरंगे चित्रोंके साथ सजीव चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १५

■ **रामलला (कोड नं० 1016) ग्रन्थाकार**—भगवान् श्रीरामका चरित्र अनन्त आदर्श गुणोंका आगार तथा भारतीय संस्कृतिका प्राण है। चित्रकथाकी इस पुस्तकमें मनु-शतरूपाको वरदान, देवताओंकी प्रार्थना, श्रीरामावतार, सच्चिदानन्दके ज्योतिषी, दशरथके भाग्य आदि श्रीरामकी सत्रह बाल-लीलाओंका अत्यन्त ही मनोहर चित्रण किया गया है। प्रत्येक लीलाके साथ उससे सम्बन्धित आकर्षक एवं बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 1492) अंग्रेजीमें भी।

■ **श्रीराम (कोड नं० 1017) ग्रन्थाकार**—भगवान् श्रीरामके पावन चरित्रका परिचायक चित्रकथाका यह दूसरा भाग विश्वामित्रके साथ गमन, ताड़का उद्धार, यज्ञ-रक्षा, पुष्पवाटिकामें राम-लक्ष्मण, परशुराम-लक्ष्मण-संवाद, श्रीराम-विवाह, केवटके भाग्य आदि सत्रह सुन्दर कथाओंसे सुसज्जित किया गया है। प्रत्येक कथा-प्रसंगके साथ बहुरंगे आकर्षक चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १५

■ **भगवान् श्रीराम (कोड नं० 1394) पुस्तकाकार**—प्रस्तुत पुस्तकमें भगवान् श्रीरामकी प्रमुख आदर्श लीलाओंका संकलन किया गया है। मुख्यरूपसे इसमें सत्रह लीलाएँ हैं। प्रत्येक लीलाके सामने उससे सम्बन्धित आकर्षक रंगीन चित्र भी दिया गया है। बालकोंके लिये पुस्तक विशेष उपयोगी सिद्ध हो सके, इसका ध्यान रखते हुए सरल भाषा और छोटे-छोटे वाक्योंका प्रयोग इसमें किया गया है। मूल्य रु० १०

■ **राजाराम (कोड नं० 1116) ग्रन्थाकार—** श्रीराम-चित्रकथाका यह तीसरा भाग भगवान् रामके अनुपम गुणों तथा त्यागमय चरित्रका सुन्दर उदाहरण है। चित्रकथाके इस भागमें श्रीभरतको पादुका-दानसे लेकर श्रीराम-राज्याभिषेकतककी चुनी हुई सत्रह सुन्दर लीलाओंका अनोखा संगम है। प्रत्येक कथाके साथ उससे सम्बन्धित आकर्षक चित्र भी दिये गये हैं। जीवनमें आदर्श चरित्रकी प्रतिष्ठा तथा बालकोंको चरित्रवान् बनानेकी दृष्टिसे इसका स्वाध्याय तथा संग्रह करना चाहिये। मूल्य रु० १५

■ **मुझे बचाओ, मेरा क्या कसूर? (कोड नं० 862) ग्रन्थाकार—** समाजमें गर्भपातकी उत्तरोत्तर बढ़ती हुई प्रवृत्तिको रोकनेकी दिशामें इस पुस्तकका प्रकाशन एक लघु प्रयास है। इसमें गर्भस्थ शिशुकी हत्याका आँखों देखा हाल प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक अमेरिकन डॉ० बोनार्ड नाथेसन्सके द्वारा बनायी गयी फिल्म 'द साइलेन्ट स्क्रीम' (मूक चीख) के आधारपर तैयार की गयी है। इस पुस्तकमें मूक चीखके सचित्र चित्रणके साथ बालकका गर्भमें विकास, भ्रूण-हत्याकी विधियाँ, डॉक्टरोंके सुझाव और इस कुकृत्यको रोकनेके लिये कुछ संत-महात्माओं तथा विचारकोंके उपदेशोंका संकलन है। मूल्य रु० १५

■ **दशमहाविद्या (कोड नं० 1278) ग्रन्थाकार—** दशमहाविद्याओंका सम्बन्ध भगवान् शिवकी आद्याशक्ति भगवती पार्वतीसे है। उन्हींकी स्वरूपा शक्तियाँ काली, तारा, छिन्नमस्ता, षोडशी, भुवनेश्वरी, त्रिपुरभैरवी, धूमावती, वगलामुखी मातङ्गी और कमला-नामसे प्रसिद्ध दशमहाविद्याएँ हैं। इस पुस्तकमें दशमहाविद्याओंके उद्भव, विकास, ध्यान और परिचयके साथ उनके उपासनायोग्य बहुरंगे चित्र दिये गये हैं। पुस्तकके अन्तमें दशमहाविद्यास्तोत्र भी संगृहीत है मूल्य रु० १० (कोड नं० 1439) बंगलामें भी उपलब्ध।

■ **अष्टविनायक (कोड नं० 829) ग्रन्थाकार—** इस पुस्तकमें मुद्गल पुराणके आधारपर श्रीगणेशजीके आठ अवतारोंकी लीला-कथाओंका सरल भाषामें मनोहर चित्रण किया गया है। श्रीगणेशजीकी प्रत्येक कथाके साथ उससे सम्बन्धित श्रीगणेशजीके विभिन्न वाहनोंपर सवार बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। पुस्तकके प्रारम्भमें नित्य-पठनीय गणेश-स्तोत्र भी दिया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1010) ओडिआ, (कोड नं० 857) मराठी और (कोड नं० 1226) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

■ **जय हनुमान (कोड नं० 787) ग्रन्थाकार**—भारतीय जनताके लिये श्रीहनुमान्‌जीका चरित्र सदैवसे प्रेरणाका स्रोत रहा है। इस पुस्तकमें श्रीहनुमानजीकी सत्रह लीलाओंका ऐसा अनोखा चित्रण है, जो पाठकोंको मन्त्रमुग्ध कर देता है। हनुमान्‌जीकी प्रत्येक लीलाके साथ उससे सम्बन्धित आकर्षक चित्र भी दिये गये हैं। आकर्षक चित्रावरणसे युक्त यह पुस्तक सबके लिये पठनीय है। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 887) तेलुगु और (कोड नं० 1009) ओड़िआमें भी उपलब्ध।

■ **मानस-स्तुति-संग्रह (कोड नं० 1214) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें श्रीरामचरितमानसमें देवताओंके द्वारा भगवान्‌की स्तुति, सीताजीके द्वारा पार्वती-स्तुति, अत्रिकृत श्रीरामस्तुति, जटायुकृत श्रीरामस्तुति, ब्रह्माकृत श्रीरामस्तुति, शिवकृत श्रीरामस्तुति, वेदकृत श्रीरामस्तुति तथा शिवस्तुतिका सचित्र संग्रह है। उपासना तथा स्वाध्यायकी दृष्टिसे यह स्तुति संग्रह सबके लिये उपयोगी है। मूल्य रु० १०

■ **हर हर महादेव (कोड नं० 1343) ग्रन्थाकार**—भगवान् शिवकी लीलाएँ अनन्त हैं। इस पुस्तकमें विभिन्न पुराणोंके आधारपर भगवान् शिवके द्वारा सृष्टि, अर्धनारीश्वर शिव, सती-जन्म, तप तथा विवाह, सतीका योगाग्निमें आत्मदाह, दक्ष-यज्ञ-विध्वंस, पार्वती-जन्म, तप, काम-दहन आदि चुनी हुई सत्रह लीलाओंका सचित्र चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १५

■ **ॐ नमः शिवाय (कोड नं० 204)**—विशाल भारतके अनेकों स्थानोंपर लिङ्गरूपसे भगवान् शिवकी पूजा-अर्चना होती चली आ रही है। ये स्वल्प उपासनासे प्रसन्न होकर भक्तोंको मनोवाञ्छित फल प्रदान करते हैं। इस पुस्तकमें भगवान् शिवके द्वादश ज्योतिर्लिङ्गोंका सरल परिचय दिया गया है। इसमें ज्योतिर्लिङ्गोंके उद्भव-विकास तथा माहात्म्यका मनोहर विवेचन है। पुस्तकमें द्वादश ज्योतिर्लिङ्गोंका आकर्षक रंगीन चित्र भी दिया गया है। मूल्य रु० १५ (कोड नं० 1375) कन्नड़ (कोड नं० 1075) बँगला और (कोड नं० 1250) ओडिआमें भी उपलब्ध।

■ **प्रमुख देवियाँ (कोड नं० 1216) ग्रन्थाकार**—भारतीय दर्शनकी आदिशक्ति प्रकृति है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृतिमें शक्ति-उपासनाको प्रमुख स्थान दिया गया है। कलिकालमें तो शक्ति-उपासना

सद्यः फलदायी है। इस पुस्तकमें भगवती शक्तिके द्वारा दुर्गा, काली, लक्ष्मी, सरस्वती, गायत्री, पार्वती, सीता, राधा तथा गङ्गाके रूपमें की गयी लीलाओंका सुन्दर परिचय दिया गया है। भगवतीके प्रत्येक लीला-चरित्रके साथ उनके उपासनायोग्य बहुरंगे चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १०

■ **दशावतार (कोड नं० 779) ग्रन्थाकार**—भगवान् धर्मकी स्थापना, साधु संरक्षण तथा भक्तोंको अपने सान्निध्यका आनन्द प्रदान करनेके लिये समय-समयपर अवतार लेते हैं। इस पुस्तकमें भगवान्‌के मत्स्य, कच्छप, वामन, नृसिंह, परशुराम, श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध तथा कल्कि अवतारकी कथाओंका सरल भाषामें सचित्र चित्रण किया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1292) बँगलामें भी उपलब्ध।

■ **नवदुर्गा (कोड नं० 1307) पॉकेट साइज**—इस पुस्तकमें भगवती दुर्गाके नवों स्वरूपोंके ध्यान, परिचयके साथ उनके उपासनायोग्य बहुरंगे चित्र दिये गये हैं। यह पुस्तक यात्रादिमें साथ रखने एवं उपहार देनेकी दृष्टिसे विशेष उपयोगी है। मूल्य रु० ४

■ **नवदुर्गा (कोड नं० 205) ग्रन्थाकार**—सृष्टिकी आदिशक्ति भगवती दुर्गाकी धर्मशास्त्रोंमें अतुलनीय महिमा बतलायी गयी है। नवरात्रके नौ दिनोंमें इनके नौ स्वरूपोंकी उपासना की जाती है। इस पुस्तकमें भगवती दुर्गाके नवों स्वरूपोंके उद्भव, विकास, उपासना तथा उपासनासे प्राप्त होनेवाले फलोंका अत्यन्त सुन्दर वर्णन किया गया है। पुस्तकमें आर्टपेपरपर माँ दुर्गाके नवों स्वरूपोंके आकर्षक तथा रंगीन चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १० (कोड नं० 1301) तेलुगु, (कोड नं० 1228) गुजराती, (कोड नं० 825) असमिया, (कोड नं० 1357) कन्नड़, (कोड नं० 863) ओड़िआ, (कोड नं० 1043) बँगलामें भी उपलब्ध।

■ **प्रमुख देवता (कोड नं० 1215) ग्रन्थाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् गणेश, भगवान् सूर्य, भगवान् विष्णु, भगवान् शिव, ब्रह्मा, भगवान् श्रीराम, भगवान् श्रीकृष्ण, रुद्रावतार श्रीहनुमान् तथा यज्ञके अधिष्ठाता श्रीअग्निदेवका शास्त्रों एवं पुराणोंके आधारपर सुन्दर परिचय दिया गया है। प्रत्येक देव-परिचयके बायें पृष्ठपर उनके उपासनायोग्य चित्र भी दिये गये हैं। मूल्य रु० १०

■ **बाल-चित्रमय बुद्धलीला (कोड नं० 537) ग्रन्थाकार**—भगवान् बुद्धका चरित्र परम पवित्र और उदार है। इस पुस्तकमें भगवान् बुद्धकी विभिन्न लीलाओंके ४८ चित्र दिये गये हैं। प्रत्येक चित्रके नीचे कवितामें चित्रमें दर्शायी गयी लीलाका वर्णन दिया गया है। यह पुस्तक बालक-बालिकाओंको भगवान् बुद्धके त्याग एवं वैराग्यसे सम्पन्न चरित्रका परिचय देनेकी दृष्टिसे विशेष उपयोगी है। प्रकाशनकी प्रक्रियामें

■ **बाल-चित्रमय चैतन्यलीला (कोड नं० 194) ग्रन्थाकार**—महाप्रभु चैतन्यदेव एक महान् युगपुरुष थे। इस पुस्तकमें ४८ चित्रोंके माध्यमसे बालक-बालिकाओंको महाप्रभुके सम्पूर्ण जीवन-चरित्रसे परिचित कराया गया है। प्रत्येक चित्रके नीचे उस लीलाका परिचय कवितामें दिया गया है और चित्रके सामने दर्शायी गयी लीलाका सरल भाषामें वर्णन दिया गया है। मूल्य रु० ७, (कोड नं० 1494) ओड़िआ एवं (कोड नं० 1495) बंगलामें भी उपलब्ध।

■ **श्रीकृष्ण-रेखा-चित्रावली (कोड नं० 693) पुस्तकाकार**—इस पुस्तकमें भगवान् श्रीकृष्णके विभिन्न लीला-चित्रोंके साथ सरल काव्यात्मक भाषामें चित्रोंमें दर्शायी गयी लीलाका वर्णन दिया गया है। मूल्य रु० ६

■ **गीता-माहात्म्यकी कहानियाँ (कोड नं० 656) ग्रन्थाकार**—पद्मपुराणमें श्रीमद्भगवद्गीताके पाठका विशेष फल बतलाया गया है। बालक-बालिकाओं तथा सर्व-सामान्यको गीता-पाठकी प्रेरणा देनेवाले अठारहों अध्यायके पद्मपुराणमें वर्णित माहात्म्यको इस पुस्तकमें सरल भाषामें रेखा-चित्रोंके साथ प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ६ (कोड नं० 1134) तमिल एवं (कोड नं० 1309) तेलुगुमें भी उपलब्ध।

■ **गोसेवाके चमत्कार (कोड नं० 651) ग्रन्थाकार**—गायोंकी महिमा अपार है। प्राचीनसे अर्वाचीन साहित्यतक गो-महिमासे भरे पड़े हैं। इस पुस्तकमें आधुनिक सभ्यतासे प्रभावित भारतीय जन-मानसको गोभक्ति और गो-महिमाका ज्ञान करानेके उद्देश्यसे कल्याणमें पूर्व प्रकाशित गो-सेवाके दिव्य चमत्कारोंका सचित्र संकलन किया गया है। मूल्य रु० १० (कोड नं० 365) तमिलमें भी उपलब्ध।

रंगीन चित्र-प्रकाशन

कोड	चित्रका-नाम	चित्र साइज	
▲ 237	जयश्रीराम-भगवान् श्रीरामकी सम्पूर्ण लीला**	(२३"×३६")	१५
▲ 546	जयश्रीकृष्ण-भगवान् कृष्णकी सम्पूर्ण लीला**	(,,)	१५
▲ 491	हनुमान्‌जी (भक्तराज हनुमान्)	(१८"×२३")	८
▲ 492	भगवान् विष्णु	(,,)	८
▲ 560	लड्डू गोपाल (भगवान् श्रीकृष्णका बालस्वरूप)	(,,)	८
▲ 548	मुरली मनोहर	(,,)	८
▲ 531	बाँके बिहारी	(,,)	८
▲1351	सुमधुर गोपाल	(,,)	८
▲ 776	सीताराम—युगल छबि	(,,)	८
▲ 630	सर्वदेवमयी गौ	(,,)	८
▲ 812	नवदुर्गा (माँ दुर्गाके नौ स्वरूपोंका चित्रण)	(,,)	८
▲1001	जगज्जननी श्रीराधा	(,,)	८
▲1020	श्रीराधा-कृष्ण—युगल छबि	(,,)	८
▲1290	नटराज शिव	(,,)	८
▲1568	भगवान् श्रीराम बालरूपमें	(,,)	८
▲1582	भगवान् श्रीकृष्ण	(,,)	८
▲ 782	रामदरबार	(,,)	८
▲ 437	कल्याण-चित्रावली-I* पुस्तकरूपमें	(ग्रन्थाकार)	८
▲1320	कल्याण-चित्रावली-II* पुस्तकरूपमें	(ग्रन्थाकार)	८

*** चिह्नवाली चित्रावली ५/१० इच्छानुसार, ** चिह्नवाले चित्र १०० चित्रोंके कार्टन पैकमें, शेष १५० चित्रोंके कार्टन पैकमें उपलब्ध हैं। एक ही कार्टन पैकमें मिला-जुलाकर १०० बड़े आकार व १५० छोटे आकारवाले चित्र भी मँगवा सकते हैं।**

'कल्याण' के पुनर्मुद्रित पुराने लोकप्रिय विशेषाङ्क

■ **श्रीकृष्णाङ्क (कल्याण-वर्ष ६, सन् १९३२ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1184, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें भगवान् श्रीकृष्णके मधुर एवं ज्ञानपरक चरित्रपर अनेक सन्त-महात्मा, विद्वान् विचारकोंके शोधपूर्ण लेखोंका अद्भुत संग्रह है। मूल्य रु० १००

■ **भागवताङ्क (कल्याण-वर्ष १६, सन् १९४२ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1104, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें भागवतकी महत्तापर विभिन्न विचारकोंके शोधपूर्ण लेखोंके साथ श्रीमद्भागवतकी सम्पूर्ण कथाओंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० १३०

■**ईश्वराङ्क (कल्याण-वर्ष ७, सन् १९३३ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 749, ग्रन्थाकार**—यह विशेषाङ्क ईश्वरके स्वरूप, अस्तित्व, विशेषता, महत्त्व आदिका सुन्दर परिचायक है। इसमें ईश्वर-विश्वासी भक्तों, विद्वानों, सन्त-विचारकोंके ईश्वरके अस्तित्वको सिद्ध करनेवाले अनेक शोधपूर्ण लेखोंका अनुपम संग्रह है। मूल्य रु० ९०

■**शिवाङ्क (कल्याण-वर्ष ८, सन् १९३४ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 635, ग्रन्थाकार**—यह विशेषाङ्क शिवतत्त्व तथा शिव-महिमापर विशद विवेचनसहित शिवार्चन, पूजन, व्रत एवं उपासनापर तात्त्विक और ज्ञानप्रद मार्ग-दर्शन कराता है। द्वादश ज्योर्तिलङ्गोंका सचित्र वर्णन इसके अन्यान्य महत्त्वपूर्ण (पठनीय) विषय हैं। मूल्य रु० १००

■**शक्ति-अङ्क (कल्याण-वर्ष ९, सन् १९३५ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 41, ग्रन्थाकार**—इसमें परब्रह्म परमात्माके आद्याशक्ति-स्वरूपका तात्त्विक विवेचन, महादेवीकी लीला-कथाएँ एवं सुप्रसिद्ध शाक्त भक्तों और साधकोंके प्रेरणादायी जीवन-चरित्र तथा उनकी उपासनापद्धतिपर उत्कृष्ट उपयोगी सामग्री संगृहीत है। मूल्य रु० १००

■**योगाङ्क (कल्याण-वर्ष १०, सन् १९३६ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 616, ग्रन्थाकार**—इसमें योगकी व्याख्या तथा योगका स्वरूप-परिचय एवं प्रकार और योग-प्रणालियों तथा अङ्ग-उपाङ्गोंपर विस्तारसे प्रकाश डाला गया है। इसके अतिरिक्त इसमें अनेक योगसिद्ध महात्माओं और योग-साधकोंके जीवन-चरित्रका वर्णन है। मूल्य रु० ९०

■**संत-अङ्क (कल्याण-वर्ष १२, सन् १९३८ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 627, ग्रन्थाकार**—इसमें उच्चकोटिके अनेक संतों—प्राचीन, अर्वाचीन, मध्ययुगीन एवं कुछ विदेशी भगद्विश्वासी महापुरुषों तथा त्यागी-वैरागी महात्माओंके ऐसे आदर्श जीवन-चरित्र हैं, जो पारमार्थिक गतिविधियों, सार्वभौमिक सिद्धान्तों, त्याग-वैराग्यपूर्ण तपस्वी जीवन-शैलीको उजागर करके आदर्श जीवन-मूल्योंको रेखाङ्कित करते हैं। मूल्य रु० १२५

■**साधनाङ्क (कल्याण-वर्ष १५, सन् १९४१ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 604, ग्रन्थाकार**—यह अङ्क साधनापरक बहुमूल्य मार्ग-दर्शनसे ओतप्रोत है। इसमें साधना-तत्त्व, साधनाके विभिन्न स्वरूप, ईश्वरोपासना, योगसाधना, प्रेमाराधना आदि अनेक कल्याणकारी साधनों और उनके अङ्ग-उपाङ्गोंका शास्त्रीय विवेचन है। मूल्य रु० १००

■ **सं० वाल्मीकीय रामायणाङ्क (कल्याण-वर्ष १८, सन् १९४४ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1002, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें श्रीमद्वाल्मीकि रामायणके विभिन्न पक्षोंपर विद्वान् सन्त-महात्माओं, विचारकोंके शोधपूर्ण लेखोंके साथ रामायणकी सम्पूर्ण कथाओंका सुन्दर वर्णन है। मूल्य रु० ६५

■ **नारी-अङ्क (कल्याण-वर्ष २२, सन् १९४८ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 43, ग्रन्थाकार**—इसमें भारतकी महान् नारियोंके प्रेरणादायी आदर्श चरित्र तथा नारीविषयक विभिन्न समस्याओंपर विस्तृत चर्चा और उनका भारतीय आदर्शोचित समाधान है। नारीमात्रके लिये आत्मबोध करानेवाला यह अत्यन्त उपयोगी और प्रेरणादायी ग्रन्थ है। मूल्य रु० १००

■ **उपनिषद्-अङ्क (कल्याण-वर्ष २३, सन् १९४९ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 659, ग्रन्थाकार**—इसमें नौ प्रमुख उपनिषदों-(ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैत्तिरीय एवं श्वेताश्वतर-) का मूल, पदच्छेद, अन्वय तथा व्याख्यासहित संकलन है। इसके अतिरिक्त इसमें ४५ उपनिषदोंका हिन्दी-भाषान्तर, महत्त्वपूर्ण स्थलोंपर टिप्पणी तथा प्रायः सभी उपनिषदोंका हिन्दी अनुवाद दिया गया है। मूल्य रु० ११०

■ **हिन्दू-संस्कृति-अङ्क (कल्याण-वर्ष २४, सन् १९५० ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 518, ग्रन्थाकार**—यह विशेषाङ्क भारतीय संस्कृतिके विभिन्न पक्षों—हिन्दू-धर्म, दर्शन, आचार-विचार, संस्कार, रीति-रिवाज, पर्व उत्सव, कला-संस्कृति और आदर्शोंपर प्रकाश डालनेवाला तथ्यपूर्ण बृहद् (सचित्र) दिग्दर्शन है। भारतीय संस्कृतिके उपासकों, अनुसन्धानकर्ताओं और जिज्ञासुओंके लिये यह अवश्य पठनीय तथा उपयोगी दिशा-निर्देशक है। मूल्य रु० १२०

■ **भक्त-चरिताङ्क (कल्याण-वर्ष २६, सन् १९५२ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 40, ग्रन्थाकार**—इसमें भगवद्विश्वासको बढ़ानेवाले भगवद्भक्तों, ईश्वरोपासकों और महात्माओंके जीवन-चरित्र एवं विभिन्न भक्तिपूर्ण भावोंकी ऐसी पवित्र और सरस कथाएँ हैं जो मानव-मनको प्रेम-भक्ति-सुधारससे अनायास सराबोर कर देती हैं। रोचक, ज्ञानप्रद और निरन्तर अनुशीलनयोग्य ये भक्तगाथाएँ भगवद्भक्ति और प्रेमानन्द बढ़ानेवाली तथा शान्ति प्रदान करनेवाली होनेसे नित्य पठनीय हैं। मूल्य रु० १२०

■ **बालक-अङ्क (कल्याण-वर्ष २७, सन् १९५३ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 573, ग्रन्थाकार**—यह अङ्क बालकोंसे सम्बन्धित सभी

उपयोगी विषयोंका बृहत् संग्रह है। यह सर्वजनोपयोगी होनेके साथ बालकोंके लिये आदर्श मार्ग-दर्शक है। इसमें प्राचीन कालसे अबतकके भारतके महान् बालकों एवं विश्वभरके सुविख्यात आदर्श बालकोंके अनुकरणीय जीवन-वृत्त एवं आदर्श चरित्र बार-बार पठनीय और प्रेरणाप्रद हैं। मूल्य रु० ११०

■ **संतवाणी-अङ्क (कल्याण-वर्ष २९, सन् १९५५ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 667, ग्रन्थाकार—** संत-महात्माओं और अध्यात्मचेता महापुरुषोंके लोककल्याणकारी उपदेश-उद्बोधनों-(वचन और सूक्तियों-) का यह बृहत् संग्रह प्रेरणाप्रद होनेसे नित्य पठनीय और सर्वथा संग्रहणीय है। मूल्य रु० ११०

■ **सत्कथा-अङ्क (कल्याण-वर्ष ३०, सन् १९५६ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 587, ग्रन्थाकार,—** जीवनमें भगवत्प्रेम, सेवा, त्याग, वैराग्य, सत्य, अहिंसा, विनय, प्रेम, उदारता, दानशीलता, दया, धर्म, नीति, सदाचार और शान्तिका प्रकाश भर देनेवाली सरल, सुरुचिपूर्ण, सत्प्रेरणादायी छोटी-छोटी सत्कथाओंका यह बृहत् संग्रह सर्वदा अपने पास रखनेयोग्य है। मूल्य रु० १००

■ **तीर्थाङ्क (कल्याण-वर्ष ३१, सन् १९५७ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 636, ग्रन्थाकार—** इस विशेषाङ्कमें तीर्थोंकी महिमा, उनका स्वरूप, स्थिति एवं तीर्थ-सेवनके महत्त्वपर उत्कृष्ट मार्ग-दर्शन-अध्ययनका विषय है। इसमें देव-पूजन-विधिसहित, तीर्थोंमें पालन करनेयोग्य तथा त्यागनेयोग्य उपयोगी बातोंका भी उल्लेख है। भारतके प्राय: समस्त तीर्थोंका अनुसन्धानात्मक ज्ञान करानेवाला यह एक ऐसा संकलन है जो तीर्थाटन-प्रेमियोंके लिये विशेष महत्त्वपूर्ण और संग्रहणीय है। मूल्य रु० १००

■ **भक्ति-अङ्क (कल्याण-वर्ष ३२, सन् १९५८ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 660, ग्रन्थाकार—** इसमें ईश्वरोपासना, भगवद्भक्तिका स्वरूप तथा भक्तिके प्रकारों और विभिन्न पक्षोंपर शास्त्रीय दृष्टिसे व्यापक विचार किया गया है। साथ ही इसमें अनेक भगवद्भक्तोंके शिक्षाप्रद, अनुकरणीय जीवन-चरित्र भी बड़े ही मर्मस्पर्शी, प्रेरणाप्रद और सर्वदा पठनीय हैं। प्रकाशनके लिये विचाराधीन

■ **संक्षिप्त योगवासिष्ठाङ्क (कल्याण-वर्ष ३५, सन् १९६१ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 574 ग्रन्थाकार—** इसमें जगत्की असत्ता और परमात्मसत्ताका विभिन्न दृष्टान्तोंके माध्यमसे प्रतिपादन है। पुरुषार्थ एवं तत्त्व-ज्ञानके निरूपणके साथ-साथ इसमें शास्त्रोक्त सदाचार, त्याग-वैराग्युक्त सत्कर्म और आदर्श व्यवहार आदिपर भी सूक्ष्म विवेचन है। मूल्य रु० ९०

■ **श्रीभगवन्नाम-महिमा-प्रार्थनाङ्क (कल्याण-वर्ष ३९, सन् १९६५ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1135, ग्रन्थाकार—** यह विशेषाङ्क भगवन्नाम-महिमा एवं प्रार्थनाके अमोघ प्रभावका सुन्दर विश्लेषक है। इसमें विभिन्न सन्त-महात्माओं, विद्वान् विचारकोंके भगवन्नाम-महिमा एवं प्रार्थनाके चमत्कारोंके सन्दर्भमें शास्त्रीय लेखोंका सुन्दर संग्रह है। इसके अतिरिक्त इसमें कुछ भक्त-सन्तोंके नाम-जपसे होनेवाले सुन्दर अनुभवोंका भी संकलन किया गया है। मूल्य रु० ९०

■ **परलोक और पुनर्जन्माङ्क (कल्याण-वर्ष ४३, सन् १९६९ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 572, ग्रन्थाकार—** मनुष्यमात्रको पतनकारी आसुरी सम्पदाके दोषोंसे सदा दूर रहने तथा परम विशुद्ध उज्ज्वल चरित्र होकर सर्वदा सत्कर्म करते रहनेकी शुभ प्रेरणाके साथ इसमें परलोक तथा पुनर्जन्मके रहस्यों और सिद्धान्तोंपर विस्तृत प्रकाश डाला गया है। आत्म-कल्याणकामी पुरुषों तथा साधकमात्रके लिये इसका अध्ययन-अनुशीलन अति उपयोगी है। मूल्य रु० १००

■ **श्रीगणेश-अङ्क (कल्याण-वर्ष ४८, सन् १९७४ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 657, ग्रन्थाकार—** भगवान् गणेश अनादि, सर्वपूज्य, आनन्दमय, ब्रह्ममय और सच्चिदानन्दरूप (परमात्मा) हैं। महामहिम गणेशकी इन्हीं सर्वमान्य विशेषताओं और सर्वसिद्धि-प्रदायक उपासना-पद्धतिका विस्तृत वर्णन इस विशेषाङ्कमें उपलब्ध है। इसमें श्रीगणेशकी लीला-कथाओंका भी बड़ा ही रोचक वर्णन और पूजा-अर्चना आदिपर उपयोगी दिग्दर्शन है। मूल्य रु० ७५

■ **श्रीहनुमान-अङ्क (कल्याण-वर्ष ४९, सन् १९७५ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 42, ग्रन्थाकार—** इसमें श्रीहनुमान्‌जीका आद्योपान्त जीवन-चरित्र और श्रीरामभक्तिके प्रतापसे सदा अमर बने रहकर उनके द्वारा किये गये क्रिया-कलापोंका तात्त्विक और प्रामाणिक चित्रण है। श्रीहनुमान्‌जीको प्रसन्न करनेवाले विविध स्तोत्र, ध्यान एवं पूजन-विधियोंका भी इसमें उपयोगी संकलन है। मूल्य रु० ७५

■ **सूर्याङ्क (कल्याण-वर्ष ५३, सन् १९७९ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 791, ग्रन्थाकार—** भगवान् सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं। इनमें समस्त देवताओंका निवास है। अतः भगवान् सूर्य सभीके लिये उपास्य और आराध्य हैं। प्रस्तुत विशेषाङ्कमें विभिन्न संत-महात्माओंके सूर्यतत्त्वपर सुन्दर लेखोंके साथ वेदों, पुराणों, उपनिषदों तथा रामायण इत्यादिमें सूर्य-सन्दर्भ,

भगवान् सूर्यके उपासनापरक विभिन्न स्तोत्र, देश-विदेशमें सूर्योपासनाके विविध रूप तथा सूर्य-लीलाका सरस वर्णन है। मूल्य रु० ६०

■ **शिवोपासनाङ्क (कल्याण-वर्ष ६७, सन् १९९३ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 586, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें भगवान् शिवसे सम्बन्धित तात्त्विक निबन्धोंके साथ शास्त्रोंमें वर्णित शिवके विविध स्वरूप, शिव-उपासनाकी मुख्य विधाएँ, पञ्चमूर्ति, दक्षिणामूर्ति, ज्योतिर्लिङ्ग, नर्मदेश्वर, नटराज, हरिहर आदि विभिन्न स्वरूपोंके विवेचन, आर्ष ग्रन्थोंके आधारपर शिव-साधनाकी पद्धति, भारतके विभिन्न प्रदेशोंमें अवस्थित शिवमन्दिर तथा शैव तीर्थोंका विस्तृत परिचय और विवरण आदि है। मूल्य रु० ७५

■ **श्रीरामभक्ति-अङ्क—कोड नं० 628 (ग्रन्थाकार, सचित्र, सजिल्द) [कल्याण-वर्ष ६८, सन् १९९४ ई०]**—भगवान् श्रीरामके चरित्रका श्रवण, मनन, आचरण तथा पठन-पाठन भवरोग-निवारणका सर्वोत्तम उपचार है। इस विशेषाङ्कमें भगवान् श्रीराम और उनकी अभिन्न शक्ति भगवती सीताके नाम, रूप, लीला-धाम, आदर्श गुण, प्रभाव आदिके तात्त्विक विवेचनके साथ श्रीरामजन्म-भूमिकी महिमा आदिका विस्तृत दिग्दर्शन कराया गया है। मूल्य रु० ६५

■ **गो-सेवा-अङ्क (कल्याण-वर्ष ६९, सन् १९९५ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 653, ग्रन्थाकार**—शास्त्रोंमें गौको सर्वदेवमयी और सर्वतीर्थमयी कहा गया है। गौके दर्शनसे समस्त देवताओंके दर्शन तथा समस्त तीर्थोंकी यात्राका पुण्य प्राप्त होता है। इस विशेषाङ्कमें गौसे सम्बन्धित अनेक आध्यात्मिक और तात्त्विक निबन्धोंके साथ, गौका विश्वरूप, गोसेवाका स्वरूप, गोपालन एवं गो-संवर्धनकी मुख्य विधाएँ तथा गोदान आदि उपयोगी विषयोंका संग्रह हुआ है। मूल्य रु० ७५

■ **भगवल्लीला-अङ्क (कल्याण-वर्ष ७२, सन् १९९८ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 448, ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें भगवान् श्रीराम-कृष्णकी लीलाओंके साथ पञ्चदेवोंके लीला-आख्यान तथा भक्तोंके चरित्रपर प्रेरक सामग्रीका समायोजन किया गया है। मूल्य रु० ६५

वेद-कथाङ्क (कल्याण-वर्ष ७३, सन् १९९९ ई०) सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1044) ग्रन्थाकार—इस विशेषाङ्कमें वेदोंके प्रमुख विषयोंका विवेचन, वैदिक मन्त्रों, सूक्तियों, मन्त्रद्रष्टा ऋषियोंका परिचय एवं वेदोंमें वर्णित कथाओंका रोचक वर्णन प्रस्तुत किया गया है। मूल्य रु० ८०

■ **सं० गरुडपुराणाङ्क (कल्याण-वर्ष ७४, सन् २००० ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1189, ग्रन्थाकार**—इसमें भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, सदाचार, आयुर्वेद, नीतिसार आदि विषयोंके वर्णनके साथ मृत जीवके लिये अन्तिम समयमें किये जानेवाले कृत्योंका विस्तारसे निरूपण किया गया है। मूल्य रु० ९०

■ **आरोग्य-अङ्क संशोधित एवं संवर्धित संस्करण (कल्याण-वर्ष ७५, सन् २००१ ई०) सचित्र, सजिल्द, कोड नं० 1592, ग्रन्थाकार**—विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों, घरेलू औषधियों तथा स्वास्थ्यरक्षापर संगृहीत अनेक उपयोगी लेखोंके संग्रह इस विशेषाङ्कको अभूतपूर्व माँगको देखकर अब इसमें साधारण अङ्कोंमें प्रकाशित लेखों एवं पहले अप्रकाशित नवीन सामग्रीको समाहित करके इसे ग्रन्थरूपमें प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० १२०, पूर्व प्रकाशित संस्करण (कोड नं० 1377) मूल्य रु० ८० भी उपलब्ध।

■ **नीतिसार अङ्क—(कल्याण-वर्ष ७६, सन् २००२) सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1379) ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें धर्मनीति, राजनीति, लोकनीति, कूटनीति आदि विविध नीतिपरक विषयोंपर विपुल सामग्रीका संचयन किया गया है। (मासिक अंकोंके साथ) मूल्य रु० १२०

■ **भगवत्प्रेम अङ्क (कल्याण-वर्ष ७७, सन् २००३ ई०) सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1467) ग्रन्थाकार**—यह विशेषाङ्क व्यक्ति, राष्ट्र एवं भगवत्प्रेम विषयक अनेक उत्कृष्ट निबन्धों और आख्यानोंका अद्भुत संकलन है। मूल्य रु० १०० मासिक अंकोंके साथ (साथमें ११ मासिक अङ्क भी)

■ **व्रत-पर्वोत्सव-अङ्क (कल्याण-वर्ष ७८, सन् २००४ ई०) सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1548) ग्रन्थाकार**—इस विशेषाङ्कमें व्रत-पर्वोत्सवोंका स्वरूप, पर्व, त्यौहारकी परम्परा, वर्ष भरके व्रत-त्यौहार और व्रतोंका शास्त्रीय विधान एवं उद्यापन-विधियोंका सुन्दर विवेचन है। मूल्य रु० १००

■ **देवीपुराण [महाभागवत] शक्तिपीठाङ्क (कल्याण-वर्ष ७९, सन् २००५ ई०) सचित्र, सजिल्द (कोड नं० 1610) ग्रन्थाकार**—इस पुराणमें मुख्य रूपसे भगवती महाशक्तिके माहात्म्य एवं उनके विभिन्न चरित्रोंका विस्तृत वर्णन है। इसमें मूल प्रकृति भगवतीके गङ्गा, पार्वती, लक्ष्मी, सरस्वती, तुलसी आदि रूपोंमें विवर्तित होनेके मनोरम आख्यान, ५१ शक्तिपीठोंका वर्णन एवं उपासना आदिका सुन्दर विवेचन है। सजिल्द मूल्य रु० ८०

'कल्याण' के सन् २००५ तकके प्रकाशित विशेषाङ्कोंकी सूची

सन्	वर्ष	विशेषाङ्कका नाम [कोड]	वर्तमान मूल्य	सन्	वर्ष	विशेषाङ्कका नाम [कोड]	वर्तमान मूल्य
१९२८	२	भगवन्नामाङ्क		१९६६	४०	धर्माङ्क	
१९२९	३	भक्ताङ्क		१९६७	४१	श्रीरामवचनामृताङ्क	
१९३०	४	श्रीमद्भगवद्गीताङ्क		१९६८	४२	उपासना-अङ्क	
१९३१	५	रामायणाङ्क		१९६९	४३	परलोक और पुनर्जन्माङ्क [572]	१००
१९३२	६	श्रीकृष्णाङ्क [1184]	१००	१९७०	४४	गर्गसंहिता [517]	८०
१९३३	७	ईश्वराङ्क [749]	९०	१९७१	४५	अग्निपुराण [1362]	१२०
१९३४	८	शिवाङ्क [635]	१००	१९७१	४५	नृसिंहपुराणम् [1113]	६०
१९३५	९	शक्ति-अङ्क [41]	१००	१९७२	४६	श्रीरामाङ्क	
१९३६	१०	योगाङ्क [616]	९०	१९७३	४७	श्रीविष्णु-अङ्क	
१९३७	११	वेदान्ताङ्क		१९७४	४८	श्रीगणेश-अङ्क [657]	७५
१९३८	१२	संत-अङ्क [627]	१२५	१९७५	४९	श्रीहनुमान-अङ्क [42]	७५
१९३९	१३	मानसाङ्क		१९७६	५०	श्रीभगवत्कृपा-अङ्क	
१९४०	१४	गीता-तत्त्वाङ्क		१९७७	५१	श्रीवराहपुराण [1361]	६०
१९४१	१५	साधनाङ्क [604]	१००	१९७८	५२	सदाचार-अङ्क	
१९४२	१६	भागवताङ्क [1104]	१३०	१९७९	५३	श्रीसूर्याङ्क [791]	६०
१९४३	१७	महाभारताङ्क [39,511] (दो खण्डोंमें)	२२०	१९८०	५४	निष्कामकर्मयोगाङ्क	
				१९८१	५५	भगवत्तत्त्वाङ्क	
१९४४	१८	सं० वाल्मीकि-रामायणाङ्क [1002]	६५	१९८२	५६	वामनपुराण [1432]	७५
				१९८३	५७	चरित्र-निर्माणाङ्क	
१९४५	१९	सं० पद्मपुराण [44]	१४०	१९८४	५९	श्रीमत्स्यपुराण [557]	१५०
१९४६	२०	गो-अङ्क		१९८५			
१९४७	२१	सं०मार्कण्डेयपुराण [539]	५५	१९८६	६०	संकीर्तनाङ्क	
१९४७	२१	सं० ब्रह्मपुराण [1111]	७०	१९८७	६१	शक्ति-उपासना-अङ्क	
१९४८	२२	नारी-अङ्क [43]	१००	१९८८	६२	शिक्षाङ्क	
१९४९	२३	उपनिषद्-अङ्क [659]	११०	१९८९	६३	पुराण-कथा-अङ्क	
१९५०	२४	हिन्दू-संस्कृति-अङ्क [518]	१२०	१९९०	६४	देवताङ्क	
१९५१	२५	सं० स्कन्दपुराणाङ्क [279]	१५०	१९९१	६५	योगतत्त्वाङ्क	
१९५२	२६	भक्तचरिताङ्क [40]	१२०	१९९२	६६	भविष्यपुराण [584]	९०
१९५३	२७	बालक-अङ्क [573]	११०	१९९३	६७	शिवोपासनाङ्क [586]	७५
१९५४	२८	सं० नारदपुराण [1183]	१००	१९९४	६८	श्रीरामभक्ति-अङ्क [628]	६५
१९५४	२८	श्रीश्रीविष्णुपुराण [48]	८०	१९९५	६९	गो-सेवा-अङ्क [653]	७५
१९५५	२९	संतवाणी-अङ्क [667]	११०	१९९६	७०	धर्मशास्त्राङ्क [1132]	
१९५६	३०	सत्कथा-अङ्क [587]	१००	१९९७	७१	कूर्मपुराण [1131]	८०
१९५७	३१	तीर्थाङ्क [636]	१००	१९९८	७२	भगवल्लीला-अङ्क [448]	६५
१९५८	३२	भक्ति-अङ्क [660]		१९९९	७३	वेदकथाङ्क [1044]	८०
१९५९	३३	मानवता-अङ्क		२०००	७४	सं० गरुड़पुराणाङ्क [1189]	९०
१९६०	३४	सं० श्रीमद्देवीभागवत [1133]	१३०	२००१	७५	आरोग्य-अङ्क [1592]	१२०
१९६१	३५	सं० योगवासिष्ठ [574]	९०	२००२	७६	नीतिसार-अङ्क [1472]	८०
१९६२	३६	सं० शिवपुराण [789]	११०	२००३	७७	भगवत्प्रेम-अङ्क [1467]	१००
१९६३	३७	सं० ब्रह्मवैवर्तपुराण [631]	१२०			(साथमें ११ मासिक अङ्क)	
१९६४	३८	श्रीकृष्णवचनामृताङ्क		२००४	७८	व्रतपर्वोत्सव-अङ्क [1548]	१००
१९६५	३९	श्रीभगवन्नाम-महिमा और प्रार्थना-अङ्क [1135]	९०	२००५	७९	देवीपुराण [महाभागवत]- शक्तिपीठाङ्क [1610]	८०

जिनके सामने मूल्य अङ्कित नहीं है, वे अभी उपलब्ध नहीं हैं।

पुनर्मुद्रणकी प्रक्रियामें

कोड	पुस्तक-नाम
1184	श्रीकृष्णाङ्क
1135	भगवन्नाम-महिमा और प्रार्थना-अङ्क
684	बालपोथी (शिशु) भाग-३
57	मानसिक दक्षता
136	विदुर नीति
	गुजराती
818	उपदेशप्रद कहानियाँ
940	अमृत-बिन्दु
1486	मानवमात्रके कल्याणके लिये
613	भक्त नरसिंह मेहता
1422	वीर बालक
1423	गुरु और माता पिताके भक्त बालक
1425	वीर बालिकाएँ

कोड	पुस्तक-नाम
	मराठी
14	गीता-पदच्छेद
	बँगला
1102	अमृत-बिन्दु
626	हनुमानचालीसा
1496	परलोक और पुनर्जन्मकी सत्य घटनाएँ
296	सत्संगकी कुछ सार बातें
	कन्नड़
835	श्रीरामभक्त हनुमान्
	ओड़िआ
1298	गीता-दर्पण
	तमिल
1534	वाल्मीकिरामायण, सुन्दरकाण्ड

अब उपलब्ध

कोड	पुस्तक-नाम	मूल्य
75 76	वाल्मीकिरामायण-सटीक दो खण्डोंमें सेट	२२०
1381	क्या करें, क्या न करें ?	१८
66	ईशादि नौ उपनिषद्-अन्वय-हिन्दी व्याख्या	४५
78	वाल्मीकिरामायण सुन्दरकाण्ड, मूल गुटका	१५
1324	अमृत-वचन	८
1587	जीवन सुधारकी बातें	८
292	नवधा-भक्ति	५
226	विष्णुसहस्रनाम मूल	२
821	किसान और गाय	२
447	मूर्तिपूजा नामजपकी महिमा	२
314	व्यापार-सुधारकी आवश्यकता..	२
131	सुखी जीवन	१०
121	एकनाथ चरित्र	१५
1561	दुःखोंका नाश कैसे हो ?	८
769	साधन नवनीत	८
681	रहस्यमय प्रवचन	८
	कन्नड़	
598	वास्तविक सुख	५

कोड	पुस्तक-नाम	मूल्य
843	दुर्गासप्तशती	१०
738	हनुमानचालीसा	१.५०
737	विष्णुसहस्रनाम एवं सहस्रनामावली	३
593	भगवत्प्राप्तिकी सुगमता	६
720	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	७
	तेलुगु	
1029	भजन-संकीर्तनावली	१२
678	सत्संगकी कुछ सार बातें	१
	मराठी	
884	सन्तानका कर्तव्य	२
1332	दत्तात्रेयवज्रकवच	३
1388	गीता श्लोकार्थसहित (मोटा टाइप)	१०
1383	भक्तराज हनुमान्	५
	ओड़िआ	
1476	दुर्गासप्तशती-सटीक	१८
	गुजराती	
1365	नित्यकर्म-पूजाप्रकाश	३५
1047	आदर्श नारी सुशीला	३

English Publications

code		Price
■	**457 Śrīmad Bhagavadgītā—Tattva-Vivecanī** With Sanskrit text, English Translation and Detailed Commentary (By Jayadayal Goyandka)	70
■	**1080|1081 Śrīmad Bhagavadgītā—Sādhaka Sañjīvanī** With Sanskrit Text, Roman Transliteration, English Translation and Detailed Commentary (By Swami Ramsukhdas) Set of two volumes	100
■	**455 Śrīmad Bhagavadgītā** (Sanskrit Text and English Translation) Pocket Size	5
■	**534 Śrīmad Bhagavadgītā** (Sanskrit Text and English Translation) (Hard Bound Edition) Pocket Size	10
■	**1223 Śrīmad Bhagavadgītā—Roman Gītā** (Sanskrit Text, Transliteration and English Translation) (Unbound)	10
■	**1492 Ram Lala** (Story with the Picture)	15
■	**1491 Mohan** (Story with the Picture)	10
■	**452 | 453 Śrīmad Vālmīki-Rāmāyaṇa** (With Sanskrit Text and English Translation) Set of two volumes	300
■	**1318 Śrī Rāmacaritamānasa** (With Hindi Text, Roman Transliteration and English Translation)	200
■	**456 Śrī Rāmacaritamānasa** (With Hindi Text and EnglishTranslation)	120
■	**786 Śrī Rāmacaritamānasa** Medium Size	70
■	**564|565 Śrīmad Bhāgavata** (With Sanskrit Text and English Translation) Set of two volumes	250
▲	**783 Abortion Right or Wrong You Decide?** (By Gopi Nath Agrawal)	2
■	**824 Songs from Bhartṛhari**	2
■	**494 The Immanence of God** (By Madan Mohan Malaviya)	2
■	**1528 Śrī** Hanumānacālīsā (with Hindi Raman Text and English Translation)	3

BY JAYADAYAL GOYANDKA

▲	**477 Gems of Truth** [Vol. I]	8	▲	**523 Secret of Bhaktiyoga**	13
▲	**478 Gems of Truth** [Vol. II]	8	▲	**694 Dialogue with the Lord During Meditation**	2
▲	**479 Sure Steps to God-Realization**	12	▲	**1125 Five Divine Abodes**	3
▲	**481 Way to Divine Bliss**	5	▲	**658 Secrets of Gītā**	6
▲	**482 What is Dharma? What is God?**	1	▲	**1013 Gems of Satsaṅga**	1
▲	**480 Instructive Eleven Stories**	4	▲	**1284 Some Ideal Characters of Rāmāyaṇa**	8
▲	**520 Secret of Jñānayoga**	12	▲	**1245 Some Exemplary Characters of the Mahābhārata**	7
▲	**1285 Moral Stories**	10	▲	**1501 Real Love**	4
▲	**521 Secret of Premayoga**	9			
▲	**522 Secret of Karmayoga**	12			

BY HANUMAN PRASAD PODDAR

▲	**484 Look Beyond the Veil**	8	▲	**847 Gopīs' Love for Śrī Kṛṣṇa**	4
▲	**622 How to Attain Eternal Happiness?**	8	▲	**620 The Divine Name and Its Practice**	3
▲	**483 Turn to God**	8	▲	**486 Wavelets of Bliss & the Divine Message**	
▲	**485 Path to Divinity**	7			

BY SWAMI RAMSUKHDAS

▲	**619 Ease in God-Realization**	4	▲	**474 Be Good & Invaluable Advice**	9
▲	**471 Benedictory Discourses**	6	▲	**497 Truthfulness of Life**	2
▲	**473 Art of Living**	4	▲	**669 The Divine Name**	2
▲	**487 Gītā Mādhurya**	7	▲	**552 Way to Attain the Supreme Bliss**	1
▲	**472 How to Lead A Household Life**	4	▲	**562 Ancient Idealism for Modernday Living**	1
▲	**570 Let us Know the Truth**	4	▲	**1101 The Drops of Nectar (Amṛta Bindu)**	4
▲	**638 Sahaja Sādhanā**	5	▲	**1470 For Salvation of Mankind**	12
▲	**634 God is Everything**	4			

SPECIAL EDITIONS

■	**1391 The Bhagavadgītā (Sanskrit Text and English Translation) Pocket Size**	10	By **Swami Ramsukhdas—**		
■	**1411 Gītā Roman (Sanskrit Text, Transliteration & English Translation)**	20	■	**1407 The Drops of Nectar**	10
■	**1584 " " " " " (Pocket Size)**	10	■	**1406 Gītā Mādhurya**	15
■	**1414 The Story of Mirābāī**	15	■	**1438 Discovery of Truth and Immortality**	15
			■	**1413 All is God**	10

अन्य भारतीय भाषाओंके प्रकाशन

कोड		मूल्य
	संस्कृत	
▲ 679	गीता-माधुर्य	६
	बँगला	
■ 954	श्रीरामचरितमानस-ग्रन्थाकार	१२०
■ 763	गीता-साधक-संजीवनी— परिशिष्ट सहित	११०
■ 1118	गीतातत्त्व-विवेचनी—	७०
■ 556	गीता-दर्पण—	४०
■ 013	गीता-पदच्छेद—	२५
■ 1444	गीता-ताबीजी, सजिल्द	४
■ 1455	गीता-लघु आकार	२
■ 1489	गीता-दैनन्दिनी-पुस्तकाकार विशिष्ट संस्करण	४५
■ 1322	दुर्गासप्तशती-सटीक	१८
■ 1460	विवेक-चूड़ामणि	१०
■ 1075	ॐ नमः शिवाय	१५
■ 1043	नवदुर्गा	१०
■ 1439	दशमहाविद्या	१०
■ 1292	दशावतार	१०
■ 1096	कन्हैया	१०
■ 1097	गोपाल	१०
■ 1098	मोहन	१०
■ 1123	श्रीकृष्ण	१०
■ 1393	गीता भाषा-टीका (पॉकेट साइज) सजि.	१०
■ 496	गीता भाषा-टीका (पॉकेट साइज)	६
■ 1454	स्तोत्ररत्नावली	१६
■ 275	कल्याणप्राप्तिके उपाय	१३
▲ 1305	प्रश्नोत्तर-मणिमाला	८
▲ 395	गीता-माधुर्य	५
▲ 1102	अमृत-बिन्दु	६
■ 1356	सुन्दरकाण्ड-सटीक	५
▲ 816	कल्याणकारी प्रवचन	४
▲ 276	परमार्थ-पत्रावली — भाग-१	५
▲ 1306	कर्तव्य साधनासे भगवत्प्राप्ति	४
▲ 1119	ईश्वर और धर्म क्यों ?	९

कोड		मूल्य
▲ 1456	भगवत्प्राप्तिका पथ व पाथेय	७
▲ 1452	आदर्श कहानियाँ	६
▲ 1453	प्रेरक कहानियाँ	४
▲ 1359	जिन खोजा तिन पाइयाँ	४
▲ 1115	तत्त्वज्ञान कैसे हो ?	४
▲ 1303	साधकोंके प्रति	४
▲ 1358	कर्म-रहस्य	४
▲ 1122	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ?	३
▲ 625	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	३
▲ 428	गृहस्थमें कैसे रहें ?	४
▲ 903	सहज साधना	३
▲ 1368	साधना	३
▲ 312	आदर्श नारी सुशीला	३
▲ 955	तात्त्विक प्रवचन	४
■ 1103	मूल रामायण एवं रामरक्षास्तोत्र	३
▲ 449	दुर्गतिसे बचो गुरुतत्त्व	३
▲ 956	साधन और साध्य	३
▲ 330	नारद एवं शांडिल्य-भक्ति-सूत्र	२
▲ 762	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२
▲ 848	आनन्दकी लहरें	२
■ 626	हनुमानचालीसा	२
▲ 1319	कल्याणके तीन सुगम मार्ग	२
▲ 1293	शिखा धारणकी आवश्यकता और हम कहाँ जा रहे हैं ?	१.५०
▲ 450	हम ईश्वरको क्यों मानें ?	२
▲ 849	मातृशक्तिका घोर अपमान	१
▲ 451	महापापसे बचो	२
▲ 469	मूर्तिपूजा	१
▲ 1140	भगवान्‌के दर्शन प्रत्यक्ष हो सकते हैं	१.५०
▲ 296	सत्संगकी सार बातें	१
■ 443	संतानका कर्तव्य	१
▲ 1496	परलोक और पुर्नजन्मकी सच्ची घटनाएँ	१०

कोड		मूल्य
▲ 1415	अमृतवाणी	७
▲ 1495	बालचित्रमय चैतन्यलीला पत्रिका	७
▲ 1478	मानवमात्रके कल्याणके लिये	१०
▲ 1469	सब साधनोंका सार	४
	मराठी	
■ 1314	श्रीरामचरितमानस-सटीक, मोटा टाइप	१३०
■ 784	ज्ञानेश्वरी गूढ़ार्थ-दीपिका	१३०
■ 853	एकनाथी भागवत—मूल	१००
■ 7	गीता-साधक-संजीवनी	१००
■ 1304	गीता-तत्त्व-विवेचनी	७०
■ 1071	श्रीनामदेवांची गाथा	६०
■ 859	ज्ञानेश्वरी-मूल मझला	४०
■ 15	गीता-माहात्म्यसहित	३५
■ 504	गीता-दर्पण	३५
■ 748	ज्ञानेश्वरी-मूल गुटका	२५
■ 14	गीता-पदच्छेद	२५
■ 1388	गीता-श्लोकार्थसहित (मोटा टाइप)	१०
■ 1257	गीता-श्लोकार्थसहित (पॉकेट साइज)	७
■ 1168	भक्त नरसिंह मेहता	९
▲ 429	गृहस्थमें कैसे रहें ?	८
▲ 1387	प्रेममें विलक्षण एकता	८
■ 857	अष्टविनायक	६
▲ 391	गीता-माधुर्य	६
▲ 1099	अमूल्य समयका सदुपयोग	७
▲ 1335	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	७
▲ 1155	उद्धार कैसे हो ?	४
▲ 1386	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	५
▲ 1340	अमृत-बिन्दु	५
▲ 1382	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ	६
▲ 1210	जित देखूँ तित-तू	७
▲ 1330	मेरा अनुभव	८
■ 1073	भक्त-चन्द्रिका	५
■ 1383	भक्तराज हनुमान्	५
▲ 886	साधकोंके प्रति	५
▲ 885	तात्त्विक प्रवचन	४
■ 1333	भगवान् श्रीकृष्ण	५

कोड		मूल्य
■ 1332	दत्तात्रेय-वज्रकवच	३
■ 855	हरिपाठ	३
■ 1169	चोखी कहानियाँ	४
▲ 1385	नल-दमयंती	३
▲ 1384	सती-सावित्री-कथा	२
▲ 880	साधन और साध्य	४
▲ 1006	वासुदेवः सर्वम्	४
▲ 1276	आदर्श नारी सुशीला	३
▲ 1334	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	३
▲ 899	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	३
▲ 1339	कल्याणके तीन सुगम मार्ग और सत्यकी शरणसे मुक्ति	४
▲ 1341	सहज साधना	४
▲ 802	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२
▲ 882	मातृशक्तिका घोर अपमान	३
▲ 883	मूर्तिपूजा	२
▲ 884	सन्तानका कर्तव्य	२
▲ 1279	सत्संगकी कुछ सार बातें	२
▲ 901	नाम-जपकी महिमा	२
▲ 900	दुर्गतिसे बचो	२
▲ 902	आहार-शुद्धि	
▲ 1170	हमारा कर्तव्य	२
▲ 881	भगवत्प्राप्तिकी सुगमता	५
▲ 898	भगवन्नाम	४
▲ 1074	अध्यात्मिक-पत्रावली	६
▲ 1275	नवधा-भक्ति	५
	गुजराती	
■ 799	श्रीरामचरितमानस-ग्रन्थाकार	१३०
■ 1533	श्रीरामचरितमानस-ग्रन्थाकार (विशिष्ट संस्करण)	१९०
■ 1430	श्रीरामचरितमानस-मूल, मोटा	६०
■ 1326	सं० देवीभागवत	१३०
■ 1286	संक्षिप्त शिवपुराण	११०
■ 467	गीता-साधक-संजीवनी	१००
■ 1313	गीता-तत्त्व-विवेचनी	७०
■ 785	श्रीरामचरितमानस-मझला, सटीक	६०

कोड		मूल्य	कोड		मूल्य
■ 468	गीता-दर्पण	४५	■ 934	उपयोगी कहानियाँ	७
■ 878	श्रीरामचरितमानस-मूल, मझला	४०	■ 1076	आदर्श भक्त	६
■ 879	श्रीरामचरितमानस-मूल, गुटका	२५	■ 1084	भक्त महिलारत्न	६
■ 1365	नित्यकर्म-पूजाप्रकाश	३५	■ 875	भक्त सुधाकर	६
■ 12	गीता-पदच्छेद	२५	▲ 1067	दिव्य सुखकी सरिता	६
■ 1315	गीता-सटीक, (मोटा टाइप)	१५	▲ 933	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	८
■ 1366	दुर्गासप्तशती-सटीक	१८	▲ 1295	जित देखूँ तित तू	७
■ 1227	सचित्र-आरतियाँ	१०	▲ 943	गृहस्थमें कैसे रहें ?	६
■ 1034	गीता-छोटी—सजिल्द	१०	▲ 932	अमूल्य समयका सदुपयोग	७
■ 1225	मोहन— (धारावाहिक चित्रकथा)	१०	▲ 392	गीता-माधुर्य	७
■ 1224	कन्हैया— ,,	१०	■ 1082	भक्त सप्तरत्न	५
■ 1228	नवदुर्गा	१०	■ 1087	प्रेमी भक्त	५
■ 936	गीता छोटी-सटीक	७	▲ 1077	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ	५
■ 948	सुन्दरकाण्ड-मूल मोटा	५	▲ 940	अमृत-बिन्दु	५
■ 1085	भगवान् राम—	४	▲ 931	उद्धार कैसे हो ?	५
■ 950	सुन्दरकाण्ड-मूल, गुटका	३	▲ 894	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	५
■ 1199	सुन्दरकाण्ड-मूल, लघु आकार	२	▲ 413	तात्त्विक प्रवचन	५
■ 1226	अष्टविनायक	१०	■ 892	भक्त-चन्द्रिका	४
■ 613	भक्त नरसिंह मेहता	१२	■ 895	भगवान् श्रीकृष्ण	५
▲ 1164	शीघ्र कल्याणके सोपान	१०	▲ 1126	साधन-पथ	४
▲ 1146	श्रद्धा, विश्वास और प्रेम	१०	▲ 946	सत्संगका प्रसाद	४
▲ 1144	व्यवहारमें परमार्थकी कला	८	▲ 942	जीवनका सत्य	५
▲ 1062	नारीशिक्षा	८	▲ 1145	अमरताकी ओर	४
▲ 1129	अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति	८	▲ 1294	भगवान् और उनकी भक्ति	५
■ 1400	पिताकी सीख	८	▲ 1066	भगवान्‌से अपनापन	४
▲ 1128	दाम्पत्य-जीवनका आदर्श	७	■ 806	रामभक्त हनुमान्	४
▲ 1061	साधन-नवनीत	७	▲ 1086	कल्याणकारी प्रवचन भाग-२	४
▲ 1264	मेरा अनुभव	८	▲ 1287	सत्यकी खोज	५
▲ 1520	कर्मयोगका तत्त्व भाग-१	९	▲ 1088	एकै साधे सब सधै	४
▲ 1046	स्त्रियोंके लिये कर्तव्य-शिक्षा	७	■ 1399	चोखी कहानियाँ	५
■ 1143	भक्त सुमन	७	▲ 889	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	३
■ 1142	भक्त सरोज	७	▲ 1141	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ?	३
▲ 1211	जीवनका कर्तव्य	८	▲ 939	मातृशक्तिका घोर अपमान	३
▲ 404	कल्याणकारी प्रवचन	७	■ 890	प्रेमी भक्त उद्धव	३
▲ 877	अनन्य भक्तिसे भगवत्प्राप्ति	७	▲ 1047	आदर्श नारी सुशीला	४
▲ 818	उपदेशप्रद कहानियाँ	८	▲ 1059	नल-दमयन्ती	४
▲ 1265	अध्यात्मिक प्रवचन	७	▲ 1045	बालशिक्षा	४
▲ 1052	इसी जन्ममें भगवत्प्राप्ति	६	▲ 1063	सत्संगकी विलक्षणता	३

कोड		मूल्य
▲ 1064	जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग	४
▲ 1165	सहज साधना	४
▲ 1151	सत्संग-मुक्ताहार	४
■ 1401	बालप्रश्नोत्तरी	३
■ 935	संक्षिप्त रामायण वाल्मीकीय रामायण-अन्तर्गत	२
▲ 893	सती सावित्री	२
▲ 941	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	२
▲ 1177	आवश्यक शिक्षा	३
▲ 804	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२
▲ 1049	आनन्दकी लहरें	२
■ 947	महात्मा विदुर	३
■ 937	विष्णुसहस्रनाम	२
▲ 1058	मनको वशमें करनेके उपाय एवं कल्याणकारी आचरण	२
▲ 1050	सच्चा सुख	२
▲ 1060	त्यागसे भगवत्प्राप्ति और गीता पढ़नेके लाभ	२
■ 828	हनुमानचालीसा	२
▲ 844	सत्संगकी कुछ सार बातें	२
▲ 1055	हमारा कर्त्तव्य एवं व्यापार सुधारकी आवश्यकता	१.५०
▲ 1048	संत-महिमा	२
▲ 1179	दुर्गतिसे बचो	१.५०
▲ 1178	सार-संग्रह, सत्संगके अमृत कण	१.५०
▲ 1152	मुक्तिमें सबका अधिकार	१.५०
▲ 1207	मूर्तिपूजा-नाम-जपकी महिमा	१.५०
▲ 1167	भगवतत्त्व	१.५०
▲ 1206	धर्म क्या है ? भगवान् क्या है ?	२
▲ 1051	भगवान्‌की दया	१.५०
■ 1198	हनुमानचालीसा—(लघु आकार)	१
▲ 1500	सन्ध्या-गायत्रीका महत्त्व	२
■ 1229	पंचामृत	१
▲ 1054	प्रेमका सच्चा स्वरूप और सत्यकी शरणसे मुक्ति	१.५०
▲ 938	सर्वोच्चपदप्राप्तिके साधन	१
▲ 1056	चेतावनी एवं सामयिक चेतावनी	१
▲ 1053	अवतारका सिद्धान्त और ईश्वर दयालु एवं न्यायकारी	१.५०
▲ 1127	ध्यान और मानसिक पूजा	१.५०
▲ 1148	महापापसे बचो	२
▲ 1153	अलौकिक प्रेम	१.५०
▲ 1504	प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय	१०
■ 1422	वीर बालक	६
■ 1423	गुरु और माता पिताके भक्त बालक	६
■ 1424	दयालु और परोपकारी बालक बालिकाएँ	५
■ 1425	वीर बालिकाएँ	५
▲ 1260	तत्त्वज्ञान कैसे हो ?	६
▲ 1486	मानवमात्रके कल्याणके लिये	१०
▲ 1503	भगवत्प्राप्तिमें भावकी प्रधानता	८

तमिल

■ 1426	गीता-साधक-संजीवनी (भाग-१)	७५
■ 1427	गीता-साधक-संजीवनी (भाग-२)	७५
■ 800	गीता-तत्त्व-विवेचनी	८०
■ 1256	अध्यात्मरामायण	६०
■ 823	गीता-पदच्छेद	२०
■ 743	गीता मूलम्	१५
▲ 389	गीता-माधुर्य	९
■ 365	गोसेवाके चमत्कार	१०
■ 1134	गीता-माहात्म्यकी कहानियाँ	१०
▲ 1007	अपात्रको भी भगवत्प्राप्ति	८
▲ 553	गृहस्थमें कैसे रहें ?	९
▲ 850	संतवाणी— (भाग १)	७
▲ 952	,, (,, २)	७
▲ 953	संतवाणी— (भाग ३)	७
▲ 1353	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	९
▲ 1354	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	८
■ 795	गीता-भाषा	६
■ 646	चोखी कहानियाँ	७
■ 608	भक्तराज हनुमान्	७
■ 1246	भक्तचरित्रम्	७
▲ 643	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	५
▲ 550	नाम-जपकी महिमा	१.५०
▲ 1289	साधन पथ	५

कोड		मूल्य
■ 793	गीता-मूल-विष्णुसहस्रनाम	५
▲ 1117	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	५
▲ 1110	अमृत-बिन्दु	६
▲ 655	एकै साधे सब सधै	५
▲ 1243	वास्तविक सुख	६
■ 741	महात्मा विदुर	५
▲ 536	गीता पढ़नेके लाभ, सत्यकी शरणसे मुक्ति	३
▲ 591	महापापसे बचो, संतानका कर्तव्य	३
▲ 609	सावित्री और सत्यवान्	३
▲ 644	आदर्श नारी सुशीला	३
▲ 568	शरणागति	३
▲ 805	मातृशक्तिका घोर अपमान	२
▲ 607	सबका कल्याण कैसे हो ?	२
■ 794	विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्	३
■ 127	उपयोगी कहानियाँ	७
■ 600	हनुमानचालीसा	३
▲ 466	सत्संगकी सार बातें	२
▲ 499	नारद-भक्ति-सूत्र	१.५०
■ 601	भगवान् श्रीकृष्ण	७
■ 642	प्रेमी भक्त उद्धव	८
■ 647	कन्हैया (धारावाहिक चित्रकथा)	१५
■ 648	श्रीकृष्ण—(,, ,,)	१५
■ 649	गोपाल—(,, ,,)	१५
■ 650	मोहन—(,, ,,)	१५
■ 1042	पञ्चामृत	२
▲ 742	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२.५०
▲ 423	कर्म-रहस्य	४
▲ 569	मूर्तिपूजा	१.५०
▲ 551	आहारशुद्धि	२
▲ 645	नल-दमयन्ती	६
▲ 606	सर्वोच्चपदकी प्राप्तिके साधन	२
▲ 792	आवश्यक चेतावनी	२
▲ 1480	भगवान्‌के स्वभावका रहस्य	७
▲ 1481	प्रत्यक्ष भगवद्दर्शनके उपाय	७
▲ 1482	भक्तियोगका तत्त्व	७

कन्नड़

■ 1112	गीता-तत्त्व-विवेचनी	७०
■1369 / 1370	गीता-साधक-संजीवनी (दो खण्डोंमें सेट)	१४०
■ 726	गीता-पदच्छेद	३०
■ 718	गीता तात्पर्यके साथ	१५
■ 1375	ॐ नमः शिवाय	१५
■ 1357	नवदुर्गा	१०
▲ 1109	उपदेशप्रद कहानियाँ	९
▲ 945	साधन नवनीत	१०
■ 724	उपयोगी कहानियाँ	८
▲ 833	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	९
▲ 834	स्त्रियोंके लिये कर्तव्य-शिक्षा	९
■ 1288	गीता-श्लोकार्थ	६
▲ 716	शिक्षाप्रद ग्यारह कहानियाँ	६
■ 832	सुन्दरकाण्ड (सटीक)	८
■ 840	आदर्श भक्त	७
■ 841	भक्त सप्तरत्न	६
■ 843	दुर्गासप्तशती-मूल	१०
▲ 390	गीता-माधुर्य	७
▲ 720	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	७
▲ 1374	अमूल्य समयका सदुपयोग	६
▲ 1499	नवधा-भक्ति	५
▲ 1498	भगवत्कृपा	४
▲ 128	गृहस्थमें कैसे रहें ?	५
■ 661	गीता-मूल (विष्णुसहस्रनामसहित)	५
■ 721	भक्त बालक	६
■ 951	भक्त चन्द्रिका	५
■ 835	श्रीरामभक्त हनुमान्	६
■ 837	विष्णुसहस्रनाम-सटीक	५
■ 842	ललितासहस्रनामस्तोत्र	४
▲ 717	सावित्री-सत्यवान् और आदर्श नारी सुशीला	४
▲ 325	कर्म-रहस्य	३
▲ 723	नाम-जपकी महिमा और आहार शुद्धि	३

कोड		मूल्य	कोड		मूल्य
▲ 725	भगवान्‌की दया एवं भगवान्‌का हेतुरहित सौहार्द	३	■ 815	गीता-श्लोकार्थसहित—(सजिल्द)	२०
			■ 1219	गीता-पञ्चरत्न	१५
▲ 722	सत्यकी शरणसे मुक्ति, गीता पढ़नेके लाभ	३	■ 1009	जय हनुमान् चित्रकथा	१५
			■ 1250	ॐ नमः शिवाय चित्रकथा	१५
▲ 597	महापापसे बचो	१.५०	■ 1157	गीता-सटीक मोटे अक्षर (अजिल्द)	१२
▲ 719	बालशिक्षा	३	■ 1010	अष्टविनायक चित्रकथा	१०
▲ 839	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	३	■ 1248	मोहन चित्रकथा	१०
▲ 1371	शरणागति	४	■ 1249	कन्हैया—चित्रकथा	१०
■ 737	विष्णुसहस्रनाम एवं सहस्रनामावली	३	■ 863	नवदुर्गा चित्रकथा	१०
▲ 836	नल-दमयन्ती	३	▲ 1251	भवरोगकी रामबाण दवा	९
▲ 838	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२	▲ 1209	प्रश्नोत्तर-मणिमाला	८
			▲ 1274	परमार्थ-सूत्र-संग्रह	८
■ 736	नित्यस्तुतिः, आदित्यहृदयस्तोत्रम्	२	▲ 1254	साधन नवनीत	९
■ 1105	श्रीवाल्मीकि रामायणम् संक्षिप्त	२	■ 1008	गीता-पॉकेट साइज	७
■ 738	हनुमत्-स्तोत्रावली	१.५०	▲ 754	गीतामाधुर्य	६
▲ 593	भगवत्प्राप्तिकी सुगमता	६	▲ 1208	आदर्श कहानियाँ	६
▲ 598	वास्तविक सुख	५	▲ 1139	कल्याणकारी प्रवचन	६
▲ 831	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	३	■ 1342	बड़ोंके जीवनसे शिक्षा	७
			▲ 1205	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	७
■ 1372	गीता-माहात्म्यसहित	९	■ 1204	सुन्दरकाण्ड-मूल, मोटा	५
■ 1373	गजेन्द्रमोक्ष	२	▲ 1299	भगवान् और उनकी भक्ति	५
	असमिया		■ 854	भक्तराज हनुमान्	५
■ 714	गीता-भाषा-टीका—पॉकेट साइज	७	▲ 1004	तात्त्विक प्रवचन	५
■ 1222	श्रीमद्भागवत-माहात्म्य	७	▲ 1138	भगवान्‌से अपनापन	५
■ 825	नवदुर्गा— (चित्रकथा)	५	▲ 1187	आदर्श भ्रातृप्रेम	४
▲ 624	गीता-माधुर्य	६	▲ 430	गृहस्थमें कैसे रहें ?	५
■ 1323	श्रीहनुमानचालीसा	२	▲ 1321	सब जग ईश्वररूप है	५
▲ 703	गीता पढ़नेके लाभ	१	▲ 1269	आवश्यक शिक्षा	५
▲ 1487	गृहस्थमें कैसे रहें ?	७	▲ 865	प्रार्थना	३
▲ 1515	शिवचालीसा	२	▲ 796	देशकी वर्तमान दशा तथा उसका परिणाम	३
	ओडिआ				
■ 1121	गीता-साधक-संजीवनी	११०	▲ 1130	क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं ?	३
■ 1100	गीता-तत्त्व-विवेचनी—ग्रन्थाकार	७०	■ 1154	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	३
■ 1473	साधन-सुधा-सिन्धु	९०	■ 1200	सत्यप्रेमी हरिश्चन्द्र	३
■ 1463	श्रीरामचरितमानस-सटीक	१३०	▲ 1174	आदर्श नारी सुशीला	३
■ 1218	रामचरितमानस (मूल) मोटा टाइप	७०	■ 541	गीता (मूल) विष्णुसहस्रनामसहित	३
■ 1298	गीता-दर्पण	४०	▲ 1003	सत्संगमुक्ताहार	४

कोड		मूल्य
▲ 817	कर्म-रहस्य	३
▲ 1078	भगवत्प्राप्तिके विविध उपाय	३
▲ 1079	बालशिक्षा	४
▲ 1163	बालकोंके कर्तव्य	४
▲ 1252	भगवान्‌के रहनेके पाँच स्थान	३
▲ 757	शरणागति	३
▲ 1186	श्रीभगवन्नाम	३
▲ 1267	सहज साधना	३
▲ 1005	मातृशक्तिका घोर अपमान	३
▲ 1203	नल-दमयन्ती	३
▲ 1253	परलोक और पुनर्जन्म एवं वैराग्य	३
▲ 1220	सावित्री और सत्यवान्	२
▲ 826	गर्भपात उचित या अनुचित फैसला आपका	२
■ 856	हनुमानचालीसा	२
▲ 798	गुरुतत्त्व	१.५०
▲ 797	सन्तानका कर्तव्य	१.५०
■ 1036	गीता-मूल, लघु आकार	२
■ 1070	आदित्यहृदयस्तोत्र	१.५०
■ 1068	गजेन्द्रमोक्ष	१.५०
■ 1069	नारायणकवच	१.५०
▲ 1089	धर्म क्या है ? भगवान् क्या है ?	१.५०
▲ 1039	भगवान्‌की दया एवं भगवत्कृपा	१.५०
▲ 1090	प्रेमका सच्चा स्वरूप (पॉकेट साइज)	१.५०
▲ 1091	हमारा कर्तव्य	१.५०
▲ 1040	सत्संगकी कुछ सार बातें	१.५०
▲ 1011	आनन्दकी लहरें	१.५०
▲ 852	मूर्तिपूजा-नामजपकी महिमा	१.५०
▲ 1038	संत-महिमा	१
▲ 1041	ब्रह्मचर्य एवं मनको वशमें करनेके कुछ उपाय	२
▲ 1221	आदर्श देवियाँ	३
■ 1201	महात्मा विदुर	३
■ 1202	प्रेमी भक्त उद्धव	
■ 1173	भक्त-चन्द्रिका	५
■ 1494	बालचित्रमय चैतन्यलीला	७
▲ 1507	उद्धार कैसे हो ?	५

कोड		मूल्य
▲ 1506	अमूल्य समयका सदुपयोग	७
▲ 1268	वास्तविक सुख	५
▲ 1272	निष्काम श्रद्धा और प्रेम	८
▲ 1464	अमृत-बिन्दु	६
■ 1476	श्रीदुर्गासप्तशती-सटीक	१८
▲ 1511	मानवमात्रके कल्याणके लिये	१०
	नेपाली	
▲ 394	गीता-माधुर्य	
	उर्दू	
■ 1446	गीता (संस्कृत श्लोकका उर्दू अनुवाद)	८
▲ 393	गीता-माधुर्य	८
▲ 590	मनकी खटपट कैसे मिटे ?	०.८०
	तेलुगु	
■ 1352	रामचरितमानस-सटीक—ग्रन्थाकार	१२०
■ 1429	श्रीमद्वाल्मीकि रामायण सुन्दरकांड (तात्पर्यसहित)	७५
■ 1477	,, ,, सामान्य	५५
■ 1172	गीता-तत्त्व-विवेचनी	८०
■ 845	अध्यात्मरामायण	७५
■ 772	गीता-पदच्छेद-अन्वयसहित	२५
■ 1526	श्रीमद्भगवद्गीता (मूल) मोटा टाइप (पॉकेट साइज)	८
■ 1531	श्रीमद्भगवद्गीता एवं विष्णुसहस्त्रनाम	८
■ 924	वाल्मीकि रामायणं सुन्दरकाण्डं मूलम्	१८
■ 914	स्तोत्ररत्नावली	२०
■ 1026	पंच सूक्तमुलु-रुद्रमु	५
■ 887	जय हनुमान् पत्रिका	१५
■ 771	गीता-तात्पर्यसहित	१५
■ 910	विवेक-चूडामणि	१५
■ 904	नारद-भक्तिसूत्र मुलु (प्रेमदर्शन-)	१२
■ 909	दुर्गासप्तशती-मूलम्	१२
■ 1029	भजन-संकीर्तनावली	१२
■ 1301	नवदुर्गा पत्रिका	१०
■ 1309	गीता-माहात्म्यकी कहानियाँ	१०
■ 1390	गीता-तात्पर्य (पॉकेट साइज) (मोटा टाइप)	१०

कोड		मूल्य	कोड		मूल्य
■ 691	श्रीभीष्मपितामह	१०	■ 1527	विष्णुसहस्त्रनाम नामावलीसहित	४
▲ 1028	गीता-माधुर्य	१०	■ 677	गजेन्द्रमोक्षम्	२
▲ 915	उपदेशप्रद कहानियाँ	९	▲ 913	भगवत्प्राप्ति सर्वोत्कृष्ट	
▲ 905	आदर्श दाम्पत्य-जीवनमु	८		साधनमु-नाम स्मरणमें	१.५०
■ 1031	गीता—छोटी पॉकेट साइज	६	▲ 923	भगवन्तु दयालु न्यायमूर्ति	२
■ 929	महाभक्तुलु	७	▲ 760	महत्त्वपूर्ण शिक्षा	४
■ 919	मंचि कथलु (उपयोगी कहानियाँ)	७	▲ 761	एकै साधे सब सधै	५
▲ 766	महाभारतके कुछ आदर्श पात्र	६	▲ 922	सर्वोत्तम साधन	५
▲ 768	रामायणके कुछ आदर्श पात्र	८	▲ 759	शरणागति एवं मुकुन्दमाला	३
▲ 733	गृहस्थमें कैसे रहें ?	६	▲ 752	गर्भपात उचित या अनुचित	
■ 908	नारायणीयम्—मूलम्	१५		फैसला आपका	२
■ 682	भक्तपञ्जरत्न	६	▲ 734	आहारशुद्धि , मूर्तिपूजा	२
■ 687	आदर्श भक्त	६	▲ 664	सावित्री-सत्यवान्	३
■ 767	भक्तराज हनुमान्	६	▲ 665	आदर्श नारी सुशीला	३
■ 917	भक्त चन्द्रिका	७	▲ 921	नवधा-भक्ति	४
■ 918	भक्त सप्तरत्न	८	▲ 666	अमूल्य समयका सदुपयोग	७
■ 641	भगवान् श्रीकृष्ण	६	▲ 672	सत्यकी शरणसे मुक्ति	१.५०
■ 663	गीता-भाषा	६	▲ 671	नामजपकी महिमा	१
■ 662	गीता-मूल(विष्णुसहस्त्रनामसहित)	४	▲ 678	सत्संगकी कुछ सार बातें	१
■ 753	सुन्दरकाण्ड-सटीक	५	▲ 731	महापापसे बचो	१.५०
■ 685	भक्त बालक	५	▲ 925	सर्वोच्चपदकी प्राप्तिके साधन	१.५०
■ 692	चोखी कहानियाँ	५	▲ 758	देशकी वर्तमान दशा	
▲ 920	परमार्थ-पत्रावली	५		तथा उसका परिणाम	३
■ 930	दत्तात्रेय-वज्रकवच	३	▲ 916	नल-दमयन्ती	५
■ 846	ईशावास्योपनिषद्	३	▲ 689	भगवान्के रहनेके पाँच स्थान	४
■ 686	प्रेमीभक्त उद्धव	४	▲ 690	बालशिक्षा	४
■ 1023	श्रीशिवमहिम्नःस्तोत्रम्-सटीक	३	▲ 907	प्रेमभक्ति-प्रकाशिका	१.५०
■ 1025	स्तोत्रकदम्बम्	३	▲ 673	भगवान्का हेतुरहित सौहार्द	१.५०
■ 674	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	३	▲ 926	सन्तानका कर्तव्य	१.५०
■ 675	सं० रामायणम्, रामरक्षास्तोत्रम्	३	■ 1502	श्रीनामरामायणम् एवं	
▲ 906	भगन्तुडे आत्मेयुणु	३		हनुमानचालीसा लघु आकार	१
■ 801	ललितासहस्त्रनाम	४	■ 1419	श्रीरामचरितमानस (केवल भाषा)	७०
■ 688	भक्तराज ध्रुव	३	■ 1466	बाल्मीकीयरामायण सुन्दरकाण्ड-मूल	३०
■ 670	विष्णुसहस्त्रनाम, मूल	२		मलयालम	
■ 732	नित्यस्तुतिः, आदित्यहृदयस्तोत्रम्	२	■ 739	गीता-विष्णुसहस्त्रनाम (मूल)	४
■ 912	रामरक्षास्तोत्र, सटीक	२	■ 740	विष्णुसहस्त्रनाम-मूल	१.५०

क्रमानुसार सूचीमेंसे हटाये गये कोड नं० एवं उनकी वर्तमान स्थिति

पूर्व कोड	पुरानी पुस्तकोंका नाम	वर्तमान कोड	वर्तमान पुस्तकोंका नाम
4	सेठजीकी पुस्तकोंका पैकेट [नं० 4]		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
9	गीता-दर्पण (पाकेट साइज)	8	गीता-दर्पण, ग्रन्थाकार
24	गीता-ताबीजी (मूल) माचिस आकार	1392	गीता-ताबीजी (मूल) माचिस आकार, सजिल्द
45	एकादशीव्रतका माहात्म्य	1162	एकादशीव्रतका माहात्म्य, मोटा टाइप
46	सं० देवीभागवत	1133	सं० देवीभागवत, मोटा टाइप
79	रामलला (चित्रकथा)	1016	रामलला-चित्रकथा (परिवर्धित संस्करण)
96	श्रीरामचरितमानस (अरण्यकाण्ड-सटीक)	141	अरण्य, किष्किन्धा एवं सुन्दरकाण्ड-सटीक
97	श्रीरामचरितमानस (किष्किन्धाकाण्ड-सटीक)		
115	वरवै रामायण	114	वैराग्य-संदीपनी, वरवै रामायण
116	लघुसिद्धान्त-कौमदी	897	लघुसिद्धान्त-कौमदी
126	गीता-पदच्छेद	17	गीता-पदच्छेद, सजिल्द
143	गीता-साधक-संजीवनी (बंगला) भाग-३	763	गीता-साधक-संजीवनी, बंगला (परिशिष्टसहित)
154	ज्ञान-मणिमाला	151	सत्संगमाला एवं ज्ञानमणिमाला
158	महासती सावित्री	310	सावित्री और सत्यवान्
192	बालचित्र रामायण (ग्रन्थाकार)	1032	बालचित्र-रामायण, पुस्तकाकार
220	तर्पण एवं बलिवैश्वदेव-विधि	210	संध्या-उपासना एवं तर्पण-विधि
230	अमोघ-शिवकवच	229	नारायणकवच एवं अमोघ शिवकवच
238	कन्हैया (चित्रकथा)	869	कन्हैया (चित्रकथा) परिवर्धित संस्करण
239	गोपाल (,,)	870	गोपाल (,,) ,, ,,
240	मोहन (,,)	871	मोहन (,,) ,, ,,
241	श्रीकृष्ण (,,)	872	श्रीकृष्ण (,,) ,, ,,
308	सामयिक चेतावनी	315	चेतावनी और सामयिक चेतावनी
313	सत्यकी शरणसे मुक्ति	316	ईश्वर-साक्षात्कारके लिये नामजप सर्वोपरि साधन है और सत्यकी शरणसे मुक्ति
317	अवतसारका सिद्धान्त	318	ईश्वर दयालु और न्यायकारी है और अवतारका सिद्धान्त
319	हमारा कर्तव्य	314	व्यापार सुधारकी आवश्यकता और हमारा कर्तव्य
321	त्यागसे भगवत्प्राप्ति (गजलगीता)	304	गीता पढ़नेसे लाभ, त्यागसे भगवत्प्राप्ति (गजलगीता)
322	महात्मा किसे कहते हैं ?	270	भगवान्‌का हेतुरहित सौहार्द और महात्मा किसे कहते हैं ?
328	संध्या-गायत्रीका महत्त्व, चतुःश्लोकी भागवत	1471	सन्ध्या, सन्ध्या-गायत्रीका महत्त्व और ब्रह्मचर्य एवं चतुःश्लोकी भागवत
329	शोकनाशके उपाय	326	प्रेमका सच्चा स्वरूप और शोकनाशके उपाय
372	राधा-माधव-रस-सुधा (गुटका)	371	राधा-माधव-रससुधा (षोडशगीत) सटीक
394	गीता-माधुर्य (नेपाली)		अभी अनुपलब्ध

पूर्व कोड	पुस्तकका नाम	वर्तमान कोड	पुस्तकका नाम
415	किसानोंके लिये शिक्षा	821	किसान और गाय
441	सच्चा आश्रय		पुनः प्रकाशन नहीं
442	सन्तानका कर्तव्य	435	आवश्यक शिक्षा, सन्तानका कर्तव्य और आहार शुद्धि
446	आहार शुद्धि		
454	**Vālmīki Rāmāyaṇa (Part-III)**	452,453	**Vālmīki Rāmāyaṇa अब दो खण्डोंमें**
459	**Gita Sadhaka-Sanjivani (Part I)**	1080	अब पुस्तकाकार साइजमें
458	**Gita Sadhaka-Sanjivani, Granthakar**	1080	**Gita Sadhaka-Sanjivani**
		1081	**Book Size (Two Volume)**
462	गीता-साधक-संजीवनी साधारण	6	नवीन संस्करण छपा
463	जय श्रीकृष्ण (चित्र) बंगला		अभी अनुपलब्ध
470	**Gita Roman Bound**	1223	**Gita Roman**
475	गीता-साधक-संजीवनी, बंगला भाग-२	763	साधक-संजीवनी परिशिष्टसहित (बंगला)
490	**Gita Sadhaka-Sanjivani (Pocket) Part-II**	1081	अब पुस्तकाकार साइजमें
493	**The Gītā a Mirror (Pocket)**		पुनः प्रकाशन नहीं
505	मत्स्यपुराण (पूर्वार्ध)	557	मत्स्यमहापुराणमें समायोजित
507	देवताङ्क		पुनः प्रकाशन नहीं
512	गीता-साधक-संजीवनी	6	गीता-साधक-संजीवनी
524	ब्रह्मचर्य और संध्या गायत्री	1471	सन्ध्या, सन्ध्या-गायत्री महत्त्व और ब्रह्मचर्य
529	श्रीराम (चित्रकथा)	1017	श्रीराम (चित्रकथा) परिवर्धित सं०
530	गीताकी राजविद्या	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
532	गीताका आरम्भ		
533	गीताकी सम्पत्ति और श्रद्धा		
538	गीता-मूल, मोटा टाइप, सजिल्द	22	गीता-मूल, मोटा टाइप, अजिल्द
540	गीता-साधक-संजीवनी, बंगला, भाग-१	763	गीता-साधक-संजीवनी परिशिष्टसहित, बंगला
544	चित्र-जयश्रीकृष्ण (गुजराती)		अभी अनुपलब्ध
554	हम ईश्वरको क्यों मानें (नेपाली)		पुनः प्रकाशन नहीं
558	मत्स्यपुराण अन्तिम	557	मत्स्यमहापुराणमें समायोजित
559	चरित्र-निर्माण-अङ्क		पुनः प्रकाशन नहीं
567	गीता-तत्त्वाङ्क	2	गीता-तत्त्व-विवेचनी
575	अग्निपुराण (अधुरी)	1362	अग्निपुराण सम्पूर्ण छपा
580	गायकी महत्ता और उसकी आवश्यकता	821	किसान और गाय
585	**Gita Sadhaka-Sanjivani, Part-I**	1080	**Gita Sadhaka-Sanjivani,** नवीन संस्करण
594	गीता-माधुर्य, गुटका	388	गीता-माधुर्य, पुस्तकाकार
595	गीता-साधक-संजीवनी (खण्ड-१)	6	गीता-साधक-संजीवनी सम्पूर्ण
596	गीता-साधक-संजीवनी (खण्ड-२)		

पूर्व कोड	पुस्तकका नाम	वर्तमान कोड	पुस्तकका नाम
603	गृहस्थोंके लिये		पुनः प्रकाशन नहीं
612	गीताका सारभूत श्लोक	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
615	गीता-दैनन्दिनी रेक्सीन जिल्दमें	506	अब विशिष्ट संस्करण
618	गीताका ज्ञानयोग	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
621	Invaluable Advice	474	Be Good में समायोजित
629	गर्भपात महापाप क्यों एवं गायका कलेण्डर		पुनः प्रकाशन नहीं
640	नारद-विष्णुपुराण	1183	नारदपुराण, मोटा टाइप
652	हम कहाँ जा रहे हैं, विचार करें ?	1176	शिखा (चोटी) धारणकी आवश्यकता और हम कहाँ जा रहे हैं, विचार करें ?
654	Ganesh Number (कल्याण कल्पतरु)		पुनः प्रकाशन नहीं
697	श्रीरामचरितमानस-सटीक (साधारण सं०)	1402	श्रीरामचरितमानस-सटीक (साधारण सं०)
744	शाण्डिल्य-भक्तिसूत्र	385	नारदभक्तिसूत्र और शाण्डिल्यभक्तिसूत्र
755	सर्वत्र भगवद्दर्शनका साधन		प्रकाशनकी प्रक्रियामें नहीं
756	गणेश (चित्रकथा)	829	अष्टविनायक
773	भक्तके उद्‌गार	444	नित्यस्तुति और भक्तके उद्गार
775	सत्संगके अमृत-कण	729	सार संग्रह और सत्संगके अमृत कण
777	प्रार्थना-पीयूष	368	प्रार्थना, प्रार्थना-पीयूष
778	हिन्दू-संस्कृतिका स्वरूप		प्रकाशनकी प्रक्रियामें नहीं
780	गीताप्रेस पंचाङ्ग		पुनः प्रकाशन नहीं
781	अलौकिक प्रेम	1247	मेरे तो गिरधर गोपाल और अलौकिक प्रेम
788	गीता-साधक-संजीवनी परिशिष्ट, अ०७-१२	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
811	चित्र-नवदुर्गा बड़ा आकार	812	चित्र नवदुर्गा छोटा साइज
813	गीता-पॉकेट साइज (ओड़िआ)	1008	गीता-पॉकेट साइज (ओड़िआ)
860	मुक्तिमें सबका अधिकार	414	तत्त्वज्ञान कैसे हो, मुक्तिमें सबका अधिकार
867	भगवान् सूर्य, बृहदाकार साइज	868	भगवान् सूर्य, ग्रन्थाकार
873	गीता-माधुर्य (डिलक्स संस्करण)	388	गीता-माधुर्य, साधारण संस्करण
874	गीता-दैनन्दिनी (डिलक्स संस्करण)	1431	गीता-दैनन्दिनी (विशिष्ट संस्करण)
896	गीता-साधक-संजीवनी परिशिष्ट, अ०१३-१८	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
911	यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते (तेलुगु)		प्रकाशनकी प्रक्रियामें नहीं
944	चित्र जगज्जननी राधा (प्लास्टिक कोटेड)	1001	जगज्जननी राधा (आर्ट पेपरपर)
949	गीता-साधक-संजीवनी परिशिष्ट (अ० १-६)	6	गीता-साधक-संजीवनीमें समायोजित
957	गीता-ताबीजी (बंगला)	1444	गीता-ताबीजी, सजिल्द (बंगला)
959 से 989		.....	भविष्यमें तेलुगु पुस्तकोंके उपयोगके लिये
990	खुदरा पुस्तकें १५%		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
991	खुदरा पुस्तकें ३०%		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें

पूर्व कोड	पुस्तकका नाम	वर्तमान कोड	पुस्तकका नाम
996	सेठजीकी पुस्तकोंका पैकेट नं० 2		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
997	सेठजीकी पुस्तकोंका पैकेट नं० 3		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
998	सेठजीकी पुस्तकोंका पैकेट नं० 5		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
1000	Upanishad Number (कल्याण-कल्पतरु)		पुनः प्रकाशन नहीं
1014	गीता-साधक संजीवनी परिशिष्ट, ग्रन्थाकार	6	गीता-साधक-संजीवनी परिशिष्टसहित
1108	गीता-माधुर्य (कन्नड़)	390	गीता-माधुर्य (कन्नड़)
1132	धर्मशास्त्राङ्क		पुनः प्रकाशन नहीं
1244	.....	.....	आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
1255	कल्याणके तीन सुगम मार्ग	1447	मानवमात्रके कल्याणके लिये, कल्याणके तीन सुगम मार्ग
1336	मीरा-चरित्र		पुनः प्रकाशन नहीं
1347	गीता-दैनन्दिनी बाइवल पेपर		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें
1348	गीता-दैनन्दिनी [रोमन] 15 माह		पुनः प्रकाशन नहीं
1350	ENGLISH PRIMER		प्रकाशनकी प्रक्रियामें नहीं
1380	Discovery of Truth	1438	Discovery of Truth Special Edition
1391	Gita Pocket Size Special Edition	1584	Gita Pocket Size Roman
1403	Shiv Number (कल्याण कल्पतरु)		पुनः प्रकाशन नहीं
1404	Vishnu Number (,, ,,)		
1405	Sanatan Dharm Number (,, ,,)		
1484	Secret of Gyanyoga Special	520	Secrect of Gyanyoga
1510	सेठजीकी पुस्तकोंका पैकेट नं० ६		आवश्यकतानुसार प्रयोगमें

शीघ्र प्रकाश्य

नवीन प्रकाशन—रुद्राऽष्टाध्यायी (सानुवाद)—रुद्राऽष्टाध्यायी भगवान् शंकरकी उपासनाकी सर्वोत्तम प्रक्रिया है। गीताप्रेससे पहली बार प्रकाशित इस पुस्तकमें मन्त्रोंकी शुद्धताका विशेष ध्यान रखते हुए प्रत्येक मन्त्रके साथ हिन्दीमें अर्थ दिये गये हैं। पुस्तकके प्रारम्भमें संकल्प, गौरी-गणेश-पूजन और शिव-पूजनके वैदिक मन्त्र तथा अन्तमें उत्तर पूजन, आरती एवं क्षमा-प्रार्थना भी है।

श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्, तेलुगु, लघु आकार (कोड 911)—तेलुगु भाषाभाषी पाठकोंकी विशेष माँगको ध्यानमें रखते हुए अब इस संस्करणको लघु आकारमें भी प्रकाशित किया जा रहा है। मूल्य रु० १ पूर्वप्रकाशित कोड 670 (पॉकेट साइज) भी अलगसे उपलब्ध।

वातावरणका प्रभाव

बालक श्रवणकुमार अतुलनीय मातृ-पितृभक्त थे। जीवनकी संध्यामें उनके अन्धे एवं वृद्ध माता-पिताने तीर्थयात्राकी इच्छा प्रकट की। उन दिनों यात्राकी आधुनिक सुविधाएँ न थी। आज्ञाकारी श्रवणकुमार उन्हें काँवरमें बैठाकर पैदल ही उनकी तीर्थयात्रा पूरी करानेके उद्देश्यसे चल पड़े।

ऊजड़ वन, मंजुल सरिताएँ, अनेक अजनवी प्रदेश मार्गमें पड़े। माता-पिताकी एक इच्छाकी पूर्तिके लिये श्रवणने श्रम, थकावट, भूख-प्यास आदि अनेकों कष्ट सहे, पर उनकी यात्रा कर्तव्यपथपर निरन्तर चलती रही। माता-पिताकी सेवाकी उत्कृष्ट भावना उन्हें मार्गकी प्रत्येक कठिनाईपर विजय दिलाती रही।

मार्गमें एक स्थान आया, जिसे जहाजपुर कहते हैं। इस स्थानकी सीमामें पैर रखते ही श्रवणके मनमें एक अजीब परिवर्तन हुआ। स्वार्थ और संकुचितताके विषैले विचार चारों ओरसे आकर उसके मष्तिष्कमें उपद्रव मचाने लगे। वह सोचने लगा—'मैं इन हाड़-मांसके पुतलोंके लिये क्यों वन-वनकी खाक छानता फिरूँ? ये अब कितने दिनके मेहमान हैं, मैं क्यों इनके लिये संकट सहूँ। तीर्थयात्रा हो या न हो, मुझे इससे क्या लाभ होगा? मैं तो अब इन्हें यहीं छोड़कर वापस लौटता हूँ।' इस प्रकारके विषैले विचारोंमें डूबकर श्रवणने माता-पिताको आगे ले जानेसे इनकार कर दिया।

श्रवणके माता-पिता विस्मित थे। श्रवणके विचारोंमें अचानक यह परिवर्तन देखकर उनका मन संकल्प-विकल्पसे भर गया। श्रवणके पिता समझदार थे। उन्होंने विचार किया—'श्रवणका मन वातावरणके प्रभावसे परिवर्तित हो गया है। यह जमीन पापपूर्ण विचारोंसे अभिसप्त लगती है।' फिर वे श्रवणसे बोले—'पुत्र! तुम हमें जहाजपुरकी सीमासे बाहर कर दो। फिर हम स्वयं कहीं चले जायँगे। जहाँ तुमने हमारे लिये इतना श्रम किया है थोड़ा कष्ट और स्वीकार कर लो। सीमासे बाहर होनेके बाद हम तुमसे कुछ नहीं कहेंगे।'

बेमनसे श्रवणने काँवर उठा ली। जो काँवर उसे हलकी-फुलकी

लगती थी और जिसे वह मीलों बिना थकानके उठाकर लाया था, वही उसे अब भारी लग रही थी। जिस माता-पिताका बोझ वह श्रद्धासे तन्मय होकर अविरामगतिसे ले जा रहा था, वही उसे कष्टप्रद लग रहा था। श्रवण मन-ही-मन सोच रहा था, 'थोड़ा-सा इलाका है, अभी थोड़ी देरमें इसे पार कर लूँगा। इस स्थानकी सीमासे बाहर होते ही व्यर्थकी यात्रासे पीछा छूट जायगा।'

आधे घण्टेकी यात्राके बाद जहाजपुरकी सीमा पार हुई। अब वह एक नये इलाकेमें प्रवेश कर रहा था, पर यह क्या? उसके मनमें फिर परिवर्तन शुरू हुआ। अपने मनमें नये परिवर्तनको देखकर उसे आश्चर्य हो रहा था। नये प्रदेशके वातावरणमें उसमें कर्तव्य-बुद्धिका प्रकाश फिर जगमाने लगा। उस दिव्य प्रकाशमें उसे माता-पिताके प्रति की गयी अवज्ञा और भूलका ज्ञान हुआ। उसे अपनी कुबुद्धि और कुतर्कपर पछतावा होने लगा। वह सोचने लगा—'ओह! मैंने अपने देवस्वरूप माता-पिताको कटुवचन कहकर कितना भयंकर पाप किया है। कर्तव्यकी कितनी अवहेलना की है। मेरे वचन कितने अनुचित थे; यह कृतघ्नता और कुबुद्धि मेरे मनमें कैसे प्रवेश कर गयी?'

श्रवणको दु:खी देखकर उसके पिताने उसे समझाते हुए कहा—'श्रवण! इसमें तुम्हारा कुछ भी दोष नहीं है। यह सब यहाँकी दूषित भूमिका प्रभाव था। इस जमीनके वातावरणमें अनेकों वर्षोंके कुसंस्कार फैले हुए हैं। इसमें बहुत दिनोंतक कपटी, धोखेबाज तथा स्वार्थी व्यक्तियोंका निवास रहा है। इस प्रदेशकी विषैली वायु और दूषित वातावरणमें रहकर कोई भी मनुष्य दुर्भावनाओंसे परिपूर्ण हो सकता है। इस बुरे वातावरणके कारण ही तुम्हारी बुद्धि भी क्षणभरके लिये कुसंस्कारोंसे दूषित होकर बोझिल हो गयी थी और तुम्हें कर्तव्यपथका त्याग करनेके लिये प्रेरित कर रही थी। इसमें तुम्हारा कोई भी दोष नहीं है। तुम्हारी मातृ-पितृभक्तिमें कोई कमी नहीं है।'

यह सुनकर श्रवणको कुछ संतोष मिला और वह माता-पिताको लेकर पुन: आगेकी यात्रापर चल दिया।

नवीन प्रकाशन—छपकर तैयार

श्रीमद्भगवद्गीता-सटीक, विशिष्ट संस्करण, लघु आकार (कोड 1556)— पाठकोंकी माँगको देखते हुए यात्रादिमें साथ रखनेयोग्य एवं नित्य पाठके लिये उपयोगी इस संस्करणको अब अत्यन्त पतले कागजपर आकर्षक साज-सज्जामें प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ५

श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित) पॉकेट साइज, कोड 1599— इस स्तोत्रका पाठ कोटि जन्मोंसे सञ्चित पापोंका शमन करनेवाला और भगवान् शङ्करकी भक्ति प्रदान करनेवाला है। मूल्य रु० ५, पूर्व प्रकाशित (कोड 704), (कोड 1576) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

श्रीहनुमत्सहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित) पॉकेट साइज, कोड 1601— इस पुस्तकमें सभी कामनाओंको पूर्ण करनेवाले विभीषण-विरचित हनुमत्सहस्रनामस्तोत्रके साथ संकटमोचनस्तोत्रका भी प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ५, पूर्व प्रकाशित (कोड 705) भी उपलब्ध।

श्रीगणेशसहस्रनामस्तोत्रम् (नामावलीसहित) पॉकेट साइज, कोड 1600— इस पुस्तकमें गणेशजीके उपासक भक्तोंके सुविधाहेतु गणेशसहस्रनामस्तोत्रका प्रकाशन किया गया है। मूल्य रु० ५, पूर्व प्रकाशित (कोड 712) भी उपलब्ध।

ईशादि नौ उपनिषद्—सजिल्द (बंगला) कोड 1603— तत्त्व जिज्ञासुओंके कल्याणार्थ इस पुस्तकमें (ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैत्तिरीय, प्रश्न तथा श्वेताश्वतर) नौ उपनिषद्‌ोंको एक साथ संगृहीत करके प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ४५, (कोड 66) हिन्दी भी उपलब्ध।

कन्नड़ भाषामें पुनः छपकर तैयार

भगवत्प्राप्तिकी सुगमता (कन्नड़) कोड 593— भगवत्प्राप्तिके सुगम साधनोंका प्रश्नोत्तर शैली एवं बोल-चालकी साधारण भाषामें प्रकाशित हिन्दी पुस्तकका यह कन्नड़ भाषामें सरल अनुवाद है। मूल्य रु० ६, (कोड 407) हिन्दी, (कोड 881) मराठी, (कोड 1327) गुजरातीमें भी उपलब्ध।

वास्तविक सुख (कन्नड़) कोड 598— यह पुस्तक नागपुरमें परम श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजद्वारा मनुष्य-जीवनका उद्देश्य, भगवान् प्रेमके भूखे हैं, दृढ़ निश्चयकी महिमा आदि विषयोंपर दिये गये प्रवचनोंका कन्नड़ भाषामें सरल अनुवाद है। मूल्य रु० ५, (कोड 409) हिन्दी, (कोड 1268) ओड़िआ, (कोड 1243) तमिलमें भी उपलब्ध।

अप्रैल मासके नवीन प्रकाशन

हरिवंशपुराण [केवल हिन्दी] (कोड 1589)—भगवद्भक्ति एवं संतति-कामनाको सिद्ध करनेवाले इस ग्रन्थको अब पाठकोंकी माँगको दृष्टिमें रखकर **(मोटा टाइप) केवल हिन्दीमें भी** भगवान्‌के आकर्षक चित्र, मज़बूत जिल्द आदिसे युक्त करके प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० १५०

गीता-रोमन [पॉकेट साइज] (कोड 1584)—अभीतक गीता रोमन पुस्तकाकारमें ही उपलब्ध थी। अब इसे **पॉकेट साइज** में भी प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० १०, पूर्वप्रकाशित पुस्तकाकार भी अलगसे उपलब्ध।

गीता-प्रबोधनी (कोड 1590) विशिष्ट संस्करण—श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रस्तुत गीताकी इस संक्षिप्त टीकाको अत्यन्त पतले कागजपर आकर्षक आवरण-पृष्ठसे युक्त करके विशिष्ट संस्करणमें प्रकाशित किया गया है। पुस्तकके प्रारम्भमें पाठकी दृष्टिसे ध्यान एवं न्यास आदि भी दिये गये हैं। मूल्य रु० २० पूर्वप्रकाशित **कोड 1562,** मूल्य रु० ३० एवं **कोड 1546,** मूल्य रु० १५ भी उपलब्ध।

सुन्दरकाण्ड [मूल] मोटा टाइप—आड़ी साइज (कोड 1583)—पाठकोंकी विशेष माँगपर इस संस्करणको **स्पष्ट टाइप एवं लाल रंगमें** आड़ी साइजमें प्रकाशित किया गया है। मूल्य रु० ६

सत्संगके फूल (कोड 1598)—प्रस्तुत पुस्तक श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके प्रवचनोंसे संगृहीत विभिन्न कल्याणकारी विषयोंकी उपदेशात्मक सूक्तियोंका सुन्दर संकलन है। यह पुस्तक भगवत्प्राप्तिके दिशा-निर्धारणमें सबके लिये सहायक है। मूल्य रु० ९

चिन्ता-शोक कैसे मिटें ? (कोड 1597)—प्रस्तुत पुस्तकमें दुःखकी आत्यन्तिक निवृत्ति एवं भगवत्प्राप्तिके सुगम साधनोंकी सुन्दर व्याख्या की गयी है। ब्रह्मलीन परम श्रद्धेय श्रीजयदयालजी गोयन्दकाके प्रवचनोंसे संगृहीत यह पुस्तक आत्मोद्धारका सुन्दर साधन है। मूल्य रु० ८

साधकमें साधुता (कोड 1595)—प्रस्तुत पुस्तक व्रजभूमिकी महान् विभूति एवं अनुभवी संत पं० श्रीगयाप्रसादजीके अनुभवसिद्ध आध्यात्मिक विचारोंका अनुपम संग्रह है। '**कल्याण**' में शृङ्खलाबद्ध-रूपसे पूर्वप्रकाशित व्रजभाषाका यह आध्यात्मिक संग्रह संसारके बन्धनोंसे मुक्त होनेमें विशेष सहायक है। मूल्य रु० २०

अब उपलब्ध—श्रीकृष्णलीला (राजस्थानी शैली)

श्रीकृष्णलीला [राजस्थानी शैली] (कोड 1114)—इसमें अठारहवीं सदीके प्रख्यात चित्रकारोंके द्वारा निर्मित भगवान् श्रीकृष्णकी विभिन्न लीलाओंके ३६ चित्र एवं उससे सम्बन्धित कथा राजस्थानी, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषामें दी गयी है। २८×४४.५ से०मी० के आकारमें मोटे आर्ट पेपरपर प्रकाशित इस पुस्तकके चित्र प्राचीन भारतीय चित्रकलाके अनुपम नमूने हैं। मूल्य रु० १००

छपकर तैयार—गीता-प्रबोधनी [विशिष्ट संस्करण]

(कोड 1590)—श्रद्धेय स्वामी श्रीरामसुखदासजी महाराजके द्वारा प्रस्तुत गीताकी इस संक्षिप्त टीकाके **संवर्धित तथा संशोधित विशिष्ट संस्करणको** अब अत्यन्त पतले कागजपर छापा गया है। मूल्य रु० २०, (पूर्वप्रकाशित **कोड 1562**, पुस्तकाकार, मूल्य रु० ३० एवं **कोड 1546**, पॉकेट साइज, मूल्य रु० १५ भी उपलब्ध)।